## মহাভারতান্তগত বিরাটপর্ব

## মহামহোপাধ্যায় **জ্ঞা**মদ<del>জ</del>ুনমিজকুত বিরাটদীপিকা সহিত।

ক্ৰিকাভা,—ব্যাইনগৰ, পাৰপাড়া-চতুন্গাঠীৰ অধ্যাপক "হিন্দ্-শংকৰ্মালা" প্ৰভৃতি গ্ৰন্থ প্ৰকাশক শীমমুগনাথ সুভিরত্ন ও শীউপেন্দ্রনাথ সুভিতীর্থ কর্তৃক সংশোধিত। **এই মুক্ত সভীশচক্ত শীল ঘারা ১**০৫নং অপার চিংপুর রোড, কলিকাভা হইতে প্রকাশিত।

मदीय मः क्रद्रव्।

ववारूनमव--हिस्-मश्कर्षमाना त्थात खैवित्नाषविश्वी षात्र बात्रा मुक्रिक। मन ३७०१ मान । देवनाथ। THE REAL PROPERTY.

म्कण्य-विधि।

षामुरक शतक षामुक फिरथो षामुक গোত্তত প्रयुक प्रमुक प्रतमर्भाशभोगका षिष्ठोत्तिशक्ति

শ্বৎ সম্ভল্লিভ সোপকরণ বংশভরী চতুইয় সহিত সোপকরণ রুষোৎসর্মাক হোমীয় হৃবিরক্ষয়ছ কামো দশ্ধা "মহাভারত" নামে।চোরণমহং করিষ্যামি। "মহাভারত" द्यानकत्रम ब्रवारमर्गाक ह्यामीत्र हिन्तकत्रक काम: ख्रीकृकदेषमात्रमाष्ट्रियान मर्दात द्वपन्नाम

विक्रुत्ताम् ७९ मममाग्रत्क गात्रि वाग्र्क नाक व्यम्क जिल्लो व्यम्क लाज्ञ व्यक्ष्य অমুক দেবশরণোহনোচান্তাদ্বিভীয়েহফি মৎ সকলিত সোপকরণ বৎসতরী চতুরৈ সহিত

<u>এই नाम मन्दरात क्ल क्रिटर।</u>

विवाहेशक् भाठेमाविध । वृष्यारमार्गव मक्झ (षाममणांभ विन्तु-मरकर्ष्यमानांग प्रथ)

করিয়া, মহাভারত নামোচ্চারণ জন্ত সংকল্ল করিবে,—বিষ্ণ্রোম্ভং সদদ্য অমূকে মাসি

শ্ৰেটাক কল্লাখ্য মহাভাবভাস্তর্গত ও কলমেকল উবাচ। কথং বিরাটনগারে মম প্র্ব পিতামহা ইত্যাদি নগরং মংক বাজক ৩৩তে ভবতর্ষভ ইত্যক্তং বিরাটপর্ব পাঠনামহং क्तियामि ।

ধান মহৰি বেদব্যাসপ্ৰোক্ত জ্যাখ্য মহাভাৰতান্ত্ৰগত বিরাটপৰ্বীয় ও জনমেজয়উবাচ কথং কভিপয়শ্লোকপাঠস্থানে।—অদ্যেড্যাদি—হোমীয় হবিরক্ষয়ত্তকামঃ আকৃষ্ণদৈশালি-বিরাট নগরে মম পূর্ব্ব পিভামহা—ইভ্যাদি কভিণ্য শ্লোকপাঠনামহং কবিষ্যামি। नांद्रोयनः नमञ्जूषा नद्रोक्षय नर्दाष्ट्रमः। मित्रीः मनय्ष्तीः द्रामः एर्छा क्युमुनीवायः ॥

डे नाबोधनीय नमः, डे नह्वाख्यांग्र नमः, डे एम्टेवा नमः, डे मवयटेडा नमः, डे त्वक्वाांमाय्र नमः।



ওঁ নমো গণেশার জনমেজয় উবাচ । কথং বিবাটনগরে মম পূর্বশিভামছাঃ। পভিব্ৰতা মহাভাগা স্ভ্ৰু ব্ৰহ্মবাদিনী। ল্কাভিবাস-মুখিত। গুৰ্যোধনভ্যাদিতা: ।

क नयः व्यक्तिकायः। भाषाभाष्त्रकाःभाषा-बाद्रकतम्। स्वाद्रका क्षांब्रह्म क्षत्रका । Cae शागवटाबीर्किविषयी विभाष । हथक्यी कि न वा कछ कछा भि कन्त्रः यनः । वक्तः मृनि-क्सुक दहनः कीशनीबरभः। षाक्षनः मज्जनमृत्याः दाक्षनः बाजनिषः। दोहरता छ्वताहिज्ञाचाद জৌশশী চ কথং অক্ষয়জাত। ফু:খিতাহ্বসৎ (১)। বৈশশ্যায়ন উবাচ। যথা বিরাটনগরে

্যা কিছে-রাশিকিরণমালিনে। এনেব্যাধণালাদি-ভাভোগদেশসেবিদা। কিয়ডেইক্র্নিমশ্রেণ বিহাটপর্ক-ক্রিকা। ১ দীপিকা। (১) কণং বিরাটনগরে ইত্যাদি সভাং বিরাটভা ভতোইভিজন্ম রিভ্যন্ত বিবাটপর্কণ: চতুর্কর্পমাথনী (১) कथः विविधिनगरत हेन्छामि मनाः विविधिक एएकाश्किमप्रविज्ञा विविधिनस्थः हर्क्सर्गमायनी दिवाहैनगरत हेजारमः मरसं (यजनामिडायम षामांक्यामनिस्राधमा कर्मागित्रश्रह। एवा ह यार সভোক্ষত প্ৰন দেববোধ ড জামহে। অভানতিমিবাডোদম্ভবে ব্যাসভানবে। নমো নবরস-ভূকা সভাং দৃতেক্ষলেন প্রকালান্দি ক্ষাত্নাস্কর্য্তা প্তিকালাং ন হাত্র্মিতার্ণ। তথা কাৰ্বহাযুগগতত্তোপকীবিন: এভ্সীণনং শ্ৰেমঃসাংনমিতি বিয়টিপ্ৰীভয়ে যুথিটিরাদীনাং সভাভারত্ত 🏂 ক্রদ্বীচয়:। মাব্যিচার্গ নো বেদ বেদব্যাসবচোহর্ণবং। বেদব্যাসম্থাজোক-স্লিতং বাল্যাস্তম্। हेि छार नशार्थः। क्यर विश्वामिनशत्त्र मम श्र्कानिष्याष्ट्राः। भाकाष्ट्रयाम्ब्रिष्ठा ध्रद्गायन्त्रमाभिष्याः। ভাৰ পূৰ্বণিভামহা:। অংজাতৰাসমূষিতা-ভাচচ্পুধ নরাধিপ। তথা তুস বরু'লিজা, ধৰ্মা-ক্রমভ্তাম্র। গ্রাশান্ বান্দ্রেভা-আচিথা) সর্বমেব তৎ। কথরিছাতু তৎ সর্বা, বান্দ-

শেভ্যো ব্থিষ্টির: ॥ অনশীসহিতং (২) তথ্য আমাণায় ফাবেদয়ং ॥ ডভো ব্থিষ্টিরো রাজা ধর্মপুত্রো মহামনা:। সরিবর্জাফুজান্ (৩) সর্কানিতি হোবাচ (৪) ভারত।

नष्ट् वनत्मवन्त्र भाक्षतः कथः भिष्टामहा हेष्ट्राहात्व मम् भूक्ः भिष्ठा भवीकिर कण भिष्ठामहात्त्र ভৰ্তি মনেত্যৱায়মূলুক্সমাপোৰা। অভাত্ৰাসং কুৰ্ভঃ। (২) অৱশীস্তিতং অৱশীষ্কাং তবৈ আহাৰণাৰ বভাৱকীনহিতঃ মুগত্নশী ধৰ্ণো ৰহাৰ তবৈৰ ইতি বোৰ্নান্। অনুবীসহিতঃ মছ্মিতি পাঠে लाहा १९ मिक शानमान में वानिकामार था मह हि एकाः। भूक्ष्यक्षमात्रभारक छ षात्रीमहितः महः जाचान-मुब्रिक्स हेष्टि भार्ट क्षांत्रभः मत्रीभयानीत्त्रस्तृष्ट्ः मानिभृष्टः क्य्षाष्ट्ः मयोभवष्टनः। ( ८ ) हेज्सिवारकष्टि ইডিহ্যযুদ্ধ বৃদ্যানাৰ্থকুৰুণ প্ৰকাশগতি অব্যুৱানামনেকাৰ্ছাৎ। (৫) যুৱেমা বৃস্তী: -সৰ্কো कृर्यमः। म माध्रु कोटका हो हा वाममञ्जून त्रां हम। मध्यमप्रमाम् य ब वरममा-विषिष्ठाः ্ত্র প্রেঃ (৫) । অব্দুন উবাচ। তথ্যেব বরদানেন ধর্মায় চ মহাস্থন:। অব্জাতা বিচরিষ্যামো जाबिरहाबिन हेजि (७) मनिवर्छ टकाथानिज टमकः। मन्नित्व हेजि गार्ट वर्षाश्रमः टबमनिषा দাদশেমানি ব্রগিণি অবাষ্টাৎ প্রাধিত। ব্যুম্∥ অয়োদশেহিয়ং সংপ্রাপ্তঃ কৃচ্ছাৎ পর্ম-

ষ্ত্ৰেভি পাঠে স্পষ্টাৰঃ। ( ৬) অকাডা নরাণামিডাবয়ঃ। ( ৭) বোচর ফ্চিমিমাং কুক। ( ৮) পরিভঃ কুতুন্পরিশক্ষোপাক্তীয়া সমভতভ পরিত ইতামরঃ। (১) অবভিকভন্মনী। (১∙) রমধীয়া কচি হেছুৰাৎ শিবং ক্ল্যাণ্ডাৎ হুৰং পুণাহেছুৰাৎ। (১১) অকুডোভবৈঃ নাজি কুডোছশি ভবং ধেৰাং ৰ্সামোহবিদিত। ইতি বা পাঠ:। ইমা: ব্টাধিকশত মহাবিজ্যা বদতী রাজী: ঘত ধৰিকেশ বসামো ৰংজামঃ সংপ্ৰভোষ বৰ্ষমান্সামীপো বৰ্ষমানব্জেভি লট্ বস্তী রাজিবেশনেগ্ৰিভাষরঃ। সংবংসরমিমং अ वरक्कारमा बज बारकल मधरमर्गमभ रज्ञा । युनिछित छैरा । जरमण्यश्रामा स्था म मिनः स्थः ( ১० )। मचक्का महिरेष्ठः मरेर्द-रब्दा-मक्राजाण्याः (১১) ॥ मराज्या विवारो cue वा कि कि क दार का (4) । मस्थि यमा। सम्मामा वस्त्रमाः भनिष्ठः क्रमम् (৮)। भाकामा-কুজিরাষ্ট্রং ফুবিকীর্ণ, ফুবাষ্ট্রাবস্তুষত্ত্বা (৯)। এতেয়াং কতমো রাজ্সিবাসস্তব রোচতে। ভাগৰান্ প্ৰভূঃ। অনুবীৎ সৰ্বভূতেশ-স্তত্ত্পা ন ভদজ্ঞধা। অবভাগেৰ বাসাধং রমণীয়ং শেচদি সংস্থাশত শুরসেনা: পটচেবা:। দশাগানব [নব] রাষ্ট্রাশ্চ সল্লা: শাবা সুগছরা:।।

निवरक्रामि महनात्रमान् ( ১७ )। वित्राष्टेत्रावाः ( ১৭ ) त्रमम्न मामाख्यः मह वाक्यां। न ह सिंगोपवनः। देवम्बीन् काकनान् मांखान् करैनारकाणिवदैनः मह। कृकाक्।रव्राहिकाकारिक मुक्रांकात्ता ( ১৫ ) कवियाति कन त्रास्मा महाच्याः । कंटका नाम-विटका कृषा मकाकः म्ह्रा कर क्षितावि कर थि क्ष्मामनाः। विस्वि प्रमुक्तानाः शुक्रम्बाः

 প্রীড়াঅনিতছ;ববভাবো বা। বহাজো বছপ্রদ এব ফ্র্বিগাল্ললেক-লানশৌঙা বছপ্রদ ইভারর:।
 প্রীয়ান্ অকর্ব্যায়িবৃত্ত:। সভাসকরং সভ্যং সংসিরতি সভাগ্রিভিয়:। প্রভিজ্ঞালিস্থিলপিংহ স্বর:।
 ইভাতিগানিকা:। এবস্তুত্ত তব কবং পরসেবানির্বাহ ইতি ঘুণ্টিরং প্রতি অক্নভাতিপ্রার:। কৃপটাছিলে নাম প্রকাতে দ্বল: ক্রিয়ছাং। মতাক: ভাতপাশক:। বিলের দেবিতা মুডকারে। क्छ। देवप्रीत्म विष्वेप्रियाख्याम् काकनाम् काकनाज्याम् द्यायात्रापृकान् या क्टेनः भाषिन्धेदेकः ट्यांग्रधीयटेनः भागमाखनगर्रटेवस्। स्टेनः ट्यांखीयटेनः नर प्रशं ह, स्यह प्राधीक्टनं महन्त्र त्वसूर्य क्षीं मिन्द्रका । चत्नी मिन्दाक्त त्वालिः श्यान् मृत्वे नश्लकिति त्वाकः। उठ्यात्म्यक्षिकः। ें (>८) महाधातः महाधामः छवाधिकृष्ठ हेष्टि सावर। ( >०) करका नाम विरम्ना कृत्मिकि ककः जार

अवा। देखि वक्षाति मुर्गांखर यिष भार त्योऽसूर्यमकारक (১৯)। हेरखांखरदा भन्नां कांचर শাং বেংভাভে (১৮) কনিচভোষরিয়ে চ ভং নৃশষ্ট আসং ম্থিজিরভাহং পুরা আশিসমঃ

(>) ट्लीटबांशस्य व्यवस्थितिस सवस्या नाम नामकः। क्याधारका नाम व्यक्तिको नामका अस्त्रका द्रमिष्यकि। (১৯) षष्ट्रशम्मकि श्रम्मि । न ६ वाष्ट्रमाश्यमिष्यक्षिणात्मिश्रम्भामकाश्वनमः आभि ভীমদেন উবাচ। পৌরোপবো ক্রবাণোহহং বল্লবে। নাম নামভঃ। উপস্থাক্তামি के काषानः विद्योगिष्ठि त्य मण्डः (১)। स्थानक (२)। कदिवागि क्नालाइन्य महानरम। কৃষ্দ্ গোহিডাকাডে কৃষ্ণোহিভবণভিয়ান্ শারীন্ নিবৎভাষীতি যথায়ানং নিবেশমিয়ায়ি বিধাভাষীতি वा भाठेः ( ১१ ) विद्यष्टिद्राचः विद्यष्टिनाया द्याचा यशुगषरमानी ज्यानः हेः न्यानाचः । ( ১৮ ) त्यत्प्रध हेि श्रिमश्राधात्र म्हमार्याः माश्रिषाः देवम्भिकाः विनाहेभक्षि वाम-क्रांत न्सीवनागश्रत ज्ञानकारवायाचावार। (२०) विद्यारं विद्योजन्योरण श्रिक्तवाकाम्। • । किंद्वियामार्थः यथा। वृष्कामत्र विवाटि (२०) षः वश्यात्म एकन कर्षा।। अस्तिक्ष्य वृषिष्ठिवर्गकार नाम क्षणएमरिशायः । ১। क। ज्ञासम्बद्धाः । अस्तिकान्तिकारमान्त्रः स्था

প্র ভবিষ্যামি ডথেমারঃ। ছিপা বা বলিনো রাজন্ বৃষভা বা মহাবলাঃ। বিনিপ্রাহ্মা এ কামি মুয়া নিপ্রহীষ্যামি ডানপি। যে চ কেচিরিযোৎশুস্তি সমাজেমু নিষোধকাঃ (৬)।, প্র ডানহং নিহনিষ্যামি রভিং ডন্ড বিবর্জয়ন্। ন জেমান্ ব্ধ্যমানান্ বৈ হনিষ্যামি ১৯ কংগঞ্জন। আগ ডান্ পাভিয়িষ্যামি যথা যাশুস্তি ন ক্ষয়ং। আরালিকে। গো বিক্র কুভগুৰ্কাণি ৰাজত ব্যঞ্জনানি হুশিক্ষিতঃ। ভানপ্যভি-ভবিষ্যামি শ্ৰীভিং সংজনমূল্য্য। बाहितियामि माक्रभार निष्ठमामहर्र्डाश्भ ह (७)। यरस्थिका विश्वार (८) कर्ष्य ताबा শ্রীতো ভবিষ্যতি (রাজা সংযোকতে সমং)। অমায়্যাণি ক্র্াণং ভানি কর্ণাণি ভারত। রাজজ্ঞ পরিপ্রেয়া মংজ্জে মাং ভূশং নৃপ্য্(৫)। ভক্ষ্যায়রসপানানাং

ইতি ক্ৰাণো বদন্ উপফাজামি। (২) ফ্পান্ ব্যঞ্নাদীন্। (৩) নিচয়ান্ য়ালীন্। (৪) বিপূলং मक्रमा (८) मन्त्राटक काजिक कुन्त यथा जार। (७) निर्मारजिक याह्ना (मारजिक। निरम्भकाः ৰাছবোদিনো মলা ইত্যৰ্থ:। ( ৭ ) আবালিক। গোৰিকৰ্তা ফ্ৰক্তি। নিষোধক:। আসং মুদিটীরভাহ্ क्लकर्का निरमायकः। सामः मृषिष्ठितकाश-मिष्ठ तकानि [ शृष्क्षाः] न्राकनि ( १ )।

্রা সংশ্রোভীতি ঠক আরালিক: আরাল: কুটিুমে সজো রসে চ মন্তচ্তিনি ইতি বিশ:। অথবারালিক: পুরুতীনাং গুণুমোষসূচক: হুছিনাং মদকো বা তথাচ বিক্রমাদিডা:। আরালিক: স্চনকো হুছিনাং মৃত্তভুগা ইতি। পোবিক্তী পৰাং মন্তবুষাণাং যুদ্ধ বিক্তী নিবারক: অথবা পোউমেপ্রামনগরপুর-পুটো বভাগি হালনি। আরালিকো ভকেন্দ: অথবা রাজ: প্রাণ্যোহনিযুক্ত: য্যালানং পানক্রণং পভন্দেটৰকাদেবিভাগ করী ধ্বা গ্বাং গ্রুপজুম্মুত্পাকুডাগ্রংশ্পৈশাচিকললিডগুকুরুসাহিতাগুকুর ভক্ৰৈদিকদৈশিকানাং বাচাং বিশেষেণাৰ্ডে। এছ্ডদ্ড কৰ্জা এয়োগনিপুণং পর এয়োগ্রাণিশেষবিচ্চ **উত্তৰ**, পণিত তান্য প্ৰং আছি চীয়সেন্ম বিক্ষম্ম। প্ৰাং ক্লানাং বিশেষকোৰ। স্পক্তী ব্যঞ্ন কৃৎ আখানমাজনা রকংশচরিষ্যামি (৮) বিশাম্পতে। ইভোতৎ প্রভিভানামি বিহরিষ্যাম্যহং পুল: ফুদশাল্লজো বা। নিধোধকো বিশেশে বাছশালুপার্যাহারিৎ পরতালার্জবিহারতাবীনবিচে। উত্তৰ ভীষদেনলয়ে বাতি প্ৰয়োকভয়োৱণি। শল্লে প্ৰহুৰণে জানে ঔষসে অধিণে ডাগেডি। का ८७ झोषझुष्टि कक प्रमिष्टि शृष्टी रक्तामि ब्रामनीषि क्षीनि नधमी (৮) त्रक्त् ७८% क्सीन्। अस्था । मृथितित छैबां । यमग्रियं मिट्या कृषां नमांशक्तम् याः बत्रम् । नियम् । पाध्याः দাবং (৯) দাসাই সহিতং পুরা। মহাবলং মহাবাত-মজিতং কুকুনজনম্। সোচয়ং কিং

্রা প্রভগভাং শ্রেষ্টো দ্বিপদাং আদ্মণো ববং। আ্লামিবিশচ সপ্ণাণ-(১১) মগ্নিজ্ঞেদিসনাং ব্রং। অধ্যান্দ্রিং শ্রেষ্টাং পর্ক্যোংশ্চ গ্রাং বরং। হুদানামূদ্রিং শ্রেষ্টাং পর্ক্যোব্রাং ব্রং। গ্রাং। পূজ্য প্রাণাম্থিকো ভাষ্যা (३३) मानीविष्क मुनीवाः मानी राष्ट्री उजाः विषः यज्ञ मुनीः मामाज्ञकाञ्छः। (३१) ६६/दिनमः मुख्यार वता। यरेष्डानि विमिष्ठानि काड्यार काड्यार वृत्कानता। अवर प्रवा क्ष्यात्कमः **্ষেতঃ: সর্ক্ষন্ত্রনাডাং (১২)। সো**ইমমিল্রাদনবরো বাস্থ্দেবাচ্চ ভারত (১৩)। গাণীব-(३) शांवर बनर। (३०) त्यांकेः अध्विष्गाः नामः अध्विष्गाः त्यांका नात्रकाषकः नाम अभिकः। के ट्यांडेंट [ यः व्यक्तियांथानाः ] व्यक्तिय्थाः नाम ( ১॰ ) मार्थक्नाः किः कतियाजि। स्थाः বিজিটেডাকরখেনেক্রং হছা পর্মরাক্রমান্। বাস্থকে: সর্পরাজন্ত স্বসারং হাতবাংশ্চ য়ঃ। কর্ম কৌডেয়ঃ ক্রিষ্ডি ধনজয়:। বোহ্যুমাসাদ্য জং দাবং তপ্রামাস পাবকং।

स्या त्याताया वीष्टरम्: कि: कत्रियां । छेविषा भक्षवर्षाणि महत्याक्षण त्यानिः।

ভারক্রালোগায়ন্ (১৫) মাছ্যাতুতং মাছ্যলোকেথ্যচারাৎ। (১৬) গ্রামিব ব্র: কুড়া বচ্ছা ন সাব্যে চ গ্ৰামিৰ বহুঃ কুভঃ (১৬)। হিম্বানিৰ শৈলানাং সমূদ্রং সরিভামিব। ত্রিদশানাং জুল্ম শক্রেন বস্থনামিব হব্যরাট হিব্যবাটী মুগাণামিব শাদিলো গরুজান পভডা-व्यमृत्र व्यत्नवत्र हेषि गार्ट त्रमृत्य जवार्षः च्यवत्र हिण् गार्ट करार्थः चयत्र काणः है खाषितः वार्षः टक्कांक्र्म वाच्टलदः नवनावावनटगटेक्कार वित्मवत्नाक्ष्यक्क्वांक्ष्या (१६) पद्धत्वाक्षरं महा শিষ (১৭)। বর: সম্ম্যমানানাং সোহজ্জন: কিং কবিষ্যুতি। আজন উবাচ। প্রভিজ্ঞাং ওড়া সুহী ডৰং কেশা যতা স তথা ওড়াক। নিয়ে। ততা ঈশ: কিডনিয়ে ইছাৰ:। অৰ্থা অড়াকায়। ৰ্ম্পুৰিদ্যোতি অভেএৰ স্কাণ্ড্য'ৰাণাং শ্ৰেঠঃ। (১৩) সোহ্যমিজাদনৰবো বাস্দেৰাচেভ্যাদি অনেৰ্মঃ শ্বখা শারেক। বকুনামিব হব্যরাট্ [হব্যবাট্] মুগাণামিব শার্দ্রলা গরুত্থান্ পতভা-ক্রতেশন ভাষ্ডা। বং মল্ডে বাদশং ক্রে-মাদিড্যানাং এয়েদশং। বস্নাং নবষং महस्र काशानाः प्रमानः एना। यस्त्र नाशूनामो नीर्यो क्रामाज-क्षिनक्ष्णी। मन्मिरन किय অন্তবোগং সমাসাদ্য (১৪) অবীধ্যানাসুষাভুতম্ (১৫)। দিব্যাগ্রস্তানি চাপ্তানি দেব-

যতকেহিশীভি করিব্যামি মহীপতে। জ্যাঘাতে। হি (মৃ) মহাজে। মে সমর্ভ্য নূপ গুৰুরো। वमदेश्रक्षामीश्वग्रामि बाह्य क्डिक्निव्हिं। कर्नाशः क्षिक्रिशाः ( ১৮ ) क्रुटन ष्रमाना-

শাহুন ইব বিক্ষে গৃক্ত ইব বেপোন বঙ ইত্যধঃ। (১৮) প্ৰিয়িচা বছা। (১১) পিনছক্তু বছ-बस्तः क्ष्त्री दनात मान हेटायतः। छ्टीयाः टाइटि नश्त्रकम्हिम्। डिल्डाः भागमञ् ্র ম্যাম্যতং রাজন্ বিরাটক পুবস্তিয়ঃ। প্রজানাং সমুদাচারং(২১) বহু কর্মকুভং বদন্। ভুল্পায়িষ্যামি কৌজের মানুমাত্মান মাত্মনা। মুধিজিরক্ত গেহে বৈ শৌপদ্যাঃ পরি-কু ছাদ্যিষ্যামি কৌজের মানুমাত্মন মাত্মনা। মুধিজিরক্ত গেহে বৈ শৌপদ্যাঃ পরি-ক্রী চারিকা। উ্যিত্যেশীভি বন্দ্যামি পৃষ্টো রাজ্যাচ পাণ্ডব (ভারত)। এডেন বিধিনা চেলঃ যুস্মধিশৃকঃ কিশঃ কটা ইতি যুদ্ধ প্ৰিমত কেছিলশুল বহা ইত্যকিশানক। (১৭) হিম্বানিব বুদ্ধাক্ सक्या त्रमुखा हेव व्यतायवार भट्ट हेव नव्हा बक्टनमधीनाः हबाबाहे बब्धियाश्वित भटवन ८६ व्यत्ना काम-मक्यार-काष्ट्र-शूरव क्यान्। शिक्ट नृकार विधिक्ष वाभिक्षर विविधर कथा। मिक्यून-

नासमाम् रिष्य वृष्तम् । श्रेमाथ्यामिकारिक्य जीष्टात्वन भूनः भूनः। त्रममित्य मही-

न्द्रमः गिनक्षक्षमुः ( ১৯ ) नामिक्रारः कृष्टीग्रार क्षकृष्टिर गष्टः ( २० )। दन्नी कृष्णिन्त

केटकावमुख्या भूकव श्वीत-खथाच्यूटना वर्षाक्र हा रहि । वाकार छथारिन वित्रक्षा कृति মুগোইপর্ আভরমাবভাবে। #। ইতি জীমহাভারতে শতসাহত্রাসংছিতালাং कुछ एक न बधानतः (२२)। विद्यिशामि बारक क्या विवाह क्या विष्यं । रिवमं ज्या क्या विवास

(३.) कविवमामि विश्वाहेन्मट्डबस्म। मर्खवा छानमण्याह कृषाना शतित्रकट्य। अविहरका बार्ड्ड एक मशीनारकः। शृक्ताव्रक मृत्रक मन्त्रीयः श्रापातिकः। तक्त छैवातः। व्यवरक्षा मुक्ति मोह्नायः क्टेबिछर स्थितः प्रमा क्मालाश्याचिनकाताः छरेषवार्थाङ्किरिक्दिन्छ । किसीक माउटा स्मर्थाः क्रुनाक मथा उत्ता न हुडोग्ड करिमाय किया किया

ब्धिकित छेवाछ। किर कर नक्न क्र्यानका छाछ छतियाति। कर्ष छ द कर नवाकक

दिवग्रामिक्ताः विद्राष्टेशक्ति वाममःमञ्जा षष्क् नेवाकाः नाम विष्टीत्त्रादेशामः । \* ।

महिल्, पर्षत्रताक । (१३) छम्। मधुमाठां अत्राध्यतम् । (११) कृष्टरम् वर्षात्रनं कृष्णः क्षेत्रं रिक्कि erfereftefafat 1 . 1

-स्थी। गांखरवन भूता कांक ष्यां महिक्छः भूता। वित्राष्ट्रेनशस्त क्रम्फतितात्रि प्रश्नीशस्त । म छ এ সেয়সংখ্যাভো ভবিষ্যামি বিরাটক মহীপতে:। প্রভিষেত্ব। (২) চ দোহা। চ সংখ্যানে কুশজে। কু শ্বমাষ্। ভবিষ্ণাল ইভি খ্যাভো নায়া বিদিভমস্ক তে। নিপুণন্ধ চরিষ্যামি ব্যক্ত তে মারক্রো কি জর:। অহং হি ভবভা গোষ্ সভতং প্রহিত: (৩) পুরা। তত্ত্ব মে কোশলং কর্ম ক্ষুবন্ধী मार त्वरक्षाक क्षिटखामग्रित्या ह जर ज्ञाम् । मूमिकिन छैनाह। महत्मन क्षर क्ष्यं ममोद्रम र 🕻 ३) प्रवास्त्रकार्यनिश्चाकः। (१) अध्विष्यन् इक्कः। (७) अहितः प्रतिकृषः। (६) प्रमुद् अमर्थिक । त्य ह मार मम्बिमाकि विम्रोक्तिनत्त क्याः । एक्का जन्र द्यांकााति विश्विमामान् विमाम्माट । मक्नक्षितककाशि श्वार यकानि मजनम्। स्थम्बर (य स्विष्य-मञ्जकानि (८) শহীণতে। অংকভানণি কানামি রাজন্প্কিতলফণান্। বেযাং মূরমূপাআর অংশি করুয় कि विक्षित्रामि। कि वा षः कर्ष [ जाक ] क्र्यांण टाक्टका विक्षित्रामि॥ महत्मव छेवाछ ॥

শশ্বনুধু e) কাহানশীভাগি ঔণ্ণশক্তেম্নাগ্ণাছায় ক্বভান্ কানামি গেগ্ণ বোধে ব্যাপি ক্ৰয়েয়ক

द्रमोगकुरवार । रेगविक्काश्रविक्ता त्यारक कृष्टिकाः (१) त्रक्ति छात्रछ । रेनववज्ञाः [याकर] দুয়নুৰ্বযুষ্পাসাভ সাধুডো (৭) গৈরিছেুনা ছণ্ডিড। ইত্যাদি তো ভারত্বংল্লোৱৰ গৈৰিছিঃ टम्बह्म मसटम्बान मिस्रकात्रिका मत्रिका मात्रिका मास्त्रिका मास्त्रिका होक भार्ठ भत्रत्रिकाः मिष् जूनियाः श्रिकृतिकाः क्षां पाष्टेत्र कृष्णका क्षण्यिकाणं अभिन श्रिकृत् क्षांत्रा क्षांत्र ट्याटम देखां थां हार्वास मृत्यान मधु स्थानिया की सामिक छनरवण यो सक्त किया छ। (०) मारक्षिक विविधानि ह। अखारक्यवान्तिमानां मास्ता माध्यक क्रिका [ यक्ता वाका क्रिकाविनी ] । ক্লিয়ে যান্তি ইতি লোকতা নিশ্চয়ঃ। [একণ্ডীব্ৰডাশৈচৰ ইতি লোকতা নিশ্চয়ঃ]। সাহৃং ৰুশ্পিনী। পভিত্ৰভা মহাভাগা কণত (দু) বিচরিহাতি। মাল্যাং গভানলভাবান্ বস্তাপি क्यमुन्नएक (४)। त्रमारहरमयकत्रियापि क्रीफिन्नत हि त्म मगा। न ६ माः त्यरम्नएक किन्नितका क्षाटक वात्रियामा। (७) ह शुक्ता त्यारहेव ह यत्रा। तकन त्रा कर्णना कृषा त्योगनी विक्रतिकाणि । न कि विकास कि स्था सिक्षः । सक्षात्रो कि बाजा कि बाज्य कि मझिद्रम् छ भाषिवम् । मृथिकित छेवाछ । हेमः हि नः जिम्रा छार्या व्यारभएकाशिभ भन्नीम्रत्री ।

क्रिका की कि नकारिय नुदेश नाका क खातक । जाजकार हिन्सापि क्यार कर शक्ति कि कि क्रिक्रीमा रेमिक्की क्ष्मेका तक्षक्रमित्। य्विक्षिक्षः त्थरह-रेव त्व्योत्रामाः शविहातिका।

(१५)-६ - १६९ म्हाः क्षाकृति वर्षात्र काक्र कृति । वर्षा क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां

में अप्रामिक्षित्रमासि मास्यादि । क्यांतिका । वार्षा न हरेक्षण्या [ यथा न हक्षणः शुला ] स्वरिक्ष क्यांतिक क्षेत्रः । क्यांतिका वार्षा कलाशि नक्टव्यून (ख यथा । क हिंछ क्यांत्रहास्य क्यांतिक प्रमित्र क्यांत्रिकाशः विवाहिकाशः विवाहिन व्यापिक वार्षा वार्षा क्यांत्रिका क्यांत्रिकाश्चर । क्यांत्रकालि य्यापिक वार्षा वार्षा क्यांत्रका । मयः हाशि यथा व्याप्त क्टन श्रेममी मृत्यम् । स्विधित देवात । क्यावित स्वायत्म कृटम कृत्य स्वाकाति कावित्व। इ

ग्रम्भक्षां क्षित्रधायोक्ति क्षणाविद्वय द्वार, यानार क्षण्या। जांविष्यशामायमः क्याता क्ष्मामक्ष्य यार Then the life. of the 1 . . .

माम्बाधिमाध्यक्षणाक्षम् का न महिक्ष सर्थकत्व कर्नाः मृत्यकारम् (बारक जिक्षा करम्य

( > ) मिहिष्ट पाकाह महर्क हे ज्ञानि च पहुड़ चरा कुछ। रेजाबुच भा छवानाः च ब क्षिप्र एम ब बिक्रा

পাওবাং। গভা হামানপাকীধ্য সাৰ্বে বৈভবনাদিতি। বৈশান্পায়ন উবাচ। এবস্তেইন্ডোইস্ক-মামজ্ঞা কৰাপুজে। পৃথক্ পৃথক্। ধৌম্য-মামস্ত্ৰামাস্থ্য: স চ ভাদাস্ত্ৰমন্ত্ৰীৎ। ধৌম্য উবাচ। প্ৰমাণ মেৰাছিভিভদে। মাকুদিতি ধৌম্যেন বিয়াট প্ৰীত্যৰ্শনিষ্টানীত্যয়ং ভাষ্ণগ্ৰিং। বিহিভ্য क्षाज्ञाकः विशिष्ठा काष्य्। क्ष्रिकः एशाह। बाक्तानम् स्थानाम् रविश्वः श्राणिनानिष्ठः कर्षि **ফিতীয়ণীয়াংছি**ন বোজনীয়: তদয়মধ্য। হে সৰ্বে পাওবা: বোষ্যাভিয়িদ: লোক্ড: লোকানাঞ্জিজং क्रकष्ट्र। ज्याडाशोराकाशोराकः मर्किः व्यन्नमञ्ज निरम्भात्म। जेखारमनामुभारम्घरम वथानामाम **क्रवना**न्। यास षात्रवहीर मीखिमिक त्य वर्षटक मिकिः॥ हेयांम्फ नार्राग्रा त्योनमाः मर्काम्क পরিচারিকা:। পাঞ্চালানেব গচ্ছন্ত মুত্তপৌরগগৈ: মহ। মুর্বেবণি চ বক্তব্যং ন প্রাজ্ঞায়ন্ত পাওবা: সংক ইত্যাদি বিদিতঃ বো ষ্থাক্তায়মিতাদি চ শোক্ষ্যাপ: আৰু প্ৰথম্লোকে আশুদিছুমুম্প্রামন্তাহি বিগতে চাপি বজবামিত। এবং অগগনোপপত্তিং বিধারাঃ রকেছি। CR कोइक बूबिकि वहा कृकांदा द्रमा विशाष्ट्या कास्टानन चन्क्टनन क विशास्टरग्रिक (दाचान्।

ক্রাজপুতা ব্বীম্যহম্ (রাজপুতাব্বীমি বঃ)। মধা রাজহুলাং (২) প্রাপ্য সর্বান্ দোমাংক্রাজ্যিক । ফুর্বসং হোব কৌরব্যা জানতা রাজহেবশানি । পাণ্ডবাগ্লিরয়ং লোকে সর্বান্ত্রক্রেজ্যুক্ত ভবতি। ভীমাদ্যো বিদিতলোকর্ভাজহাং বিরাচসমীণে ব্যবহর্ত্ত, সম্বা: আত্তের্যাং
ক্রেজ্যুক্ত সম্বান্ত্র স্থাত্তর স্থাত্র স্থাত স্থাত স্থাত্র স্থাত শিদিতা: [বিহিত্তং] পাণ্ডবা: সৰ্মেবি(ৰ্কাং) ব্ৰাক্ষণেষ্ ফ্লৎস্ক চ। যানে প্ৰহয়ণে চৈব তথৈবান্তিৰু पिकात्रियार व्यक्त्त्रज्ञानि क्रोबरवर्णशत्रियार हेल्डि छारनगृश्यः। विक्रिकाः मर्य्य हेल्डि भार्ट्र इ রক্ষা ন চিভার্গ রকং রকত্ যে তেন শকংশাগ্যভাগতেঃ ভবত্ ন তথা সভাস্দাঃ সর্বরকা-ভাষতে ষ্থিতীয় সৰ্কো আত্রঃ পাঙ্বাত্ৰ আক্ষণাদিষ্ বিদিতাঃ বঞ্নাঃ নিরবদ্যা ইতি যাবৎ। শততে হবাং রকান চিত্রনীয়েতি ভাবং। বিপ্রিং দোহ্বধ্রনে ইত্যক্ত রুপং আপরং প্রধিবং স ভারিত। ত্রারকা বিশতিব্যা কৃষণারা: কান্ত্রনেন চ। বিদিতং বোষধাসর্কং লোকর্ডামিদং ভৰ [লুপাঃ] (১)। বিদিতে চাপি বক্তব্যং সূক্তিরেয়ুরাগভঃ। এয ধৰ্মণত কাম≖5 क्षर्टिन्कत मनाखनः । चाडिक्यमि वक्षामि हरूमज निर्वाषछः। इत्स्यमाः बाक्यमिष्डिः প্রশাস্ত । বানে প্রচরণে যানং রথাদি প্রচরণং শন্তাদি কৃত্যচ্ ইতি পত্ম। (২) রাজসূজাৎ মহো মহান্। ভৱা গোগু। চ ত্তানাং রাজা পুক্ষবিগ্রং (৩)। অমানিতৈশানিতৈকা

केषदाः म এव विश्वष्टवाम् ष्यास्त्रमार उपवाम् विश्वष्टः कान्नः म ६ ८ छोडिकः उपवा मन्यनिथिएको ক্ষু রাজস্থুং 'কুলং পোৱে পণে সৃষ্টে কোবান্তবে। (৩) ভাজি পোপ্তা চেডি। পুরুষঃ প্রধানং ই ইম্বয়ঃ স এব বিগ্রহ্বান্ জভেদাং উষান্ বিগ্রহঃ কায়ঃ স চ ভৌডিকঃ উদত্ত শালিখিতে। ই মুখজো বান্ধণং মুধ্ব। রাজানমহলদিতি মুধ্বাভিষিভো রাজা ভবতি সর্বাণি ভূডাক্সতঃ এরী प्रकाटिङ: भतिवरत्रत्रम्। फ खर्फ्ड्रम्ताम वार्ष् हतियाथ यथाञ्चथम्। पिष्टेषात्रा माज्यम् खड्डेर त्रहरूज्य न विवेत्तर। उत्पर्वात्रनमधिरूष् यज्ञ नोज्यिरङ्गर शतः ( ८ )। त्या न याना न नर्याङ्ग न मोरेर न गन्दर त्रथम्। याद्रताहरू मचाएए श्योषि म त्रान्नदम्भिरः दरम् ( ६ )। ज्यं ( बत्र ) শূৰীপাণিকুলতে ডং প্ৰাণতিভেক্সা যেন প্ৰাবিশং সোইতারাজং অন্তক্সো তেখেয়ং পূৰ্ী সভাং পরিভাজা স চাক্তকুত উপ ওম্থিভাো বাফ্লং ততো ভাষাতঃ প্রজাপতিমূচু: দণ্ডাদি রক্ষেমা: टाका हेट्यामि। (8) विदेवारता नटडर यहे मिडि। निहेमानिहेर वात्रः यज मुख्यवात हेटा थे: यहेर স্থান্নিমিতি শেষ:। নাভিয়াসং মণ্ধ্যিদং ক্লিত্মিতি সলং ন কুৰ্গাৎ। নারোছেৎ সমডোক্রীতি 🕴 🖒। স রাজ্মস্তিং বংসং। মল্লোষ্চ্যিতি ন বিশ্যোদিত্যপঃ। রাজ্বস্তিং বংসং রাজ্গুছে ৰসেৎ আংশাণা ইভাধ্যাহারো বা। আগে ঘট্রনমিতি যত ভাঙাগারাজঃপুবাদিসমীপে। (৭) ২০ নচাফুশিধ্যাদিতি অপুচতত বাজানং নাফুশিধ্যাদিতি ন সংখাধ্যেৎ। ডুকীং মৌনেন কামে সময়ে শনুতৰাদিনোহৰিভ্ৰমান গুণ্পাঠকাবং উক্তঞ্ মিথ্যাজং বদা যাতি দো স্বাবাদিনং মন্ত্ৰিমহন্দ্ৰণ্ मक्सीचा (৮) नियार माटबस् क्व्नीं के ख्रामि द्यार माटब्स् डार्शास् रियमा न दुव्यीत र बना **অভঃপুরচারীগণতেছ**শি যথোছিশেষে জনান্ ছে**টি** বাজ। তেছণি মৈ<u>য</u>ীং ন বুকীত উডায়য়ঃ। ৰে পুনরহিত। রাজাঃ শতাবতেখনীতি হোজাম্। তদমেতিপ্রায়ঃ। হাজবাহেষ্ মিতকে রাজামতি-শ্ৰণা এৰম্ভঃপুরচরাদিষ্ দাবৈরিতি পাঠে সংষ্তি থোজাশ্ ( ১ ) কডিতিতি ঃানধনাদিহানিঃ।

🌬 । গল্করণি পনাং ভূমি-মপ্টোইপানিয়েজিতঃ। জাত্যাদ ইব মতোত মর্যাদায়সূচিস্তরন্। क विश्व अक्सा न न्ह्यांदा न लाज्य-म्तिनमाः। मम्डिकाञ्चमगानः भृक्यांष्ट्र नतारिनाः।

स्मान्य प्रशास्मार्ग क्रिक्कक्रामिक्कणहात्रा व्याहत्त्रा व्याहत्त्रामिक्षीक् मिर्थामिक्षितः यन्ति दहित षम्बद्धक्षित्रक्षी छ छत्मवाष्ट्रासूवर्वत्त्रद्धः त्यमाममहत्त्रम्भ एक त्काश्रक्ष शतिवर्ष्ट्रतुर ( ১১ ) । अंक्रिक्र-कृष्टान्द्र, क्षत्राव्यव्यक्षत्रकार प्रमुक्ताना त्रक्तः प्रकृत्वान्त्र प्रकृति वृत्ताः (काना क्ष ि ३० ) ब्रह्मारकांगिष्ठत्वरमञ्जाष्टिवतम्बवर त्राम्हामि । अन् द्राम्बन्नि चान्निक्ष्णिष्ठत्वर त्रारवक वैट्याब्धा ভশ্যচাজন শড়াদভিদনাথী চ্রাসভিত নিক্রা সেয়াত মধ্যভাবেন রাজা বক্তিকশিয়। **মুক্রানি** চাল্লপাড়ায়েমতার্থঃ এবং বিখ্যাশচারক্ষ্ (১৮) ডর্জনুমুক্তীত গুল্ফেং পাল্লাফ্ मम्बन्धाय मुन्ति प्रक्रिक व्यिष्ट्यत्य ह । मार्बिट्य हरिष्ठाण व्यिष्टानि हिष्टः बरम् । ष्यमुक्रुरमा छदमकाख मस्नार्थम् कषाम् ६ व्यक्तिम्नाहिष्टः यर छाष्टिग्रंच माभूवनीरम् । नारम्ज ब्लिटमारूमोकि महा (जर्स्सक शिक्तः। षाक्षमञ्जन यत्नाक हिन्दः क्ष्मार विश्वक यर। क्ष्मंतकोनिहरदास्न-वश्चित्कववक्ष भन्। जन्तकत्नानिहीत्। विक्यातिव न मत्भवः ( >• )।

को का किया ( ১২ ) मनवीनाय मकीय क्छिक्छाति। मनवीनाय मकीय किशासानाङागासम् की किश्मीका ( ১২ ) मनवीनाय मकीय किछक्छाति। मनवीनाय मकीय किशासानाङागासम् की किछ पत्रिन्धितमः पत्रिनायस्थनविष्टि नावर। न क्ष्मिण किछस् ষ্টুক্ণাং ছানমিত্যবয়:। অণ্যশ্নি পরোকে পর্কং প্রকল ব্কিং গ্তং অবক্ষিতি পার্কে अ जो वाकामाम्मर (১২)॥ षम्भृतक्षि हि ताकातमा नदामनुख्यापिमः। करेषत हादमन्त्रक्ष नताम् नामास्मादः या वर्षात्रः। क्षण्यास्यत्माष्ट्रमाण्यास्यो ज्यान्यो। क्रिणाण प्राक्रप्राध्य वर्षात्रः 1875 क्छि: स्थानकृष्यः नतिमात्रक्षमः कर्नात थया विधाष्टितार्तात्। क्षिः क्षार षश्कृनिष्ठिता-सुनकी प्रश्नकः प्यन्तिष्टः भवन मुकः पनिक्षेति छत्त्वकाति त्रभागीति न विकाम्भाक न हरम्। निष्ठाः हि व्यिष्टिविष्ठक शृतकुषित्राताः महर। न ह मम्पर्गत किकिर व्यव्ह्यिणि मधरिणर (त्यर)। व्यन्ति (क्टन्मनिखानाः त्रमीक्यानगुष्टमम्। न म्याजिहिकः द्राख्याः मधुरतात् ना क्षिः भत्रिन्धिनतमः भत्रिनामक्ष्यनिमिष्ठि कावर। न ८क्षमः हिएएमव जिन्नः स्थिनमध्द्रक দক্ষিণ বাথ বামং বা পাৰ্মাসীত পণ্ডিতঃ। রক্ষিণাং ফান্তশল্লাণাং কানং পশ্চাবিধীয়তে। ন্তানিটানি সেবেত নাহিতিঃ সহ সংবলেৎ। অভ্নায় বিকশেত স রাজবস্তিং বলেৎ।

क में क बाकार ममाक्रिराभर मना बाजक वाकक शिवनकाक्रतक्रोतः। शास्त्रवस्त्र हाशास्त्र के बंधिमारम क स्काहित। मास्थिमाक् स्थास्त्राज महाभूगमञ्जयक्राभर। महास्थिरियाम् कर्त्राक् क्षक मनगानी एकतनक्र आखनमाठः ॥ नरहोत्छो न ज्राम कान् [नरहोत्छो निष्ट क्षणकाष्ट्र ] पिछिष्यानिनः (১৩)। भूत्वाश्योछि न षृष्टाः जाष्त्रिषानिष्ठि वा भूनः। विद्यत्मवाध्त्रनाष्टः अक्रकार वि अस्किया। जिल्ला मृह्ण्टर्सन मर्नेटअम्सम्भ नाट्ड न व्रव्हित्त्रम्था न क्टरक्सेक्ट: व्यिष्ट्रम् ह हिट्डम् ह ( ১৪ )। यज त्कारभा महावाषः व्यमानम्ड महोक्काः मिरिक्रा छन्छि एकोगनाम् । जैन्दीर लोगा कृष्णान् विकार् न लोगा काक्रका व्यवप्रस्का

(.३%.) स्मिरम्याङ्ग्राज्यः स्थित्मा छन्छि छान्याम्। रेष्णुन्यात्रम् छनाण्यक्रियाच्यात्र्यात्र्यो क्यूबंकि कि भावान हेजानि । अनुस्वामीन बात्कि वानिनः गिकित्यानिनः भाकित्यानि । सद्ध्यत्रवंकः वानीकः क्षःबः चित्रविक्रकतः। श्रियाशामित्र वानीक्षातः क्षेत्रानिष्ठाबंः (১♦)

🗷 ् मह्यमृत्योश्वभातिकः । चम्यमृत्युत्य त्या निष्ठार म बाझवम्बिर वर्तमर । बाच्यानेर बाच्युत्यर मी

ক্ষাৰ্থ ভোগবান হ্ৰথী। (১৫) ন চৌঠাবিডাাদি। জাতু কদাচিল নিভূষেৎ দল্ভেন ন নিশ্ৰীজ্যেৎ ধ্ৰ ক্ষাৰ্থ কৌটিলো দাডো ক্লাং কিক বাজাং বাচং বাকাং ন সমাজিণেৎ অমাভাজাণি বাকেয়ন স্থাণ ক্ষাৰ্থণ কোল ইত্যাশাহঃ। বাচং কুৎসিতাশকং বাতমণান্বায়ুক্ৎসিংদিকণং ক্লিবনং সেলাদিনিরসনং अमितिमानिमानिमानिमानिमानिकानः । मराग्रेटिंग म ज्यानो जाम् वेष्णानगार्थो वृष्णान्तरम् म्नाहान्तः म क द्भात अर्थ । पाटिरेश्री पाटिकाक्ष्मीत्रकार्यम मृत्रुर्द्धंत मृत्रुत्तंत्र मृत्रुकारयम टामानक मन्त्रमात्रनेका प्रमिन्त ब्रामान् मर्पर्वाप्त मधान् त्रमात् (१५) क्ष्र्ंहोड हेडाामि। या खर्डेडमा मान्यानामिना প্রক্ষেত্রন কাগণ পাছতঃ পশ্চাৎ কারণৈ কণিচংগেবাদিফেক্ভিনিগুহীতে।ছিপি বা ক্ষেণ্ন ন নিগ্রাজি। अस्त्रिमित या मना। व्यम्षा भिष्टा क्षा भित्त विदेश विदेश विदेश विदेश (विदेश) ( ১৫ ) है द्रम्टीन ट्रकांग हेडाामधः। बाहर क्रिनिडमम् बाड्यभानवधिक्रांग्यांकिकः विवार त्राधामिनिअभेनर भूकः। टाडाफ्क भरताकक खनवानी विष्कनः। उनकीयी छरवद्यात्का विषया द्यार्थिन वा वरमर ॥ ष्मगोरक्रामि वनारहाक्न्, बाकानः टार्षात्रक् यः। न म किर्किकिक् क्षांत्म भरकक कानगरणम् । त्यंत्रः ममाष्यरमा मृष्टे। भन्ननाक्यां न मानरमेर ( ১७ )। निर्माक अध्योकण्ड त्यार्माएका मिष्री ३०० कार्याः। न निर्माष्ट काष्ट्रां मिष्रा स्थित

अप्रतिम्त विकाताः नाक्ष्रतात्त्रदाः कृःत्यंन कृषम्विष्क्रद् म न्राव्यमिकः वत्त्रदाः ममार के द्यमः न कृष्तिक त्नारेकः मन्निष्टरका क्रमदा मक्षः न वक्षा कृष्णित्यदा नाकः विद्या कृष्ट्रदाः न कर्माण निक्कः मन् बनः किक्षिन्ति म्यूरमदा क्रांक्षांकि वि व्यन्त्यस्य क्रिक्तः विकास सि वा वस्त् ( ) । यानः वक्षमभक्षाः यक्षाभ्यः सिव्यक्ति। स्टान् वाव-इक्क बोक्नांनर (योश) कृतियु मर्वका । व्यज्ञात्ना [व्यवात्ना] वनवाकृ क्रकांद्रवाक्य गढः अका । सम्बामी मृष्ट्वासः म बाक्रवम्डिः वर्तमः। षण्णियम् ट्यामारा कृ भूत्रस्थात् वे मंत्र्रमाष्ट्रका महा कि क्यनामी कि म दास्त्रमण्डि तरमा। ष्प्रकार हित 'छारत छ बांक्को यटेन्डर मर्जनमाः व्यानिष्टो न विकाय्योक म बाक्यमंकिः वरमर ॥ त्या देव भूष्टिकाः

শুলুন্ত লভতে। ন নিশতি চেতি পাঠে চহাবার জৌভিচ। (১৭) বিশেষগ্রের রাকানং বেশিদ্র-मुझ्टेनन सम्माधि ना्निमिणिक म भूनम्भि नाम्लक्त मज्ज हेजारी। द्वाप्रश्मिकि सम्म (अधिका-त्मवा विविक्ता क्षात्र । धवर मरयम् किसान षष्ठकः भाष्नन्त्राः। महर-[ s-s]

সরমিম ভোজা-ভালাশীলা বৃত্যব:(ড)। অথ অবিষয় শোণা ঘণাকাম চরিবাথ। মুথি-किस केवां । अध्यमिद्राः म कथरक निर्व्यक्तांत्रि कम्प्ता। क्छीमृत्व माष्ट्रनः ना বিষ্কুরং বা মহ্যুদ্রতিষ্। বদেবানস্তরং কাব্যং ভত্তবান্ কর্ম্বৃতি। ভারণারাজ্য মুংশক্ত पक्टबाधिधिव< अर्थंद टाक्सात्म यविभीत्र छ। ८७वाः मिमा ्छानग्रीन् मञ्जवक प्रहाव गः। मम्बिद्धिक्षीकाम्र श्विदीदिक्याम् ह। षाभिः क्षाम्भिक्षा बान्नुभाष्ट **ए**था-बनान्। सम्मद्यनीर शृबक्षका बर्ष्ड्नाथ टांवब्षः। शरक्ष् एकष् वीरत्रक् (बीरमाशिष ष्टाकार व्यक्षः व्यक्तिकान्।भाषात्र भाषानानकानक्ष्रक हिस्साननाष्ट्रका बर्षाका व्यक्षानांत्र क्रम्मा हा दिवमण्यामन खेवात । जबमूख-खर्षा नांका (बोरमान्थ विक्रमखन:

टमानी सुष्णः व्यकृतिस् वात्रमतस् हेल्डि द्याक्रकारक का व्यक्षातः त्रावत्यः वणवान् नीक्ष्येत्रकाष्टकार त्रण्यातः भूत्वा दिक्वभाषी स्वृद्धित्वकर्षकार हात्वा विरक्षितः। व्यकारित मधूनि कार्षा। विद्यक्षीरि ভূমিত্ সৰ্মধা। বিশেষযোগতিরাচলেং বোগ্যাভূমিত্ শাল্লাভ্যাসহলীয়্ কেচিং বোগাভূমিত্নিভি পঠাতি মৌশী সূভঃ অভূমিত্ অসমযেয় ইতি ব্যাচভতে চ। অয়ানঃ সালকঃ বলবান শীৰ্ভনৈয়াভায়ে

व्यांना मृत्युतान्। त्रमायमात्मक त्रमकः स्मम्यः स्तात्काः।।। विकि व्याप्ताकात्रक শভনাহক্সাং কংছিভাৱাং বৈয়াসিকাং বিরাটপর্কণি ধৌম্যশিকানাম চতুৰ্থেছিধ্যারঃ । • ।

क्रमाः। डेक्टबन मनानीर त्य नकानान्तिक्रन छ । कास्टतन यक्रप्रामान् मृत्रानारान् दिवमण्याञ्चन धिवात ॥ ८७ योत्रा बक्दनिश्चिरमाः ७७।ज्ञूयक्मानितः। वक्दनाधानुमि-मिस्सम् बाजान्, बत्राशान्त मात्रविष्ठ न नर्बनः। विशास्त्रा मृगयुशानि महच्यांना महा-ग्रांशीर काणिलीयिष्टिष्ठा पशुः (১১)। छछछ्छ मिन्नाः छीत-प्रवाध्यम् नामाष्टद्रः। क्रिमुखा दनदानादेष चत्राद्वीः त्यश्मवद्यमा । दमस्का दनहार्मेच् शिव्रहर्मिच् स्वितः।

ं (३) त्य दीमा वदनिवित्ता हैणात्तः मम्बत्नीगण्डात्रासी झनिषा हैण्डण बारमन्त्र भाषत्वराज्ञ

संस्थारपदान कर्षनि मही। दन्नर मधनर। क्षीनि ब्रानादन प्रत्यो ग्रानात्तार ज्यानात्रार ज्यानर हत्त्रर छनाचिना

101年 (101年 101

नीं क्षिक्री । मुका उनवाणा मरकाष्ट्र विषया द्याविभन् [वनार] वनार । यविना वक्षनितिरभा

विक्तीः मामाबाजिनः। प्रविश्विममान्त्रां कृष्ट्रेणुष्टेषमावृष्टम्। छट्डा क्राम्भक्तः आण्ड

क्रिक्शांना नजत्राक्तांत्र-प्रवछावश्वमक्तृंतः। त दाक्तशानीः नश्चांना ८कोएस्टर्गाङक् नमजवीर। के क्राक्रशीन नमानका टारक्यायः भूतः दश्यः। नास्रशांक टारक्यारमा दशः छाष्ठ भूतः শতাবিনা সকলঝনাজাদকত্যা মুণিটিরাদিতিঃ প্রকটিততেন স্বিলেবেণ মহয়িমহাপুক্ষলক্রণ সমুত্র-कम्प्रक्षिण्यः छारश्कार्षः एव बीद्रा वक्ष्मिक्षित्या हेणापि । वक्ष्मिक्षित्या वक्षम्भाः छठाक्ष्यमाशियः **ভূজা**নি দিছুভানি দভ্**ষণানি আয়ুণানি রৈ: ডণা ড**লাযুণাক কলাশিনক তুনব**ল**কেডি কৰ্ণাৱয়ঃ<u>,</u> मूबिछित छेबांड ॥ धनक्षत्र ममूबामा आकाजीर वह छात्रछ। वाकबाछार निवरमारा নেমীং পৃথিবীং মুমইসি। শুক্পাহিকতমা বিধামানমণি ডিরোধীয়ক ইতি বেশশু পাগুবকুপাদ্ধাদনসাথক-क्रम्ब संकानम्बनीर। भट्टिक व्यक्ति निष्मा मुणास क्ष्यांन निविधानि । बाक्तर अ विश्वसम्भ वमामिछ: । देवमण्यायन खेवात । छात्रामायाख्नक्र्म (प्रोनमी: शक्रताष्ट्रिय। मृत्य विकारिक बाक्यानी किविषांकि। वमात्यक्षांभवार बाजिर वमवार्था भित्रस्थाः॥

ক্ষা। ভীমশাখা ছ্রারোহা শ্রশানক সমীণভ:। ন চাপি বিদ্যুতে কভিমন্ত্রা ইভি ন মডি:। বোহ্মারিদধভো(ভে) এটা ভবেচ্ছন্ত্রাণি পাণ্ডবা:। উৎপথে হি বনে জাভা এই আ সমভাষ্যুয়তে এভিরিভাষ্ণানি ধন্বি রক্তি চ। অপভামকরোধীর: সহদেবজভাষ্ণমিভি। विम । मग्रुष्वशः कनकां क विवासिमा न मामग्नः ॥ भाशीवक महाहां भारक ह विमित्तः नांख नायाः। छाछ। षामभवर्षाणि टात्वहेताः ( वष्टतानि ) वान भूनः। धक्तिमान्ना বিজ্ঞাতে প্রভিজ্ঞাতং হি নতাপা। অর্জন উবাচ। ইয়া কুটে ময়ুবোজা গহনে মহজী क्कांटमी क्षर वर्ष क्रुनीत्त मः इत्छश्भि त्रिकामतः । वक्त्राषास्त्रिमाणाः त्राषा काक्नीनार बापर ভৰোত পোণাস্থিতিবাণ হৈ তে ডণা। গোণাতলেহলিছায়ামিতি বিশঃ। শণঃব্রণযোগ্রী ভক-**দিছি চামর:। কালিদী**মভিতৌ মৃত্যু মুনানিকটং গতা:। অভিডোধোগাদিভীয়া। অভিষ্ঠা**ত্তি**-**প্ৰত্যগাঁভাগাগাগোতা** হয় গায় যায় । (২) উত্তরেণ দশাগাংতে পঞ্চালান্ গান্দণেন ভূ ইতি। क्रिक्रां स्थान मार्ग विवशः वाविनम् वनार। भाषता म्मार्गरम्भानाः प्रतिरमात्राम् प्रशानाम নুশীষ্। ডচ্চেদায়ুধমাদায় (২) গচ্ছামে। নগরং বয়ষ্। দিত্পমন্মানু বিজ্ঞানীযুৰ্ঘ্যুয়া

farte: अस्तिकालकार कृतकृत्वतः । उद्यमात्रः महारवातः मणकुर्णक्षम् । व्यक्षम् महारवातः मणकुर्णक्षम् । व्यक्षकृष्यद्वातः । व्यक्षकृष्यद्वातः । व्यक्षकृष्यद्वज्ञः । व्यक्षात्रः । স্মীপ ছব্দিপেন ষ্কুলোমশূরসেনানাং বিষয়াপাং মধ্যের। সুদা অভিনামুকাঃ সভো মংজবিষয় হাতি अन्योक्त्यव मृत्काश्किमात्र्क हेन्जानि এक्शम्तः अक्शक्त्रनत्यांशा यातीः। म बाक्यानीर शरशांभा क्रमस्थानीममीणः असा। उटक्रमायुषः शाजीयः षष्टः। (०) हेमःकूटे मश्रत्याखि। हेमः महिक ভারত । বৈশানগায়ন উবাচ। এবমুক্তু। স রাজানং ধর্মাত্মানং মুধিষ্ঠিরম্। প্রচক্তমে নিধানায় ( মুম্<mark>সিক্টাযুশ্জিন্</mark>ডাং ) গচ্ছামো নগরং প্রতি। এবমজ ম্পাজোমং (৩) বিহরিম্যাম मसीक्रं छे छेछत्यरम भूत्रवादत या छिडेजीजि त्यदः। क्रैं भूत्रवाति हेज्यतः।

कृष्ण বিকোট-মশনেরিব ॥ সৈন্তবং বেন (সংগ্রামে) রাজানং প্রাষ্থ্যত চানঘঃ ॥ জাণিশিং শৃস্ককত ভাষদেনদাহ্বভারত্ত্ব । অকলুৎ পশ্চিমামাশাং ধলুষা যেন পাণ্ডবঃ। মাজীপুজো শ্ৰহুনেক: সপদাংলৈতৰ দিগ্ৰুয়ে। নিশ্ম্য যজ বিকাৰং ব্যৱৰম্ভ রণাৎ পরে। পৰ্বভিজ্যেৰ

শহাবাহ-ডান্নাস্ডে মিডভাবিড:। তস্ত মৌধী-মপাক্ষ্চ্যে: সংক্রন্দনো যুধি। ক্লে नाधि महमा करण बस्फां क नक्लाः मुकः। पिक्नाः प्रकिनाहात्रा मिनः विनाधित्र थिएः।

হিলোক শব্দ বিকোটং বোবং প্ৰ্যায়ুশত বিতবান্ মৌকীযপাকৰ্থ জ্যামণসাৱিতবান্ সক্ষেৰ্মঃ ্ত্ৰান্তি সমো ক্লগে ৰভোভি নতুল: স্বভ: । দাকণাং দাকণাচারো দিশং বেণাজগ্ৰং অভ্: ।

ম অপ্ৰায়ুষকরোদীয় সহদেবতদায়্থম্ (৪)। খড়্সাংশ্চ (দীপ্তান্) পীভান্ দীৰ্ঘংশ্চ

কুলালাংশ্চ মহাধনান্। বিপাঠান্ ফুরধারাংশ্চ ধন্তুভি-নিদ্ধ্: সহ (৫)। বৈশশ্সায়ন উবাচ।

আধাৰশাসায়কুলং কুন্তীপুলো স্থিতিয়:। আক্তেমাং শ্মীং বীর ধন্বেডানি নিক্ষিণ। সুদ্যকঃ স্মাস্কা স্থাপ্তিছা। ব্ৰাৰ্ণেন্য ব্ৰাস্থিতিং ব্ৰাস্থ্যিত্যৰ্থ:। (৪) অপেকাৰণগড় প্ৰপ্ৰ কুনুনুষুত্তি হোণয়তীতি তথা। দক্ষিণাচারো ধুম্বি প্রশতকর্মা। ( ৫) শীতানিভ্যাদি জ্বণায়িত खांगुणीक्य नक्रामा धनुः वि निगरंश स्त्रम्। यानि उज्जातकामानि मृत्रताभागिमञ्ज ॥ इत

8 ( भाषीः ) भक्तिवर्ष्याः ( ৮ ) कर्या कप्रत्या विकर्या कप्रत्माना कप्रवनः । देखि ख्यानि विनार्जामीन मन्नविद्यमनान् (७) ज्ञित्त्रावर्षानि वर्षजीजि। ८९८व वर्षाज वर्षात बृक्षः ज्ञित्रचीराक् **नक्सींडि टनरः। (१) मंत्रीत्रक मृटटेजक्मिंडि 5 मात्मारुनीटक सट्छा नद्रास्त्रतः मुख्नात्रीत्रः कि** संबोदक मुख्टेखकर मधवद्यस्थ भाखवाः। विवद्धंतिषास्थि नद्रापृवात्तव संघीषमाम् (१)। আবিদ্ধং শবমতোতি গ্রমণালায় পুতিকম্। অশীতিশতবর্ষেয়ং মাত। ন ইতি বাদিনঃ। क्रमध्रमाष्ट्रममाकः शूरेर्यनावित्राखाश्री ह। ममामन्त्राथ इत्कश्रमान्नि दि यात्रमान् তেঃ আগোণালাবিশালেভ্য আচকাণা: পরস্তুণ:। আক্রানুর্গরাভ্যাসং বোধা: **অপোন্। অন্**লাবগাইনেন হি ডেবাং নৈম্লাং ভব্তি পাঠান্ত্ৰং কল্লনীয়**। এবম্চুনাপি ব্যাধ্যানম্।** মায়া এতচ উত্তরপোত্তাহে ব্যক্তীভবিষাতি। সম্বয়ন্ত বগীম:। (৮) আগোণালাবিশালেডাঃ সোপাল-চাপত্তাত স বৈ ভিরোবর্গণি বর্ষতি (৬)। তত্ত তানি দুট্চ: পালে স্থাত্থ প্রাব্যন্ত 🛚 **बाडीननिवधाञ्चनारत्रन पार्टारख्यतः । मीर्वानात्र**ङान् कनानानि श्रृषि महाधनान् वृक्तमृनार प्रहाधनमिन्छायतः

म्रामानि (खबार हात्क मृथितितः । जर्जा मधा श्राहकां कः ट्यानिमन्नगत्रः महर । ज्यकां कर्जार क्रकट्या बार्ड वर्षः बरग्राममम् । बेंकि ख्रिमहाखादाज भक्तमारुयााः मारिष्णानाः (वद्यानिकााः क्रिवाडेश्क्रिं भाक्ष्यकात्यभाक्षि च्यामाक्षाणा नक्षामार्थामः।

अम्मान् काष्टिमामिनोत् । वाष्ट्रस्वण कामिनो मिनामानाविक्षिकाम्। मिनाम्नथनाः स्मनीः अस्तारविकशातिनीयः । सात्रायकत्रत् भूरणा त्य भात्रक्षि भना नियाम्। सान्रेत क्रमीर क्रिज्यसनम्बरीम् । यरमामांगर्धनम्रज्ञाः नाम्रोप्रनयतिष्याम्। नम्परगानक्रम कार्जार मक्तांकोर कुनक्षिनीय । क्रमदिखांवशकत्री-मञ्जाशाः कग्रकतीय्। मिनाफ्टोदिनिकिन्धा-चांत्रग्रतम भागार गरक शामिय प्रयंजाम् ॥ त्याष्ट्रः व्यष्टकरम कृत्या [कृत्याः] विविदेशः दिलान्नाञ्चन छवाछ। विद्राष्ट्रनगद्धः त्रगुर शब्ह्यगत्ना युविष्ठितः। षाख्यवम्नना मियैर

ट्यांजनस्टियः। जामक्का मर्मनाकाकनी त्राका टमवीर मश्युकः। नत्मश्यि वताम कृत्क स्त्रमीमाज्यम्भिताशालाक्ष्मानाः क्षाक्ष केंडानः जर कर्ड मत्से क्र्रियाची डिडायः। • ह

[ভিন্ন্যধ্যে] শীনশ্ৰোণিণয়োশরে। ময়ুরপিচছবলয়ে কেয়ুরাজদধারি।। ভাসি দেবি যথা नक्षा मात्रास्त्रन्तिद्यम् । यक्तन् अक्कर्माक् निमम् छत् [निमामास्त्र ] त्यम्ति ॥ कृष्कक्र्तिनमा कृका मक्र्यम्यानना (निष्ठा)। निष्ठकी निशुरमो नाष्ट्र मक्ष्मक्रममुष्कुरयो। भाजी के क नक्की मकी हो विक्का क या कृति। भाभक्षप्रधाक्कर विविधाणाश्वर्धान का क्रक्राकार स्थूनीकार क्रीकाक विक्षियक। ठट्यविन्नीक्रमा त्मिव गूर्यन घर क्माति बक्कातिथि। वामार्कमभाकात्त्र भ्र्षित्यनिष्णानता । इष्क्रिक हरूक्रिक বিতালনে। মুকুটেন বিচিত্রেণ কেশবদ্ধেন শোভিত।। ভূজদাভোগবাসেন সোণি-म-मृष्टिएक विद्यानत्म । त्योमात्रः अख्याचाम् जिनियः भामिष्यः वृष्टा। त्या व्यनमा तम क्रुवामार्थ मद्याः कुक मिया छव। मध्या पः विक्या किव मध्यात्म छ पूर्वात बांबका। खाबरम हाशविष्क्रन छार्शरानरवर मसन्नः। सरक्रम मिथिशुक्का-सर ख्रात त्विवि जिन्तेनः श्रुकात्मश्री ह । दिवानाकात्रक्यावीय महिवाभूत्रनामिति। मद्भाषा। समाणि विकाशस्मिहि वत्रमा ६६६ | वत्रत्र घाकि ] माष्ट्राकम्॥

শ্বংকা কাছারেল্বকলানাং মগ্রানাঞ্মহার্থবে। দহ্যাভিবা নিক্ষানাং দং প্রিঃ
শ্বন্ধা নুগান্। জলপ্রভরণে চৈব কান্তারেল্টবীযু চ। বে শ্বরন্তি মহাদেবি ন চ
শ্বন্ধা নুগান্। দং কীপ্তি: প্রিগুভি: সিভি-ইুনির্বদ্যা সন্তভিশ্বভি:। সন্যা লাখি: টেৰ নগলোটে ডৰ ছানং হি শাৰ্ডম্। কালি কালি মহাকালি সীধুমাংসপ**ভ**বিচে<u>র ॥</u> , কুভাসুৰাআভূতৈ যুং ) কুণা যাত্ৰাং স্মূতেত্ত্বাং বরদে কামচারিণি। ভারাবভারে বে চ দাং मस्मतिकाष्टि मानवाः। व्यामक्षि क त्य काः हि व्यक्तात्क क नन्ना कृति। न क्या व्यनक्रवान्। व्यनख्यः यथा मुर्का छव त्यति स्ट्रब्यित । वाहि मार नव्यनवाष्टि मरका मध्या हुमं छर किकि श्र्वा छ। ধনতোহশি বা। ছুগাছারয়সে ছুর্গ ডবং ছুগা সুভা entes निका (च्यादिया काच्छिः क्या म्या। नृशांक दक्षनः (बाहः शूक्तनांभः धनकन्नम्॥ क्रोसिं बुड्डार खद्रोक्य भूक्षिका नामद्रियमि । त्याव्हर त्राक्तार भत्रिखहैः भन्नन् पार क्या करा मंत्रमा एव तम कूर्य मंत्रामा कक्कारमामा अवर खुका कि मा तम्यो मर्ममायाम मुक्ष्यान्। छैशाया कू बाकान-त्रिमर वहनमबदौर। त्मवावाह। भृषु बाक्यश्वादारक मारीयः वहनः क्रकः। जविष्णाहितारम्व मध्यारम विक्षास्त्रकः। यम क्षामानिरिक्तका इसा कोत्रवर्वाष्ट्रनीम्। त्राखार निक्छेकर कृषा छाकारम त्यापनीर भूनः। खाक्छिः

अ क्षक्रम् ॥ स्वेबारम नशरत वाथि मध्योपम मक्रमक्रों । पार्टिशा प्रतिकाञ्चारत माश्राम भट्टाम मुख्य महत्म के विकास मार्टिशा प्रतिकाञ्चार प्रतिकाञ्चारत माश्राम महत्म के विकास के स्वास्ति के प्रतिकाण के स्वास्ति के विकास के स्वासिक के अहिरका बाजन थीजिः साभ अभि शृष्कार । मरक्षामामाक एक मोधा-मारबामाक कविवारिक द्य 5 मार कीर्खात्रवाधि त्यारक विभाष्टमरमत्राः। त्छवार कृषे काषाणामि त्राक्षामात्र्वंभूः उन्द्रत्यां नजा या अजियामिनः । ट्रेज़ाउना वयमा मियो युधि किनाजिनमाम्। त्रकार कृषा ह दिवर्षाक्रथान् व्यिष्मिष्टा कांक्नान कान् म करक भवित्रका वाम्मा। नवाधिराश बाह्वेजीष्टर ে বৈশশপালুন উবাচ। ততো বিরাটং প্রথমং সুষিষ্ঠিরো রাজা সভারামূপবিষ্টমাত্রজং। ঞাঙুনাং ডত্রৈবাস্তরধীয়ত। ইতি জীমহাভারতে বিরাটপর্কণি জীত্রগাস্তবে ৰচোচ্ছায়:।

नत्वाखनः शिष्टः शृषित्रा हेष्टि त्म मत्नांग्रहम्। न हास्त्र दाक्षी (मारमा) न त्रत्था न क्क्षतः बम्बिन् महाब्माः (कोत्रवर्भवर्षनः। महाकूछात्रा नत्रत्राक्षमरकृष्टा प्रवामम-छोक्तिवरम्। ম্পোরগঃ। বলোন রণেণ নবর্ষভো মহান্ প্রচ্নুয়ন্ত্রণেন ষ্থামরস্ত্রথা। মুহাজ্ঞালৈরিক রাড়িন্দ্মিৰাঅসংযুভ্য। সমাগতং পূৰ্ণশশিপ্ৰচাননং মহাফুভাবং ন চিরেন দৃষ্টবান্॥ मस्मिष्मान् स्टम्यान् विभावया त्य हाथि त्विहिर भत्रिष्टः समाप्रत्छ। शक्षक् त्वारुक्षः क्षथंत्रः मत्रोविवान् तृरभाभरमाध्यः वानतीकर्ष्ड त्रष्टाम् (२)। न कू विस्काध्यः एविष्ण সংব্যতো ববি-ধ্যানলো ভত্মবৃতত বীধ্যবান্ (১)। তমাপতন্তং প্রসমীক পাণ্ডবং বিরাট-

শূৰ্যতি। (২) বিশ্বশোষে চাণি কেচিদিতি। বিশোষ্থ্যা: প্রিড: স্ক্ডোন্ডাবেন স্মাস্তে ( ) ) षकान् भवित्रका भरत्यो । त्रविष्टेरात्यन प्रविष्टेष्ठकाभनकभीवर बास्त्रहात्यन मनीभरेषत्रभीक जीन नद्राक्रकार्यः। त्ये वित्यो देवज्ञयस्याविकामतः। त्रयोषियाम् वात्रकः। (०) वया त्रव्यका-[6-8]

সমীপতে। আজভি চায়মিক্সৰং। শবীরলিকৈকপস্চিভে। হয়ং মুধ্বাভিষিক্তাপ্তি মেহত্ত

মানসম্। সমীপমায়াভি চ মে গতবাপো ঘণা গজন্তামরসীং মদোৎকটঃ (৩)। বিভক্ষ-

দিহ জীবিভাজিনং বিনষ্টসৰ্বয় মূপাগতং দিজম্। ইহাহমিচছামি ভবানঘান্তিকে বস্তাং ষথা अ डांडांडियमांग्रहः कोर कछात्रि ब्राट्खा विषयामिश्राकः। (शांजक नायापि 5 मरत এ ভত্ততঃ কিঞাপি শিলা তব বিদ্যতে কৃতম্। যুধিষ্ঠির উবাচ। যুধিষ্ঠিরভাস-মহংপুরা ভূসখা বৈয়াজ্বপদ্য: পুনরমি বৈ বিলঃ (৭)। অকান্ প্রযোজ্যু কুশলোহমি দেবিভা এ स्वतीर यामारको हेजि। यामारको प्रमा छरकुहेगाछ। यथा याछ। अवस्थायवतीर भाषानीयाशास्ति কামচৰক্ষণা বিভো (৫)। ভমৰবীৎ যাগতমিতানন্তরং রাজা প্রহাই: প্রতিসংগৃহাণ চ। ভং রাজসিংহং প্রতিপ্রা রাজ। প্রীতাজন। চৈনমিদং বভাবে (৬)। কামেন তথা মম সমীপমায়াজীতি বোলাম্। তামরসং পাশং বিদাভেইভেজার্বঃ, অর্শ আদিখাদভি হতে জীপ্পতায়ঃ। প্রোগেবোজন প্রক্রেন্ডিনিব্দঃ ক্রিবো মুনিভাবিডে। অফ্সরগডাংশধায়াজিয়তে হি লক্ষণ-ভাষৱসীমদোৎকট ইতি পাঠে ভাষৱসী পল্লী ব্যক্ত এবাৰ্থ ইতি। (৪) আছে)তঃ সন্মুৰমাগভ্য। কামচরঃ ফ্লিছয়া ডিটামি যামি চ। (৬) প্রিসংস্থাণ প্রতিসংক্রাছ বিভক্তিপুক্ষযোধ্যতায়াথ।

দিভ্যাদি। (৭) বৈষাজ্বপুল: বৈষাজ্বপুল:গোত্রঃ। (৮) ধূর্জ। ছাতকারা:। (১) প্রাপ্তো বিবাদ: ককেডি নায়ামি বিরাট বিআক্ত:। বিরাট উবাচ। দদামি তে হস্ত বরং ষদিজ্ঞসি প্রশাধি মংজ্ঞান্বশংগা ফ্রহং ভব। প্রিয়াহি ধ্র্বা মম দেবিনঃ সদা ভবাংশচ দেবোপমরাজ্যমহতি (৮)। মুখিটির উবাচ। আত্তো [প্রাজ্যে] বিবাদ: প্রথমং বিশাম্পাতে नै विमाटक कम्फन (क्षिकन) मरूज शैनकः। न तम क्षिकः कम्फन धांत्रप्रक्षनः यरता मरैमरमाश्रुष ख्य वामाम्खः (৯)। विवाहे छेवाह। ह्याप्रवच्याः यि ट्राक्ट्यायक्त्य वाचाक्रायाः

9

প্রথমিং বিশাংপতে নবিভাতে কশ্চন মংশু হীনতঃ। ন মে জিডঃ কশ্চন ধারয়েজনং বরো মনৈবাস্থ তৰ ধীসাগভঃ। হে মংজ বিশাশগতে নুগতে হীনতঃ পুক্ৰাং কশচন কোহণিন বিভাতে মৰ বিবাধ हिकि स्थापमः स्थाद्धा वत्र हेकि स्मदः। क्लिएः जन् यस धनः न कक्त्रभावत्यः वास्यवृक्ष्यं किन्नः कृष्णाद দিতীয়ো বর ইত্যেভিপ্রায়ঃ। হে মংজ প্রথমমেষ ব্রোহস্ত হীনতঃ ক্লশীলপ্রবীগাদিহীনেন কশ্চন দিৰাদ: পাথোন বিভাতে বিবাদপ্ৰানং পূতং যতঃ। পাথো বিবাদ: পুষুষ্টতি পাঠে হে বিশাশ্পঙ্কে ধীনত। ধীনতে। ধীনজনেন সহ মম কতন দুভোগি বাৰহাবে। ন বিভাতে ন ভবতু কিছ সাধুতিয়েৰ ভৰ- বিষয়াদ্ভিজাভেথা। শুগ্তু মে কানপদাঃ সম্গিতাঃ কলে। ষথাতং বিষয়ে প্রভৃত্তথা।

প্ৰবাদ: পরম: আপ্রান্ম বিষ্পালে আপ্রান্ম বিষ্পালে আপ্রান্ত চ্চিতে। আপ্র: প্রভামিত সাধ্যিতামর:। প্রামেত্ বাদং
বিশ্বিক স্থান্ত বাদং
বিশ্বিক স্থান্ত প্রকাশিক বাদং প্রাপ্তের্ম কর্ম স্থান্ত বিষ্ণানির বাদ্ধিক স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত বাদ্ধিক স্থান্ত স্ বুক্তয়ঃ ছলং বলং নিক্বং কনহতে। অতা প্ৰয়েম পাদেন ছল বলে নিরতে, রালদণ্ডভয়ামিক্বোহণি নাতি, জিভত ধনত তৎকণ্মেৰ দাপনাৎ কলহোহ্পি নাতি, হীনকুলত্ৰবিণানাং হি ধৰোহ্যং কলংহা নাম এবং চতুটুরং যাচিত্বানিভাগ:। আনু পকে, একমাছবৈ উবর: বরৌ বৌ কলিয়েজ জু। আমনু রাজো ক্ৰেক্স ভাষণত শতং বর।, ইতি সভাষাং হৌণত। বাকাৎ পরামধঃ, আজনবেশ্পারিখেন তথা ধারমভু দ্ভিকার: ডৎকণ্মের ছবৈয়বাসৌ মদীয়ং ধনং দাপ্যিতব্যং অযুমভিপ্রায়ঃ। দৃতিকারীণাং চতন্রো শিতঃভিতায়: অতিএৰ বিবাদ: প্রযো বোগ্য: অয়মাশ্য: দূচেড বিবাদো জায়ত এৰ কিছ সাধুসখৰী স্মানকাডে।(যানো) ভবিতাসি মে সথা প্রভূতবয়ো বল্পানভোকন:। পড়ো ভমজুশ্চ বহিশ্চ

যচনেন মাং সদা (১১)। দাজামি সর্বং ডদহং ন সংশল্পো ন তে ভন্নং বিদ্যুতি সন্নিধৌ जर्ममा कृष्डक एक बानमभावृष्डः भग्ना ( >• )। त्व षाशूचारमध्-त्रवृष्डिक्षिष्ठा जन्नाम्क एकबार মম । বৈশাশগায়ন উবাচ । এবং স লকু। তুবরং সমাগতে। বিরাটরাজ্ঞোহ্য নর্যভত্তদা।

মনীত ডতা সমূমতিঃ সতা জাতঃ সমূহঃ তথানু সমানজাতঃ সমানং তুলাং জাতং সমূহে। ংত ইতি বিপ্রহে ব্যবহার: ইতি। (১০ ) দুখানভাতো ভবিতাদি যে স্থেতি। স্থানভাত: স্থানবয়া: থ্রা স্থান-नमांत्र मणाद क्रभः, काउः काटलाष क्रम्य विभः। उत्मवार्षः व्यक्षित्वा हिल्ला हिल्ला क्यां श्रीक्रिकाः। ৰণাহুভমুদ্বাটিতম্প্রায়িডমিত্যেশ । (১১) মহুভিক্তিমানাভাক मिनिय बरन्ति । • 1

ত্র সবিধ্যা বিতক্ষরান্ত লভামি নিশ্চমুন। তথাতা চিত্তং জনিশং বিতক্ষরস্থতভাদ্য ন যামি বৈশশকায়ন উবাচ। (১) থকাং দক্ষী কেডিঃ। থকাং মছনদঙ্গ দক্ষীং তদেব যদ্ধ। স্থাদি ক্ৰিষ্থা লোকমিমং প্ৰকাশয়ন্। সূক্ষবানা গিরিৱাল-সারনাং জং মৎশুরাজং সমূপেডা সিংহোয়ভাংসোহয়মভীব রূপবান্ প্রদৃশতে কো ফু নরষ্ভো ম্বা। অদৃষ্টপূৰ্বঃ পুরুষো छद्र छ । ॥ मृरेहेद रेज्य न विवारशामाङः शक्ष स्वतारका यिष या श्रुतम्पतः। कामीख কোইয়ং মম দর্শনে ফিছে। যদীপ্সিতং ভল্লভভাক মাচিরম্। বিরাটবাকোন ভূডেন পরিবেশনার্থা লৌহমন্ত্রী থকা বটাং।দ্রনিঃসাবপার্থ। দর্বীতি ভেদঃ। (২) গিরিরাজসার বাৰুসিৱিরাজে। মেক: ডতৈতৰ সাহং বলং বিজতে ংজাস তথা। যথ। সাধঃ স্থিদশ: দুটাকাৰ্যৰ ইতি ৰাৰং স বিদ্যুক্তেতভোটি স্থেবানু সি রবাক উব সাবংনানু ফ্রিণাশবানু ইত্যুপমানপুৰ্কণদ: কৰ্মধার্কঃ। (৩) ন ঘৃষি তকুং স্বরণণ ন ম্মি নাবিগ্ডামি, যা গাডোপিডাপ্রেইনব অভানাৎজাৎ। স্থাৎ ভিস্থিন্ (২)॥ ডং প্রেকা রাজানমিবাফিকাগতঃ ততোহ্রবীজ্জানপদান সমাগ্ডান।

্ত্র ন্বরো নরেছিছ। ভীমসেন উবাচ। নরেক্স স্দঃ পরিচারকোহন্তি জানামি স্পান্ ব্ৰদেশ ভূল্যত ন বিদ্যুতে মন্না নিমুক্তশীলত সদিব পাথিব। গলৈচ সিংহৈত সমী দ্বিনাহং
সদা ক্রিয়ামি ভবান্য প্রিয়ম্। বিরাট উবাচ। দদামি তে হস্ত বরং মহানসে ভথা চ চোদিতা নরা বিরাটস্ত ফ্রশীত্রগামিন:। উপেতা কৌছেয়-মথাক্রং-স্থদা ঘথা স রাজাবদদ-চুচভাস্থজম্ ( ৪ )।। ততে । বিরাটং সমূপে হা পাশুবং ফ্দীনরপং বচনং মহামনা:। উবাচ স্পুদোহ্সি নরেশ্র বল্লবো ভল্ক মাং বাঞ্চনকাবমূত্মম্। বিরাট উবাচ । ন স্দতাং মানদ আৰুষামিতে সহস্তনেত্পতিমে। হি দৃশতে। শিয়াচ রূপেণ চ বিক্রমেণ চ প্রভাসসে 🥦 द्यवमः म दक्रमान्। षात्रामिका त्य मृनाक भूता-छ्यम् श्विष्ठित्रमाणि मृत्ना मर्त्यमः (४) 🛚

কুনশীলগুণাদয়ঃ। (৪) অচুচ চাফুজং যুথিটিরজ সভাাদেবচুটেজাৎ তথা ব্যপদেশ: অচুতিজ সরনাবায়ণ্যোরক্যাণচাড্যং ব।। অক্ত্নাস্ক্যিতি পাঠে অক্নো অস্তকো হত্তেতি-🕶 हो 🐛 । 🕻 । ন কেবলং প্রথমেহিছং নামাজ্যপুণান্ কানামি যুণিটিরেণ যে আংঘাদিতাঃ ফ্লাঃ

বৈশশপায়ন উবাচ। ততঃ কেশান্ সম্দিশ্য বেলিভাগ্রাননিদিভান্। কৃষ্ণান্ क्ष्ममाम् स्नोदीन् ममूस्वाषा छितियाका। कृश्ट मिक्टन भाष्यं मूछनमिकरमातना (১)। कि विक्रिक्षिणि की यहत्रन व्हाइत्मा नाम काहेरमाह्शामः । •। वे देवभाष्माम् केवात । छकः दक्षान् ममूर्किना त्व

হালনানি, রাজ্যোগ্যপাচকোংহমিতি ভাব:। (৩) সম্জনেমীং পৃথিবীমিতি সম্জো নেমি-কুৰ্ঘিৰ্ভীয়ে পুষিৰায়ঃ সা ডগা তাং। নেমিঃ ক্লীৰে ডগা গৰ্ভে প্ৰকাষে কৈতনেষ্পি চেডি বিষঃ। मूत्रइत्ज नियुक्तः चिष्ठ हेि यात्र । हैि छोगरमन क्रावमः । ।। ()) विविद्यायोन् ममुम्यायाः मन्मित् भाष्यं कृश्हार मम् छन्छो ह्योगमीछ त्मारा

**किक्बींग । मा खासू**वांठ बारक्क्य रेमिनक्कारु-मूर्णागाडा । कर्षा रिष्कामि रेव कर्षेर जा पार वांत्रक भित्रवारेष्ठकः कृष्णः सुमन्तिनः মहर। कृषः (वर्षकः मित्रिक्कााः ज्ञां वाज्ञ-मार्थिवरः जार नदाः शतिषावस्त्रीर खित्रक मग्नाखवन् (२)। ष्ण्येष्क्ररेक्ष्व कारमृष्ट्रीकाषर किक

বক্তবিভাগর:। কম্পিডাগ্রাণি ব্যচকতে কেচিং। (২) নরা: প্যাংস:। (৩) বৃভ্বতি ভর্ত্মিক্তডি ভুত্ত্ৰ ধারণপোষণমো পূপ্কভীতি পাঠে পোই মিছতি স এবাৰ্থ: পূব প্টো ধাডোঃ। বৃষ্কভীত্যাপণাঠ वस्त्रका। त्रका शकन् त्राकृष् राजगष्गमस्ति॥ मूरकृषी मुखनी जामा जीनत्याषिभरदा-শোসাদাদ্দেপদালুকাম্ ( ৪ ) । সা সমীকা ডথারপা-মনাথামেকবাসসম্। সমাহুয়াবাবী-বৃভূৰ্তি (ষুষ্কুভি পুপুকুভি) (৩) । তত্তারপেণ বেশেন গ্লক্ষয়া চ তথা গিরা। ন শ্রদ্ধত তাং भागी-मद्रारहाजानगिक्षणम् । विद्यातेख क् रेक्टकद्री छाद्या भद्रमभष्यका। आत्माकद्रको महरम् হয়ে কা কং কিঞা চিকীর্বাস । সা তাম্বাচ হে রাজি সৈরিদ্ধাহ-মিহাগতা। কর্ম চেচ্ছামি रैंब कर्षु, उन्छ त्या माः (य्यूक्टि) भूभूक्टि । स्रामत्कावाह । रेनवक्षभा छरास्त्राव घषा वर्षात्र ভাবিদি। প্রেষ্মন্তী চ বৈ দাসীদাসাংশ্চ বিবিধান্ বহুন্। গুচ্গুল্ফা সংহতোক-জিগস্তীরা

লকণৰ্। নাভিঃ অবস্থমতি প্ৰশত্তং গভীরমেত্তিতয়ং ন্রাণাং ব্যা ভিডিঃ ছানৈঃ বাস্ বৃদ্ধি जा विकास की किस वी वा यि वा त्राहिनी यहास्। जानपूर्या त्रिकारक की शुरुद्रोकाथ मानिनी। ু এব। (৪) প্রাসাদাং প্রাসাদমাকৃত্ কাব্লোণে প্রমী। (৫) গুড়ওল্ফা সংহতোরজিগভীরা ৰভূলতা ইত্যাদি পুণ্চকনিতাননাতা ইতি চ অন্যৰ্ণ:। গুড়ো গুল্কোপাণএছা বভাঃ সংহিতে। মফ্পাব্ক যজাঃ স। তথা হিপ্ছীর। ত্রিষ্ ব্রসভানাতিষ্ অফুভানা তথাচ সাষ্ত্র যক্ষী বা যদি বাদেবীগন্ধব্বী যদি বাপ্সরা:।। দেবকভা ভূজজীবানগরভাধিদেবভা। কযুগীবা গুঢ়িশির। পুণ্চন্দ্রনিভানন।। শারদোৎপলপত্রাক্ষ্যা শারদোৎপলগন্ধয়। भाग्रम्भारम् अन्तरम् विका जार्भन मम्बी जिया।। का घर क्वि यथा छ। मामि मामी कथकन। ধরা। ভেন ভেনৈব সম্পন্ন। কাশ্মীরীব তুবঙ্গমী। অরালপক্ষনয়না বিস্থোপী ভন্মখ্যমা ভণা নোচেণ্ডল্ফেভি পাঠে নীচগুছিকৈডাধঃ। সংহ্ভোরঃ প্রশপ্রালিফ্ভোরঃ

3

নাসুষী ন চ রাক্ষসী। সৈরিদ্রী তৃ ভূলিষ্যাসি সভ্যমেত্দু বীমি ডে 🛭 কেশান্কানাম্যলংকর্ লাভিভিগভীয়া অনৰপাত্ত্ৰণ। বড়ুয়ত। ব্টুয় ছানেস্যুত। ক্ৰাটিকাশিকুশিমুখকটীপৃটেষ্ অনৰ্য-পিংযে সাধু বিলেপনম্। মলিকেংপলপল্লানাং চম্পকানাং ভথা শুভে। এক্রিয়েষ্য ৰাসাংসি যাবচ লভে ভাবভাবভামে তথা। মালিনীড্যেব মে নাম স্বয়ং দেবী চকার সা 🛊 महिमस्यात्रका एनवि स्टन्टक ब्रिट्बमनम्। स्टन्टकावात्। मृष्टि, षाः वात्रप्रद्राः देव প্রাক্ষেক্ষেগ্রেকু বা ক্লেছণ-বক্দ নাসিকাতা পুঠং ক্কাচীক। চেভি ষ্ট্রডানীভিদাস্থকং। धानयूत्रकक्षत्रस्थित्वस्वरकाण्कित्रस्था या। शक्ष् त्रत्क्ष्य् त्रका, रत्छो भारको ज्या किस्सा क्षांपत्रक এব চ ইতি কয়তলপাদতলকিহননেধাধরের রক্তা-লোহিতবর্ণ কিছতেয় পঞ্যুরক্তের সঞ্যাগ-অংনকেষ্ মাৰ্কন যুক্তেষ্বা। রকতঃ ভাৎ কুছ্মে প্রাচীনামলকেষ্টিভ বিখঃ। যথা পঞ্জ বিচিত্রীক অকঃ পরম্পোভনাঃ। আরাধ্য়ং সভ্যভামাং কৃষ্ণত মহিবীং প্রিয়াম্। কুকাঞ ভার্গাং পাঞ্নাং কুরুণামেকসূলরীম্। তর তর চরামের্থ লভমানা সুভোজনম্। নমন্ত্রত চরণেষ্ রাগবিষয়ের। হংস্গদাতাবিদী হংসীব সদসদভাষণশীন। গদ্যদং

ৰশো ভবেৎ। অধ্যারেরাহেদ্যথা বৃক্ষং বধারৈরাখনো নরঃ॥ রাজবেখানি তে ডেক্ট क्रेयम्अचीत्रः या ट्लनट्लन शृट्याट्लन काचीतो काचीत्रत्भट्नाइता छत्रमत्री यथा। ज्याचनत्रीका-ভৰ শুচিমিতে। দৌপগ্ৰবাচ। নামি লভ্যা বিরাটেন ন চাজেন কদাচন। গছৰ্ববা: শাল্লে আখানাং বড়দাকণং প্রতিগাদিতং তেন ডেন প্রতিগাদিতপুচ্ছকণ্দিগ্ৰব্যমনা**হলে**-বাসকে জ্ঞান্তথা মম । যথা কক্টকী গৰ্মাধতে মৃত্যমাজন:। তথাবিধমহং মজ্ঞে বাসং 

শতকো মহং ম্বানঃ পঞ্চ ভাবিনি। পূতা গ্ৰহ্ণবালত মহাসভাত কতাচিং। রক্তি क्ष्म क मार निष्ठार कुःचीठांत्रा ख्यांश्वरम् ॥ त्या तम नमाष्ट्रिक्छिर न ठ भारमे व्यथायरम् ।

क्षाड्य भक्षाः हेन्डि फिलेटित वस्त्रीहिः। भन्ना भट्टिमात्रो अगदाः। कष्त्रीया बिटनमाष्टिक्षमा भट्टिमात्राः क्रम्प्रामिक्ता। क्रम्प्ता वद्या ६ त्वावाक्त वर्षित्र व्यक्त क्ष्मा काळवा मन। त्यारव क्रम्प्रिक क्ष्मि क्रियो क्ष्मिक ভারতি কারী কুতম। মধালপামনমুনা মুরালো হংস: ডাজ পামুণীব পামুণী ব্যোন মূনবো: মুরালপামুণী मुद्धाप्तका ; द्वमा तम्मा मिर्मो हिटक हेडा ज्यानः यम् मिराटक निकामत होक रम्मिक्का : तक्क মুল্ল কৰ্মীশাং প্ৰভিশাদিতং কা মুমিতি দ্ৰেণদীং প্ৰতি স্দেক্ষা পৃচ্ছতি ভদেৰ লক্ষণ গুচওল্ফে-मुस्झार एडम परिमन शंक्ष स्तिः भंडर्षा मम। त्या हि मार शुक्राया ग्रीरधार बधाष्टाः व्यक्तिकाः ফ্লিয়ঃ। ভাষেৰ নিৰ্মোন্তাতিং প্ৰবিশেদপ্ৰান্ত্ৰযুষ্ (৬)॥ ন চাপাহং চালয়িত্য শক্সা

[ 4-6]

বেশশশায়ন উবাচ । সহদেবোহণি গোণানাং কুছা বেশমস্ক্ৰমম্। ভাষাকেষাং গণাহ।স

বিষাটমূণয়ালথ (১) । গোঠমাসাদ্য ভিউন্ধং ভবনতা সমীণভঃ। রাজাথ দৃষ্ট্য পুরুষান্

কুল প্রাছিণোভজাভবিত্ময়ং। ভমায়াস্তমভিপ্রেক্ষ্য ভাজমানং নর্যভিষ্য। সমূণস্থায় বৈ রাজা

বিষ্ণাক্ষ্য কুলনন্দনম্। কত্য বা বং কুভো বা বং কিং বা ( বং তু ) ভাভ চিকীর্সি। ন ছি বে ( 4 ) म 5 भारमी मर्टास्किट्ठीर म्ह्यांकाृति घर कथकन । देवांक्यांप्राम खेबांक ॥ अयर कृष्णा-त्रम ख्यांक-खाष्ट्रन बनारम्बन्न । हेजि ख्रिमहाखाइए७ भएमाहष्यार माहिकान्नार देवानिकार विद्याष्ट्रेशवर्षा त्योशकी श्वरत्या नाम नवत्याष्ट्रशायः । \*।

( ) जिमाजार नचीनर भट हेडाबी:। ( र ) स्मम्यहोषिनमा हेकि स्ममानार मरहोषण प्रश्रक्त मिनिहोत्। (१) निमित्र एवि। त्मेगमी बरनमः

सुनिक्या कृष्ठ हेद व्हरो यजाः मा छथा। ( ७) श्रुरधार कारचर वाङ्काः ज्ञियः चणवार छष्ट्रः भत्रलारक

কিৰ্মন্ত সদা বদৰ কিঞাপি তবেহ বেভনম্। সহদেব উবাচ। পঞ্চানাং পাতুসুত্রাণাং हमारका खाणा यूविकितः। खन्नाहेमखनाह्या भवार ( वर्गाः ) वर्षाः मखः मखः ( ४ )। ष्पनात्त क्म्य्य । क्छानि ब्रास्का विष्यापिश्राकः किः वानि भिद्याः छव विषाट कुक्रम्। क्षाः ष्रमचाञ्च कोविक्मभीकर्षणा न 5 षषरका मम (बाहरू नुभः ॥ विवाह हैवाह ॥ षः बाक्तरणा वा विष ৰানাৰ । বল্তং ছয়ীচছামি বিশাং ধ্রিষ্ঠ ভানাজসিংহালহি বেদি পাৰ্থান্ (৩)। ন শক্রসে ৰাসি ক্তিয়ঃ সমূজনেমীশব্ররপবানসি। আচক্তুমে ভত্ত-মমিত্রকর্বণ ন বৈশ্রকর্ম ছবি বিদ্যুতে

म्बूबरनमीपत्रकाष्ट्रक विक्रमावानाति मत्तिष्टः । (३) मवार क्षीः भवार एकाः । वर्षः छाष् खन्त्यमात्रीक अस्त्रकृष्ण निवेत हेव विष्ट्रता यज्ञ म जवा अत्या ब्राह्टकृष्णमार यम हेन्। मनः। ( ७ ) विमार विष्ठे ह नदत्योष्टे

হুনুসাহত্ৰা দিন্তাবন্তুন্তবাপরে। ভেষাং গোসংখ্য আসং হৈ ভন্তি [ ভি ] পালোভি মাং বিছ:।

পুৰুমুম্বাজায় জণি বছা। প্ৰস্থাতে । বিৱাট উবাচ। শতং সহস্ৰাণি স্মাহিভানি স্বৰ্ণ বৰ্ণজ্ঞা বিশিশ্ৰিজ্যন্ত হৈ বিশ্ৰু क्तिक्स हि भीरवा वक्तमा छविष्ठ न छाञ्च त्यारुशा छवकोह क्क्ति। रेड्रोडक्रम्भारेग्रविष्ठि मदेष उटल डानि मिक्कानि मशि क्रिडानि । अयकानि जिल्लानामि अक्तिन् भृकि उन्नार् **७ नी: स्**विक्तिका क्योनसम् एन्ड महास्रमः (८)। व्यानीक ममम् कृष्टेः क्रमनार्था स्विक्तितः। कृष्टः छताः खिव्यामे वक्त माथानिष्ठः भनाम्। न त्यञ्जाविनिष्ठः किषिरः ममझिष्मभरबाष्ट्रमा

स्मिकः। वर्षी केन्डि गार्टरे वर्गीः मकाडी बनमूक्षवाः ( ८ ) छटेन खन्नक्कानिकः। ( ७ ) मनानाम् नचनान-अविकास् । तक्त्यवद्यात्वमः । • ।

ইতি অধিছাভারতে—বিষাটপর্কণি সহদেবপ্রবেশো নাম দশমোহ্যায়ঃ 🛚 🛎 🖁

প্রকিবিবপ্রে প্রভিমূচ্য কুগুলে দীর্ঘেচ কফ্পবিহাটকে শুভে।। বাহুংশচ দীধাংশচ বিকীধ্য বৈশশপায়ন উবাচ। অথাপবেহিণ্ট্যত কপ্সকণণ জীণামলকাবিধরো বৃহৎ পুমান্। স্কিলাসহাত্ৰো বারণত্লাবিকমঃ। গতেন ভূমি মতিক-পয়ংজদা বিরাটমাসাদ্য সভাসমী-

অধিভিষ্চা পশ্চাৰ্থায় ব্ৰা প্ৰাচীব্ৰটপ্ৰায়ে কৰে প্ৰভিষ্চা অথবা প্ৰাকারসমীপে। প্ৰতিষ্চোজি পডঃ(১)। ডং প্রেক্টা রাজোপগতং সভাতলে সত্রপ্তিচয়মরিপ্রমাথিনম্। বিরাজ-মানং পরমেশ বর্চসা ফুতং মহেন্দ্রস্ত গল্পেন্দ্রবিক্রমম্ (২)। সর্বানপৃচ্ছচ সভাস্ত্রচারিশঃ কুভোইয়মায়াভি পুরান মে লগতঃ। ন চৈনমুচুবিদিভং ভদা নরাঃ স বিশিতে। বাক্য-( ১ ) थाकात्रमस्य श्विम्ठा कुथल हेटि। धाकात्रमस्य त्रिक्टि लमः धानीत्रक्ति नार्टकेशी म खदार्थः। क्यूशतिकाहेटक नव्यवस्ता । शटकन शमरनन कृतिः कष्णादन् सुखटक हेक्कि শেষঃ। কুওল ইত্যুক্ত বিশেষণং বা প্ৰকিরব্প ইতি অয়কাৰ্ণ: প্ৰাকার-চাসাবাকার-চেতি প্রাকার: রেমিপ্র: কেষ্ট্র: কেব্রমিত্যময়: (২) স্ব্র্রতিজ্ঞাং স্রেণ জ্মুনা প্রতিজ্ঞাং তিবাছ্ডিং প্রেক্সবিক্রমং ভত্ত ৰংগ্ৰ আলীষৰ্পে ব্যশ্ৰেশাত্ৰ কেন্ম্চাতে বংগ্ৰ ইব্ বংল আলীষ্ড্তে ইতি বিএছঃ। প্'নপ্গেক-

বিমূচ্য-কমু পরিচাটকে ভাভে বিমূচ্য বেশীমপিনহ ক্ষ্যেল ।৩)। শিশী (শ্রধী) স্থকেশী পরিধার (বাসসী) চাজ্ঞ্য। শোভ্য ধ্ৰী কবচী শালী তথা॥ আক্ৰ্যু যানং পরিধাব্ডাং ভবান্ স্থৈতঃ ফিদং ভূপোহএবীৎ। সকো (সদো) প্ৰমঃ পুক্ৰমেহিময়োপম: ভামে। সুবা বারণস্থপোপমঃ।

ত্র) গায়ামি র্ভ্যাম্যথ বাদ্যামি ভলোংমি নৃত্ত্য কুশলোংমি গীডে। অমুজ্রাখ্য প্রদিশস্থ ই (পরিধংস্থ) মাং স্বয়ং ভবামি দেব্যা নরদেব নর্জঃ। ইদল্ভ রূপং সময়েন কিন্ন্ত্ ১৯ শেকবিরিয়েয়ে ভূশলোকবর্জনম্। রুহল্লাং মাং নরদেব বিদ্ধি বৈ স্থুতং স্থুভাং বা পিজ্যাড়-ব্ৰিজ্ঞাম্ (৫)। বিরটি উবাচ ॥ দদামি তে হস্ত বরং বৃহয়লে স্তাঞ্চমে নর্ধয় যাশচ প্র (৪)। নৈবংবিধাঃ ক্লীবরাপা ভব্যি ক্থঞ্নোতি প্রতিভাতি যে মনঃ। আর্ক্ন উবাচ। সমোমে ভাব বা ময়। সমঃ॥ বুজো হৃহং বৈ পরিহাতুকাম: সর্বান্তে মৎভান্ পরিপালায়ক

ঐরাৰতভ্রেব বিক্লমো পামনং যক্ত হয়। (৩) আনি নহু পর্ধায়। (৪) পরিহাতুকামঃ রাজ্যাদিবিষ্যাণাং ইতি যোজ্যম্। পরিধংস্ত পোষ্য: (৫)ইদং নপ্শেদকুপং যেন কেনচিষ্ট্রাপ্রাকীতি ডং ম্য শোক্ষজিন- ভাদৃশী:। ইদস্ত তেকৰ্ম সমং ন মে মতং সমূলনেমীং পৃথিবীং ছমইসি।। বৈশাসপায়ন 'উবাচ॥ বৃহয়লাং ভামভিবীক্ষ্য মংস্তাবাট্ কলাস্ত্ নৃত্যেষ্ ভবৈব বাদিতে। সংমন্ত্র্ রাজা विविधि स्था श्रिक भन्नीकरेटनः क्षामां जिला है। स्था हमा हिस्ति छ । কুমারীপুর-মুৎসসজ্ঞ তাম্। সনিক্ষ্যামাস চ গীতবাদিতং স্তাং বিরাটন্ত ধনপ্রয়ং প্রভূঃ।

বাপ্যথ বাস্তরে চবা:। ইতি আমহাভাবতে শতসাহসাং সংহিতারাং বৈয়াসিক্যাং दिवमण्लायन छवाछ। ज्यानद्वारमुण्येष्ठ नाखदः ट्यक्-र्विताहेताक खत्रनान् ममीक्ष्य्म । য়েহ্বসং প্রিয়াণি ক্বন্সহ ভাভিরাম্বান্। যথাচ ডং ভত্র ন জ্ঞিরে জনা বহিশ্চরা विवाडिभव्षित्रक्र्मट्रायटामा नाम এकामटमाध्यायः॥ 🖈 ॥

विश्वकावः। हेम क कार मग्रद्यन कित्र उर शको डिविरम् हेजि भाट्ठे हेम क कार किश्रामि छ जो नक्षत धकी की प्रति मन्त्रत कारमन वा किट वारकान कार्यं। कर्ष्य यातमा । \*।

স্বীশচ ভত্যা: পরিচারিকাত্তথা হির্মণচ তাসাং স বভূব পাণ্ডব:॥ তথাস সত্রেণ ধনঞ্জ-

€মাশত হং দদ্ভ: পুথপ্জন। বিমৃতি-মুলাদিব সূধ্যমণ্ডলম্ (১)। স বৈ হয়।নৈক্ত মারাভি নরোহমরপ্রভুঃ॥ অব্যং হ্যানীক্তি মামকান্দৃঢ়ে এগবং হয়ভেলা ভবিভা বিচ-ভবাৰাসুতে। নিপুণো ভবাম্যহম্। বিরাট উবাচ। দদামি যানানি ধনং নিবেশনং মমা-चैच्ट छ। छ दिङ् ष्यर्शित। क्ट छोशित कछ।त्रि कथः ष्यात्रिङ, धाक्र िमद्राः छ व ক্ষণ:। প্রবেশ্তভামেষ সমীপ্যাশু মে বিভাতি বীরো হি যথামরস্তথা। সোহভোজ্য রাকানমমিত্রবৌকচয়োজ তে পাথিব ভদমজ ব:। হয়ে প্রজো রূপসমত। সদা ভেনাহমশ্বেষ্ शुक्त नियुक्तः मक्कर्यन ॥ ष्याचानाः श्वकृष्टिः विषय विनयकाषि সर्वकाः। कृष्टानाः श्वक्ति-नक्न डिवाठ ॥ नकानाः नाषुश्वानाः कारहा व्यक्ति श्रीहितः। क्षे क्ष्यंत्र स्वित्र विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य

( > ) शुष्ण सनः श्रीकृष्टमाः । ( २ ) काण्डाः कृष्णिम् । नक्नश्रीयमः । • ।

मिडिक क्रुट्रक्र हिक्लिमिडम्। न कांड्यः छाम्य कांकृयाञ्नः न प्रश्रेष्ठ घुडी बख्या क्एका रुप्ताः (२)। जनक्ष मामारु म ठालि भाखत्वा यूपिकित्ता व्यक्तिमय नामकः॥

द्मिक्षित्रोत्अय कि मर्नातन त्य ममञ्जातमा विषय्य मन्त्र। कथक छ्रेडाः म विनाकृत्वा वरन दिवसण्याद्यन खेवां । ७था म शक्ष्यंदर्ताशास्य व्याविद्याख्या मूनिर्छन शृक्षिकः। পাণ্ডবাং যথা প্রভিজ্ঞাভিরমোখদশ্না:। অভ্জাতচধ্যাং ব্যচরন্ সমাহিতাং সমূদ্রনেমী-भाष्ट्रवाशिकश्चःभिष्ठाः। हेन्डि ख्रीमहाकार्ड भडमाहत्यार माहिष्ठाद्याः रेवद्यामिकारः विद्रां छैवा । यम् छि किष्ण्या यास्त्रियाहमः छम् छ मस्तः सम्मीनमम्। देव। त्य ग्रामि কেচিল্মম বাজিযোজক। তুদাপ্রয়া: সারথয়শ্চ সন্ত্রেম। ইদন্তবেইং যদি বৈ সূরোপম প্রক্রিছি শতে প্রসমীকিতং বসু। ন কেংসুরগং হয়কর্ম বিদ্যতে প্রভাসি রাজেব হি সমতে। মম । न किनमरकश्री विष्टः कथकन विद्याधितामः विष्यक्षभक्षता। जवः हि मराज खनम दिवाङेगर्काण मकुमधारवत्मा नाम षागरमाहशामः । क्स्ड्रानरक्ता व्यट्ड ह शांख्याः

শুনুমুকুকু উব্চি । এবং তে মংজুনগুৰে বৃস্তু-স্তুত্ৰ পড়িবা:। ( এবং মংস্তুত্ত নুধাৰে

বৈশশপায়ন উবাচ। এবজে মৎস্তনগুরে এছিয়া: কুক নন্দা:। আরাধ্যুস্তো রাজনিং क्ष वित्राष्ट्रनगरत बनन् ( २ )। य्विछितः नकाछारता प्रदशानामण्यद व्यितः। फरेषद ठ वित्राष्टिक व्यक्तां क्यां महत्रव ममक्ष्व ७ ७०० १)। ज्निविन्यामाना धर्मा घ प्रदायाः। প্রজ্লা: কুকনন্দনা: ) অভ উর্কি: মহাবীধ্যা: কিমক্র্তিত বৈ ঘিজ।

(১) ध्वसः वरक्रक नशत हेक्जारमः विवाहेनुभएकष्ठक वशामि एष एष कर्षांभ वास्र शास्त्र गांधिन প্ৰতীয়া প্ৰকাৰিশেষজ্ঞাৎপ্ৰীয়াৰ্ঃ। (২) তৃণ্বিনুঃ রাজ্যিঃ ডেলফুগ্ৰছাৎ ধৰ্ষণ্ঠ বয়দানাচ্চ একমেকং ह्यके वर्षमासामा १ (७) म् हाक्क्समळ हे छा। मि। म भाषप्रधान् मध्यान् मिकान् निकान् हे व

स्टोनि मखानि। ( ६ ) शक्तिश्रीनि गत्रिशाममादकीनाम। (७) क्षानि हिक्दिमानित्र। (१) छन्-ময়োঃ সমাপেতুদিগ্ভোগ রাজন্ সহস্রশঃ। সমাজে ব্রম্পো রাজন্ তথা পশুপডেরণি (১) अक्ष्यकारि स्टिमामाशः स्टेड्याकोष्ट्रामान हेटि नवकः। स्टि खिमामक्ष्योखामयः। (8) पाकि-क्रोट्स डकूटर्ष छ बक्तभः स्प्रश्रादमयः। बाजीर नग्रहा भराग्रम् भूक्यानाः स्मण्यकः॥ खत क्ति, स्विष्णा । ( ) भूनति बांडा बजाष्टत शत्क मर्गनम्जावनाखादार। ( ) मयार बं केरम्

প্রকৃতিং মন্ত্রং বোধনামাস মংশ্ররাট্। নোদামানস্তদা ভীমো ছঃখেখনৈবাকরোমাভিন্।

রুমুল্ল শক্তেনিভ বির্তে প্রত্যাখ্যাতুং নরাধিপম্(১৩)। উতঃ স প্রমব্যাস্তঃ শার্দি্ল
রুদ্ধিলেশ্চরন্(১৪)। প্রবিবেশ মহারঙ্গং বিরাটমভিপুজন্ন। ববন্ধ কক্ষাং কৌজ্যেন উৎক্টাঃ। (১১) ব্ৰব্যাডা: সূচুভ্ৰতা: নৰ্(লক্ষাঃ)বকা: ধো যুদ্দিভা প্ৰথতিত ভট্ডভালক্ষ্। (১২) বাঁকে क्षांबारम चावल्यानगारकाठनप्सम्भमनकम्। ( ১২ ) हःस्यम च अक्टेवामाकाज्यनष्याका । विवृज्य स्मिति। ( > ) वीश्रम् छ। वरमाम् आ वीश्रमस्य मः एउन एम्डा प्रमणः वमः भन्नोतः एउन प्रमा त्मार्भाण्डाकेष्ठ ( किकेंकि ) कण्डन (>>) । यना त्रार्व्य वियमताष्ठ प्रज्ञा श्रण्डात्रकाः । व्यथ प्रामेन अधिरमी (১১)। ट्रिकारमटका महानामी ९ मक्यमहान् नमास्त्रप्र । ष्यावन्ननमानः छः ब्रह्म महाकामा महावीव्रा: कामक्श हेवासूता:। वीर्काणाखा वरमामधा त्राका ममध्यिषिष्ठाः (১০)। সিংহক্ষকটিতীবা: ষ্বদাতা মন্ষিন:। অস্কুলুজ্লকা্ডে রকে পাথিব-

(अहमसम्पर्धा ( 38 ) माप्नीम्बिकाः निःइ ह्यामात्रकाः। ज्याप निरह्यश्म छ मार्कम होकि मर्मनापा

खिम्ड क्षुम्हरेडिः ( ১७ )। मन्निमाखावर्षरेडम्ड ट्यारबाम्यरेनख्या। त्मनारेनम् शिक्टेम्डव ৰসংহোদ্দুলিখনৈ:। ভলৈব্দুনিপাতিশচ প্ৰস্থীভিন্তবৈ চ। শলাকানখণাতৈশচ ৰীরো প্রমমগ্রস্তী ব্যুচাহগুক্ষুকাকিছণো। আসীৎ সূভীমঃ সম্পাতো বদ্রপর্কত্যো-क्षित । छट्डी भत्रमत्रःस्ट्रही बरम्नाडियमात्रुट्डो। चर्छार्र्छान्डास्ट्रहा त्याक्ष्य भन्नमात्र करेमिबर्ग । केट अभिक्रो महारित्र महाभाषा । केट अधिकृतिकिरिवर्षाक् क्ट: मर्ट्यकाख्यम् ( ३० )। उडख ब्यामकामः जीत्मी मझः ममास्यम् । जीमुकेर নাশ ড: ডতা মলং প্রধাতিবিক্রমন্। তাব্ভৌ স্মহোৎসাহা-বৃত্ডৌ ভীমণরাক্রমৌ। সত্তাবিধ মহাকামৌ ধারণো ষ্টিহায়নো। তততে নালশাদ লো বাছ্যুত্ত সমীয়তু:

[मिंद!] क्लार कछ भरभाष्टः। ( ३७) श्रुमक्टिः मुक्टेः कृष्ष्यभाः क्लाः क्टे। हेल् अमिष्रः। कृष्य अस्थि क्रिक्ट क्षा अमुरेकः अध्यक्रेडिक्निक्षिक्षित्वक् दिष्ठिति एनतः। ( )१) मिनाएक ज्ञानि कट मनोतार **भारमांच्रेटज्ज माकरेनः ( ১९ ) ॥ भाजू ज्ञिना जान्तर्घारमः मिरवाज्ञिना विष्टा ( घष्टेरेनः )।** 

[6-6]

3 क्ष्मपट्टित्रचक्क्वीक जुकान्नार मर्गतः ट्रक्मोर्गक श्रामार ट्रक्नार्गतः। च्याक्र्मिक्ट्या मृक्षिः। चराणुगर विष्णामृतिहास्य सम्बद्धाः सम्बद्धाः । षिणीकृत्वाह्यः ज्योगायः यथातम्। बाहात्रः मा निकाबित्यवाः मत्रमाटेडः भवन्भव्यव्यविष्टः व्यव्हेडः व्यव्यक्षिक्वावाटेडः क्षत्रादेषः भाष्टित्रका द्रम्यदेशः मिषकाण्डिः कन्नदेनमीम महनानि । ( ১৯ ) यमग्राप्य बरमारकार्यन रामारकार्यन रामारकार्वे निमारमाथिष्यः करह्माण-इस्तिकः साममिषा करेपन यः क्लिक मनः न करवषत्रारहाष्क्रमिषतः। कर्वाष्ट्रमेगरश 5 टागातिक-শরোঁ দি হ:। সংপ্রারতদাধাত সংগ্রেদ। বলুমিধাডে। পর্চস্ততদা মলস্টিবলুমিডাপ:। ন্তৰ্গত শিলঃ সৰ্বাং সোৎকে ইনিনদোশিত: (১১)। [কীচকোঞ্পি যদা মলংন বিশে-ক্ষতে কৰী। তদা স্দেন তং রাজা বোধয়ামাস ভাবত । ] বলিনোঃ সংস্পো শক্ষিত্ বুলৰাসবহোলিব। প্ৰকৰণাক্ৰণাভ্যামভ্যাক্ৰিবিক্ধীপ: (২০)। আক্ৰিক্ভাম-শিলিক। ভাগে পাবেশাকুতিং পাশং হতন্। ( ১৮ু) জাছাভি-চান্ননিবোটের: পাবাণ্যোযস্থাভাজ্জিঃ।

निम्हिनोबीसमित्र । (२०) श्रक्षंत वाह्मामुबानम् श्रक्षे क्षंत्र क्षंत्र क्षंत्र भाष्त्राभवत

धारकांक्ष्यर कास्त्रिक्ष्यानि कत्रकुः। उक्तः भरमन मह्जा छर्मग्राक्षो नत्रन्नात्रम्।

शियन् विजिल्हर् वीत् मीयूष्ट लाक्तिलाए । विद्याष्टेः भवमर धर्-मगक्त्वाष्ट्रादः जह । क्षेष्ट्रींर द्रामरमी विष्ठा वह द्राका महामनाः। वह्नावाद्र महातह क्या देवस-मिर्टोश्म वित्रोम्मान्याश्वर । श्नुव्यः भूत्राङः जीनाः मत्य वृत्कामाः। वाधार ममुष्तमा महाराक्ष्यां मिमामात्र नीर्यान्। छ छ। महाण्ड मरजाण्ड निमान्नः डिक्टित भन्नम् । बाबबिका मध्यम् प्रमम्बर्गात्रकाम् (२३)। टाजामिरमहावाष्ट्राहाः कृति इत्कामतः। स्नक्रमा । अन्य म मृत्यून महान् शुक्रनात्म महाननान्। निमम्बरण्यताच्य बीषि-মাত্মগুদ্ধমাষ্। বদাক্ষ তুলাঃ পুরুবো ন কশিচন্তুর বিদ্যুক্ত। ডভো ব্যাক্ষৈত मुर्हाहरको मीर्षप्रको निवृष्ट्येननाव्रको। वाह्यिः समम्बद्धका-मान्नरेनः भनिर्पत्रिक। **क्कर्य (क्राफ्राम्**रगोष्ठी खीरमा मन्नममित्रहा। निनम्खम्भिरकामश्राष्ट्रकामश्राष्ट्रकामश्राष्ट्रका केव वाजनम्॥

अवग्राक्षा ममक्का क्षेत्र भाषाक्षाः ज्यात्रक्षाः विक्षानुष्टा विक्षानुष्टारक। क्रेगमर्गरक्षान्त्रका

म विशाहित मिर्हेड्यहेर्ड्य हार्रोलः। बीख्र्यून्नि मीएज्न यून्त्छान ह नार्ष्यः। ভোষ্যামাস রাজানং নকুলো রাজসভ্যম্∦ ७ टेम थएमग्रः शामक्रार शीডো রাজ। ধনং বছ। বিনীতান্রুমভান্দৃষ্টা সহদেবজ বৈ বিভো (২২)। তথৈৰ প্রদদৌ বিজ-विवाहेः छाषशामाम मर्खाम्हाभूत ब्रियः। षारेष विमीरेष्डध्वरेनस्त प्रत ममागरेषः।

প্র মনেকং মংজ্ঞরাট্ বয়ম্। শ্রোপদী প্রক্ষা ভান্ সর্কান্ ক্লিভামানামহারথান্। নাজি-এ শ্রীভিমভী রাজরিখাসপরমাভবং। এবংস্ত ভাবসংগ্রুতা প্রজ্ঞরাঃ পুরুষর্গভাঃ। কর্মাণি ভা ভঙ্গ ক্র্পাণা বিরাটনুপ্ডেজদা। ইভি শ্রীমহাভারতে শত্সাহস্রাং, সংহিভায়াং, বৈরাসিকাাং

রু বিরাটপ্র্বিণ জীমৃত মল্লবংশ। নাম এরোদনোহ্ধাায়ঃ। दिनमन्नामून छेदात ॥ दममात्नम् नार्षम् मद्याक नगत्त छता। महाद्रशम् हत्मम् চাণ্যতি। শতংগং শতবারস্। (২২) সহদেবজ তথি কাদেয়ং প্রবিদ্ধং ইত্তিক্ষকাশির। माभ्डमस्यमः । •। মাসাদৰ সমভায়:। যাজনেনী স্দেকাভ ভূজাযন্তী বিশাদপতে। অবসং পরিচারাহী

শুস্কানেদনভাৰ্ণ:। (৩) ভামিনী কোপনা (३) প্ৰভাগ্ৰণা অভিনৰ্জণ। অদ্ট্ৰংগতাভিলায়: প্ৰভিভাতি মাং নিবেশনে ভ্রতা। রূপেণ চোমাদয়ভীব মাং ভূশং গব্ধেন জাতা মদিরেব ভামিনী (৩)। বিজ্ঞুমানো শৰ্বরদানাবসরে বিরাটনগরে অযোদশ্বব্যতিবাহ্যরেব পঞ্জোনাঘাদিতঃ ভেষাং মধ্যে ভীমেন কীচকো শাভিড:। ভূবো ভারাবভারনার্থমিতি ভাবেপ্রার্থ: (২) ত্মিন্ বর্ধে প্তপ্রানে প্তবাজ্জ্য শ্ৰমণ্ড্ৰয়ান্তিছিত ইত্যৰ্থ:। প্ৰাধো মন্তণানশনে মৃড্যো বাহল্যত্নাযোগ্ৰিতি বিখ:। কাডাস্থ প্ৰাস্থ কাচক: কাময়ামাস কামবাণপ্রশীড়িত:। স তু কামাগ্রিসন্তপ্ত: সুদেফামন্ডিগম্য বৈ। अक्मित्रिव (मनानीत्रिमः वन्नयववीर । त्नग्नः प्रग्ना काष्ट्र भूत्तर मृहे। त्रांटका वित्राष्टिक (১) ৰসমানেৰু পাৰ্থেৰু ইত্যাদেৰ্ঘেন্দাতে সহ বাহুবৈলিডান্ডশু ভূভাৱাবভাৱণসংকল প্ৰমেশ্বস্থ स्कृत्रका कारमका । उदा हत्रको शाकानी स्तामकाम निर्वमान। कार त्मवीर कायका-মাস তথা চান্তঃপুরে জিয়ঃ (১)। তশিন্ বর্ধে পতপ্রায়ে কীচকন্ত মহাবলঃ (২)। সেনাপভিধিরাটত দদর্শ ফশ্দাল্জলাম্। জাং দৃষ্ট্। দেবগর্ভাভাং চরস্তীং দেবতামিব।

নগরং ভত্ত্যাচক্দু শোভনে। কপমগ্রাং তথা কান্তিঃ সৌকুমাধ্যমূদ্ভমম্। কান্ত্র্যা বিভাতি क्यत्याणि याकृत्री कमनिलिए । नक्की: नग्रानग्नाका क-मथ कृष्टिः स्मन्ताम हो: खि: ক্রোভি মাং বলে ন চাজ্যদ্রৌষধমস্তি মে মতম্। আহে। তবেয়ং পরিচাদিক। ভূচা প্রভাগ্ররণা প্রভিভাতি মামিয়ম্ (৪)। অম্ভননপংহি ক্রোতি কর্ম তে প্রশাস্ত কীচক শুথা সমভোত্য নবাধিপায়জাম্॥ উবাচ কৃষ্ণামভিশাস্তয়ং-শুদা মুগেপ্রকেন্সামিক कीठक छेवाठ। का षः कछात्रि कम्नानि कृट्डा वाषः वदानत्न। ब्याखा विद्याहे-रक्टा स्थानमांक हेर निर्मानमा त्नात श्रुविश्ल श्रुक श्रमण्डनिष्ठ श्राप्त । याकाष्ट **डांक्सर्का**कि भद्रभुष्टेक्ट्डांभमा ॥ এवং क्षणा मया नान्नी कांक्षिक्या महीख्टल । न मृष्टेभुक्ता কা দেবৰণী ফ্ৰণফ্ৰমা শুভা ফুচিক, মে কন্ত কুভোহতা শোভনে। চিন্তং বিনিৰ্মধ্য মাংযচ মমান্তি কিঞ্চ। প্রভূতনাগাশচ বথং সভাজনং সমৃদ্ধিযুক্তং বছপানভোজনম্। মনোহবং কাঞ্চনচিত্রভূষণং গৃহং মহচ্ছোভ্যতামিয়ং মম। ভতঃ স্থদেফামসুমন্ত্র্য को कि खुषा ममरक कु क्यूटका बटन। अ कोठक खेवाह।

3

क्लिंडाएथा कीर्छि-बामार का षर बहाजतन । वधीव ज्ञानिनी किर फ-मनमामिविद्यातिनी। षाष्टीत

(ब्रोडाउड मध्य । ( ¢ ) चानि (डम्पन न्यानः मिट्डामार प्रमान्याः क्रम् । नियाः करम्पिनः बैक्टः मिरान्यास्य-क्ष्यांश्रास्मेशानीद्रमोडाम्बः। (बहैत्रह्याद्यकाः म्या हेन्डि ह। क्षेष्मन्यम स्प्रमात्याः धिष्मन् मः जीकरम स्टब्स् व्यर्धरवरम्बोबस्ट्या। ज्यिन एक्किनम्बानाः ( भक्कानः ) ज्यिकरक्तारस्थानमः खबब्। नित्रीत्काञ्जापि क्षवाद्याबर्द्धशापि कीटरका त्योगमीः वर्षध्वाह ष्पणिटिष्ड्यापि। हि रेमार्वाष्ट्र जब সামামাহ শিতৰোগংলোগমং সিত্মীয্দুসনং জোগংলাগমং মুজেতি বিগ্ৰহঃ। পুনঃ কিছ্তঃ ডআহ क्रिक्मभिष्मांभी क्षेक्मभिष्माना क्षिनात्त्रान क्षेक्ननः ऽहार यित्रान् उर उत्।। भन्नाक्षिताप्ति किसरक তে ধ্যা পাণ্যা চলতোবদানমতি বকুচলোহ্পীকণগল্প। প্ৰাণমতি ইত্যাহ অণি চেকণগল্পাপ্মিতি। ७७म्। मियाः ७ अभिष्टिक्या हिस्या मिया का स्थित । नित्रोक्षा क्ष्यतक एक नक्षा श्रुभम्या ষ্তম্। কংমে লগতি কোনেহ কামত বশ্গো ভবেং (৫)। হারালকারযোগ্যে ডে সেনে চোছো স্থশোভনৌ। স্থন্ধাতে। সহিত্তো লক্ষ্যা পীনো বুত্তো নিরম্ভরো॥ ক্ট্রালাষ্ (ক্ড্রালাষ্ বজনু চত্তাং নীরীকা কংলে জংগতি কোনাম জনঃ কামজ বশপোন ভবেৎ অণিত্সক এবেডাবং। চত্তাজ

क्रश्करितो छव खुक् शरम्राधरत्रो। क्रांगवास्कान्तिव मार छुन्छन्काकशिनि (७) । वन्नीविष्टक-

চ। শশ্যুৰ ব্রারোহে অবলস্তং মুম্থান্তম্। মচিডোমাদনক্রা মুম্পুস্ত শ্রোভ্যাঃ। জ্ব ক্রবিধীশ্চাসিভাপাদি প্রচণাশচণাল।। ( অ ) রত্যুমাদসমারছা: প্রীত্যুমাদকরা মম। চতুরং জনভারাবনামিতম্। করাগ্রসমিতং মধ্য-জবেদশুসুমধ্যমে। দুট্টেব চাক্লবলং সরিং-পুলিন সন্ধিভম্। কামব্যাধিরসাধ্যো মা-মপ্যাক্রামতি ভামিনি। জালাবানদ্য মদনো দাবাণ্ডি-রিব নিদিয়:। জংসক্ষমাভিসকলবির্জো মাং দহত্যমূম । আত্মধানবর্ষেণ সক্ষমাস্তোধরেণ সঙ্গমেন শমিতা জীত্রা: শশিনিভাননে। মহুং বিদাধ্য জদয়-মিদং নিদ্মবৈপিতা:।

আত্মধানসভোগামুদ্ধর্থ মিহার্সি। চিত্রমাল্যাধ্রধরা সর্বাভরণভূষিতা। কামং প্রকামং সেৰ 📢 ময়া সহ বিলাসিনি । নাৰ্সীহাসুখং বজুং সুখাৰ্হ। সুখবভিভভা। প্ৰাধু চছু ভমং সৌধ্যং মন্তত্তং গলগামিনি । স্বাদ্যুত্তকল্পানি পানানি বিবিধানি চ। পিবমানা মনোজ্ঞানি ইক্ৰণাম নয়তি অন প্ৰাণনে ইত্যুত দৈবাদিকত কুণ্ম। (৬) জনে বিশেষয়তি প্ৰোধ্রাবিতি।

रैमविक् ग्वाह । ष्रश्रायीयायिक मार कृष्णुखां जिम्बार । निकीनवर्षार रिमिब्बीर डोज्यताः (कनकातिवीम् (३)। श्वमात्राशिम छसरस्य न मुक्तः छत माध्यस्य। मितिष्ठाः ভাবিনি। অধাধ্যমাণা শ্রগিবোত্তমা শুভা ন শোভসে স্থন্দরি শোভনা সতী (৮)। ভাজামি দারামুম যে পুরাতনা ভবন্ত দাস্তত্তব চাক্ল্যাসিনি। অহঞ্চতে স্থনারি দাসবং ৱমম্ণা যথাসুখম্। , ভোগোণচারান্ বিবিধান্ সৌভাগ্যঞাপায়ভ্রমম্। পানং পাহি (পিন) মহাভাগে ভোগৈরফুপমৈ: ৩টভ: ( ৭ ) ৷ ইদঞ্ রূপং প্রথম্জ ডে বয়ো নিরর্থকং কেবলমজ ক্রি ফ্রিড: সদা ভবিবেয় বশগো বরাননে।

সৈরিদ্ধাবাচ। অপ্রার্থনীয়ামিহ মা

রীভন্না কেশকারিশীম্(১)। পরদা

প্রাণিনা দারা ধর্ম সমস্কিন্ত্র (১০

(३) अधिव्यक्कट्र वस्त्रम्भार निश्नेनवर्नाः निक्टेवर्नाः निक्याः निक्तां । (१०) प्रवश्यानि विद्मावश्यः भानः भाषि हाम्यत्रकार भिवास्यमाखायः। (४) व्यक्षांत्रामां मित्रत्र्राकि त्यायः। ( ৭ ) সরিৎপুলিনস্মিভ্মিতি। নদ্যান্ডোরোখিডভাগবদক্তিন্বিভূতরম্শীর্ঘিতি ম্ধ্যমিত্যস্ত व्याजिनाः मात्रा धर्माः ममसृष्टिक्षत्र (১०)॥ भात्रमारत्र न एक तृष्टि-र्काष्ट्र कार्या। कथक्नेन।

विवर्धकार स्कृषिमिना-त्यकर मरशुक्तवक्षम् । मिन्नाष्टिशुर्धा हि नतः भानाष्ट्रा त्यहि-रियमण्यात्रन छेराह । धरमुख्य रेमित्रक्का कीहरूः कामरमहिष्टः। खानक्षि माष्टिः ( ১১ )। व्ययमाः खांत्रं ग्रारम्पाता प्रस्था थान् ग्राष्ट्रग्रम् ।

कृदम्खास म्यश्राम । अक्षांमिका हाम्य बीरका हाश्राकाः किरको। शृथियार बार्षकार अक्चकनम् व्यवना भन्नमान्नाः म होडि गार्ठः। मन्त्रिका मनामान्नुका जानकामिषामिष्ठः ( ১১) मिष्रा-चूक्त्रिकः श्वमाद्राध्यिर्थतः । त्यायाम् बहूम् व्यानकृताम् तर्वात्नाक्षिणहिष्याम् । त्याया-চেদং সূত্র্বিটোপদীদলিতেন্দ্রিঃ। নাইজেবং ব্রামোহে প্রাণাডুং ব্রাননে। यार मस्यमयानिक्षेर फ्रक्ट्ड डाक्टामिनि ( ১২ )। व्यक्तायानु ड यार खीक वयमर ক্রিরবাদিনম্। নৃনং অমসিভাপাজি পশ্চান্তাপা করিয়াসি। অহং হি ফ্রক রাজ্যস্ত बस्त्रामा नाजि क्ष्मिष्टकः श्रुमानिष्ट । ज्ञुभार्यायनात्रोकार्रेभार्छात्रेभण्डाष्ट्रस्यः खरेष्टः । সর্কায়সমূদ্ধের ভোগেষপুণামেষিত। ভোজবোর চ কণ্যাণি কলাদ্দাতে রভা হ্রসি।

त्राभागक्रकमान् ।

ষয়া দত্তমিদং রাজাং আমিজামিন্ বরাননে।

ख्निय भार वन्नारतारह ज्ख्न-

निमिन्ता। या च्रुष्टश्च खराय यामा छाकामि जीविष्टम् (१७)। जानीहि नक्षिक्षित्रकार यह वीरेडडिक्सिक्स्यन्। न हाणहरू क्या सक्ता सक्काः नक्टम्ना यय। देवमन्त्राञ्चन छवा । अवश्वा कृत्रा मान्ती कैटिकनांछछर वहः। कोडकः वाष्ट्रावाह्यम् ८४ कार निरम्भाः क्रिफाः मास्तना या यानीमभः(७४)। सभकाज्ञनाः शुक्रोय-बस्तानः नीक्किमिक्ति। सथा निटम्डकटना दाणः क्रमण्यः क्रमस्याम् ( ১৫) । कर्षानुप्रकाकि मन्तामा क्रमा अर कर्त्, जिल्हिति । अन्तर्महीर दा यनित्यं क्रियुर्गास्डः अनुस्थिति । अन्तर्मिक्षित्र मर्बस्याज कष्ठः। ( छेराठ नव्ययक्ता तितिको क्रिकः क्रांकि)।

क्षिक्रमुस्स विक्यान्तिकार्यो । ( ३२ ) प्रकृटक प्रतिषक्ष्य । ( ১० ) स्रक्षाप त्यास्य ६ ( ५६ ) जायु हनास्वर महाहरणेन-विद्याग्रिकि ग्रमीनाकाः वर्षम्, मध्रमाञ्जर वर्षः भन्नियाम् । ( ५६ ) क्षेत्रम् । ४ वर्षः + ४ क्रमानि एक एक । न विरमान्त्रमध् मि क्षमाषिरना मिवस्तुष्ठा हि एक वद्याः ॥ षा कान-

ভূবি গৰা দিবং বা শরণং ভবিষ্যতি)। নিবর্জ তে কীচক নেদৃশং শুভং জ্যাথৈক बाजीयिय कन्तिमाष्ट्रतः किः याः मृष्टः त्यार्षप्रत्मश्च कीष्टक। किः याष्ट्रतत्त्र भग्नित्त्र যথা শিশু-শতশ্ৰং কিয়ুক্ষিব মন্তবে হি মাম্। (ভেষাং প্ৰিয়াং প্ৰাৰ্থ্যভো ন ভে

म्समीवस्ममा स्वित्रम्। वृष्टि ख्रीमहाकात्राङ भङमाव्यार मरिव्याप्तार देवद्यामिकार

रिवमण्लाज्ञन উवाह ॥ क्षण्ठााथार्षा वाकशृक्षा मूरमकार कीहरकाश्चवी । षामध्रारमन

कोडक खेबाड ॥ वथा ट्रेक्टक्यि नितिक्की मामियाखिषियोग्रज्ञाम्। (১) त्यत्नानीट्यन रमित्रको खत्कमार शक्रमामिनी। षर सुरमरक भन्नोकाय याहर व्यांनान व्यहामियम्। 

( )) हेबार शरहर। नबीन्यन कुक। टाक्शियर छाटक्ष्यम्।

दिनमाष्ट्रम स्वार । जञ्ज कार बङ्गः स्क्षा बाहर विमाणज्जा। विद्यारियोशियो मिनी क्रेगोक्टक यनविनी। वयर्षमध्यक्षात्र उज्जार्षमञ्जाहका ह। छत्वभरेक्द क्कानाः म्हरमा क्षेत्रवर्गः।

क्षेत्रकर्तम सरमप्रति । रेक्निनीयन केवाह । देवाकः म विनिक्क्या क्षिणिण क्यानास्त्रा । युरामाद्यायामा क्षेत्रके स्थानक्षिण्या । [ ब्लाक्ष्येत्रक्षक स्थ्यमः वर्षेत्रक्ष्याना । ज्यामार्थे विविधा-सुमाहिको छवाष्ट्रिक्य । छत्त महत्त्वविकारमाहिकान मान्नव्याह । मान्नुद्धना वर्षाकामह क्रुट्संट्रकायाह । शर्कान कर महाक्रिक मुद्रायक्षक काउन्न। छटेजनार ट्याबन्नियानि জ্ঞান বহুংশোজাকাবচাং স্তদা। কার্যামাস কুশলৈবলং পানং স্থাশাভনম্। তামিন্ কৃতে জ্ঞানী কুমি কাচকেনোপায়িত। ত্থেকা প্রেষ্যামাস সৈরিল্লীং কীচকালয়ম্।

्रमुख्यकायां । छिख्छ शक्छ रेनित्रक्षि कीठकछ निर्विश्वनम्। भानमानात्र कन्त्राणि THE STATE OF STATE ! [f-4]

अ अधि। ट्यां का क्यां टक म हि मामवमः जाता । । । अस्ति का मान का গৈবিদ্যুবাচ। ন গছ্ডেয়মহং তত্ত কচিকত নিবেশনম্। ছমেৰ রাজি জানাসি ৰখা স নিরপত্রপ:। ন চাহমনব্যাঙ্গি তব বেশানি ভাবিনি। কামধুত্রা ভবিব্যামি ময়া পুৰ্বাং ডৰ বেশানি ভাবিনি। কীচকশ্চ স্থকেশায়ে মৃঢ়ো মদনদশিতঃ। সোহৰ-পভিনাং ব্যভিচারিণী। ছব্ধিৰ দেবি জানাসি যথা সসময়ঃ কুডঃ; পেবিশস্ত্রা শক্তেন্তি মাং দৃষ্টান যাতে তত্ত শোভনে। সন্তি বহন্য-তত্ত্ব প্ৰেষ্যা রাজপুত্তি ব্শাস্থ্যা:।

() कारण कानण महाज्य हेनर कारण्या। कारणीयिक नाटं बहेनाविटनवः। कारणर मधुनावर वा मिन्धांनर गावाचरत्रपांतुकर क्षित्रभावर त्रोवर्गम्। कारण्डर (जर) वात्राचरत्र शान-भारव जाटेख्मभाचरत् প্ৰাভিষ্ঠত হ্ৰৱাহারী কীচক্ত নিবেশনম্॥ र्शेष्ठ (अधिनीकायः । ।।

9 গৈরিছাবাচ। ষ্থাহ্মক্রং ভর্ছভাো (পাজুভোা) নাভিজানামি ক্লন। मछान याः बाखाः या क्वार कीटका वत्य ।

**ট্রপতি ঠ্যুদা স্তের** নাবং লভ্রেব পারগঃ। ইতি জীমহাভারতে শত সাহস্রাং সংহিতারাং क्री क खेरा । वाशकर ख दबार बार क्यू हो। तक नी यम ( ১১ )। वामिनी षमम-मर्काः पूर्वााश्वव्षवान्। षाष्ठश्विः छछष्ठमा त्राका त्रकार्थमापिषः। छरेकनार নালহাভত সৰ্কাবস্থাসনিভিতাম। তাং মুগীমিব সমতাং দৃষ্ট্য কৃষ্ণাং সমীপপাষ্। বৈশাশারন উবাচ। উপাভিষ্ঠত মা স্থীঃ মুহুর্ঘবলা ডড:। স ভভাতসুমধ্যারা: दिव्यामिकार विवाडेश्ववि (क्षोशमीय्वाङ्ग्रत शक्षरभाष्ट्रापः । \* ।

स्मृक्ष स्ताएक कथा भतिशोष्टरक त्क्यूरत मक्षात्वाभयास्य याथाष्ट्रयाम्। नानाभक्ष्यतक हेकि (১) স্ব্টো স্প্ভাতা (২) কগুন্ শাৰ্ষটিতবলগানি কুওলে পরিহাটকে পৃথি স্পতোচাবেন হাটকং

প্রাধ্যা প্রকৃষ্ণ মম প্রিয়ম্। স্বর্ণমালাঃ ক্ষুংশ্চ ক্ওলে পরিহাটকে। নানাপতনেলে

4

ততে মণিবতুঞ শোভনম্। আহ্রণস্ত (আ্হরস্ত ) চ ব্যানি কৌশেয়াজ্ঞিনানি চ (২)। ष्मिखि तम स्थमः विवार चनर्थमुशक ज्ञिष्म्। अहि उन्न मग्नां मार्किः शिवस्य मध्यावतीम् (७)।

কীচক উবাচ। অত্যা ভবে নাম্বান্তি রাজপুত্রা: প্রিফেডম্ (পরিক্রভম্)। জৌপছ্যবাচ। যথৈবাহং নাভিচরে কদ'চিৎ পতীমুদালৈ মনসাহপি জাতু। তেনৈৰ ক্রা ইড্রোনাং দক্ষিণে পাণো স্তগ্রহ পবায়্যং। ক্রা ক্রা ক্রাপত্যবাচ। যথৈবাহং নাভিচরে কদাচিৎ পভ ক্রা क्टिंश मिनामा मचि ठावतीर।

নানাণভনকশিলিভিবৈক্ষভোন নিশিতে ইতার:। বেশিশানি ক্ষিকোশসভবানি। (৩) মধু-শাগবীবিতি মধুনঃ ফুরামিডার্থঃ মধুবিকারপরিশ্রুতাং মদিবাং বা। । ৪) অধৈলবীৎ ইতি সোপস্পাৎ প্রাপ্টাপম ক্রিক্স : ঠেমক প্রাতিপানিক্স প্রক্তম লুঙি বা রুগম্। পরিক্তং হলেকায়াঃ সর্ছিংক্স বৈশশপায়ন উবাচ। স ভাষসূপ্তেকা বিশালনেত্রাং কিয়ক্ষমাণ: পরিভংগ্রন্তীম্।

क्योह जाम्ख्यग्यापरमं मा की ठकः कः महमा क्रिमञ्जीम् ॥ अभ्यमाना क् महाकात्वन मूर्विविषय ह बोक्युकी। हिल्मिश कर शहिमम्बामांश करविभानाधिकमा कुष्टामी। ज्या সমাফিওভয়: স পাপ: পপাত শাখীব নিকুন্তমূল:। সা গৃহীতা বিধ্যানা ভ্যাবাফিপ্য कीठकम्। मछाः भन्नभग्रामक्तम्यज्ञ नामा गूर्षितः॥ छाः कीठकः क्षयावस्ताः (कमानारम नन्ना-मुगर (७)। षरिषनार शंभारका ब्रांखाः शांकशिषा शांगिर। छञ्जा त्याश्त्रो क्षार्रक्त ब्रांक्याः সমিবোজিত:। স কীচকমপোবাহ বাতবেগেন ভারত । স পপাত তদা ভূমো রক্ষোবল-जमाय्ष्यः । विष्युर्वमात्या नित्म्ब्डोन्ब्झम्न रेव क्रमः ॥ डाक्षात्रीत्नो मम्बङ्-डीमत्रनम्ब्षित्रो ।

च्यामिकार्यः। स्ता मनिश्चिषा हाना नविक्षकनाच्यमा हेछामयः। दक्नाच्यमा वाक्षी। (६) ८क्न-गरिक दम्मानमुरह। शामाः शक्षक हछक क्वाशावीः कठार शदब हेछामतः। शत्रामृतर म्यृहेदान्।

অম্ব্যামাণো কৃষ্ণায়া: কীচকেন প্রাভবম্। তত্ত ভীমো বধং প্রেকা; কীচকত্ত স্বাত্মনঃ। দকৈদ ভাগতদ। রোষালিশিপের মহামনা:। ধ্মফ্রায়ামভন্ধভাং নেত্রে চোফি ভুপদ্মশী।

কু দাক্কভেন বৈ। বৃদি ভে দাকভি: কুতাং বহিব্ন্দালিগ্ৰ্ভাম্)। সা সভাৰারমাসাজ কদভী

क्यंबर कृषित्रश्रीणम् मेन कृषिर क्षित्रभी डावं:। बाछ एषतः भित्रेश बाहम्प् प्रवार देवत्रो न वाभिष्ठ ৰশিতি ন নিবাতি পলায়িতঃ সন্ মটেষ্পি বিষয়ে বাদশমগুলাভি প্রায়েও উদাসীনভাগ্য্যাসীনদেশে বসৰ্ कटोक्शि विवस्य वस्त् । टब्साः याः यानिनीः छाद्याः श्रद्धशुद्धः भनावधीर । त्वर्याः युष्टाकः महर्द्धशार পাওধানাং বৈরী শক্তঃ ক্রিয়োপলাভো অরিংখ্যীতি যাবং। ন কেবল্যাভূবিষয়ে বসন্ সম্ ন

नमिष्मीर । अनुभः त्य व्यनमानार छवछि अनुनार्थिनाम्। छ्वयार मार मानिनीर छाष्मार न चिमिछि एउवार ज्वर विधानोर छाब्रार मार की हकः भगावशीर चणाङ् गरतायाम। छमानीनः ज्वर अन्-क्ष्मिश्कः भगवित्रीर (४)। हत्रिक्ष त्मार्क क्षम्भित्राः कस् त्कर्मा महात्रमाः। क्षर् নয়। উদানীনভাপ্ৰিাশীনো গণ্নীয়ং ভভাৰ্যমেল্ব্য গণ্নয়। यह ইভি ভাবঃ। 🤇 १ ) ধৰণাশ্সিভাঃ 🚗 শ্রাপালনক্রণখন এব পাশো রব্দু: ডেন নিতা সিদ্ধা নিঞ্চ বছনে ইতি ধাতে। (৮) শরণ ভবছীভান্তার

٤ ব্ধ্যমানা-মনাপসম্। ন রাজা রাজাবং কিঞিৎ সমচিরতি কীচকে। দৃষ্ণামিব ধর্মজে अ म कि मामि (माचार ().)। न के किकार धर्मा छ। न प्रथम कथका । मामिरमार्था न क्रिक्छ व्यक्तिभ्रम्।

( ১ ) व्यव्हः एकाणः वीदाः कनमिणाविणद्यां भक्तिः एउवः भक्तिवाख्यमाम्बाम् । न ग्रीकाव्यि अकृष्टि ( > ) गरनमि मडामा । ৰিরাট উবচি**। প**রোইকং নাভিজানামি বি<u>এহং স্বয়োরহম। অধ্ভৰ্মবিজ্ঞায়</u> भरता माछक उट्ट खामात्रहादः कमाठन । नशेष्नै मस्र्यात् स्माण दत्रवर्गि। नात्रीः বৈশশ্পায়ন উবাচ। তভক্ত সভ্যা বিজ্ঞায় কৃষ্ণাং ভূয়োহভাপুজ্যুন্। সাধুসাধিক্তি दिमाण्याञ्चन छेदाह । এदा সংश्वेष्ठग्रस्टास्ट कृकार (टाक्का महामनः। मृसिकित्रस ठांशाखः कोठकक बागर्यत्।। मजा উচ्:। य<ियः ठाकमक्षामे आर्या खासायरुकक्षा। क्लांगाख् ममाटि त्यम खागगर । खषाज्ञवीखाळभूजीः कोत्रत्या महिवीः शिष्ठाम्। मर्कानयमान्ति त्वतीः मञ्जामह् वश्रम् । किंग्र छोट कोमनः भग

গক সৈগিতি মাত ছাঃ স্দেকায়া নিবেশনম্। ভর্বিমবক্ষস্তাঃ ক্লিগ্ডে বীর-नगिष्टि भठवट्ट ( ১২ )। ८३न वार नानियानिष्ठ शक्त भी: पूर्वानक्ताः। ष्रकामकात्रि পত্নয়ঃ (১১)। ভেশাষ্য়া ক্রিভামানাং পাতিলোকং জয়ন্ত্যত ময়ে ন কালং কোধস্ত (३३) षत्रक्रक्ष्याः षष्ट्रव्ह्यानाः वीत्रण्याः दीत्रण्याः हेखार्षं हाचन्त्रः।

अ फटेकब एक वथा। त्यवार त्यारकोश्करमविक। (১৪)। अ देवमण्याञ्चन छवाह। हेञ्छक्। व्याज्यवर कृष्णा जूरमकाञ्चा निर्वयनम्। त्याण्यक्। अ कृष्णाञ्चानी मरवद्यात्माहिरण्यम्। एकुएण वमनः एका कृषिणाञ्चानिष्ठत्रक्षमः। त्यव-সৈরিক্সি শৈল্মীৰ বিরোদিবি। বিলং করোবি মংস্থানাংদীব্যভাং রাজসংসদি (১০) 🛚 গচছ সৈরিদ্ধি গছক্রা: ক্রিয়াডি তব প্রিয়ম্। ব্যগনেষ্টিও তে ছঃখং যেন তে रेमिन्नकायात । व्यक्तीय त्वयाः शृषिनाः मत्मत्यतः ( शृषिनामत्षर्द्दः ) वर्षात्राचि । विखिया कुछम्।

खरात्रकः। (১०) रेमन्त्री नहीं नटेकांशा हेछायः उपज्ञिनरक्ष्ण्छायः। (১৪) षाञीय ज्यारा प्रिनार ময়েছ্ছ্য ধর্চারিণী কলু কলৈলুব তে ব্ধা় ব্যেম জোটোছফাদেবিত।। কঞ্নাব্তাং অভীক चाडिनारमा भुगाविरमावनः क्षा क्षा क्षानिनः श्वानिमावाच एड च्यन्गाः चिनिष् श्वानिमावाच मुर्ताच एक

क्ष्णिम् विवस् সুদেকোবাচ। কলা বধীষ্মাবোহে কশ্মামোদিষি শোভনে। ख्या (क्यांत्र घुःच त्व खत्य) त्वन त्व विविधः कृष्ण्य ( १६ )। জৌপছাবাচ । কীচকো মাধবীততা স্বাহারীং গভান্তব। সভায়াং পশুভো রাজে। बरेषेव विकान ज्या ॥

সুদেকোবাচ। ঘাতয়ামি সুকেশাস্তে কীচকং যদি মজ্সে। বোহসৌ ছাং কাম-मोभछावाह ॥ ष्याच्छ देव एः विषिषािष्ठ (यथामाभः करबािष्ड भः( ১৭)। भट्ड চাজৈয়ৰ স্থবাজন প্ৰলোক গেমিয়তি। ইতি জীমহাভাৰতে শত সাহস্যাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্বনি কীচক্বণে স্রৌপদী-পবিভবে বোড়শেহধ্যায়: 🛚 🛎 🖡 সমজে। গুলভ মিৰমজতে (১৬)॥

3

बस्ताः उत्त उट्टिय एक वसा हेकि मार्कम अवार्षः । त्कवाः त्क्षामिकााह त्यामिकि। ( >६) प्रक् अर्थित विज्ञास्त १७) मान्याग्राज द्यान्तराज (११) मारत्राक्षात्रामः । + ।

এ বিষয়ম্। ডভ টখায় রাত্রো সা বিহায় শয়নং সকম্। বাস্তবন্ধানছন্তী কফা ই নাখবভী সভী। ভবনং ভীমসেনস্থ কিপ্রমায়ভলোচনা। ছ্থেন মহভা যুক্তা মান-১৯ সেন মনখিনী। প্র ইড্রেবং চিস্করিছা সা ভীমং বৈ মনসাগমৎ। নাতা: কন্চিদৃতে ভীমাল্মমাদ্য মনসং মাস ক্লণভী ভজ্ঞ হঃখন্ত নিণ্যুম্॥ কিং কবোমি ক গচ্ছামি কথং কাৰ্যণ ভবেমান। সেনাবাহস্ত ভাবিনী। জগামাবাসমেবাথ তদা সা দ্ৰুপদাত্মজা। কৃষা শৌচ যথা-क्रांबर कृष्ण देव एक्स्मधामा। शाबाणि वामभी टेठव शक्ताना मनितन मा। किश्यया-্বশশশায়ন উবাচ। সাহতাসূতপুত্ৰেণ বাকপুত্ৰী যশ্যিনী। বধং ককোপরী সাজী

80 4

> दिवमण्याग्रन छवा । धरम्ख्ना छ ज़ार मालार व्यविदयम मनियनी। यज्ञार जीय-হয়ে। শেডে মুগরাজ ইব বসন্। ততা রূপেণ সাশালা ভীমশুচ মহাজনঃ। সংমুচিছ क्योभध्याता । अध्यक्षीति भाभिष्ठं स्मावाह मम विवि। उर कर्ष कृष्ठवन्ताम् क्षः जिल्लाः निरम्बरम् ॥

🚁 জীন্ গৰাৰ্কন্যান্ হায়য়তি বৰ্ষতি তথা হি গতে) বুকে চেভ্যক্ত কুণং নাৱীণাং অিবৰ্গ্যুনজা ল্লভানলয়েঃ কাৰ্যকায়ণভা প্ৰসিকৈব। বনে বংক্ৰী ধাজেশি ঘালগোম এপ্ৰভাষাজ্ঞাতেতি ভাবঃ। জিক্া-क्रमकुर्त्वास्ते मस्प्रक्षत्मिविद्याखिद्विष्ठ त्यादः (२) मा देव महानत्म व्यारभाष्ठि। मा भाकानी महानत्म পাক্ষানে ভীমং প্রাণ্য উপাভিগ্রত। কা ক্ষিব বাসিতা হুন্তিনী মহাগজ্মিব কাৃদুলে মহানসে স্কাঁঘেতে
 প্রক্তো নিশ্রেক কাৃদুলী অব্যাহেয়ী অব্যো গ্রহ: কুংসিত ইতি । মাঙ্বজ্নার্থ: )। বর্জ্ লাবং অব্যঃ ৰুনে জাতো বনং জলং কাৰো কারণোপচারাৎ বহিরণি বনং অভ্যোষ্টার্বায়্তঃ লাজমিতি দৰ্শনাৎ স্কলৈতে। নিমালৈ কীদুশী অবমাহেয়ী অবমো গ্ৰ্য: কুংসিত ইতি । ম'ড্বজনাৰ্ণ:)। বৰ্তুলাৰ্থ: অবমঃ পত্ৰপুকৰক্ষেন গছাঃ কাচকাদিকামুকঃ আন্তেয়ং সৰ্পদ্মীয়ং সূৰ্পবিষ্ম্ব বা যুডাঃ সা তথা, পূনঃ কীদৃশী <u>त्वोभ्या। कीयक 5 क्रांभेष अध्मिष्टिक वाात्वेय मा भाग टाककालां अवकः। अध्यत्त्वा मृक्ति-</u> (১) ভাষা দ্রণেশ সাশালাভীমণ্ড চ মহাস্থানঃ। সংষ্কিতেব কৌরব্য প্রজ্জাল চ ভেলসা। ভাষা ক্ৰংখেডেৰ শাহেয়ী বনে জাভা বিহায়ণী। উপাতিষ্ঠত পাঞ্চী বাসিতেৰ মহাগলম্ (২) **ন্যা অভে**ষ মহাশালং কুল্লং গোমতী(গোমতি)তীরজম্। পরিষক্তত পাঞ্চালী মধ্যমং পাণ্ডুনন্দনম্।

[4-1]

वांहकाः পत्रित्रोकामः वाट्यायमनिक्का ( ७ ) ॥ तिरुः युक्षः वटम घ्रटर्भ मुभनाक्क्यपृतिय ।

विष्याननित्यवाद । कञ्जन्य महावृषः महाकः, यह्यांभहमणः यथाम् । ठ या।भागः, भन्नमार्थाञ् । जन्नमार्थाज् ভীমনেনমূপালিয্যজভিনীৰ মহাপজম্∎ বীপেৰ মধ্রা ভাষা গান্ধারং সাধু মূফিভা ( মৃচ্ছ∕ভী)। শেদিকৈ সক্শালের। অখবা সক্ষেত্তেব দক্রি-ক্শাভিজনকর্ছিঃ খেত। নিশালা, ইব এবাথে মাহেষী क्ष्म महीकावित्ती विक्षित्रको क्ष्मिकावित्रम्थवीता मधावबत्कतार्थः। मञ्चाशाध्रीमञ्ज्ञः किन्नवृत्रं वित्रम्यापिक-শুভবৰ্ধাণি সৰাঃ ব্লিভিঞ্প। ইভি বচনাং। ঘৰা প্ৰুপ্ৰণশতে। ব্ৰণিগ্যনভয়ং নাৱী দ প্যা। ভব্জি ৰ্যালো বেদ। (৩) সা লভেবেভাদি বাহ্ভাণ পরিবলৈন প্রাবোধয়দনিদিভ।। সা পাঞ্চালী ৰেশিশী পৱিশ্বতি স্বতোভাবেনালিশ্তি। সভাবেজিডক্ষালিশ্নবিশেষ: ক্ডিচিৎ কালবিছেদেন হুলং বৃহদ্বদ্ধৰ পোষ্ঠীতীয়ৰং গোষ্ঠী নদী তক্ৰাজীয়ৰাজং ষহাশালং ভৱ ৰাত্ত্বাং, ভীষ্পক্ৰে त्मीः शुची माजाबीजि भाषानामा भाश्विकायः एका जाया भाषते उज्जाबीय क्रम मातः, কাৰভোৎকটভাৎ কীচকবধকাৰ্গাধিকাাক। লাভেব কোমলখাৎ ব্ধা লভা মহাশালং বৃহৎশালবৃক্ষ্। ৰক্ষ দৌধীক্ দেবভাবোনসামৰ্থয়ক। বা শক্তা ইভাৰ:। ভীয়ঃ প্ৰন: ভৱৰঘোগ্যাৎ ভেন আৰ্ভিং

क्षित्रवाहः(क्षत्रा॥) डेक्डिटक्रीडिकं किः (भटि छीगटमन वध्यं त्रुडः। नाङ्गडण हि नानीत्रान् গুনুপো: ককাছকুৰুগোৰ্বছলামতি হ্ৰব: কেচিদাছ: পৌৰ্জাং বশিবৰ্ণ বিদ্যুতে পোমানিত্ৰ: সূৰ্ব্যো বা त्रींबिक्क्षार्व्यत्तात्रात्रां व्याख्यः या मारधा मकारया सम्ज्ञांक या कीमरमनमिकार्थः। (६) बीरभय मधुका **षका**खायङ भाकानी छोयरभन-मनिष्मिङ। (८) ॥ ( भतिमान्न्युक्त भाषिकााः स्वदः व्यारवायप्रद ভেকশ্য্। সাশচীৰ সহস্ৰাকং কৃদ্ৰাণীৰ চশক্ৰম্। সাবিতীৰ চলকাণং শুহং ষ্ঠীৰ পুংযোগাদাখাদাং দ্রীপ্রভাবে হুনী বাচ্যা। যবা ফুলং পুলকিতং পবিবস্তাৎ স্রীপবিযদেণ প্রামঃ পুংসো লোমহ্রণং ভবভি। বাছভাাং পরিরভা আলিকা এনং ভীমং প্রেণ্যম। নস্থ শ্যানং ন প্রেগংমদিতি প্তিম্। জ্রীরবাল্রা মহোৎসাহ। সূত্তং কৃষ্ণা মহাপ্বে। ভামাবদাত। শ্রনে শ্রানমূষ-**छादिनो । छोत्रः कार्र्यायग्रर कृष्णः अन्मोर्गरमात्रः यथा। त्यत्रार्जा गर्याछात्रा थियाः** मुन्डिः। कार्यारभोग्रवार महान्यणि टार्र्याष्ट्रद्वर। পत्रिङ्का हेडाश्चरानस्टनम्। मधायर मधायदम्बर कांत्रा अव्वाक्त अव्यक्तिका। नियमानीनार उद्योक्टशिकानार यत्रामार छ्जीविष्ठाकः अर्थभाकाकः

3

পধ্যমে সোপমংগ্রহে (৫)। অথাববীদ্রাজপুত্রীং কৌড্যেয়া মহিষীং প্রিয়াম্। কেনাজহর্ষেন ষ্ণাৰৎ সৰ্ব্যাচক শ্ৰুতা ধাত্যামি (জাত্যামি) যৎ ক্ষম্য। অহমেৰ হি তে ক্ষে বিশ্বাত্য: সৰ্ব-भवितमायन अर्दार विमाग्नहः यथा (७)॥ स्वयः वा यिन वा छःयः स्थितः वा यनि वाश्यित्रम्। কৰ্মসূ(৭)। অত্যাপংসূচাপি ছাং মোক্ষ্মামি পূনঃ পূনঃ। শীজমূক্তা ঘথাকামং যতে সংপ্রাপ্তা ছরিডেব মুমান্তিক্য। ন তে প্রকৃতিমান্বর্ণ: কুশা পাণুশ্চ লক্ষ্যে। আচক্ষ্ কাৰ্ব্যং ব্যৰ্জিন্তম। গচ্ছ বৈ শগুনাবৈৰ মাৰ্মাল্ডো বিব্ধাতে। ইতি আমিহাভারভে — ক্র কর্মায় (৭)। অহমাপংসু চাপি ছাং মোক্ষ্যাম পূনঃ সুনঃ । অধ্যুক্ত্র ববাশান ২০১২ । ক্রিক্রিমাহাভারতে । ক্রিক্রিমাহাল্যামারঃ । ক্রিমাহাল্যামার্মার । ক্রিমান্তরাং সংহিত্যরাং বৈরাচিপক্পি ভীমনেনাশ্রেমাণ নাম সন্ত্রতাশাহ্র্যায়ঃ ।

সুজিতেতি পাঠে পাছাবং ফুকুমাবং এব শীয়তে ডকু মুচ্ছিতং মুচ্ছ না বক্তাং সা। ( e ) নোপসংগ্ৰহে ट्यानपादन। (७) मिबटमादन विहास वानीप्राम्। (१) विवाकः वाषामृत्राम्। ।।

জৌণছাবাচ। অশোচাছং কুভন্তভা যতা ভৰ্চা মৃথিটিনঃ। জানন্ সৰ্কাণি ছ:খানি

किर बार कर भिन्न ग्रेक्टिन । वन्नार मांगीकावारमन काण्डिकांगी उमानग्रर। मुखानित्रवरमा मरम्

कि कमा कीविएकन त्म । त्याश्यः द्रारखा विदाधिक कीहरका नाम खात्रख। त्मनानी श्रुक्यद्याज खालः शत्रमञ्जीजः ॥ म माः रेनविक्तिरदस्यन यमस्रोः बाकरवक्तान । निकारमवाङ् ছুষ্টাত্মা ভাষ্যা মম ভবেতি বৈ। তেনোপমন্ত্রামাণায়া বধার্হণ সপত্নজিং। কালেনেব क्याः शकः क्रमग्नः त्य विमीधार्ष्ड । जाङ्गक विश्वक् क्षाष्ठेः कृष्णिहरूविनम् (७)। वज्यान्यि উত্যাং দহতি ভারত । পাথিবত সূতা নাম কালু জীবতি মাদুশী। অনুভূয়েদুশং ঘূংখ-মডান্তঃ सू का ( ) । मरखताखः ममक्ष एक पूर्वज नजाकः ( २ )। की हर कन नमा म्लोहो का सू कीरवर्ष्ड मामुनी । अवः वर्षिविदेशः क्रिटेनः क्रिकामानाक छात्रछ। न भार क्रानामि क्रिकोरक्षय क्ष्योभमीमुख् । वनवामभाष्टाम्राम्५ रेमक्ट्रवन ध्रमम्मा । भन्नामर्थः विष्णेमः रेव त्माह् मुरमरूख

(३) नदाभर्तपंष्टिवन् । (३) वृष्टि क्षित्र । (७) वृष्ट्रांष्ट्रानाः नद्याराध्न राष्ट्रप्रक्षम् ।

कर्मना ध्यांका घुःचरमज्ञनम् । त्का हि बाकार भिन्नज्ञ मर्ककः घाषाना मह।

ৰক্ষম। প্ৰাভেপিয়মদেবিষাদণি সংবংসহান্ ৰহুন্। কৃষ্ণ হিরণাং বাসাংসি ঘালং ষ্ণামকাবিকম্। ১০ (৪) প্রব্রক্ষায় নিকাদেশং ভ্যক্ত্র বনবাসায় অকাভিবাসায়। (৫) যদি নিক্সহস্রেণ যচ্চান্তং সার-ব্রক্ষম। প্রভিদেষ্ট্রম্পেবিয়াদিপ সংবংসরান্বহুন্। কৃল্যং হিরণাং বাসাংসি যানং যুগাম্ভাবিকম্। ব্যক্ষমান্তরসভ্যাংশ্চ ন ফাড় কৃষ্যাবিশেং। নিক্সহস্রেণ স্ববিশ্লস্থ্যে সারবল্লগুনি ভেনেতি শেষঃ।

প্রভিদ্যিতি সম্যেন য্লাদেবিয়াং ভেল বহুন্ বংসবান্ অদেবিয়াং অণি সম্ভাবনায়ম্। নিক্ ्रमोद्द्यिष्ट स्विमनी। हिंद्रभाः स्वर्गिष्टात्मायः। यानः त्रक्षांक स्वत्रमः हेष्टि युर्गा त्रथ हेष्टि ज्याः क्यामुख्य व्यक्त हेडीव हेटिरज ट्रिनिक:। ज्यक्ताः न्रम्पः। न्राप्यक्षाट्यां एकत्रा व्यक्तः ज्यांक কোৰণ্ড ফিরগ্যক ফেমছণো কৃত্যকৃতে ইত্যম্ম:। অধ্ধা ক্লিং লোইং ডাগ্রাদিক্মিড্যৰ্থ:। কৃষ্মক পিতঃ(৬)। ত্ৰুকীমাত্তে ঘণা মৃতঃ যানি কৰ্মাণি চিন্তুয়ন্। দশনাগসহস্ৰানি পল্লিনাং আংশাশ্তরসভ্যাংশচ ন জাতু কন্মাবহেৎ (৫)॥ সেহিয়ং দৃতিপ্রাদেন শিল্যাপ্তিভাবরো-সহস্রাণীতি পাঠঃ স্থবণপলসংস্রাণি বেডার্থঃ। হিরণ্যং ঘটিতস্থবর্গরন্ধতাদিভেদঃ।

হেমমালিনাম্। বং যান্তমফুযান্তীহ সোহয়ং দূাভেন জীবতি (৭)। তথা শত সহসাণি বাজ্ঞামমিডভেজসাম্। উপাসন্ত মহারাজমিজ্পত্তে যুধিটিবম্। শতং দাসীসহসাশাং ষস্ত

क्रम्हाजिष्टि मस्यहार्थतः। स्यायहरू द्यागहत्रु यूष्षिय हेन्डि (न्यः। (७) साङ्ख्याहरून सृष्डिन्द्रिन, প্রভাষ্রোগিউন্তাজঃ। ( १ ) দশ্নারসংবাণি পদ্মিনাং হেয্যালিনামিতি। পদ্মিনামিতি দশ্নাগ্ন-সঁকুলাইভাত নাগানামিতাত সমাসাভাব: ওতা বিশেষণম্। পলকং বিকুদালং ত্ৰিগাতে এবামিতাবং दिश्मकामीकरमरेककः यान् विভवि यृषिष्यः॥ षाळािष्ट्याहिनारेक्षय यछीनाम्करविज्याम्। নিভাং মহানদে। পাতীহন্তং দিববৈহেমতিথীন ভোচযুত্তি। এয নিক্সহস্ৰাণাং প্ৰদাতা তঞ্জতোপসম্পন্নঃ সক্কামৈকণ্ছিতা:॥ অষ্টাশীতিসহ্যাণি স্নাতকা গৃহমেধিন:। দৃদ্ভাষ্যঃ। দুভিভেন ফনধেন মহত। সমুপালিভিঃ ॥ এনং হি স্বসম্পনা বহবঃ স্ভমাগধাঃ। দশ চাপি সহস্রাণি সোহ্যমাত্তে নরাধিপঃ। আনৃশংসময়কোশং সফিভাগতথৈব চ সায়ং প্রাভরুপাতিইন্ স্মৃইনণিক্ওলা:। সহসমূষযো যজ নিতামাসন্ সভাসদ:

বুৰিটিৰম্। ইন্দ্ৰপ্ৰফ্ নিৰসত: সময়ে যত পাৰ্থিবা:। আসন্ বলিভূত: সৰ্কে সেহিজামাৰ্-के खिबिष्किक। भाषिताः भृषिवौशामा यञ्जामन् वर्मदर्धिनः (৯) स्वराम विवरमा त्राका যশিলেভানি সৰ্বাণি সোহয়মাতে নরাধিপঃ। অভান্ত্ভান্তথানাথান্বালান্ রাষ্টেষ্ হুৰ্গতান্। विकक्ति-विविधान्। का क्रियान् मङाविक्यः ॥ यः माविष्का विनद्यान्नाम् स्थितितः। স এম নিরয়ং প্রাপ্তো মংশুশু পরিচারক:(৮)॥ সভায়াং দেবিভা রাজা কহং কাতে

विविधाः। भूषितीणाना शावानः कृषाधित्वका हेष्डि (एषः ( ১٠ ) महन्तः मम्पानीनिर्वाष्टि। महः विक्यानिनामिकार्थः। (४) निवमः गाउकम्। (३) गाविताः भृषितीभाः हेि कविताः भृषितार

ত্র পরেষামন্ত বভতে। প্রভাগ্য স্থায়াং সব্বাং রাশামানিব তেজসা। সোহয়ং রাজে। বিরাচত আনু স্কান্তান্ত্র স্থান্ত বাজান: সভায়াম্যিতি: সহ। তম্পাসীনমন্তান্তং পশু পাণ্ডৰ ক্র পাণ্ডবম্। সদস্য সম্পাসীনং পরত বির্যাদিনম্ (১০)। দৃষ্ট্য স্থিন্তিরং শোকো

नात्रवाम् ॥ वर्षत्छ । टाजाना मृषियोः मर्काः त्रांनामानिय त्रुक्तमा । त्राध्यः त्रारकः। विवाष्टि

म विरम् क-ममामग्रम्। ष्यष्टमर्शः महाव्याखः भीविष्टाप्रध्यमाखिष्टा मृष्ट्री कण न

नुका एक परिश्विष्यकार्यः एक माध्र्या। (১১) इत्या बीव बस्क्या हेकि, बस्क्या जारकार (योगश्रवात । देम ह धः ११ (को छित्र ममानकः निरवाय छ । न व्यवज्ञा म्र्डमा घुःपारम्छष् योग्रहः॥ प्रमक्षीं होत्न ष-मनत्म छत्रष्ठिछ। उम्बन् बह्यद-লাভীয়ঃ কয়ত শোকং ন বহুয়েঃ। স্পকারং বিরাটত বল্লবং শাং বিজ্ঞানাঃ। क्रमात्मा बन्नवः स्मन्यमा भीमिष्डि त्म मनः। यमा क्ष्यष्टेः मञाष्टे षार मरत्यांषश्चि শোক্ষাগরমধ্যস্থা কিং মাং ভীম ন প্রাসি। ইতি জীমহাভাবতে - বিয়াটপর্কাণি প্রেষ্যত্ত সমস্থ্রপার্থ ভতে। তৃংখতবং ফু কিম্। যদা মহানসে সিজে বিরাটমূপভিষ্সে। क्रिक वट्स ष्यश्रामटमाश्रमायः । . ।

कारमा मानवः। •।

্রেলাচিভি । কল্যাণত্রপা সৈথিত্রী বল্লবং চাক্র্যাসিন। যোগ্যানং মহাবীর্বৈগ্রিয়ং সমষ্ট্র মুক্তক্রপৌচ মে মডে। সৈথিত্রী বিলুম্গবাদ। (সা) নিক্রং বিভিন্ন মুক্তক্রপোচ মে মডে। সৈথিত্রী বিলুম্গবাদ। (সা) নিক্রং (১) क्षांत्रा (यादः। (२) क्यांपक्षण धन्ष्ठक्णा। (७) निवृष्ण धरिष्ठ धूर्गिष्णः धारक्ष क्याद। क्याशीर (क्षकीर) माथ मरत्यका ममभक्ष मार क्रिम. एन्याखपा करकाण क्रुषः मार महमाविष्यः। ष्रायावः निवग्नः शारश्च जीय्म जीयभन्नाकत्म (७)। त्यारक কৌষিষ্ঠিরে মগ্রা নাহং জীবিত্মুৎসতে। যঃ সদেবামনুষ্যাংশ্চ সর্বাংলৈচকবথোইজামুৎ ॥

সোহরং রাজো বিরাটস্ত কজানাং নর্জকো যুবা। বোহতপ্রদ মেয়াজা ধাওবে জাতবেদসম্ ।

त्यारकःश्वनाषः भाषः क्रांशित माद्रकः क्यांक्षम्मायानाः मरेष्य शुक्षपर्काः ।

স লোকপরিভূতেন বেশেনাস্তে ধনঞ্জঃ (৪)। যশু জ্যাক্ষেপকঠিনো বাহু পরিষ-নিয়িভো। স শ্ৰুপবিপূণ্ভিয়া শোচরাতে ধনঞ্জঃ। বহু জ্যাঘাতনিৰ্ঘোষাৎ সম-কম্পুত্ত শুৱৰ:। জিয়ো গীভ্ৰমন তত্ত মূদিতা: পৰ্গিশসতে। কিনীটং সূৰ্য্সকাশং ৰত ৰ্জভাশোভত। বেণীবিকৃতকেশান্তঃ সোহ্যমদ্য ধনপ্ৰয়:। তং বেণীকৃতকেশাত্ छीत्रमङ्गानमर्क्नम्। क्छाभतितृष्ठः मृष्ट्रा जीम जीमिङ त्म मनः॥ यिष्मश्रद्धानि मित्रानि শুমুজানি মহাজানি। আংধার: সক্বিদ্যানাং স ধাব্যতি কুওলে। যতা রাজসহসাণি ডেজাসা প্রভিমানি বৈ। সমরে নাভ্যবর্তত বেলামিব মহোদমে: (৫)। সোহ্রং রাজেন বিবাটস কসানাং নৰ্ককো ম্বা। আতে বেশপ্ৰভিচ্ছয়: কসানাং পরিচারক: (৬)।

<sup>🕻</sup> ड 🕽 সোৰপ্রিভূডেন লোক্রাইডেন। (৫) বেলামিব সীমামিব। (৬) বেশপ্রজিজন্ম নপ্রেক্সা-

कृषिकः धमनकारेयः क्छटेनः भविश्षिकः। कथ्नानिः छमायासः मृथ्ने। मीमिष्ठि त्म वनः । त्यारमा वार्षः मत्या वीर्ता किष्टिक्तााः श्युक्तः। त्यारमा क्ष्णानतिवृत्ता नाम-क्ष च त्रवर्षात्वय ज्ञाकक्ष्य (यपिनो । जन्दर्ज्यमा छोप जर् क्षांवत्रक्षक्रमा । विष्यक्षार छ সহাভাগে কুন্ত্যাং শোকে। ব্যনশুত। স শোচ্যতি মামদ্য ভীমসেন তথামূল:।

का भाषा गृह्य, नागाच कर्ना करवर्गुणिः। मरणम्बनाणिः नाष्ट्राप्त नामाणि कृष्णुः वाखाः के भाषाः। नमाणि कृष्णुः वाखाः के भाषाः। नमाणि कृष्णुः वाखाः के भाषाः। विवासः। विवासः। विवासः। विवासः। सनक्षत्रम् (৮)। व्यक्षाज्ञमञ्जर कोत्रवार महार धृम् जिराविनम् ॥ छथामृष्टे । यवीत्रारंतर সহদেশং গ্ৰাং গতিম্। গোপালবেশমায়ায়ং পাঞ্ভূভাশ্মি ভাৰত (১)।

<u>त्रहत्म्ब</u>

भाष्र मृथे। त्रीमिक त्य यनः। यमा ह्यमा अविवृष्टः क्यां जित्म विवृष्टः

मारख्य सनक्षतः। शर्म त्मोर्दा ह मर्डा ह कीवरलाक्ष्य मम्डम्। खीरनमविकृष्डि

क्सिएकः। (१) व्यक्तिः यख्य्। (४) चार्या यक्तः वृष्टीज्यंः। (३) त्राणांतः त्राष्टिकः, गाष्ट्-

क्रकानि जिस्तेकी शूनः शूनः। न निस्नामिकशक्तामि जीमरमन कृष्डा विष्मा न বিন্দামি মহাবাহো সহদেবস্ত চুফুতম্। শ্মিনের্গবিধং ছঃশং প্রাপ্নাৎ সভাবিক্রমঃ ( ১• ) স্বৈক্ষ স্তিনেশ্ধাং গোপালানাং পুরোগমন্। বিরাটমভিনন্দন্ত-মধ্মে ভব্তি ছবঃ (১১) क्रुग्रम् छत्रकत्यके मृष्टे। एक लाखतः थिग्रम्। त्राष्ट्र त्यातृतमकामः मरत्युनाणिनित्वमिकम्।

**ब्यायाण्डिक्यः** भाजाविज्ञ (यमिनीकायः । ( ১०) नटेब्बय काष्ठा टाबुटको निरवरण यञ्ज म एका क्रोनिरयय क्रिक ৰ্কিনেনি কপাৰণি (১৩)। অকুমারণ শ্বশ বাকানকাপাস্থতঃ। কোটাসুষায়িনমিমং क्सा भाषानि ट्याक्टाः ( ১৪ )॥ हेड्राया हि मार कृषी कमछी भूखश्चिमी। टावकक्ष ছুতা পাঞ্বধী। (১०) যদিন্ হতে সভীতাৰ:। (১১) সংবদং বাপ্রং রক্তনেপথাং বজবভাৰং भीनं श्रवानः त्रकत्वममिटार्षः । षाक्त्रत्वत्नी त्रम्यामित्यम्बः । ( ১২ ) महाज्ञिनमन्त्रः महाश्राज्ञिष्यः । কেটিৎ বোঢ়বো বিবীদন্ ধার্মিতবা:। ( ১৪) অহ্রতে।ধ্যুগজ:। জোটাহ্য্যায়িনং জোটাহ্যুগজং জেট-

वानिष्ड ( ১২ )। द्वीनिरयत्वा मध्ववाक् शिम्बक्क व्यिष्ठक्क त्म । म त्छश्वत्थाषु त्वांहत्वा

सर्दावरः वि वीतः त्य निष्ठायांदी। द्यभःमिष्ठ। यद्गाष्टिकानमण्याः भीनवान् वृष्ट-

( अष्यक्रक्टर ) महाज्ञशार छर ( यर ) भविष्य हिर्छेजी । छर मृष्ट्र। वार्षिकर भ्राम् बरमध्य-

কু ছাৰ্ছিডাত সমত । বৰ্জি ময়ি কেটেডায় বক্ষ্যাস সূমু তাত্ৰ। ত্ৰু ছাৰ্ছিছ ময়ি কেটিডায় কুমু তাৰ্মজন্পরম্। ইভি

ই ছাৰ্ছি বিবিধায়ুটে (১৮)। শোবয়ুতি শ্রীরং মে কিয়ু ছাৰ্মজন্পরম্। ইভি

ই ছাৰ্ছি বিবিধায়ুটে (১৮)। শোবয়ুতি শ্রীরং মে কিয়ু ছাৰ্মায়ঃ। ।। গ্রংপশাল্পে সেধ্যা। সোহশব্দো বিরাটক পশ্চ কালবিশ্বায়ম্। অভ্যাকীধ্যন্তং বৃন্দানি न मरणा लाकिक्यूक्षम् । वित्राष्ट्रम् । वित्राष्ट्रम् । वित्राष्ट्रम् । वित्राष्ट्रम् । वित्राष्ट्रम् । क्रशामग्रम्। महरमनः व्याः त्योहः किः क्र कीनामि भाखन ( ১৫ )। यिविधिनिष्डामन्नात्त्रा मामद्राष्ट्रम्मिक्छाम्। दिनम्बद्धः करदनाथाग्रहाताज्ञ भज्ञेष्डः ( ১७ ) ॥ ष्यभज्ञरममः ज्यामद्वः

मुखक्य ( ১৫ ) बाागुष्ठा इन्डवागावय । वरमध्यक्रगानवा वरमहर्षात वात्वो नवानय्। ( ১७) नावअक्ति क्वित्रक्कः भिष्कृष्टकः, चटनन (वटनंत, महात्राज्ञक पूषित्रित्रक । (১१) अनः महत्वत्रः । (১৮) प्रिष्मात्रम् वर्षमात्रमम् ॥ ব্যুনঃস্মুযুত্তং উদীক্তাং পাগত।ং আগমিতি শেষঃ। বৃন্ধানি সম্হান্ অভ্যাকীধান্তং অভিমূধেন আকীধান্তং,

ক্রাইভি কুমা প্রতীক্ষামি ভত্ত্বাম্পুমাং পূনঃ। ম এব হেত্তবাত মুদ্দত ভ্রামান্ত বাহাজায়ে স হেত্ত: স্থানিভি চ প্রতিশাস্মায় (৩)। ফ্রিভং পূর্বং জবাং বার পুনজ্যৈর ভিইতি। ইতি পর্যায়মিজ্জী প্রতীক্ষাম্নিয়ং পূনঃ। দক্ষা বাচজি পুক্ষমা হছা ক্রিকিভি। ইতি পর্যায়মিজ্জী প্রতীক্ষাম্নিয়ং পূনঃ। দক্ষা বাচজি পুক্ষমা হছা ক্রিকিভি চাদরে। পাত্রিছা চ পাত্তিজ প্রৈরিভি চমে শুক্ষম্ (৪)। ন দৈবজ্যাভি-क्रिक कृषा व्याधीकामि छर्दू भागूमग्रः शूनः। ठक्रवः भन्निवर्षस्य क्रथींक वाजनानि ह (२) ख्योभ्यादाष्टा षाष्ट्र मित्रज्ञीरवरभन हत्रकी द्राकरवर्षान। वर्भमाभि प्रमिक्षोधि नक्ष्यं का बनार । नाज त्य विकिशार हो जार वाक्या का अध्या ना नात कान-भूकात्रीया नर्कर कृ:बर किलाखवर (১)॥ व्यनिष्ठा किल प्रक्रानाम्बीनिष्ठक्षाकरम्। ইতি কুৰা প্ৰভীকামি ভত্ৰামুণ্যং পুনঃ। য এব হেত্ৰ্বতি পুক্ষত কয়বিহ:।

(১) শাংনে ডিটামি ডতা হেড়: নৰ্বমিতি কাল্যাগামিনং স্থকালং উপাদীনা প্ৰতীক্ষাণা। (२) ष्यक्षः शुक्रवार्षः समानः सन्मः। (७) व এव क्षत्रहष्टः कोनएस्टामन स्माम्बत्रवास्टितकोक्ताः कारणी एक्स्न (8) गडा शांक्डी ज्यामि कान एक मिटिया या कि छात्र कर्न भीतक हेरा युवा भीत्र वार्

क्र अरखारखा मम द्वारमा श्रायक्षमा। खाकृष्टिः भ्रक्रेतः भूरेखर्क्षण्टिः भविरातिका। अवर क्रममूनिका नावी का कृष्टा घुःचिका करवर्ष। नृनः हि यामग्रा धाकुम्ग्रा देव विविधिष्यः क्रमम्। यक्षध्यामाम्नेतिकः व्याखान्ति छत्रक्ष्ण। वर्षावक्षममिनि (६) त्म भक्षभाष्य कृष्क्रिक निवर्कनर क्रम्मामिक ल्याः। अधामः क्रानक्रमः। (८) वर्षावकानर वर्षाच्याः। ৰাদুখন্। ভাদুশো মে ন ভত্ৰাসীৎ ছংখে প্ৰমকে ডদা। হমেব ভীম জানীষে কলে পাৰ্যস্থং পুরা। সাহং দাসীছ-মাপরান শান্তিমবশা লভে । নাদৈবিকমহং মজে যত नडा। यह तम क्षिष्टकाच्य वध्तत्र श्राक्तम्। शृष्ट् मार छःषिडार ( एषः शृष्टी हाता ) ভদ্ধ-মপুটা চ অবীমি ডে। মহিমী পাতৃপুতাণাং মুহিছা ক্রপদত চ। ইমামবছাং সংপ্রাপ্তা जो का प्रमुख्या क्रिकीविट्यं । कृष्णे श्रीहर्वम् अर्थान् शाक्षांमानि छात्र । शास्त्रकाणि रेम्दवन किन यञ्जार्थः भूनीरिकाश्मि विभागारक। रेमवज्ञाभगतन यष्ट्र-एकन कार्या। विका-ভারোহ্তির ন দৈৰক নিবর্নম্। ইতি চাপ্যাগমং ভ্রো দৈৰক প্রতিপালয়ে॥

देव शब्धि देव:। विनिशां अत्रिमार मात्र यूषां क्यतिनिष्ठि स्म। यञ्जा मम सूथ ( मूथ) शार्षा सनक्षग्रः। जीमध्या महावाक्-बार्ख हम हैवाननः॥ षमक्रा (विष्ठुर शर्षि धार्निनार यखाः शूदःमता कामन् शृष्डे ७ भ्टाक्याधिनः। मार्यमा स्तमकाषाः भूतः भन्टाक गामिनो ॥ প্রেকাযুয়মিক্রসমাঃসদ। সা প্রেকে ফ্য (মুখ) মতাসামবরাণাং বরাসভী॥ পজা **পों छेव ऽमश्वेच्छोर बंबा नार्शीम देव छथा। ब्र्यास्यू ब्रिप्नमार्श्यू शन्त्र कानन्छ भर्षाम्म ( ७ ) ॥** बचाः माभन्नभर्षास्त्र। भृषिवी वन्नवर्खिनी। ष्याभीर माम्। स्यानकाम्ना जीषान्त्र वमवर्खिनी।

(७) गढः क्षविशाकः श्रंशः विश्रश्रम्। (१) छवछः षः किश्वरको क्षड्वरको। (४) वर्गक्रिक्षान्त्रभ

ৈবাহং যুমাক বা কদাচন। সাদ্যাগ্ৰতে। বিরাটক ভীতা ভিঠামি কিছ্যী। কিছু

होमछ छः थः एकोरकुश मन्नामणः विर्वाय ७५। न या कांकु यग्नः भिराय भीर्ताष्ट्रिन-मांधानः। षाग्रज्ञ कृष्ट्या ख्यास्थ मा भिनयामा ठन्मम्॥ भण्ण कोत्स्वय भाषीत्म नियः मि एर हः गुरा। हेडा अ मर्ग्यामात्र किमदाष्ट्री कत्रावूष्टी (१)। विष्टित्र कुस्था

दिमम्माञ्चन छत्रातः। उज्ज्ञमाः करत्रो स्राम्मी किनवरको इत्कामतः। मुचमानीम रिवमण्यायम छेवाछ। मा कीर्डग्रसी छःयानि जीमरमनन्त्र जातक। महात्राम मनरेकः स्मिमश्रवाह । नाझः कृष्डः मद्या जीम त्मवानाः विक्षिष्ठः भूता। ष्याजामा यत्र स्नीवाभि वका कि मञाष्ट्र, मार वर्षक: स्कृत्का न वा। नाजि शिक्षे वि मरज्ञास्त किना किन कृषा जीमरमम्मीक्जी। मा वाष्णाकृलका वाठा निःषम्बी शूनः शूनः। खनम् जीम-त्मनच्य घष्टेशकीषभववीर (১) । द्धा प्रक्रिक्शिया । नाझः व (अ) e

\*\*

कम्ममः या स्कृष्डः स्निरहा नत्विङ किश्मार महाहै विद्यादी वकाजी उत्याकाम्। वर्षक्काध्यद्यात्रम्बी डम्स्त ड विरामात्त हे जि त्यशितिः। ( > ) क्मग्रा व्याजक्ष्यभ्वमा चड्डिक्को विरमाष्ट्रम्बो। + ।

स्मोणमाकरताम भनवीत्रहा ॥ त्छो शृहीषा छ त्कोत्छत्या वाष्णम्बरम्बा वीषावान्। जजः

প্রচাৰনং ক্রণামবধশত যঃ। সূযোধনস্ত কর্স শকুনে: সৌবলস্ত চ। ছঃশাসনজ্ ভীমনেন উবাচ। ধিগস্ত মে বাত্তবলং গাঞীবং ফাল্লনস্ত চ। ষড়ে বজে। পুবা क्ष्मा भानी कृष्डिक्भाद्रां । माधायां विद्यातिक करद्रामि कमनः भर्षः। छत मा कात्रभः ভाञ्जि क्रोटक्षरम्ना यर क्षजीकर्र (১)॥ ष्मभ्या कीठकञारुर त्माभम्रापि भम्। भिन्छ। क्षेत्रश्रममञ्जय क्रीएज्ञित महाजिनः (२)। ष्यभुष्यः षाः यता कृष्यं की ठाक পদা হতাম। তলৈবাহং চিকীধ্যামি মৎস্থানাং কদনং মহৎ॥ তত্ত্ত মাং ধৰ্মগ্ৰাকস্ত কটাকেশ জবারয়ং। তদহং তত্ত বিজ্ঞায় ফ্রিড এবাত্মি ভামিনি (৩)। যচ বাষ্ট্রাং পর্যত্ত: খার্ভ টদং বচনমন্ত্রীং। ইতি প্রীমহাভাবতে শত সাহস্রাং সংহিতায়াং ৰৈয়াসিক্যাং হিবাটপৰ্ব্বণি কীচক্ৰধে জৌপদীনিবেদনে বিংশেহিধ্যায়ঃ । • ।

( ) ) क्षनः वृष्टः श्रजीकट्ड कानाविड त्नवः। ( २) त्याववावि हुर्वधित। ( ७) विडः कर्बनाधु-

नानक वज्ञान कुछ भितः। ७८म प्रहिष्ट भाषानि कृषि भनामियानिष्य्। या वर्षाः

धनक्षरया वा क्रुट्डाणि यस्मो वा জহি স্থঃশাণি কোধং জাহি সুমধ্যমে। ইদক সমুপালতঃ ছতো বাজা যুধিষ্ঠিবঃ। मुण्यास्यमि कमानि कृष्यः कथार म क्षीतिष्य्।

श्रीमुख ভদুমধ্যমে। লোকান্তবগতেষেত্র নাহং শক্রোম কীবিতুম্। পুবা ফুকজা শার্গাভী ভার্বিং চ্যবনং বনে। বাল্যীকভূতং শাম্যন্তমৰ্পদ্যত ভামিনী (৪)॥ নাবায়ণী চেন্দ্ৰ-সেনা কাপেণ যদি ভে আক্তা। পতিষ্মচবদ্দং পুবাবৰ্সস্থামা। ছহিতাকানকজ্যাপি देवस्मरो युषि एक सम्जा। भाष्टिमयहत्वर मोजा महावनानिवामिनम्। वक्षमा निर्वाहर প্রাণা রামস্ত মহিষী প্রিয়া। ক্রিভামানাপি স্থেশাণী বামমেবায়পদ্যত। ক্রোণামুক্রা সেনস্তং वीतः मङावस्त्रमितिन्छ। माविद्यास्तृहहारिका यमरलाकः यनस्थिन। यरिष्डाः তথা ভীক বয়োকপসম্ভিতা। অগ্তাম্বিয়াজিহা কামান্ স্বান্।

208

প্রতঃ। (৪) শাম্যজং বিষয়েভা। নিবর্তমানম্ (৫) সাদীধং কম কালং षং মাসমগ্রমাত্রহানিত।

कीर्खिंडा नांट्यां क्रनवडाः नहिडाः। हथा ष्मिन कमानि महेर्यः ममूक्तिंडा खदेभः 🛙

ক্ষাৰ্যাস্ভানন্ত্ৰো ভব ( ७ )। মন্মহ ভীম কৈকেয়ী ক্লগাভিভবশক্ষা। নিভামুদ্ধিন্ত্ৰে ক্ষাৰ্থ কিল্লোক্ত কৰা কিল্লোক্ত কৰাই অধ্যক্ষিণীত মাসমিতি অধিক্লণোক্তিন কিল্লাধিক-ক্ষাক্ত আল্লীধিকালং ক্ষমস্থ কিল্লুক কাল্যিতাত আহ্ অধ্যক্ষিণীত মাসমিতি অধিক্লণোক্তিন কিল্লাধিক-ক্ষাক্ত আল্লীধিকালং ক্ষমস্থ কিল্লুক কাল্যিতাত আহ্ অধ্যক্ষিণীক্ত মাসমিতি অধিক্লণোক্তিন কিল্লুক্ত ধ্যাসুাসাদিতি বৃৎপত্তা। এতেইনক্দিবসাদিকপদশ্জমাসং সহযেতি একরাত্রাদিকচতুদিশদিনাজেব স্কুটি ভাব:। অধিকমধী: ব্যাগিতি বা অধাৰ্ম:। ক্তিষাত্মাসমগ্ৰিসমিত: সাৰ্ধনাসং অভোট্থাৰ্ক-শকং কুমো ইড্যাগে সাহিণহায়তাগাইশক্ত দশনাৎ, তয় শোভনং তবৈৰ প্ৰৌণদীভীযসংবাদানত্ত্ব-मिक्न्येक्ट झाटबो क्रीडक्या निर्दे । विद्योधेन्त्रिया स्तक्ष्या त्यांका त्योणमी त्यांकनकी बरमममारहा-व्यार्खरिष्ठम्या छीय कृष्डः वाष्ण्यद्याधनम्। व्यभावम्रस्त्रा कृत्यानि माश्मीकः कम कालखः मानम्(क्षक श्रद्धनिमाष्टम्। शूर्ण ब्राग्नामान्य वार्त्र बाव्काः बाव्जी किवि প্ৰত্যুপস্থিতকালস্ত ম রাজানমুণালভে। কিম্জেন ব্যতীতেন ভীমসেন মহাবল। त्योगश्रवाह । बामि (६)।

्या शक्तवीवायहः वर्ष। त्रयात्रष्टः इनियापि कः छोक कूक त्र क्षत्र( > )। हेष्ट्रारक्क क्ष्में कोक्क्यः कृष्टः कार्याष्ट्रत्यहः शुनः। न षः व्यक्तिमारक्ष्याः शक्तवीवाः बस्यिनायः। अस्ति विकासि निष्टायि निष्टः कृष्णीमत्राविछ। त्यक्षति किक्षित्रसाष्टः त्या क्षीवित्र योका कथरमग्रानिग्रामिछ (१)। उन्छ। विक्रिया ७१ छारः यग्नकानुष्ठमर्मनः। कीहरम् रुग्नः स्वर्धे देशा त्रमा व्यार्षग्र छ राम् ( ৮ )। षम् रु क्रिका छीम भूनः कार्श निम्मा छ। चङ्ग्दा काममामृष्याचानः त्रक कोठक। शक्तवामाम् छाष्। शकानाः महिबी ব্রিয়া। তে पাং নিহয়ুয়: কুপিডা: শ্বা: সাহসকারিণম্। এবমুক্ত: সুচুটাত্মা কীচক: अ व्यक्ताविक । नाक् विट्या रेमित्रिक शक्तवीनीर खिनियटक। भक्त महत्त्रमनि वा

बांबर त्य बांका कांयाष्ट्र काविनीकातनाह्नयानकार। (७) बनस्टात्राशिवशायानवावराता। (१) त्मद्यार म शरक्रका। (৮) जजाः देक्टक्याः चनुडमर्गताश्क्रवितृष्षाम्। (२) चन्त्रवत्रत्र् किक्कि

केठिक ( >• ) । व्ययुक्तः म छुरोषा लाहगर यनवन्ता भाष माः उत्त किएकग्नी टिश्यमृत्र-

মুন্ধানা পদাহং ভেন ভাড়িত।। গ্রেক্ডে মুবিরাটস্ত কহুন্দ বহবেবা জনাং। রিজ্য:

শীলমনি [জ]ন্দ হস্ত্র্যাবোহান্দ নৈগমাং (১১)। উপালকো ময়া রাজা কছুন্দাপি পুনং

শুনা। ভতের ম বারিভো রাজ্ঞা ন ভন্ত বিনয়ং কুডং (১২)। বোহ্রং রাজ্ঞো বিরাটস্থ क्छ निरमानार । प्रष्मुख्य गार मृष्ट्रा गर्र माख्यवर्षप्र । भारक अधिराज क्षेत्र ক্রিমেন্ত্রী চেডি মেণিনী। নৈগমা বণিকাং নাগরিকা বা। নৈগমা জাবাণিকাকে নৈগমো নগরেরাক্তকে क्षिंद्रम्मकः। (३२) विनत्ता मुखः। (३७) मुक्तान् मुकः। (१८) भदास् ह्रम्भान्ताः न छ ब्योग्टम्न छ । एडरेनव ट्रांमिछ। श्र्यः माङ्यिम्डिक्वेरिम। स्त्रामानम् कन्नापि केकि-প্রামধ্যনাভবং ॥ বিদিছা জত সকলং কীচকতা ত্রাজন:। ডথাহং রাজশরণং জাবেলৈৰ প্ৰাধিভা। স্পৰ্শনে তুমাং রাজঃ স্তগ্ৰা প্রায়্ধং। পাভয়িখা তু नीशीक्षा मनीरवीत् 6 मुक्तवान् ( ১०)। मात्रामयी महाखाभ नान्डरण्ड्वीन् बहुनिन्।। रक्ष व्यावानम्। (११) गोर्ठमक्।] पाष्ट्यक्षा नायक्ष्णाण्डिया या। गीरंगरकाश्विष्ट्रा आसम्बन्ध

মানানাং মহান্ ধর্মো ন শিষ্যভি (১৬)। সময়ং রক্ষমাণানাং ভার্গাবো ন ভবি-ज सांजि। ভार्याक्रार त्रकामानाक्रार क्षका छन्छि निक्छ।। श्रकाक्षार त्रकामानाक्षा-माथा ভৰিবভি রক্ষিভঃ। আ্যাহি কারতে ডতাং তেন কারাং বিছ্ধি্ধাং (১৭)। ভঙা क् जार्याचा त्रकः कथः काद्यायत्यातत्व। वनजाः वर्षयाः व वायनानात्रिक क्वन्डः॥ আন্হরেদণি বিজ্ঞানি পরেমাং কোশভামণি। ন ভিঠ্জি মু সন্মার্গে ন চধর্মং বৃজ্ঞ-ষ্ডি (১৪) ঃ পাণাজা ণাণভাবশ্চ কামবাগ্ৰশাস্থ্য:। অবিনীডশ্চ চ্ট্টাজা এত্যা-थांकः भूतः भूतः ( ১৫ )॥ मर्नात मर्नात रुणात्यथा कथाक क्षीविष्यम्। छक्षत्र्यं यष्ट-

শুণাভিনিবেশ:। (১৬)ন শিষ্ততি নক্ষ্যতি। (১৭) ৰন্যভাগুনং ভক্তামিতি ৰায়াস এব প্ৰথঃ भर्षः दुष्ट्यन्धि नाष्ट्र जिव्हिमक्षित ( >६ ) कामश्रमभाष्ट्रम हेष्डि काम: श्रीनियत्त्रक्षा স এবাहि निष्ण्यान-

ক্ৰিয়ত সদা ৰৰ্মো নাতঃ শক্নিবৰ্গাং । পভাতে। ধৰ্মবাজতা কীচকো মাং পদা-

क्वीर । उत्त रिव नमक्कर देव जीयरमन महावलः। ष्या शहः भतिज्ञाजा ज्यारम्बाता-

क्टोक्सं क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र स्त्र । क्ष्मिन्म् स्रोप्त-मन् नाभिक्रं स्यारुक्त ম্মিবমভাভে । ক্তিকো রাজবালভায়তে কিকুল্ম ভাবত। তমেবং কামসগুলং ভিজি कुअधिवाणानि । त्या निषिष्ठमनर्थानाः वकुनाः मम ভात्रक। ভद्रकृष्ण्यापिष्ठाः व्यक्तिम्माम् मित्र १४)। विष यात्नाण नाजामि या केष्टिकवमः भगम्। त्यत्या हि देसम्मणीयन উবাচ। ইত্যক্ত, প্রাক্তৎ কৃষণ ভীমজোবঃসমাপ্রিজ। ভীমন আং मस्ता सक्ता जीयरमन जवाबाठः ॥

भत्रिवका मर्श मांचीर टायुका 6 ॥ जावानियका तकरमा ज्यामार्थार भूमनाम्। (क्यू-क्षार्थं स्पूरेक-स्वट्डा किक भमाष्यकाम्। व्यम्का वमनः एकाः भाभिनाकनमाक्रमम्। क्रीडकः यनमांशक्कः स्कृषी भिवमानिहम्। छेवांड हेनाः ष्टःथार्छाः छोयः क्रियां स्त्रीः त्रवेश्वांकाग्रेट हेक् करकः । (১৮) करक्ष्मांवस्यापिकाः श्राज्यक्षापिष्ठाज्ञीकि हम्पनि यात्रिकरण्डिक क्र मेरवधिलाज्योध्यनमः भष्षितः म्रिनम् कर्षश्वकोष्याः मोदव्यि । । नमिष्टः । हेष्टि अपर्याण्यात्र — अष्टमार्ट्याः माहिष्याः देवम्मिकाः विनारेभक्षि

कीं कबरब त्योशमी माखुत जर्कावारमा इशायः ॥ \*॥

ত্র বাজনোন শুচিমিতে। বৈষা নর্জনশালেহ মংশুরালেন কারিডা। দিবাত্র কন্সা নুভ্যন্তি রা রাজো বাজি ব্যায়ুহ্ম। ভ্রান্তি শয়নং দিবাং দৃঢ়াকং স্প্রভিন্তিত্ম। ভ্রাণ্ড দশ্রিয়ামি ত্র প্রবিশ্বভান শিভামহান্(১)। যথা চ ছাং ন পল্ডেয়ুং ক্র্ণাণাং ভ্রুত্র সংবিদ্য্ রু (২)। ক্র্যান্ত্রণা ছং কল্যাণি যথা সন্নিইতে। ভবেং। क्रिका मह बांक्वम् ॥ ष्यशः धारमात्य भक्षिताः कुक्षात्मन मक्ष्म। ग्रःशः (भांकक निक्न्

( ১ ) छच नर्खनागारत । ( २ ) गणिमः मगद्रः मत्दर्शमञ्जदः। मिष्धिकत्रा क्रिडिकाषामानात्रकान-दिवलम्माञ्चन छेवाठ ॥ छथा ८७ कथियथ। छू वान्म्भान्द्रम् म् झांबर्छ। बाजिरमाबर **তম্ছাঞ্ ধারয়ামাস্ত্রণা (৩)। ডন্ডাং রাজ্যাং ব্য**উভিয়োং প্রাক্তরশার কীচক**ে।** 

প্রমধেণী। সন্থাধনে কিয়াকারে স্তেইত নামি ভাষ্ডে ইতি নেদিনী। (৩) শার্মামাস্তুঃ ভাবমিবাচ়

পছা রাজকুলায়ৈর দ্রৌণদীমিদমন্ত্রীং। সভায়াং পশ্ততো রাজ্ঞঃ পাতিয়িছা পদাহনম্। ন চৈবালভমে আশমভিপন্না বলীয়সা। । প্রবাদেনেহ মংস্তানাং রাজা নামায়মূচ্যতে ( ৪ )। ष्प्रद्रम्य हि मर्रागाः दाका रेव वाहिनीनिष्ठः। मा [मार] स्वरं व्यक्तिश्राम मारमा जीक

कीठक উবাচ। এবমেতৎ कदिवामि यथा सूरज्ञानि ভাষদে। একো ছয়ে भमिषामि ब्राष्ट्री (8) नाम बाकाटका (८) षाक्षाम ब्रिजिजा (१) तनो ष्यांबरम्राः। (१) नममः निममम् कानीग्रार मकछः मग्रा (१)। ष्यरत्यायांकि छोषान्त्रि शक्तिं।भार वर्षाचनाम्। जदः (म मुख्यावम्यः छव । ममानमार्थः ब्राखाक ष्या मननत्रमहिष्डः। क्या क्षां नांवराज्यात्र व्यक्तिमानीह जरजार्यः यम्भा ज्य ॥ 4を合け: 文句1a化7: (ア) =

なな

स्मोग्यावां । जदः (त्र त्रत्रव्यक्षा) व्यक्तिमात्र कीठक। न काः त्रक्षा वा जाना वा

ভাবামি তে। অফায় [আজয়া] তব ফ্লোণি শতং নিকং দদাম্যহম্ (৫)। দাসীশতক

टि मन्त्रीर मोनामार्ग होशतम्। त्रथकांभ्रष्टतीयुक्तमञ्ज त्मे जीक मन्नमः ( ७ ) ॥

टकोशक्रायोठ ॥ यतमरुमर्टकार्टनाशीतः मरस्यताहरून कातिरम्। नियांख क्ष्या मुखास्य नाह्यो কাজি যথাগৃহষ্। ডমিলে তত্ত গচ্ছেথা গল্ধকান্তন কানতে (১)। তত্ত দোষঃ भविकारका खविवाजि न मःभष्टः।

グジ কালো দীৰ্ষ ইবাভবং। অফুচিস্তয়তশচাণি তামেনায়তলোচনাম্। আসীদভাধিক। চাপি की किंदः कामरमाहिष्टः। नाकानाष्मित्रम् याष्ट्रः किष्ठवानः ममागमम् (১১)। छण्ड छोनमी জ্ঞাং হর্সমাগত:। গৈরিজী নশিপাং মৃত্যুং মৃত্তুজনাবব্জবান্। গদাভবণমালোষ্ ঝাসিজী: স বিশেষতঃ (১০)। অলঞ্চাক্র ভদাত্মানং সহর কাম্যোহিত:। ততা তৎ কুর্বতঃ কর্ম 🚇: चित्रः প্রমুক্ত:। নির্পাণকালে দীপত ব্রীমিব দিধকত:। কৃতসংপ্রভারতভা: ভ্ৰম্মাদেশনৈৰ সমং নূপ। ততঃ সা ভীমদেনত ত্ৰথং প্ৰতাবেদয়ৎ। কীচকোহ্থ গৃহং গছ। বৈশশ্লায়ন উবাচ। তমর্মভিভল্লন্তা: কৃঞায়া: কীচকেন হি। দিবসার্জ: সম্-

(৮) নাব্জেদজুত্তিন জ্ঞাজুত্তি। (১) ত্মিলে মছক্রে। (১.) ব্যাসকোরাগী। (২১) বাজং

পুখা ভাগ ভীমং মহান্সে। উপাভিগ্রত কল্যাণী কৌরব্য়ং পতিমন্ত্রিক। ভমুবাচ স্থকেশাস্ত্রা কীচকতা ময়া কৃতঃ। সকমো নর্তনাগারে যথাবোচঃ পবস্তুপ॥ শৃত্যুং স নর্তনাগাবমাগ-মিষ্যভি কীচক:। একো নিশি মহাবাহো কীচক তং নিজ্গয়। তং স্তপুলং কৌজের

मियमः नाकानामिछ।वद्यः। ष्यक्त्ज्या मर्जना९ नक्ष्यक्षिषः न्छापष्य् । (১২) कन्मः नषामियुनम्। ( ১७ ) क्यार त्यक्षति वर कीठक्छ मात्रभम् ( ১৪ ) ष्यु मात्रभक्त माह्।सुः महास्त्रण्यभाग्नम्। ( ১৫ ) अष्ट्रस्य নবমঞ্জতে। জং যং প্রহবতাং শেষ্ঠ কদাং নাগ ইবোদ্ধব (১২)। আশ্রু ঘুংখাভিত্তাকা মম ভীম উবাচ। এবং কবোম্যত্: ভয়ে যথা ছং ভীক ভাষ্সে। স্বাগ্ৰুং ভে ববারোছে वक्षाः ८ववग्रतम थिष्यम् (১৩)॥ न श्रज्ञः किक्षिनिष्ठ्याम माहायाः वन्नवर्निन। या त्र প্রীভিত্তগ্রাখ্যাতা কীচকত সমাগমে (১৪)। হন্ধা হিভিন্ন সাঞ্জীতম মাসীন্ধবর্ণিনি। সভ্যাং কীচকং মদদ্শিতম্। গছা ভয়র্তনাগাবং নিজীবং কৃক পাণ্ডব। দর্শাচ্চ স্তপুত্রোহ্সো গন্ধর্বা-মাৰ্ক্ষ ভারত। আত্মনশৈচৰ ভদ্ৰত্তে কৃক মানং কুলক্ত চ।

खांक्रफ सर्थक भूरक्षडा बनीम टडा के.ठका निश्नियामि बुबा मियमिष्यंथा। जा अस्तरव क्षकाटन वा त्र्याब्रावामि कीठकम ( ১৫ )। अथ एठमिन व्यादण्यिष्ठि शिराज्य

ভীম উবাচ। এবমেতৎ করিষ্যানি যথা হং ভীক ভাষদে। অদ্য তং স্দ্রিষ্যামি মৎতানপি এদ্বম্(১৬)। তকো চুৰ্যাধনং হজা প্ৰিপ্ৰয়ে বস্ধান্। কামং জেশিস্তাবাচ। যথা ন সংভ্যভেথাতুং স্ভ্যং বৈ মংকৃতে বিভো। নিগুচু**ৰং তথা** কীচকং সহবাদ্ধবৈ:। অদৃগ্ৰমানকতাদা ভ্ৰযিষ্ডামনিনিতে। নাগো বিশ্মিবানেম্য পোষ্মিয়ামাহং শিরঃ। অলভ্যামিছতত্ত্ত কীচকত চুবামনঃ। মৎস্তমুপাজাং হি কুন্তীপুত্র। মুখিন্ডিব:॥ ( মহা ) বীর কীচকং ভে চিষ্দ্য ॥

228

करकु अकारक शक्र है (शायमियामि बहे हुर्गमग्रामि । ( ১७) (यारकि छाजिन। [ २१] जाय-

दिवमान्नाम् न हेवां । जीरमाश्य क्षयमः भवा तार्जो छम्र डेलांविमेर । मुन् श्रितिबाष्ट्रा

the man streethings of Section couldness continue on the Section of the Section o

ভৌম উবাচ। চিষ্ট্যা স্বং দর্শনীয়ন্ত দিষ্ট্যাত্মানং প্রশংস্সি। উদ্শক্ত ক্যা স্পর্শঃ মদ্ধি-হর্ষোমুখিত চিন্তাত্মা মুয়মানোং ভাভাষত (১৮)। প্রাণিতক্তে মুঘা বিজ্ঞ বজরুপমনস্তুক্ম। ৰংকুতে ধনরত্নাচাং দাসীশতপবিজ্ঞন। কৃপ লাংণাযুক্তাভি-যুবভীভিরলক্ষতম্। গৃহং চান্তঃপুৰং ফুল্ফ ফ্রীড়ারভিশিবাজিতম্॥ তং সকং ৰাং সমুদ্ধিতা সহসা সমুণাগডঃ। অক্ষামাং প্রেশংসন্তি সদ। গৃহণ্তাঃ ত্রিয়ঃ॥ ফ্রাস। দর্শনীয়য়্চ নাজোহতি য়াদৃশঃ প্রান্॥ भुरक्ता न करिकि । ज्यार्थः त्वर्तम विषष्ठक्षः कामध्य विकल्पः । खोषाः खेष्किद्वा नाष्ठ्रद्वर পাঞ্চালীনকমাশ্যা (১৭)। নতামান: স সংস্কৃত মাগাবং পাবিশন্তত:। প্ৰিশাচ স তৰেশা ভম্সা সংবৃতং মহং। পুর্বাণ্ডং গ্রস্তা ভীমম্প্রিমেজসম্। একাস্তাবস্থিত কোমাস্সাদ স্তুর্শতিঃ। শ্যানং শ্যনে তত্র স্তপ্তঃ প্রায়্যৎ। প্তজং পাবকং দীপ্তং সিহেং কুত্রপ্ত-ধ্যা। জাজ্জলামানং কোপেন কৃষ্ণ ধর্ণজেন হ। উপসঙ্গমা চিথৈনং কীচকঃ কামমোহিতঃ। প্ৰভ্যাকাষ্যত কীচকম্। কাচকশ্চাপাল-কৃত্য যথাকামমুণাগমৎ। তাং বেলাং নৰ্ধনাপারং नमः भुक्रविष्ठ। বৈশাপায়ন উবাচ॥ ইত্যুক্ত'। তংমহাবাছ-ভীমো ভীমপরাক্তম:। সহসোৎপড়া কৌস্তেমুঃ व्यव्रत्थायोठ कीठकम्। ष्यमा वाः छितिनी भाभः कृष्णमानः मग्ना जूषि। सम्भार्ष्ण्या

কাশং সিংহেনেব মহাদ্বিগম্। নিবাবাধা হয়ি হতে সৈনিক্সী নিচরিষ্যভি। স্থমেথ চরিষ্যক্তি সৈবিজ্ঞাঃ পভয়ঃ সদা। ততো জ্গ্রাহ কেশেষ্ মালাবংসু নহাবলঃ। স কেশেষ্ পরাম্প্রো বলেন বলিনাং বরঃ। আদিল্যা কেশান্ বেগেন বাফোর্জগ্রাহ পাশুবম্। বাহুমুদ্ধং ভয়ো-নরণামুত্তমস্ত চ। অভ্যোভ্যমভিসংবর্ষী পরম্পরজগৈয়বিশোঃ॥ বালিফ্রীবয়োর্শারো: পুরেব কপিসিংহয়ো: ॥ তত: সমুদ্যম ভূচে পঞ্শীধাবিবোরগো। নখদংষ্ট্রাভিরভোইজং জন্মতু: রাসীৎ কুষ্ধয়োন রিসিংহযোঃ। বসফ্টে বাসিত:তেতার্লাবগদভয়োবিব। কীচকানাঞ্চ মুখ্যস্ত

পিকাং রাজিং। (১৮) হর্পেক্তিভিরোজা হর্পে উল্পিড মন আলু শ্রীরং বৃদ্ধ। (১৯) প্রকর্মেটী

ক্ৰোধমুফিছতো। বেগেনাভিহতো ভীম: কীচকেন বলীয়সা। স্থিরপ্রভিজঃ স রণে পদায়

চিলিভঃ পদম্॥ তাবজোজং সমাপ্সিধ্য প্ৰক্ষিষ্টো প্ৰস্পান্ন্ (১৯)। উভাবণি প্ৰকাশেতে

প্রত্তের বৃষভাবিব । তত্তাহাসীৎ সূত্যুলঃ সম্প্রার: ফুদারুণ:। নখদ:ব্রায়্ধবভোধাাজ-

য়োরিব দৃপ্রয়ো:। অভিপত্যাথ বাছভ্যাং প্রগৃত্যাদম্বিত:। মাতক ইব মাতকং প্রভিন করটামুখম্ ( ২০ ) ॥ স চাপোনং তদা ভীমঃ প্রতিজ্ঞাহ বীধ্যবান্। তমাক্ষিণং কীচকোইখ ৰ্জেন ব্লিনাং বয়ঃ ॥ তয়োভূ জিনিনিশেষাগুভয়োৰ্সিনোজ্ঞা। শব্দঃ সমভবদেৰাৰো বেগু-

व्यक्तिम सूनमामात्र। (२२) याकण्या विविधः भष्यकत्वाधः। (२०) मेष्रमानिष्ठमन्यषामार প্রোৎসাদয়তো। (২০) প্রভিয়কর্টাম্ধ উদ্পণিতক্টয়নছিলে প্রভিয়ে উদ্ভিয়ে ইব কর্টামূশে গণ্ড-क्सरत क्टा हे जि विश्वहः। काटक जात् के उत्ति विष्ठामतः। हास्मभूषा होषः। (२১) पाषिक्मा

チベハ

काह्य हो माहिक प्रताम मुक्षि । व्यापन माहिक पार्व निर्मात । प्रकाम माहिक प्रताम माहिक विकास (२১)। हो सम (२১)। हो सम (२४)। हो सम (२४)। हो सम (२४)। हे यह माहिक प्रताम हिक्से। विकास हो स्वाप्त माहिक प्रताम हिक्से। विकास हो स्वाप्त हो माहिक मा

अ छमा फूरछा छीभवनार्षिकः। छः श्रीग्रमानः विकाग्न छीमरमता मश्ववनः। वक्ष्यानीग्न विराभन्न अभ्येष्मिनः विराधकाम्। वक्ष्यानिग्न विनिभ्यः भूनरैक्तः वृश्कामतः। छाश्वाश्यक्ष्याकाः विकाश्यकाः । काश्वाश्यक्षयकाः । काश्वाश्यकाष्टिः अस् विकाश्यक्षये विकाशयक्षये विकाशयक्यये विकाशयक्षये विकाशयक्यये विकाशयक्षये विकाशयक्षये विकायक्षये विकायक्यये विकायक्यये विकायक्यये विकायक्यये विकायक्यये विकायक्यय कार्यकार विमानो निक्कान मृत्म । उठकृष्ट्यनात्मकेः काकण्येष मृक्म्कः। वभवकाषि বেগেন দশুপাণিরিবাস্ত্রক:। স্পরিয়া চ বলোমভৌ ভার্ভৌ স্তপাণ্ডবৌ। নিশীৎে পর্য-मरक्षावरकाश्कार जावशक्राम् ॥ डमाजार म क् जीरमन दक्षका हिरा वनी। कीररका রোষসন্ত্রপ্তঃ পদায় চলিতঃ পদম্। স মুহূর্বজ্ঞ ভ্রেগং সহিছা ভূবি চূঃসহম্। বলাদহীয়ত शृशीत्कव महामुगम् (२८)। ७७ এनः शतिखास्त-मुणालन्ना द्राकाम्तः। त्याक्नुक्षामाम विक्रिस्ताः भिष्टः द्रमनग्रा यथा ( २६ ) ॥ नम्छकः महीनामः जिन्नत्वतीमभक्षनम्। जाभग्राभाम

চলপ্দে অধিযুরপদে। (২৪) বিকরাব শব্দং কৃতবান্। (২৫) ঘোক্রামাস রসনয়। রজা আংগনেজ্যয়া।

ত্তঃ কীচকং ক্রোধসরাগনেতঃ। অসত্তবস্তাভরণকৃবন্ত-মৃত্ত্যিস্তনেতা ব্যস্তম্ৎসমৰ্ক (২৬) 🛚 नरेजनत्मिङ शाक्षानि कामूरकारुषः यथाकृषः । जनमूष्क्। महारुषका जीरमा जीमभनाक्रमः। পাদেন পীড়্যামাস ভক্ত কায়ং চুরাজন:। ভভোঃগিং ততা প্রজ্ঞান্য দশ্রিছা চ কচিক্ষ্। व्यक्षटम चमरन स्वादन अम्ताकनिविष्टात्रात्रिहि द्वादः। (१७) बाद्यः विगडधापः। कोष्टक वधः।।। कृकां प्रांत्रका कार भाषां व्यव्या व्यव्या कार कार्यक्षां क्ष्यं क्ष्यं कार्यक्ष्यं । क्ष्यं क्ष्यं क কীচকং পাতুনব্দনঃ। ভূতলে ভাময়ামাস ব্যক্যকোম্বাচ হ॥ অলাহমন্ণো ভূषা ভাতুভাষ্যাপ-হারিণম্। শাদ্ধিং লকোংখি পরমাং হছা সৈরিক্ষিকউকম্। ইভ্যেবমুক্তা পুরুষধাবীর-मिष्णमा भाषिमा भाषि ममरहीष्टेषुरहावनी। ममाक्या ह मरक्रका वरनम वनिनार वतः। व्यक्ताहनयहाबाछः भाषाष्ट्रितक पाकटेनः ॥ एक भारमे ६ भाषी ६ भिरत्ना श्रीवाक मर्कनः। কায়ে প্রেৰেশ্যামাস প্রোরিব পিনাক্ষুক্। তং স্মথিতস্কাসং মাংস্পিটেগ্রাপ্যং **কুডম্**। কৃষ্ণারা দশ্রামাস ভীমলেনা মহাবল:।। উবাচ চ মহাভেজ। দৌপদীং ঘোষিতাং বরাম্। কটাদেশে জাজুনা কীচকাধমমম্। অপীড্যুত বাহুত্যাং প্রমার-মমারয়ং। তংবিবীদন্তমাক্সা

ত্ৰ ভছতু বা ভাষিতং ভত্তা নৰ্ভনাগারবন্দিণঃ। সহসৈব সমাজগ্ৰুরাণায়োজা: সহসেশ: । ততে। জুগৰাথ ভাষেশা কীচকং বিনিপাভিত্ম। গভাসুং দদৃশুকুমো ক্ষিরেণ সমূশিকভন্। ১৯ পাশিপাদবিহীনং ভংদৃষ্ট্যতে ব্যথিতাহতবন্। ততে। ভয়ং যহং সকো সায়ুধা ভরতর্ষ্ভ । भाकामीर म छन। वीत्र हेनर वठनम्बतीर ॥ व्यार्थश्रष्ट श्रुरक्षाहर (त भार खनममिष्ठिम्। প্র কীচকোহরং হত: শেতে গদ্ধির প্তিভিশাম। পরস্ত্রীকামসমতঃ সমাগচ্ছত পশাত। অধ্থনং হাইরোমাণো বিমিতাঃ প্রাকৃ কীচকম্। নিরীক্ষন্তে ভতঃ সর্বেপরং বিশার-মাগভা:॥ অমাজুষং কুতং কৰ্ম তং দৃষ্ট্য বিনিপাতিতম্। কৃত্যে প্ৰীবাক চরণৌ ক পানী কীচকং ঘাভয়িষা চ মৌপদী যোষিতাং বরা। প্রক্রন্থী গতসস্তাপা সভাপালামুবাচ হ 🛚 ক শিষ্তব্ধা। ইতি তাং পৰ্যসূত্তত্তং (ইতি সত্যং প্রীক্ষাত্তে ) গন্ধকেণ হতং ডাগা। ভগাস কীচকং হয়। গয়। রোষস্ত বৈ শমষ্। আমন্তা সৌপনীং কুফাং কিপ্রমায়াসূহানসম্ এবং তে ভীক বধ্যস্তে কীচক: শোভতে যথা।। তৎ কুষা গুৰুরং কর্ম কৃষ্ণায়া: প্রিয়মুন্তমম্। देकि व्यामश्राधामार 🕳 - दित्राष्ट्रेशक्री कीठक्रास षां तः भाष्ट्रिकाम् साग्रः ॥ 🖘

ź বৈশশপায়ন উবাচ। তেখিন্ কালে সমাগমা সংক্তিত্রাস্থ বান্ধবাঃ। রুক্তঃ কীচকং অদ্রাচ্চানবদাাসীং স্তম্মালিক্য ভিষ্তীম্। সমবেতেমু সর্বেষ্ ভামুচুক্লপকীচকাং। হজ্ঞতাং শীজমগতী ৰংকুতে কীচকো হতঃ। অথবা নৈব হস্তব্যা দহতাং কামিনা সহ। মৃতস্থাপি প্রিয়ং কার্যাং স্তপ্তাত সর্বধা। ততো বিরাটমূচ্তে কীচকোহতাঃ কৃতে হতঃ (২)। স্তত্পুত্রেণ সহ দাহং বিশাম্পতে। তাং সমাসাদ্য বিত্তন্তাং কৃষ্ণাং কমললোচনাম্। মোমুছমানাং मुट्टै। पतिवाधि ममञ्जलः । मत्त्र माश्च हेरवामानः मञ्जलाः त्याका कीठकम्। ज्या मिन्निन-সৰ্কাঙ্গং কুৰ্দ্ধং স্থল ইবোদ্ধ তম্॥ প্ৰোধিতং ভীমসেনেন তমিল্ৰেণেব দানবম্ (১)। সহানবৈৰ দফ্ষেম তদমূজাতুমহনি ॥ পরাক্রমন্ত স্তানাং মছা রাজায়মোদ্ত। সৈরিক্রাা: সংক্রিরিড্মিছজেয় বহিনে ত্ং এচক্রমু: । দদ্ভজে ততঃ কৃঞ্াং স্তপুলা: সমাগতা: ।

()) त्याषिष्ठः त्याक्तिः। (१) कृष्ड निमिष्ठः। (७) विषष्ट्रं अष्टक्वान्। नव्याष्ट्रनः मिष्ट्र्न् [ 4-33 ]

তে তত্ত জগৃহ: কীচকা ভূলম্। ততত্ত তাং সমারোপ্য নিবধ্য চ স্মধ্যমাম্। জগ্মুক্দ্যম্য

তে সৰ্কে শাশানাভিম্থাস্তদা। হিয়মাণা তু সা রাজন্ স্তপুনৈত্র-রনিদিতঃ । প্রাক্রোশরাথ-मिष्ट्रह्मी कुक्षा नाथवाडी मजी॥

দৌপছাবাচ॥ কয়ো কয়ছো বিকায়ো জয়ংসেনো জয়দলঃ। তে মে বাচং বিকানস্ত

ভীমঘোষজ্ঞরফিনাম্॥ রথঘোষশচ বলবান্ গন্ধকাণাং মনফিনাম্। তে মে বাচং বিজানজ বৈশশপায়ন উবাচ॥ ভত্তান্তাঃ কুপণা বাচঃ কৃষ্ণয়াপরিদেবিভাঃ। শুদ্ধবাছ্যপভঙীমঃ স্তপুশা নরস্থিমাম। যেষাং জ্যাতলনির্ঘোষা বিকুজিডনেবাশনে:। ব্যাশারভ মহার্কে स्टश्वा नश्वि माम्।

22

ভীম উবাচ ॥ অহং শৃণোমি তে বাচং হয়। সৈরিক্সি ভাষিভাম্। ভত্মাতে স্তপ্তেভোগ

न छग्नः छोक् विमार्ड ।

শয়নাদ্বিচারয়ন্ #

মাৰ্গা। স ব্যায়তং কুছেতি পাঠে স ভীমে: ব্যায়তং ব্যায়ামং শিকাধিশেষ ইতি কুছা ইতি কেচিৎ।

বেশেন অভ্যবহনা। (৪) লভব্যিতা আকৃষ্ডুত छ<sub>়</sub>।(৫) তাল্যাত্রং চত্রবিংশক্তপ্রাণং অথ মাগভম্। বিভ্ৰেফ্: সৰ্বশ: সূতা বিষাদভয়ক শিপ্তা: ॥ ডমস্তক্মিবায়াস্তং গলব্বং প্ৰেক্ষ তে স্বাত্ত বাম্ত আয়তং দীৰ্ঘ কুষা দক্ষিণত সংবোহমিতা্থাদল্ড। বেশং ফ্লালকারং পবিবর্তা গক্ক কিংশুকা:। ভূমৌ নিপতিতা রুফা: সজ্যশস্ত্র শেবতে॥ তং সিংহমিব সংক্রুদ্ধং দৃষ্ট্র। গদ্ধব-হুশ্ৰ্যাম্মিতি বচনাং তালবুক্পমন্থা। নাগ্ৰং হতিব্ধ। দুশ্ৰ্যামং বাদেশ হত্তচতুইয়ম্। বৈশশপায়ন উবাচ॥ ইতুজু। সমহাবাহ্তিক জুড়ে জিঘাংসয়া। ততঃ স্বায়নং কৃষী বেশং বিগরিবর্তাচ। অধাবেণাভাবস্বন্দা নিজ গাম বহিস্তুদা (৩)। স ভীমসেন: প্রাকার-মাক্ষ্য তর্সা ফেতম্। শাশানাভিম্থ: প্রায়াদ্য্ত তে কীচক। গতাঃ। স লজ্যিতা প্রাকারং নি:স্ভাচ পুরোভমাৎ (৪) জবেন পভিতে। ভীমঃ স্তানামগ্রস্তদা।। চিতাসমীপে গথা স ভ্রাপভাষনম্পাভিম্। ভালমাতঃ মহাফ্ষমুক্তিফং বিশাম্পতে (৫) ॥ ভং নাগবছপাক্রম্ বাহভায়ে পরিরভা চ। ক্ষমারেশপ্রামাস দশ্রামং প্রফুপঃ ( ৬ ) ॥ স ভং বৃক্ষং দশব্যামং সম্ভ্রবিটপং বলী। প্রগৃত্যাভাদ্রংফুতান্ দণ্ডপা,শিরিবান্তকঃ উক্রবেগেন ভত্তাথ অপ্রোধার্থ-

माग्रष्टम्॥ ८७ कु मृष्ट्रा जनाविकः भीमरभस्मन नामनम् (४)। विमृष्टा त्योगनीः ज्ज ডদা। দিধকভত্তেদা জোটং ভাতেবং ছাপকীচকাঃ (৭)॥ পরকথরমথোচ্তেত বিষাদভত্ম-ক্ষিতা:। গন্ধৰ্মে বলবানেতি কুন্ধ উদামা পাদপম্। সৈরিক্সী মুচ্যভাং শীঘ্ৰং যতো নো ভয়-

না পরিমূচ্য বিশাম্পতে। উবাচ চ মহাবাহু: পাঞ্চালীং পাণ্ডুনন্দন:। আ্রুণ্পুম্বীং দীনাং এ চুন্ধর: স বৃকেদের:। এবং তে ভীক বধ্যুদ্ধে যে জাং ক্লিশ্রন্তানাগসম্। প্রৈহি ছং নগরং ১৯ কৃষ্ণে ন ভয়ং বিদ্যুতে তব। অন্তেমনাহং গ্মিষ্যামি বিরাটন্ত মহানসম্। বৈশাসগায়ন উবাচ। পঞ্চাধিকং শতং তচ্চ নিহতস্তুত্ত ভারত। মহাবনমিব ছিন্নং শিভ্রে বিগলিতক্রমম্(১)। এবল্পে নিহতা রাজস্তুতং পঞ্চ কীচকা:। স চ সেনাপ্ডি: ত্র প্রভশ্বনস্তো বলী। শতং পঞ্চিকং ভীম: প্রাহিণোদ্যমসাদনম্। তত আখাসমং কৃষ্ণাং এ প্রাত্তরগরং প্রতি । স্বতন্তয়াপ্তে সংক্রেকঃ স্বজী দানবানিব। ব্লেক তিন রাকেন্স (१) मिशकतः त्रकृतिष्ट्यः। (৮) व्यानिकः शृश्वीत्म। (३) मिटक न्त्रिय्म। ।

বাজন স্তপুলা মহাবলাঃ। যথা নজেন বৈ দীণং পৰ্বভন্ত মহচ্ছিতঃ। বিনীকীণাঃ
বি প্ৰদৃশ্যকে তথা স্তামহীতলে। সৈবিল্লী চ বিমৃক্তা সা পুনবায়তি তে গৃহম্। সৰ্বং
সংশল্লিভং রাজ্লয়গরং তে ভবিষ্যতি। যথারপা হি সৈবিল্লী গন্ধবাদ্ধ মহাবলাঃ।
পুংসামিষ্টক বিষয়ো মৈপুনায় ন সংশয়ং।। যথা সৈবিল্লীদোষণ ন তে রাজ্লিদং পুৰম্। জাত্রবীৎ ক্রিয়ভামেষাং ফুভানাং চরমফ্রিয়া (১)। একম্মিলের তে সর্পে ফুসমিজে বিনাশ্মেতি বৈ ক্ষিপ্ৰং তথা নীতিবিধীয়তাম্॥ তেষাং ভষ্চনং শংষা বিরাটো বাহিনীপতি:। दिसमामाइन छेवाइ॥ डाम मृथ्नै। निरुडान मुखाना एक त्योबा खरवमद्रम्। शक्षरैक्रिरि পুক্সিচেড্যতৎ ফুডেষট্শতম্। তদ,ষু। মহদাশচধ্যং নবা নাধ্যশচ সঙ্গতাঃ। বিষয়ং প্ৰসং গুৰা নোচু: বিক্ষন ভাবত ॥ ইতি শ্ৰীমহাভাবেতে শ্ৰসাহস্যাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপকণে উপকীচকবধো নাম ত্রয়োবি শতি ভয়োহধ্যায়ঃ ॥ #॥

(১) মৃতানাং চব্যক্রিগালাত:। (২) জাত্সাধবসং জাতভথঃ। (৬) সংজ্ঞাতি: সক্ষেত্ৰচটনং। স্ত্ৰাশনে। দফ্ডাং কীচকাঃ শীত্ৰ গক্ষৈমালৈ শত সৰ্পশ:। স্দেফাঞ্বিবীদালা মহীষীং

. जांडमांस्वमः (२)। रेमतिको मांगडाः जगां गरमत वठनामिनम्॥ अष्ट रेमतिकि जयरह ষথাকামং বরান্নে। রাজা বিভেতি স্থেশাণি গন্ধবিভাঃ পরাভবাং। ন হি ঝামুৎসহে

ত্র প্রকাল্য সলিলেন সা। তাং দৃষ্ট্য পুরুষা রাজন্ প্রাক্ষবন্ত দিখোদশ। গদ্ধবিণাং ভু জয়ত্রস্তাঃ কেচিদ্টিন মীলয়ন্। ততো মহানসঘারি ভীমসেনমবস্থিতম্ দদর্শ রাজন্ ১ ১ পাঞ্চালী যথা মত্তং মহাদ্বিগম। তং বিশ্যয়ন্ত্রীং শনকৈ: সংজ্ঞাভিরিদমত্রবীৎ(৩)। अ का काम नगदः व्यक्ति। वामिर्डद मृती दाना भार्क्रलन यभविनी। शांबाणि दामनी हिद বৈশশপায়ন উবাচ॥ অথ মৃক্তা ভয়াৎ কৃষণ স্তপুতানিরত চ। মোক্ষিতা ভীনসোনন ভীমসেন উবাচ ॥ যে পুরা বিচরস্তীহ পুরুষা বশবত্তিন:। তত্তাত্তে বচনং আশ্চয় বকুং কয়ং গন্ধক্রকিতাম্। কিয়াস্থনোযজাং বকুমতত্থাং প্রবীমাত্ম্॥ शक्तर्वज्ञाकात्र नरमा त्यनान्त्रि शतिरमाक्षिष्ठा॥ ष्त्री विठव्हाउ বৈশশপায়ন উবাচ। ততঃ সা নৰ্নাগারে ধনঞ্যমণ্ডাত। রাজঃ ক্যা বিরাটন্ড নৰ্ব্যানং

মহাতুকম্। তততা নর্বনাগারাখিনিকম্য সহাজ্নাঃ। ক্যাদদ্ভরাঘাতীং কৃষ্ণা ক্রিষ্টা-

. ( 8 ) छित्राग्र्यानिग्छ। वारम वानम हेवार बाला वारम होता है। मिन मिन मिन प्राप्त वारम प्रमान मिन्नवाह न ्रेडमोमववूषारम (8)॥ षग्ना मरहाविष्ठा हाम्त्रि षक मरेक्द्रः [षक मरक्ष्य स्विष्ठा] মনাগসম্॥ কজা উচু:। দিইয়া শৈরিক্সি মুক্তাসি দিইয়াসি পুনরাগতা। দিইয়া বিনিহতাঃ বৃহমলোবাচ। কথং গৈরিজি মুকাসি কথং পাপাশ্চ ভে হভা:। ইচ্ছামি বৈ ভব সৈরিদ্ধাবাচ । বৃহল্ললে কিলু তব সৈরিদ্ধা কার্যাসদ্য বৈ। যা ছং বসসি কল্যাণি त्रमा कछाशूरत सूथम्॥ नहि छःथः प्रमाश्रापि रेगतिको यछ्णाचूर्डा र्डन गाँः ্ বৃহল্লগোবাচ । বৃহল্ললাপি কল্যাণি ফু:খমাপোত্যজ্জমম্। ডিধ্যগ্ৰোনিগভা বালে ন क्र:बिडाटमवः शुक्करम टारुमनिव ॥ সূতা যে ৰাং ক্লিক্স্যানাগসম্। त्याष्ट्रः मर्करमञ्जूषाञ्चम् ।

544

किनामिछ। क्रिक्यमः न्याक्षः। •।

সতে, ফিভা। ক্রিকান্তাং করি সংশাণি কো ফু ছঃখং ন বিন্তি। ন তুকেনচিদতাস্তং क्खि कि मुश् कि हिर । दिनि कुर भकार छ जुनर ८७न मार नान दुधारम ॥

বৈশশপায়ন উবাচ। ততঃ স্তৈব ক্যাভিক্রীপানী র'জবেশা তং। প্রবিবেশ স্থান্যাঃ

সৈরিদ্দাচ । এয়োদশাহমারং মে রাজা কাম্ট্ ভামিনি। কুতকুত্যা ভবিষাক্তি কাময়সে গতিম্। র'জা বিংশতি ভইন্যে গন্দে ভাং পবভিবাং। স্ব্রাপে তকণী স্ক शक्कारिष्ट म मःभग्नः॥ ७८७। भाष्यभरममाध्यि क्षित्राधि ५ ८७ थियम्। अध्यक्ष त्यायमा मभी भः शक्त भाषिनी ॥ जाम बदी खाक भन्नी दिह, हे ८ हमा ि हम् । रेमा हि कि भग छ। स्थी घर घ क्रराणगाञ्जाबिम। ज्रुष्मामिष्टेर्म निषरয়। গন্ধ ক্षাर्माह काणनाः।

রাজা যোকাতে সহ বামুনঃ। ইতি স্মিহাতাবতে শ্তমাহত্রা॰ স্তিযুগ্ বিয়াসিকাাং অংথ গোহরণপর্ব । বৈশ্যসাহন উব্চে। কীচক্স নিপাডেন সাক্ষন্ত বিশাম্পাড়ে। বিরাটপর্কণি কীচক্বধঃ স্মাপ্তো নাম চতু দিংশভিত্যোইধায়েঃ॥ 🛊 ॥

অভ্যাহিতং চিতুয়িক। শত্মযুত্ত পুণশ্ জনাঃ ( : )। ত শিন্ পুরে জনপ্দে সঞ্জোই ভূচ্চ

यथारमम व्यायमनम्। कृष्कृष्डा। श्रवर्षस एष रेव नागभूतः व्यष्टि (८)। ज्यम्है। ह প্রস্তুল। যে বহিশচরাঃ। মুগয়িছ। বহুন্ আমানাষ্ট্রাণি বিবিধানি চ। সংবিধায় ষথাদৃষ্টং त्रोकानः (कोत्रताः शुष्टताष्ट्रकम्। (आवकर्क्टेणः मार्कः छीएषण 5 महाश्राना । मक्तरः माकृष्टिम्हािल जिगोर्डम्ह महात्रोथः। कृर्याष्यनः मछामर्षा षामीनमिषमक्यन् ॥ हता षेष्टुः। কুডোইশাভি: পরে। যত্তান্তেযাম্থেয্থ সদা। পাণ্ডবানাং মসুষ্ঠেন্ত ভশ্মিমুইভি কাননে। भक्षाः। ८भोषाािष्क रहार ভा द्यार छ। महामङ्गा की हकः (२)॥ ष्यांनीर टोहर्षा ह जुनीर मात्राभयो ह श्रम्डिः (७)। म हडः यन् भाभाषा गक्रोर्वष् ४भूक्यः॥ ইडाकझमहाज्ञा भन्नानीकविनामनम्। ८मरम ८मरम मङ्ग्राम् कोक्य छ्लार्थभ्य ॥ ष्पष्टे बार्खनार्थुण

AY

(১) कीठकच बरसत्मङ्गारमिन्धः स्थयवामामीङ्गस्य द्विवनमर्षक्षानाः भाषवानाः टक प्यो চরা বরকা দেবৈরপি ছুরহুছাৎ তেবামিতি তাংশধ্যাধঃ। অভ্যাহিতং মহাভীতং পূথগ্রনা: সামাজ-লোকাঃ। (২) সংজ্ঞাঃ সভাষণম্। শৌধাাৎ শ্রহাৎ বলবঃ প্রেম্ছানং রাজেনা বিরাটিত (७) टाइकी मात्रायम्ती। (६) नागशूतः इधिनाशृतः। (६) कद्टी मिण्डव्याम्बर्धः | নহি বিলোগভিত্তেষাং বাসঞাপি চি সত্ম। ] নাৰ্চাম্যেযানাণাশ্চ বথিনা॰ বথিসভ্ম 🛙

ক্ৰিং কালঃ মন্ত্ৰ,ক্ৰ ফুতানান্ত্ৰগাবহন্। মুগমিতা মথাজামং বিদিভাৰ্থাঃ আ ভদ্ভঃ।

আধ্ৰাধ্ৰামববভীং ফুভাবিনা পাথৈঃ পংস্তুপ। ন ভত্ৰ পাণ্ডনা বাজন্ কুফা চাপি পভিত্ৰজা।

স্পুসক্ৰা বিপ্ৰনিষ্টাতে জনমতে ভন্ত্ৰ্জ। ন হি বিলোগ পভিত্ৰেষাং বাসঞ্চাপি মহাজ্বনাম্ ॥ প্ৰধানগ্ৰামঃ স্হানাম্মদ্রেন প্র্থীনাম্। (৬) সংগ্রুভাবং নটাফে স্থিপ্রেনায়ভাবং মর্বং ম্ক আছে উৰিং বিশাম্পতে (৭)॥ সাস্থত্ত পাওশানাং ভূয়ঃ কি কববামছে। ইমাঞ্জ নঃ প্রিয়াং বীব বাচং ভক্তবভী শুগু॥ যেন িগঠ। িকুতা শুলন মহতা নূপ (৮)। স্ফুভেন পাঞ্চবানাং প্রুতিং বা নিয়াঃ কমাপি বাকুট্য্। স নঃ শাধি (ন তে সন্তি) মন্থ্যাক্র

রাজে। মংজ্যু কীচকেন পুনঃ পুনঃ। স হতঃ পতিতঃ শেতে গন্ধনৈ-নিশি ভাবত।।

বৈশশসীয়ন উবাচ ॥ তেতো হুৰ্য্যাধনে। রাজা শগ্য তেষাং বচন্তদা। চিরমন্তর্শনা ভূষ। প্রভূগোচ সভাসদঃ (১)। অত্থংখা খলু ক'হ্যাণাং গতিবিজ্ঞাত্মন্ত্রভঃ। জন্মাৎ সংক্ নিরীকশ্বং ক ফু তে পাণ্ডবা গতাঃ (১)॥ তন্তাংশিষ্টং কাল্ডা গতভ্যিষ্ঠমন্ততঃ। (১) চিরমফর্শনাঃ অংকমন ত্মনাইতারং। (২) স্ত্থেশ খলু কার্রাণাং সতিবিজ্ঞাত্মকত ইতি-কুতকুত্যশত কৌৰব্য বিধৎষ যদনস্ত্ৰম্। ইতি শ্ৰীমহাভাৰতে শ্ৰুসাহ্স্যাং সংহিতায়াং বৈয়া-অদৃশ্যানৈহু ধালা ভাত্তি: সহ সোদবৈ:॥ প্রিয়মেত্রপ্রাত্য শতাগাঞ প্রাভবম্। ভেষামজাত চৰ্যাণামমিন্ বৰ্ষে এয়োদলে (৩) ॥ অতা বৰ্জ শেষ্পেজাডীযুরিছ পাঙবাঃ। কিষায়াং তথা নটাঃ। (१, প্রত্তিং বার্যাম্। স্ত্ ন: জ্লান্। (৮) নিক্ডা (নিহত।) নিবাঞ্তাঃ। সিক্যাং বিবাটপর্বণ (গোহ্বণপর্বণি) চাবপ্রড্যাচারে পঞ্বিংশভিত্যোহ্ধ্যায়ঃ (৯) ॥ \* ॥ ( a ) চারপ্রত্যাচাবে চারপ্রত্যাগ্যনে। \*।

600

তরন্ধ দেশান্সংবীতা: ফীতান্জনপদান্বহূন্। ভত্র গোপীষ্রমাাস্সিদ্ধপ্রভিত্তেষ্চ (৯)।
ত্র
ক্রিণাণং গতিবিগাকা: স্থেন জাত্মশকা। নহ্মস্কল: কার্গাণাং কিম্পং পতিষ্টাতিজাত্ং সমধ্ঃ
ক্রিণাণং গতিবিগাকা: স্থেন জাত্মশকা। নহ্মস্কল: কার্গাণাং বিভ্যান্য পতিষ্টাতিজাত্ং সমধ্ঃ
স্কল্জত: স্ভাবত:। জধ্ব অংক পর্যসানে কার্গাণাং গতি: স্তঃখা বিজাত্ম। (৩) অল্লাবনিটং (৩) অর্কাককালন্ত চরমকালন্ত অর্কাক্ শেষেয়। (৭) বুভূৎসর্কং জাতুমিচ্চত। (৮) নোংমাকং ধুৰীতর। উহকা: নিভ্তাং ব্যুষিতাব্দলঃ সাধুক্রিণ: সাধু শোভনং ক্ঠুং শীলং যেবাম্। কালং গ্ৰুং ভূষিঠ্যভাতঃ অংভত আংদেরবংগেতিং ভূগিম্ আংক প্ধাবসানে অলাবশিটম্। (৪) নিবৃত্ত-স্ময়: নিশ্রাপ্তিজন:। ( ৫ ) কর্ত ইব মৃতা ইব, চুংখা ছৃংখ্যত্র: সংব্রা: যুদ্ধি কুডোদামা:। প্র অথাবনীতত: কণ্: কিথা গছত ভারত। অলে ধ্রতনা দক্ষা: নিভ্ভা: সাধ্কাবিণ: (৮)। ১ প্রতিকর্ষ্যায়ম্ [প্রতিকর্ব্যামস্ত যৎ](৭)। বাজ্যং নিষ্প্যব্যাগ্রং নিঃসপত্রং চিরং ভবেৎ। ছু:খা ভবেয়ু; সংরকা: কৌরবান্ প্রতি তে গুবম্ (৫)। অর্কাক্কালতা বিজ্ঞাতা: কচ্ছে-ক্লপখরাঃ পুনঃ। প্রবিশেষ্জিভাকোধান্তাবদেব পুনর্বনম্ (৬) ॥ ভন্মাৎ সর্বে বৃত্ৎসব্বং

नैक्तिगात्रम् जीरर्षम् विविध्यमाकत्त्रम् छ। विक्कां डिट्या मध्रेषारस्य कर्ममा स्विजी । (১०)। কুণোঁ বং প্রাহ সর্কামীক্ষামহে বয়স্। যথে। দিউং চরাঃ সর্বে মৃগয়ন্ত ভভস্তভঃ॥ এতে विविदेशस्त्र भारतः ममाक् डक्टेखनिभूषमायेटेडः। जात्रहेदााः स्निभूतेः भाख्यान्ध्वयामिनः॥ নদীকুঞ্জেষ্ ভীথেষ্ প্রামেষ্ নগরেষ্ চ। আশমেষ্ চ রম্যেষ্ পর্বতেষ্ গুহাস্থ চ। অথাপ্রজা-নক্তরকঃ পাপভাবাজুরাগিগম্। ক্সেটং চঃশাসনস্তর ভাঙো ভাতরমত্রবীং। বেষুন প্রভায়োরাজংশচারের মহাকর্ষ্ভ। তে যান্ত দ্রদেয়। বৈ ভ্রন্তান্পরিমাগিজ্ম্॥ এজচ চাজে চ বহনো দেশাদেশং য্থাবিধি। নতু ভেষাং গতিকাস: প্রুভিশ্চোসলভাভে। অভ্যাহিতং বা গুঢ়াতে পারং বোশিমমতে। গতাঃ। ব্যালৈবাপি মহারণো ভক্ষিতাঃ শুরমানিন: (১১)॥ অথবা বিষমং প্রাপ্য বিনত্তা: শাশ্বতী: সমা:। তেন্তায়ানসমব্যপ্তাং (৯) শংবিতাঃ এছলঃ তত্তগোঠীযু বল্দম্দায়েষু। (১১) ণরিচারেষ্ বিপ্রহেষ্ আকবেষ্ বতাছাৎপত্তি-স্থিন্তু। তর্করাউহয়। (১১) মত্যাহ্তিং মত্যুধ্ং হদা দীবানংপশিদ ম্থা তাওগা দুঢ়া হ্তাপ:এ [ fa->> ]

990

কুছা ছং কুকুনন্দন। কুকু কাৰ্যাং মহহাংসাহং মন্ত্ৰেস যন্ত্ৰাধাধিপ। ইতি আমহাভারতে শতদাহত্র্যাং মংহিতায়াং বৈয়াদিক্যাং বিরাটপর্বণি চারপ্রত্যাচারে ষচ্বিশেতি-क्टमार्थायः ॥ # ॥

না ধৰ্ষরাজমন্ত্ৰতাঃ ॥ নীতিধ্যাথ্তত্ত্তঃ পিতৃব্চ সমাহতঃ। ব্যে হত্য নত্য ব্যাহ্ন বিশ্ব নত্য বিশ্ব নত্য বিশ্ব নত্য বিশ্ব নত্য বিশ্ব নত্ত লোভ্র ভাত্যোল্য ভাত্ম ক্ষাত্ম নাশমুচ্ছেরদিতি পশাম্যহং ধিয়া। সাম্প্রকাণি যৎ কার্যাং ভচ্চ ক্ষিপ্রমকালিকম্। ক্রিয়ভাং শোরে। নৈষাং করিষ্যতি॥ তেশাদ্যরাৎ প্রতীক্ষত্তে ক্লিফোদয়মাগ্ডম্। ন হি তে रिवमण्याग्रम छेवा । ष्यथाववी ग्रहावी ह्या द्यां पञ्चार्षमां न का मृमा विनणि छि প্র নাপি যান্তি পরাভবম্। শ্রাশ্চ ক্তবিদ্যাশ্চ ব্লিমন্ডো জিতেন্ত্রাঃ। ধন্মজাশ্চ ক্তরাশ্চ এ ধর্মরাজমস্থ্রভা: ॥ নীতিধ্বাথ্তর্জঃ পিতৃব্চ সমাহিতা:। ধ্যে স্থিতং সভারতং জোটং

শ্ভাগিছিতং মহাভীতিঃ ক্ষ্মদীবানপেশি চেতাম্বঃ। উন্মন্তঃ সমূধ্য । বাড়েজ। বাড়েজঃ সপৈঃ, মাপেশুক न्तृष्टिका मर्मग्रास्त्राद्रनाष्ट्रवाहित्रायतः॥ \*॥ সাধু সঞ্চিত্তা বাসকৈচবাং প্রচিন্ত্রতাম্ (১)। মথাবৎ পাঞ্পূলাণাং সর্বার্থেষ্ ধৃতাজনাম্। ছুচেজ রাঃ খলু শ্রাজে নিজাপাজপেসা বৃতাঃ (২)। ব্লিম'ন্ গণনান্পার্থঃ সভ্যবান্

বৈশশশায়ন উবাচ। ততঃ শাষ্তনবো ভীগো ভরতানাং পিতামহঃ। শাতবোন্দেশ-নীভিবাঞ্ চিঃ। তেজোরাশিরসংখোয়ো গৃহীয়াদিশি চক্ষ্যা (৩)॥ বিজ্ঞায় ক্রিয়ভাং ইতি প্রীমহাভারতে শতসাহস্যাং সংহিতায়াং দৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্বণি ( দ্রোণবাক্যে তত্মাছুয়শ্চ মুগ্যভাঞ্চরঃ। বাদাংশিচ চরৈ: সিহৈ-ধে চাতো ভবিধা জনা: ( ৪ )॥ मश्रीवःभव्जियार्थायः ॥ 🛊 ॥

(১) সাত্তাতং যুক্তং কিন্তাং শীতাং অকালিকং কালেন বাবহিতম্। (২) ধূতাগুনাং অব্হিতানাং দুঢ়াজ্বনামিতি পাঠে দৃঢ়কৈয়াগাম্। (৩) গৃহ্দীয়াদণি চক্ষ্যীতি গৃহ্দীয়াৎ অদৃজ্যে ভবেদিত্যথ: জাপ স্ভাবনায়াং অসংখোয়তেভোৱা;শ্ৰাভথা। গৃলীয়াগণি চফুৰেতি পাঠে তণঃপ্তাবাচেফ্যাপি নিৰ্কিটে,দিতি কৃশিক্তন্ত জয়ঃ সর্বধর্মবিং ॥ আ্যার্বাকোশিরমে ত্রাকামভিসন্দধ্য। হিভাধ্যে উবাচেমাং डार भर्गाष्:। ( 8 ) मिटेष अं फिना अनामि डिक्या कृटे हा । \*। ভারতীং ভবতান্ প্রতি (১)। যুষ্টিবে সমণস্কাং ধর্ম্য ধর্মগ্রেতাম্ (২)। অমেভাং চুল্ল ভাং নিতাং সতাঞাভিঃতাং সদ।॥ ভীমঃ সমবদত্ত গিরং সাধুভিবচ্চিতাম। য7। বিষ বাকাণ: প্রাহ দোণ: সক্ষ্তিনুদিং ॥ সকলক্ষণসম্পন্না: নাশং নাইচ্ছি পাঙ্বা:। আহত বঢ়েছাপসম্পলা নানাশ্চিতিমমাহিতাঃ॥ ুদ্ধাস্থাসনে লগাঃ সভাবত প্ৰাঘণাঃ। সময়ং

त्र) भूकवाटक देव महाज्ञातमा महा-मा:॥ नानमीनिङ्गर्ह क छेष्ट्रक: मुख्य। धर्माख्येक्ष्य क्षेत्रक क्षेत्रक मिल्लेक्ष्य क्षेत्रक क्षेत्रक मिल्लेक्ष्य क्षेत्रक मिल्लेक्ष्य क्षेत्रक क्षेत्रक मिल्लेक्ष्य क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक मिल्लेक्ष्य मिल्लेक्ष्य क्षेत्रक क्ष পুৰুষ্ঠ সময়জ্ঞাত্তে পালয়ত্তঃ শুচির্টাঃ। কর্ষধাপ্র নিডাং কেশবাসুমতাঃ সদা। প্রবীর-नोरेंडः। यस् मकामिमामाणि-छान् रेव मिल्छा भाषवान्। दृष्का। व्यवर्ष्क्रःन त्यांश्र

200

(১) আভিসন্দধং যুক্ত কুকান্। ফুনিষ্টিবে সহাসক্তাং ভ্ৰিষয়ে। (৩) ধূবং ভাবম্। (৪) ধীষকে

क्यवक्शाभि निर्वाध एट। निष्याः भामृतेनानै छिः एक नाष्ठा कथकन । मा किया माध् वक्षता

त्यक्कः द्वीरत्रवाकाषानित्यत्या रण श्रीनित्यक हेलाला। क्निणरम (माल, फारवा। त्याक्याः, जुडेः দিতি মেদিনী। নিভ্ত: পরিমিত্যক্ বিনীযে। বা নিভ্তবিনীতঐহতা: সমা ইত্যমরঃ। **ছীনি-**প্শয়মেব প্রকুটো ভবতি। (৫) যুণিটিরতা বিবক্তবাং বিশেষেণ বজন্যম্। (৬) অসাপ্রতমষ্কম্। ( ৭ ) দানশীলঃ স্দা দাতা, বদাত্তা চাক্ৰবাদী, মধ্বৰাগিভাৰঃ। বদাত্তো দানশীলৈ চ চাক্ৰাদিনি ৰাচাৰ-রাজ্ঞাং ভাব্যমমান্তাত্ম (৬)। পুরে জনপদে বাপি যত্র রাজ্য যুধিটিরঃ। দানশীলো ৰদাজ্ঞত নিভ্তো থ্রীনিষেধকঃ। চনৈর্জনপদে ভাবো়া যত্র রাজা যুধিষ্ঠিরঃ॥ প্রিয়বাদী সদা मारक्षा ज्याः मजाभारता कनः। कष्टः भूषेः खिनिरक्षा यज बाका य्रिष्टितः (१)॥ नाश्यराका न চাপীষ্ন ভিমানী ন মৎসরী। ভবিষ্যতি জনজ্জ ষ্য়ং ধ্র্মসূত্রত: (৮)। বন্ধাঘোষাশ্চ ন ধুনীতিঃ কথঞ্চন। বৃদ্;গুশাসনে ভাত তিষ্ঠতা সত্যশালিন।। অব্তাফ্তিহ ধীরেণ সভাং মুধ্য বিবক্ষতা। ষ্থামতি বিবক্তবাং সৰ্বাথা ধ্ৰালিক্সয়। (৫)॥ তত্ৰ নাহং তথা মক্তে যথায়সিত রোজন:। নিবাসং ধর্মরাজন্ত বর্ষ্থ্মিংজ এয়েনেশে। তেনু ডাভ ন তেবাজ

भवादामाञ्ज कृष्टामार्त्षः, श्रही श्रामिश्ष्टः। किंकिः त्रइत्रिक्ष्टः, धरका ममश्रीनः। (४) नाष्ट्रवकः न

500

ভুষাংসঃ পৃথিত্ত্যস্তধৈব চ। ক্তেবশ্চ ভবিষা্তি ত্যাংসো চ্রিদক্ষিণাঃ॥ সদাচ ভক প্ৰজ্ঞঃ সমাথ্যীন সংশয়ঃ। সম্পল্লজা চ মহী নিবীতিক। ভবিষাতি (৯)॥ শতাবজ্ঞি চ ধাতানি রসবজ্ঞি ফলানি চ। গ্রুবজ্ঞি চ মাল্যানি শুড্শকাচ ভারতী (১০)॥ বায়ুশ্চ

পুরগুণদোষারোপকঃ। ন চাপীষ্: ন প্রগুণাসহিষ্ণু:। নাহিমানী ন রাগযুক্ত: ন মৎস্রী ন কোণনঃ। ( ৯ ) নিরীতিক। অতির্টিরনাবৃটি: শ্লভা ম্বিকা: থগা: । এতানিয়াশচ রাজান: বড়েতে ঈতর: খুতা: । রুসাং অপুশ্লিত গন্ধাশত শক্লেতাপি গুণাধিতাং। দৃশ্যানি চ প্রসন্নানি যত্র রাজা যুধিটিবং॥ শুণবৃদ্ধি চ পানানি ভোজ্যানি রনগন্তি চ। ভত্র দেশে ভবিষ্যুত্তি যত্র কাজা মুধিস্থিনঃ॥

অতিষ্ট্রাদিরছিত। ইতার্থঃ। (১০) ওতশ্বণ। চেতি মিংঘেত্যমকলশ্যেতার্থঃ। (১১) নিপ্রতীপঞ্ শ্রুতিহত্য। •।

ত্র গাবশত বছলান্ত্র ন কুশা নচ চুর্বলাঃ। প্যাংসি দ্ধিস্নীংষি রসবৃত্তি হিতানি চ।

कृथतारक्यामी निष्याकीशक मर्माम् (১১)। छन्नः नास्तियः खद्र यद्र द्राक्या ग्रिक्तिः॥

(১) যুক্তং যুক্তিসিদ্ধং স্বাপ্ত পোচতং বৃদ্ধেন ভৌলেণ ইতি শরেগ। (২) গুলুনক্ষম্বাৎ জভিম্থম্। (৩) ডেষাং পাণ্ডবানাং গশ্বিব'ভগ্রায়ঃ তক্যা উঞ্চা ক্ষরংশ দেহাদিচদনেনাপি দেহিনো লক্ষ্যক্ষে। বিধীয়তাম। যথা কালোদযে প্রাপ্তে সিমাক্ তৈ:] সম্প্তে: সন্দধামহে। তত্র ভাত বাসো নিবাসভূমি:। মম কিং বলং মিলাটীতি জাতবাং স্কমিত্রেয় কিয়ৎ নিংত্মবভোপান্যায়ি।

মহাবলাঃ। মহোৎসাহা ভবিষ্যন্তি পাণ্ডবা হুমিট্ডাজসঃ॥ জন্মান্তলগ্ধ কোহশ্চ নীতিশ্চাপি

ইতি জীমহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্কণি ( গোহরণপর্কণি ) যোৎভ্যমে চাপি বলিভি-ররিভিঃ প্রত্যুপফ্টিডঃ। অতিজ্ঞ্জং পাঙবৈবাপি হীনৈশ্চ বলবাহনৈঃ এবং সর্কং বিনিশ্চিত। ব্যবসায়ং স্থপ্তঃ। যথাকালং মস্থ্যেত্র চিরং সুখ্মবাপ্তাসি। হৃত্ৎ মত্তে ব্ধায় বলমাজনঃ। নিয়তং সৰ্কনিত্ৰেষু শলবংহু বলেষু চ। উচ্চাবচং বলং छात्रा प्रश्यकाणि छात्छ। टाकुड्रेप-शकुड्रेक मन्नमीयनुषा भरेतः (8)। माग्ना छिरमन **एटुडन माटनन विक्**र्यना। छाट्यनाक्रमा 5 भरान् वटननानमा छ्र्वनान् ( ৫ )॥ माञ्ज्यिष তু মিত্রাণি বলঞ্চাষ্ট্রাং স্থম্। সকোষবলসংবৃদ্ধঃ সমাক্ সিদ্ধি-মবাপ্তাসি (৬)। চারপ্র্ডাচারে কুপ্বাকে একোন্রিংশন্ত্যায়ঃ 🛚 🗢 🖺

( ৫ ) ৰলিকৰ্ণগোতি দানবিশেষণ ব্লক্ষপহার: জায়েন সামাদিনা ত্ৰকলামণ্ড্ৰানিতি শেষ:। ( ৬ ) সাল্জ-(৪) উচ্চাবচং উচ্চং বাঞ্পুলাদি অবচং চঙালাদি ম্ধায়ং বৈত্যাদি এর্ট্টং অপর্টীং রাজানং প্রতি হৈনাম্পায়ন উনাচ। অথ রাজা ত্রিগরানাং সুনার্ঘা রম্ম্যুগণঃ। প্রাপ্তকালমিদং বিষ্ণা শ্রীণ্ডিছা বলং সৈতঃ আভাষ্তা হুণং হণা ভৰ্তি। চার প্রচোচারে কুপ্বকোনে। 🍍 78%

অবুৰ রাজা ত্রিগতি। মিত্যাদেবিবাটি ক্রস্মাধিং মাত্ত ক্টত্মসময়পালনজন্ম। পুণোন সমূত্তে-কিভৌজ্সাং পাগুৰানাং স্কাটিএশ্বণৌক্ষ্মিতি তাৎপ্ধানে। (২) জুবঃ হিংসা্মভাবঃ। (৩) কাৰ্ম-(৩)। রাষ্ট্রং ভজাভিযাজামো বহুধাজ্যমাকুলম্॥ আদদামোংজ রয়ানি বিবিধানি বসুনি চ। প্রামান্রাষ্ট্রাণিবা ডক্ত হরিয়ামো বিভাগশঃ॥ অথবা গোসহস্রাণি বহুনি চণ্ডভানিচ।

জ্বগা। মন্ত্ৰয়ে তে যথা সৰ্বে তথা যাত্ৰ। বিধীয়ভাম্। সংমন্ত্ৰা চাণ্ড গছোমঃ সাধনাৰ্থং मशीनाउ। किक नः भाखरेवः कार्याः शैनार्षत्मारनोकरेरः॥ षाडाञ्चः वा व्यनष्टोरञ्ज শুণ্ডাবাপি যমকলুম্। যামো রাজলিক্ষিলা বিরাটবিষয়ং বয়ন। আদাভ্যামো ছি ক্ষিপ্রং বিনিষ্চিম। যোজয়িয়া বক্থিনীম্। বিছন্তা চাপ্যনীকানি যথাবা মন্তসেইনঘ ॥ द्याटका या क्रुक्यूटकाश्याः मटर्वयाः नः निष्णामञ्डा। ष्यागीम्क ष्या (यानः कृतः मतिष्ठ-গান্তজ্ঞাপহরামোইদ্য সহ সবৈধিঃ স্থুসংহতাঃ ( ৪ ) । সংবিভাগেন ( সদ্ধিং বা তেন ) কৃষ। জ্ ফায়তঃ কুষা সুখং বংস্থামহে বয়ম। ভবতো বলবৃদ্ধিত ভবিষ্তিন সংশয়ং। ভচ্ছুষা বচনং ভক্ত কৰোঁ রাজানম্ববীং। স্কং স্শৰ্মণো ব্যক্যং প্ৰাপ্তকালং হিভঞ্জ নঃ। তেমাৎ निवद्रीत्माश्च त्मोक्रमम्। श्र्या ठाणुः क्ष्त्नाः दमत्मव नग्नामत् (८)॥ छः वत्म গান্তত বিবিধানি বসুনি চ।

280

মাত্যয়িকং কালক্ষেপনাসহম্। ( ৪ ) ফ্সংহতা মিলিতাঃ। ( ৫ ) নিবয়ীম: কালেনবিধিনা সংষময়ামঃ

ক্ষিপ্রং যোজয় বাহিনীম্। যথোলেশং চ গচ্ছামঃ সহিতান্তত্র কেইববৈঃ। স্মশ্র্যা তু যথোদিউং দেশং যাতু মহারথ:।। ত্রিণটেরঃ সহিতে। রাজা সমগ্রংলবাজনঃ। প্রাগেব হি সুসংবীতো মংশুভা বিষয়ং প্রতি ( ৬ )॥ জন্জতো বয়ং তত্ত যাজামো দিবসাস্তরে। বিষয়ং মংভাষাক্ষতা স্মযুদ্ধং স্মংহত;ঃ। তে গছা মহসা তত্র বিরাটনগণং প্রতি। ক্ষিপ্রং গোপান্ ত্ৰ) মংভাৱাক্ষত সুসমূৰং সুসংহতঃ। তে গছা সহসা তত্ৰ বিৱাটনগণং প্ৰতি। ক্ষিপ্ৰং গোপান্ তুল সমাসাদ্য গৃহুত্ত বিপুলং ধনম্। গ্ৰাং শতসহত্ৰাণি শ্ৰীমস্তি গুণবৃত্তি। ব্যুমপাস্থ্যুকীমো ১৯ বিধা কুৰা বকুথিনীম্।

সপদাভা বলেং কটাঃ ॥ প্রতিবৈরংচিকীর্ছো গোষু সংপেতৃকদ্যভাঃ ॥ অাদায় গাঃ স্মশ্মাতৃ ( 🅶 ) স্থসংবীতো বলেন পরিবেদ্ধিতঃ।

दिवभण्याग्रन डेवाठ॥ जरनवा कु यरथानिष्ठीः निमा दर्ह्य श्रीनिष्टः। मन्नक्षा त्रथिनः मरर्क

ঘর্ষ (কৃষ্ণ ) পক্ষত সপ্তমীম্ (৭)। অপরং দিবসং সর্কের।জন্সজ্য কৌরবাঃ (৮)। অইমাাং ভাজগুরুত্ত গোকুলানি সহস্তশঃ॥ ইতি জীমহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈব্যাসিক্যাং বিরাটপর্কাণ গোহরণপক্তি সুশর্শবাক্যং নাম ত্রিংশন্তমোহধ্যায়ঃ। 🔹।

বৈশাশপায়ন উবাচ। ভতত্ত্তেবাং মহারাজ ভব্রোমিত ভেজসাম্। ছন্নলিকপ্রতিষ্ঠানাং পাশুবানাং মহাজুনাম্। ব্যতীতঃ দময়ঃ সমাগ্ৎসতাং বৈ পুরোত্তমে। কুর্বতাং ভক্ত কর্মাণি

বিরাটস্ত মহীপতেঃ । কীচকে তুহতে রাজা বিরাটঃ পরবীরহা। আসাঞ্জে মহামাতাঃ পাওৈ'ৰ্য্মচারিভিঃ (১) ॥ পরাং সন্তাননাং চক্রে ক্তীপূতে য্থিচিরে ॥ ডডন্তরেয়াদশস্তান্তে ভক্ত বৰ্ষত্ৰ ভারত। ফুশৰ্মণা গৃহীভন্ত গোধনং ভরসা বছা। ভতো জবেন মহভা গোপাঃ পুর-মধারজন্। অপভান্মংতারাজক সিংহাসনগতং প্র্ম্। শ্বৈঃ পরিরূতে। যোধিঃ ক্ওলাঙ্গদ-ধারিভিঃ। ময়িভিঃ সংযুতং সার্কিং পাওবৈশ্চ মহাগুভিঃ॥ তং সভায়াং মহারাজমাসীনং রাষ্ট্র-

( • ) ব্রণক্ষত বাষাচ্তা। (৮) সংক্ষ মিলিয়া। • । [ বি—১৩ ]

(৪) ভাপশঃ বাহণ্ঠগাখাদিয়। (৫) সংস্তাদেগ্ড.জ.ভ ব্জা হীরকং তেন সংহ্তমাদ্সং তেন গভঃ मिष्डः मद्वानः यत्त्राङि छथा शट्डा काःबश्टी क्रम्भो मत्को भनमक्ष्टेत्क। छथा वरष्ट्राश्चेत्री शीताक প্ৰাৰিভি। অভ্যবহারয়ৎ বন্ধবান্। (৬) সৰ্মপারশবং সৰ্মসৌ্হথচিতং সৰ্মায়সং বেতি স্ৰ্সপারশ-वार्षः। क्लाान्यकेतः क्लाान्यक्दस्वर्गः भेटेनाष्ट्रामनः इष्ट उत्तया क्लाान्यक्दद्रयत् यक्तान्। (১) আছ্মভূপগমং পরীপা্পাগ্রাপ্থিকি:। (২) মানেজঃ মানজোম্। (৬) কলিলাং প্রনাম্। ক্ষা স্কানীকৈছিভাহারয়ং (৫)। স্বপার্মবং ক্যা (ব্যা) ক্যানানাখা দুশ্ন শুল্ন শ শতানীকোহভাহারয়ং (৫)। সর্বপারশবং কর্ম (বন্ধ) কল্যাণণটলং দৃঢ়ম্। শতানীকা-ধ্ৰজসমাকুলাম্ (৩) ॥ রাজানো রাজপুতানে তল্যাণায়নেগলিরে। ভালুমস্তি বিচিলাণি শ্ব-প্র সেব্যালি ভাগণঃ (৪)॥ ববজারুদ গঠন্ত কবচং তত্র কাঞ্নম্। বিবাটন্ত প্রিয়ো ভাত। পশবস্তব (২)॥ ডচ্ছে ছা নুপতিঃ সেনাং মংস্থানাং সমযে। সয়ং। রথনাগাশ্বধলিলাং পত্তি-

অভেদ্যকল্ল: মংখ্যস্ত রাঞ্চা ক্বচমাত্রৎ (৭)।। উংসেধে যুক্ত প্রানি শতং সৌগদ্ধিকানি চ। স্বৰণ্পতং স্ধানতং স্ধানতোইভাহাররং (৮)॥ দ্টমায়সগইন্ত শেতং বন্ধ শতাক্ষিমৎ। मश्रीवर्षाः। शृथक्काकनमग्राश्रान्त्यमधान्त्यांकग्रन् (১०)॥ स्वीष्टकाधीकात्म त्रत्थ मित्रा হিরময়ে। মহায়ুভাবোমৎতত থকজ উচ্চিনিয়ে ডদা(১১)॥ অধাজান্বিবিধাকারান্ নশুংসকমিতি। আৰু পটনং পিটকে চ পরিচ্ছে, দ উ,তি মেদিনী। (৭) শত্ত্বগৃং শতং স্ব্যা নিশিত। বিরাটক ফ্ডো জ্যোষ্ঠা বীবং শ্যেন্ছ্ডাচারয়ং॥ শ্তশশ্চ ডফুত্রাণি যথাশ্বানি মহারথাঃ (১)। ষোৎভাষানা অনহান্ত দেবরূপা: প্রচারিণঃ॥ স্পক্রেষ্ শুদ্রেষ্ মহৎস্থ চ-ধৰ জান্ত্যপরিষ্কৃতান্। যথাষং ক্ষলিয়াঃ শুর। রথেযু সমযোজয়ন্॥ অথ মৎসোহত্রবীয়াজা শতানীকং জঘজজম্। কক্বলনগোপালা দাম্রাজ্শচ বীধ্যবান্॥ যুধ্যেয়্রিভি সে

284

যত্ত ভত্তথা। (৮) উৎসেধে উপরিভাগে পদানি নিদ্মিলানি সৌগদ্ধিশানি কন্সায়াণি। (১) যথাখানি ষ্শ্ৰজামীমন্। (১০) ফ্পক্রের্পোটনা উুংক্বাশ্চকাণি যেযু রণেয়ু। (১১) মহাফুভাবঃ মহা-

ন প্রস্কৃতা: । নিদিটা নরদেবেন বথাপ্তীল্লম্যাজ্যন্। কবচানি বিচিত্রাণি মৃত্নি চ দৃঢ়ানি চ।
বুঁ বিরাট: প্রাদিশদ্যানি ভেষামরিপ্টকদ্যনাম্ ভাল্যমূচা শবীরেষ্ দংশিতাত্তে পরস্তপা:
স্কু (১৫)। বথান্ হট্য: স্বসম্প্রানাস্থ্য চ নবোত্তমা:। নির্যুষ্ণিতা: পার্থা: जु ( 38 )॥ महरमनाय भीमाम नारक्ष्य न्द्रनाम् ह। जान् श्रकहै । कुन निक्र कि भूमृति 5 मृहानि 5। व्यक्तिभूष्य भारत्वम् मीयकुण्यांघ्याति 5 ( ১২ )। वीवाक्रमभाः পুকুহা নাগবাজকরোপমাং। েমে জাতুন ঘুংধারালিতি মে ধীমতে মডিং(১৩)॥ এতচছুত্ব তুন্দতে বিক্যে ছবিত্যন্দ্য:। শতানাক্স পাথেতিয়া ব্ধানুকিন স্মাদিশৎ বৃদ্ধিবহিতে নাত্র সংশয়:। এতেযামণি দীয়ন্তাং বথা ধবজপতাকিন:। কবচানি বিচিত্রাণি

প্রভাপশালী। (১২) প্রতিমুঞ্জ বগুষু। (১৩) বীবাক্কপা: বীরজেবাকাল্ডবয়ব। ক্লপাণি লাবণ্যামি যেষা॰ তে তথা। (১৪) ণাৰেছিট ইচুগলক-শং মাতীপুতাভ্যামিতি পুত্ৰৰং পোষণাদিনা ভয়োৱাণি শক্তসজ্বাতমদিন:। তরফিনশ্তমকুণাং সক্ষেত্ৰিশারদাং। রথান্ছেম পরিচ্ছুলা

শভসাহস্যাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্বণি গোহরণপর্বণি সেনানির্যানে এক-বিরাটজ সম্প্রতিমশোভত। গ্ঢ়ায়্ধজনাকীর্ণ, গজাখ্রথস্কুলম্। ইতি প্রীমহাভারতে ভরতহ্ত। সংশ্রাভং তদা রাজ্মিনীয়ন্তং (রিরীক্ষন্তং) গ্বাং পদম্(১৭)। তছলাএ)ং ইব পৰ্বভা:॥ বিশারনানাং মুখ্যানাং গুটানাঞালুযায়িনাম্ (১৬)॥ অটো রথসহসাণি দশনাগশভানি চ ॥ ষষ্টিশচাশ্বসহসাণি মংস্থানামভিতে। যয়ুঃ॥ তদনীকং বিরাটস্ত শুশুভে সুদন্তা: বৃতিহায়না: । থকাঢ়া যুদ্ধকুশলৈ: শিক্ষিতৈইন্ডিসাদিভি:। রাজানমধুয়ু: পশ্চাচ্চলন্ত जिमेखरमार्थायः ॥ \* ॥

পুৰাপভ্যন্মিতি বা। (১৫) ভাভাস্মতাক্ষিতানি পিধায়। (১৬) বিশারদানাং যুদ্পপিতানামু। বৈশশ্পায়ন উবাচ। নিৰ্যায় নগৱাচ্ছ্ বা ব্ঢ়োনীকাঃ প্ৰহাদিশঃ। ত্ৰিগৰ্জানস্থশ্মংক্সাঃ (১৭) নিনীরতং প্রাপ্রিত্মিছতং রাজানম্। \*।

78A

नमांत्रां कुनोलक्षिमिनिकः (७)। ७४११ म ममर्वा (माव्युम्ला (मायक्ष्याः (৪)। সূর্যে পরিণতে সভি (১)। তে বিগঠাশ মংজাশ সংবনা মুল্ডর্মদাঃ। অস্তোহজাম্ভিন গৰ্জন্তো গোষ্ গৃদ্ধা মহাবলাং (১)। ভীমাশ্চ মন্তমাডকাত্তোমবাকুশাচোদিভাং। প্রামণীগ্রৈঃ দ্রতাং পরক্ষাবং রাজন্ যমবাষ্ট্রবিশ্বনঃ॥ দেবাত্রবস্মো রাজন্নাশীং স্থেয়িহবলস্থতি।

প্র প্রদাভিরখনাগেল্ড্রয়াবোহনপৌঘবান্॥ মহ্যোহন্তমভ্যাপভ্তাং নিন্নভাপেত্বেত্বম্। এ উণ্ভিইদ্ভো ভৌমং ন প্রাজ্ঞায়ত কিঞ্ন ॥ পাক্ষণচাপত্ন ভূমে সৈল্ডেন রন্ধসার্ভাং। এ ইষ্ভিব্যতিসংঘন্তি বাদিহ্যোহন্তরধীয়ত (৫)॥ খত্লোকৈরিব সংযুক্তমন্তরীক্ষং ব্যরাজ্ঞ। প্রস্কর্থানি চাপানি ব্যতিসক্রানি ধরিনাম্(৬)॥ পত্তাং লোকবীবাণাং সব্যদক্ষিণ-(১) বুটোনীকা: শংটাদিবাহেন কুত্ৰাত্দেল্য: শন্পতে কিঞ্জেষে। (২) গুদাং সাকাজকা:। ( ७ ) भागनीरेडः अषारेतः यरार्थ कः, र्शक्तममिछिः रुखारदारेहः । ( ६ ) मयानमः मयदः। ( ६ ) वाजि-মহতাষ্। বথা বথৈঃ সমাজগু: পাদাতৈশচ পদাত্য: ( ৭ ) ॥ সাদিভি: সাদিনটৈশ্চৰ সংখৃতি: বিনয়েন গছুত্তি:। ( ৬) ব্যতিশক্তানি ক্যাৎ কয় নীতানি। ( ৭) প্ততা গছতু। অক্সন্তা गरेकम्जाणि महाशकाः। चनिष्टः शिह्माः थारैमः मिलिस्थिमिरेवत्रणि । मन्दकाः मगरद রাজায়িজয়ুরিভরেতরম্। নিলফঃ সম্বেহ্লোচজং শ্বা: পবিঘ্যাহবঃ॥ ন শেক্বভিসংরকাঃ শ্রান্ কর্ণু পরামুখান্। ক্ত্রোত্রোষ্ঠং ফুনসং ক্রপ্রেকমমলক্তম্(৮)॥ অদুশুভ

বস্থুধা ভাতি শিরোভিশ্চ সকুওলৈ:। রথিনাং রথিভিশ্চার সংপ্রহারোইভাবর্ত্ত (৯)। শিরশিত্রং রলোধরতং সক্তলম্। অদৃতাত চগা্রাণি শরৈশিত্রানি ভাগশ:॥ শালকল-নিকাশানি কুদ্রোণাং মহায়ুধে। নাগভোগনিকাৈশৈত বাছভিশচণদনোকিটভঃ। আন্তীণ্ সাদিনাং সাদিভিশ্চাপি পদাতীনাং পদাতিভি:। উপাশাম্যত্তকো ভৌমং ক্ষিরেণ শুসপ্তা। কশালং প্ৰাধিশদেষারং নিৰ্য্যাদমবৰ্ত (১০)। উপাজেশস্তদাভোজং শবৈগাঢ়ং প্ৰবেজিতাঃ। অন্তরীকে গতির্য্যাং দর্শনকাণ্যুক্ষয়ত ॥ তে দ্বন্তঃ সমরেইজোইভাং শ্বাঃ পরিঘবাহবঃ। ন শেকুরভিসংরকাঃ শ্রান্ কর্ু পরাঘুখান্॥ শভানীকঃ শভং

কিপভাষ্। (৮) ক্সপ্রোভরৌঠং ক্সপ্রং ঘটিতশাশ উত্রেগীয়ং ধ্র। (৯) সংপ্রালো স্ক্য। (১০) প্রস্

গদাভ্তে।। ততো রাজা ফুশর্মাণং বিব্যাধ দশভি: শবৈ:।। পঞ্ভি: পঞ্ভিশ্চাক্ত বিব্যাধ ठङ्रता रुशान्॥ उट्टेथर घरण्डाकानः सुमर्फा युक्तक्ष्मिः। भकामक्षिः मिटिक्रोरिगरियारि পরমাজ্ববিং ॥ ভতঃ, সৈলুং সমাহতা মংসুরাজসুশশ্বণী। ন জানীতাং তদাজোইতাং

রথবাডেন সর্বশঃ(১) 🛚 ততো রথাভ্যাং প্রফল্য অভিরেশ কলিল্য্বভৌ (২)। গদাপাশী বৈশশপায়ন উবাচ॥ ভামসাভিপ্ল'ত লোকে রজসা চৈব ভারত। ব্যতিষ্ঠন্ বৈ মুহূৰ্জ্জ नुहानीकाः श्रशतिभः॥ ভভোগ্দकातः अश्नमुम्छिङ চस्प्रमाः। क्र्याला विभनाः प्राजिः নন্দয়ন্ ক্ষতিয়ান্ যুধি। তেতঃ প্ৰকাশমাসাদ। পুনযুধিমণত্ত। ঘোরকাপং তততেখিমন্ नारेवक्क भव्रम्भतम् ॥ ७७: सुमधी रेजगर्डः मरु जादा यवीग्रमा। षाणायवम्बन्धनाकः সৈজেন রজসা বৃতং॥ ইতি ঞীমহাভারতে শতসাহস্যাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাচি-শ্ৰ পৰ্কণি গোহরণপৰ্কণি সুন্ধাবিরাট্যুদ্ধে ঘাতিংশভ্যোহ্ধায়িঃ॥ ।। ।
ই বৈশাপায়ন উবাচ। ভনসাভিপুতে লোকে রক্ষসা চৈব ভারত।
ই বুঢ়ানীকা: প্রহারিণঃ। ততেহিষ্ককারং প্রণুদ্যুদ্ভিষ্ঠত চন্দ্রমাঃ। কু

(১) রগরাভেন রথসমূহেন। (২) প্রক্ষন্য অব্ভীধ্য। (৩) ভম্মথা স্থশর্পা ভূ কদ্ভীং বধুকামিব।

ফুসংরকৌ সমভ্যদ্রবভাং হয়ান্॥ তথৈব তেমান্ত বলানি তানি কুদ্ধাভাথাতোইতামভিঅবন্ধি। শজৈগিদি।ভিশ্চ পরখধৈশচ পালৈশ►চ তীক্ষাগ্রসূতীকুধারৈঃ॥ বলংস মৎস্তস্ত বলেন রাজা সৰ্বং ত্ৰিগৰ্টাধপতিঃ ফুশৰ্মা। প্ৰম্থ্য জিছা চ প্ৰস্তু মংজাং বিরাটমোজবিনমভাধাবং 🛙

ভৌনিছভা পৃথগ্ধ্যাব্ভৌ ভৌ পাফি সারথী। বিরথং মংস্তরাজানং জীবপ্রাহমগৃহতাম্। ভমুমথ্য ফ্লার্মা তু ম্বভীমিব কামুকঃ। জন্দনং ষং সমারোপ্য প্রযয়ে শীত্রবাহনঃ ( ৩ )॥ ভিমিন্ গৃহীতে বিরথে বিরাটে বলবত্তরে। প্রাস্বস্ত ভয়ামংসাজিপট্ররদিতা ভূশম্। রাজঃ পরামুগ্রিগতেরন স্কার্মণা (৪)। তং মোচয়ঃ মহাবাহো ন গচেছাদ্বিতাং বশস্। ভেষ্ সন্তত্তমানেষু কুন্তীপুজো যুধিন্তিরঃ। প্রভাভাষমহাবাহং ভীনসেনমরিন্দমম্। উিষিতাঃ অ স্থং সর্বে দর্ককামৈঃ স্থ্জিতাঃ। ভীমদেন ষ্য়া কার্যা ভস্ত নিক্ষতিঃ ( ৫ ) <sup>#</sup>

বিরাটপর্ব।

248

বধুকাং যুবভীমিব কামুক হতি পাঠকিছাঃ। ব্ধাব্যাঝানং স্কার পাঠে। জেষঃ। (৪) পরামুটো वकः। ( ६ ) निकृति श्रष्टाभक्तिः।

ভবেদলৈয়বলক্ষিতম্। তদেবায়ুধমাদায়মোক্ষয়ভি-মথীপাতিম্। যমৌচ চক্ররক্ষোতে ভবিতারৌ हैव छोष्रमः। छः जीत्मा जीयक्षींनः स्मर्भानम्यात्रदः॥ विद्यारेः मयवीत्रमः छिष्ठे কুৰ্বাণমতিমালুষম্। জনাঃ সমববুধোরন্ ভীমোহ্যমিতি ভারত। অভ্যদেবায়ুধং কিঞ্ছিৎ বৈশশ্পায়ন উবাচ ॥ তং মত্তমিব মাতকং বীক্ষমাণং বনস্পতিম্। অব্বীদ্ভিরং বীরং ধৰ্মগুরাজো যুধিষ্ঠিরঃ॥ মা ভীম সাহসং কাবীজিট্ডেয়ৰ বনম্প্তিঃ। মা ডাং বুকেণ কৰ্মাণি প্রেভিপদ্যস্থ মাজুষ্ম্। চাপংবা্যদিবা্শক্তিংনিফ্রিংশংবাপরখধম্॥ যদেব মালুষং ভীম মহাবলো। বাহতঃ সমরে তাত মংস্তরাজং পরীক্সতঃ॥ বৈশত্পায়ন উবাচ। এবমুক্তস্ত বেগেন ভীমদেনো মহাবলঃ। গৃহীখা তু ধহুঃ শ্রেষ্ঠং জবেন সুমহাজবঃ ॥ ব্যুঞ্চছরবর্ষাণি সভোয় ভীম উবাচ॥ অহ্মেনং পরিত্রাতে শাসনাত্তর পাথিব। পশুমে স্মহৎ কর্ম সুধ্যভাং সহ শক্ত ভিঃ। ক্ৰোত্ৰলমাজিত। তিষ্ঠ ক্েভাত্তিঃ সহ। একান্তমাজিতে। রাজন্পশ্ মেহদ্য পরাক্রমম্॥ সুফ্কেমেছ্যং মহার্ক্ষো গদারূপ ইব ফ্তিঃ। এনমেবং সমাজিত্য জাবয়িষ্যামি শাত্রবান্॥

ভাং মছভীং সেনাং ত্রিগর্গানাং মহারথ:।। ততো যুধিষ্ঠিরো রাজা হরমাণো মহাবল:। আছাভক্তভঃ ক্ষশৰ্শাণং শবৈরভাহনত্ত্ শম্॥ কুশবাণি কুসংক্রুদ্ধভুরমাণো যুধিটিরম্।

**डीम्ड डीमम्ड डीममका**त्मा तथाद क्षत्रम्मा भाष्टतः। यास्रतङ्गितात्ता मीदिष्डभृष्यः डाडायमाद्र॥ সার্থিং কুলে রথোপস্থাদপাত্যুৎ। চক্রক্ষণ্ড শুরো বৈ মদিরাক্ষেহ্তি মিদিরাধে বিক্ষতঃ। স তথা বিরখং দৃষ্টা তিগতান্ প্রহরতদা।। ততো বিরাটঃ প্রফন্য রখাদ্ধ भनाग्रनम्। ष्यत्नन दौर्दान कथः शा षुः त्यार्षेत्रतम तनार ॥ कथकासूष्ठत्राः आकृ। भक्त्यत्था সমাসাদ্য স্থম্মাণম্মানস্ত ব্যূপোধ্যুৎ॥ পুট্রগোপাংশ্চ উন্সাথ হল্বা পরম্পায়কৈঃ। অধাত্ত সুশ্রশি:। গদাং ভক্ত পরামুধ্য ভমেবাভাজবহুলী॥ স চচার গদাপাণির ছোহপি ভকুণো যুধা। প্ৰায়মানং ত্ৰৈগৰ্ডং দৃষ্ট্য ভীমোহভাভাষত। রাহ্মপুত্ৰ নিবৰ্জ্য ন তে যুক্তং বিধীদমি। ইত্যুক্তঃ স তু পার্থেন স্থশ্মা রথমুথপঃ। ভিন্তভিটেড ভীমং স সহসাভ্যস্তবদ্ধী। **७: छीम**तमाना धावस्थमछाथावङ वीष्रातान्। जिन्छत्राक्षमाणाङ्कः निःहः क्षमभूनाः यथा। আহিৰ্গ্ৰামবভিৰ্বাশৈত তুভিশ্চ পুৰা হয়ান্। ততো রাজয়াশুকারী কুন্তীপুজো বৃকোদর:।

[4-18]

289

অভিক্ৰত্য সুশৰ্ষাণং কেশপক্ষে প্রামুশৎ (৬)। সমুদ্যমা তু রোষাত্তং নিশিপেষ মহীতলে।

ष्यसमा ७ वसः मर्काः दिवादः उद्याष्ट्रम् । निवर्धा गाङ्कः मर्काः नाष्ट्रम्बा महात्रथाः ॥ পদা মুদ্ধি, মহাথাছ: প্রাহরদ্বিলপিষ্যতঃ। তত্ত জায়ুং দদে। ভীমো জভেষ চৈনমরত্বিনা (৭)॥ স মোহমগমদাজা প্রারবরশীড়িত:॥ তমিন্ গৃহীতে বিরথে তিগভানাং মহারথে।

**ष्यरिक्टा ग्रम**र्थानः धनकामाग्र मर्दमः । यदाहरममण्यमा श्रीनार्षया यङ्जाकाः ॥ विद्राहेन्य মহারাজ পরিক্রেষ্টা নরাধম: ]। নায়ং পাপসমাচারো মড্ডো জীবিত্মইতি। কিন্নু শক্যং मश्रोबानः भतिद्रमित्नामकाः ॥ क्छिः ममकः ८७ मत्त्र षथ छीत्मारुङाङावछ। [ विदाहेन्छ मग्नो कर्खै, यखांका मरूक पृत्ती (৮)। शत्म शृशीका बाकान-मानीय विवमः वभम्॥ एक जनः বিচেইজং বন্ধা পাৰ্থে বুকোদর:। রথমারোপ্যামাস বিসংজং পাংশুগুটিতম্। অভ্যেত্য त्रभगधाक-मकानव्यम्बितम्। मर्मग्रामा जीमञ्ज स्मामा । नग्राधिनम्। त्याता जन्मन (৬) কেশপকে পরায়ুশৎ কেশসমূহে सগ্রাহ। (१) অর্জিনা নিক্নিটেন মৃষ্টিনা। (৮) রাজা

ŠÝ

मुपिष्ठितः। युन्ते एमातान्।

जीय छेवा । जीविकूरकष्ट्रम गुरु ट्रकूर त्य गम्छः मृश् । मारमाश्योष्टि षद्या वार्छार अ:अरक् छ महास्र छ। এवः एड कोविष्ठः मुमारिभय युक्षिक्राछ। विधिः (৯)। ७ ध्यूवाँछ ७एडा ব্যাজো ভীমমাহৰ-শোভিনম্। তং রাজা প্রাহসং দৃষ্ট্। মূচ্যতাং বৈ নরাধিপঃ। এবমুজেহিববীত্তীম: সুশর্মাণ্, মহাবল:।

(३) म्रम्प्य ६ मङाय् ६ म्रम्रम्माकी मृष्टा द्राख्याम्। ष्पष्दा मृष्टाय् ष्रदेश्दम् मृष्टदम्बर्गि মভিবাদ্য প্রভিত্তিবান্ । প্রমূচ্য চ ফুশর্রাণং পাণ্ডবাস্তে হত্তিম:। থবাছবলসম্পন্না হ্রীনিৰেবা নৈশশ্লায়ন উবাচ। এবমুক্তস্ত সত্রীড়ং সুশর্শাসীদধোমুখঃ। স মুক্তোহভেডারাজান-( ইতি বিরাট পর্বণি দক্ষিণ গোগ্রহে ফ্রশর্ম পরাজ্ঞাে নাম ত্র্যন্তিংশত্রমাহধাায়:।)

य्विषित्र छेवा । मुक्ष मुक्षायमा हातः त्यमानः यनि एउ वद्यम्। मात्रकारः शरका त्यम विवाहेन मशीनाउड: ( ১১ )। व्यक्तात्मा नाळ मूटकाशिन रेमदा कांधी शूनः कंडिर।

(कारका खाडा मधान्यः वहः ( ১॰ )।

जब्बिःरमार्शावः।

पिष्किनमार्थम । ( >• ) मञ्जनम् मरमहम्।

যতরভা:। সংগ্রামশিরসো মধ্যে তাং রাজিং সুখিনোংবসন্॥ ততো বিরাট: কৌফেরা-নতিমাকুষণিক্রমান্। অতিয়ামাস বিভেন মানেন চ মহাবথান্॥ বিরাট উবাচ ॥ ষ্টেথৰ মম ত্র বৈশশ্লায়ন উবাচ॥ তথাভিবাদিনং মৎস্তাং কৌরবেয়াঃ পৃথক্ পৃথক্। উচু: প্রাঞ্জন্যঃ
ক্রু সর্কে ষুষিষ্ঠিরপুরোগমাঃ॥ প্রভিনন্দাম তে বাক্যং সর্কাঞ্চব বিশাম্পতে। এডেনৈব্ ১৮ প্রতীতাঃ স্ম যক্ষং মুক্তোহদ্য শক্রভি: (১২)॥ ডভোহত্রবীৎ প্রীভ্যনা মৎস্তরাকো ষুষিষ্ঠিরম। 'রজানি যুলাক তোনি বৈ তথা। কাহ্যং কুক্ত বৈ সর্কে যথাকামং যথাসুখ্য।। দদাম্য-লয়তাঃ ক্যা বসুনি বিবিধানিচ্। মনসশ্চাপ্যভিত্ৰেতং যদঃ শক্তনিবৰ্হণাঃ॥ সুসাকং বৈশাশপায়ন উবাচ ॥ তথাভিবাদিনং মংস্তং কৌরবেয়াঃ পৃথক্ পৃথক্। উচু: প্রাঞ্জনয়ঃ 'পুনরেব মহাবাছবিরাটো রাজসত্তমঃ॥ এহি ভামভিষেক্যামি মংস্তরাক্ষেচ্স্ত নো ভবান্। মনসম্চাণ্যভিপ্রেডং যথেষ্টং ভূবি চুল'ভম্॥ ডেডেংহং সংপ্রদাভামি সর্বমহৃতি নো ভবান্। अन्नोनि गाः स्वर्षक মণিমুক্তামখাণি চ ॥ বৈয়াজ্পদাবিপ্ৰেক্ত সৰ্কথৈব নমোহস্ত ভে (১৬)। (১১) ध्रमामा इंजि मिक्याजाम भारः। (১২) श्रजीटा वियक्ताः जूरो या। (১७) देवमाम्राप्त्रजि अ विक्रमाममा मूरकाञ्जर विक्रमाभित्र। ज्याह्यरहा यरकानामीयताः भर्व এव हि॥

প্রিয়মাখ্যাতুং ঘোষয়ত্ত চ তে জয়ম্। তত্ত ভ্রচনং শৃদ্ধা দূতান্রাজা সমাদিশং। আচক্ষধং-शुनः शका मःश्राम विक्यः यम। क्यायाः मयनकृष्ण भर्गामञ्ज्ञ या भूतार। वानिवानि ह আনুশংশুপরে। নিতাং স্থমনাঃ সভতং ভব ॥ গছ্যু দুভাত্রিতং নগরং ভব পার্থিব। সুকদাং ভডে। যুধিটিরো সংসং পুনরেবাভাভাষত। প্রতিনন্দামি তে বাক্যং মনোজং মংস্ত ভাষসে। ৰ্ৎকৃতি হাদ্য পশ্যামি রাজ্যমাখানমেৰ চ ॥ যত≖চ জাতিঃ সংরভোন চশাক্রবশং গতঃ

へのへ

শিৰ্মা কুছা প্ৰস্থিত। ফুণ্ডমানসাঃ ॥ তে গছা কেবলাং রাত্রি-মথ-সূর্য্যোদয়ং প্রতি । বিরাটস্ত

সর্কানি গণিকাশ্চ থলতুতা:।তে তেণাজ্ঞাং ততঃ শুফা রাজা মৎস্তেন চোদিতাং। তামাজাং

भुष्डि: ८क्षनः ८माटळन। ( ১৪) ८क्षनाः द्राज्ञात्वव मिनारभकामकूर्वछः कृषमा नक्ष्याज्य। शुत्राङ्गाटम मूडा क्रग्रमत्यायग्रन् (১৪)। श्रिड वित्राटेभर्व्यनि युभर्षभत्राक्रमा नाम मिक्रन-হে प्रोद्धाः। মানিষ্যাধায়।খানো ব্যাধ্যা তথাপি সফলশ্ৰমঃ। দক্ষিণগোগ্ৰহः। ●। পোত্রহ: সমাপ্রশ্চতুত্রিশেন্ত্যোয়:॥ \*।

বৈশশপায়ন উবাচ॥ যাতে ত্রিগর্জামংজে তু পশ্ভান্ বৈ পরীকাতি। ছর্যোধনঃ সহামাড়েলা বিবাটমুপ্যাদপ (১)॥ ভীলো জোলশচ কর্শচ কৃপশ্চ প্রমাস্ত্রবিৎ। স্রৌণিশ্চ ি সৌবলকৈত ড থা ছঃশাসনঃ প্রভূঃ। বিবিংশভিক্তিকবশচ চিত্রসেনশচ বীষ্যবান্। ছন্ম্থো ত্যুসহ(ল)কৈব যে চাজে চ মহারথা:।। এতে মৎসায়ুপাগমা নিরাটস্থ মহীপতে:। ঘোষান্ ত্র বিজ্ঞাব্য তরসা গোধনং জত্বগুপা। বৃদ্ধিং গুবাং সহসাণি কুরবঃ কালয়ন্তি। মহত। অবভীষ্য রথাত্ত্বিমাখ্যাতুং প্রবিবেশ হ। দৃষ্ট্য ত্মিঞ্যং নাম পু্লং মংশ্রস্ত মানিনম্। ভাশৈ তৎ সর্কমাচই রাইজ পশুক্রবণম্ (৪)॥ মঙিং গ্লাং সহস্রানি ক্রবঃ কালয়ন্তি তে।

ろうへ

(১) মাৎক্ষে মংক্রদেশাদিপে। পরীপাতি প্রানেত্মিজ্তি। উপয়াৎ উপায়াদিত্যে । बरक्तीनं घरकुरमण्याः (प्राथान् (श्रीभान्। कक्षत्रो ज्यदादशातन। (२) त्रथदारणन त्रथत्राहरून।

মে ফুড:। ডতা ডং সভ্যমেবাস্ত মজুমোলুতা ভাষিতম্। আবর্ষ কুরন জিখা পশ্ন্ षाং হি মংজ্ঞো মহীপাল: সৈগু(শৃজ)পালমিহাক্রোং ॥ । । । । বিষ্দো মধো শ্লাঘতে স নরাধিপ:। পুনো মমাজুরাপশ্চ শ্রকেচতি ক্লোজত:॥ ইষ্ত্রে নিপুণো যোধ: সদাবীরশচ পঞ্মভাষ্য। নির্দহৈযামনীকানি ভীমেন শরতেজসা।। ধনুশচাতৈকল্পুলৈঃ শবৈঃ সমতপৰ্কভিঃ। দ্বিষ্ডাং ভিষ্কানীকানি গ্ৰুণামামৰ যুণথঃ। পাৰোপ্ৰানাং জ্যাভন্তীং চাপদিভাং মহাফনাম্। শরবর্ণাং ধজুনীণাং শক্রম্ধ্যে প্রবাদয় (৫)। শেভা রক্তনেহাখা (৩) হজাতাং হজমানানাম্। (৪) কুমিঞ্গমূত্রম্। (৫) পাশোপধানাং জ্যাত্রীং চাপদ্ঙাং মহা-অবনাম্। শরবণাং ধছবীণাং শত্নগমে। প্রবাদয়। উত্তরং গ্রাধ্যক আছে। হে উত্তর শত্নথথো প্রবাদয় প্রকর্ষেণ বাদয় বাদনক্ত ভূদৈব প্রকৃষ্ট্রং হৎ শত্রব্যার্থ: শরক্ষেপাঞ্ৎপগুভে ধন্থয়ো বীণানামামাহ পালোপখনোমিতি পালো জ্যাবছঃ গুণোপরিছিতাটনীবেইনরজ্জুরিতি যাবং স উপাধানং বীণাদগুবছনং কেছিক কুণং বা মজাং সা তাং উপধানং বেলে গেগুৰিতি মেদিনী! জ্যাত্ত্ৰীমিতি জ্যাপ্তপ: সৈৰ

কুরুন্সকান্ বজ্ঞপানিরিনাত্রান্। যশোমহদবাপ্য কং শেবিশেদং পুনঃ পুরম্। কং হি রাষ্ট্রক পরমা গভিষ্তরপতে: স্ত:। ঘ্যাহি পাঙ্পুকাণামজ্বনৈ জন্মতাবের। এবং প্রসন্নায় মূজা হস্তবতা হুয়া। ছাদয়স্ত শরাং ফুর্গুং রাজ্ঞাং মার্গনিরোধকাং ॥ রণে জিছা কু গডিত্তং মংজানাং ভব বংশবিবদ্ধানঃ। গডিমফে। ভবস্তুদা সর্বেব বিষয়বাসিনঃ। এ

্বশাস্পায়ন উবাচ॥ স্ত্রীমধ্য উক্তস্তেনাস্থে তথাক্যমতাস্থ্য স্থাপ্ত প্রাথমান

্বশাস্থায়ন ভবাত ॥ আমহাভারতে...গোহ্রণপ্র্বি প্রুয়েশোহ্ধায়ঃ। ।।

हिंद বচনমত্রবীৎ ॥ ইতি জীমহাভারতে...গোহ্রণপ্র্বি পঞ্জিংশোহ্ধায়ঃ। ।।

উদ্ধেষ্ট্র বচনমত্রবীৎ ॥ ইতি জীমহাভারতে...গোহ্রণপ্রবি । চাপদ্রগাহিত অমুমভিপ্রায়ঃ ধর্ষশ্রগা

উদ্ধিজ্ঞ ব্যাধিত ব্যাহিত বাস্থাত ব্যাধিত বংশক্রগাে চাদয় এব বর্ণনীয়া: শব্দা ঘ্রাং স তথা বর্ণায়ে ইতি বর্ণাঃ কর্মণি ঘঞ্। শ্রাক্রা বর্ণা ইতি বা। দ্ভ ইব বজা ধছ্বীণায়াঃ স তথা ইতি ভেদনীয়ম্। তহি কিময়ং বণ্যভীত্তাহে শরবণীং শ্রালানা (৬) ষ্দ্য ভিত্তাতিতো ভবনীতি পরশৈশদম্। অভিতে ইতি সমুকো। •। '' ंं ें उचक উবাচ। অদ্যাহ্মসূগছেয়ং দৃঢ়ধধা গবাং পদম্। যদি মে সারথিঃ কশিচন্তবেদধেষ্ ত্ৰ মহাধ্যজম্ম বিগাহ্য ভংপরানীকং গল্ভবাজিরথাকুলম্। শস্তপ্ৰভাগনিবীধান্ কুকন্ জিছানল্নে ব্ৰুপ্ত প্ৰাণ্ড সহস্তাং বৈ মহেছাদান্ত্ৰ সমাগভান্। ছংগ্যাধনং শাস্তনবং কৰ্ণং বৈক্তনং কুপম্। জোগঞ্চ সহস্তাং বৈ মহেছাদান্ত্ৰ সমাগভান্। বিত্তাসয়িছা সংগ্ৰামে দানবানিব বজুভূঙ। অনেনৈব মুহুৰ্জেন পুনং প্ৰভানেয়ে স্থান্য বিজ্ঞান্য প্ৰাণ্ড ব্ৰদহং ভত্ত क्विविकः । उद्युष्टः नीषिषाच्चीम त्या त्य यञ्चा उत्तवज्ञः। भाग षः मात्रिषः किन्धः मम যুক্তং প্ৰযাজতঃ। অষ্টাবিংশতিরাত্রং বা মাসং বা ন্নমন্ততঃ। যত্তদাসীমহদ্যুদ্ধং ভত্তমে নাভবম্॥ পভৌষ্রদা মে বীৰ্বাং কুরবজে সমাগভাঃ। কিলু পাৰ্থেহিৰ্জ্নঃ সাকাদয়মখান্ नांत्रिक्टिः ॥ं न नाट्डाः यमि कृतः रुग्रयानिमः नत्रम्। षतांदानमा बाषारः नमूष्टि ज-প্ৰবাধতে। বৈশশপায়ন উবচি। আচ্ছা ডদৰজ্নো বাক্য রাজঃ পুত্রস্ত ভাষতঃ।

300

 अधिष्मग्रয় काल खिग्राः ভার্যামনি मिखाम्। ফণদশু ফুডাং তদী পাঞ্চালীং ঁপাবকাজকাম্। সত্যাৰ্জবগুণো-পেতাং ভৰ্তু: স্থিয়হিতে রতাম। উবাচ রহসি ঐতিঃ কৃষ্ণাং भक्षिंपरकाविषः। छेखतः जाष्टि कमार्गानि किन्धः मष्टनामिष्य्। ष्यग्रः देव भाखनभानीर সার্থি: সমতে। দৃঢ়ং। মহাযুদ্ধেম্ সংসিদ্ধঃ স তে যন্তা ভবিষ্যতি।

্র সুমারাখ:। ধুমুখভাং বরশ্চাসাত্ততা শিবেয়া মহাত্মন:। দৃষ্ঠপুণে মুগ্র বার-চরভাং । ভা পাঞ্চবান্ প্রতি। যদা তং পাবকো দাবমদহং খাঞ্বং বনম্। অর্জুনস্ত তদানেন সংগৃহীভা ১৯ হয়ে।ত্যায়:। তেন সার্থিনা পার্থ: সর্পজ্তানি সর্কল:। অরূরং খাণ্ডবপ্রস্থেন হি যন্তাতি ক্ষমন্বদ্যাকি ভাষানয় বৃহল্ললাম্॥ সা আবাবা প্রেষিতা শীজমগছেলভ্নালয়ম্। ঘ্রাজে স্ वहना कतियां छिन माना १३)॥ यपि देव मात्रथिः म छा ९ क्यान् मर्याः। किया পাশ্চ সমাদায় ধাবমাগমনং ভবেং। এবমুক্ত: স সৈরিদ্ধা ভগিনীং প্রভাভাষত। গচ্ছ ভাদৃশ:। মৌপছাবাচ। বেয়ং ক্মারী স্থেশাশী ভণিনী তে যবীয়সী। অভয়া: সবীর जै वहनमज्जवीर । स्थाश्यमी वृश्कांत्रभारा मुत्रा मृत्यिष्ठमर्भनः। वृश्मरामिङ विशाखः भाष्यामीर म मात्रिषः। अञ्चष्रकार वत्रण्डामीखन्छ मिरवा। महाज्ञनः। मृष्टेशुरर्का मग्ना वीत्रण्डतन्त्रा। বৈশক্ষায়ন উবাচ। তত্ত তদ্ধনং সুষ্ম ভাষতশ্চ পূন: পূন:। নচামৰ্বত পাঞালী वीछरमाः भविकोर्धनम् । ष्रदेषनम्भनमम् खीमर्थाः मा यमस्यिने । बीष्ट्रमात्नव मनरेकविष्तः

ンかい

মহাবাহুশ্চয়: সত্ত্রণ পাঞ্চব: (২)। ইতি শীমহাভারতে শতসাহস্রা। সংহিতায়া। বৈয়া-रैवमंष्माग्न छैरा । मा व्यायर काक्नमामाशातिनी क्षारकेन खावा व्यक्ति यनिष्नी। সিক্যাং বিরাটপর্বগুত্তরগোগ্রহে সৈরিক্সীবাক্য় নাম ষ্ট্রিংশভ্যোহ্ধ্যায়ঃ ॥ 🛊 ॥

स्मिषिक्षा (विमित्रिकाश्यम् मा भष्रभावाज्ञिक्षा भिष्यिती (১)॥ छद्यी एकामी মণিচিত্রমেশলা মৎশুশু রাভ্রন্তনরা ত্রিয়া বুডা। ভর্মধনাগারমরালপক্ষা শভ্রুদা মেঘমিবাভ্যপদ্যত (২)। সা হজিহত্তোপ্মসংহতোক্ত-রনিন্দিত। চাক্লদভী স্থমধ্যম। আসাদ্য জং বৈ বরমাল্যধারিণী পার্থং শুভা নাগ্বধূরিব দিপুম্ ( ৩ ) 🛭 সা রত্নভূজা মনসঃ खिश्राफिडा ( जिश्रावृद्धा ) कुछ। दित्राष्टिक य्रथलम्बौः। कृमर्मभोग्ना क्रगूरंथ यमस्यिनो क्षीख्रा-

かタハ

<sup>(</sup>১) स्पिष्टिणा ष्मवामा (माञ्जनक्रत्भरणाषात्रा वा। (विपिष्ठणयम्भा) (विपिम्हामिष्णञ्जष्मा। (विपि-(২) শরাশপুদা বক্তনেররোমা। শত্রুদা বিহাুৎ। (৩) হজিহজোপুনসংহতোররিভি হজিহজেন বুজুলিমুক্লায়াং যুণে শংক্তভূম্বল ইতি বিশঃ। শিশ্ভিনী ময়ুনপুচ্ছবিরচিতশিরোলছারাশ্বিডা। (১) ধবীষদী কনীষদী। (২) দত্তেণ ছুলুনেতি দত্তং ছুলু নপুংদক্বিশেষেণাজ্ঞাদিও ইত্যবং। •।

व्योमक्त्रमाग्राज्यक्ता॥ स्थामान्डाकाकः कारकाक्ष्यनियः पार्थः क्यात्रीः म छमान्यायक। কিমাগমঃ কাঞ্চনমাস্যধারিণি মুগাকি কিং জং ছরিতেব ভামিনি। কিন্তে মুখং ফুন্দরি ন क्रानार-माठक उद्धास्य मोष्रभक्ता

ন্ধ্য বচঃ। পাবো রাষ্ট্রস্থ কৃকভি: কাল্যন্তে নো বৃহন্ধলে। ভান্বিজেড্যু মম ভ্রাভা প্রযাস্থিতি । ভান্বিজেড্যু মম ভ্রাভা প্রযাস্থিতি । তান্বিজেড্যু মম ভ্রাভা প্রযাস্থিতি । তেন নাজি সমঃ স্তো ঘোহস্থ । কার্থসাচারেরং। তেনৈ প্রতমানায় সাহল্যকে **्को मनः छ । । ( व्यर्क्टन स्ट किना मीक्षः मात्रथिक ग्रिजः भूता। ए योक्यः महारयन भृथि वीर** পাত্তবৰ্ষভ: ।) সারথ্যঞ্চ মম ভাতু: কুক সাধু বৃহন্নপে। দ্রাদ্রভরং গাবে। হিন্নজে কুকভি-देवभण्णाम्रम छेवाछ । म छार मृष्ट्रा विभामाक्षीर त्राकभूखीर मथीर मथा। श्वष्टमम्बदीप्राक्षम्

পুক্ৰকরেণ তুলোটা দুচ্নছিকশো মহণোত্ত মহণা দুচ্নজিত্ত সংহত ইত্যমর:। চাক্ষতী শোভনদভাধিতা।

. উত্তর উবাচ । পায়নো নর্জনো বাপি বাদনো বা পুনর্ভব। ( বৃহন্ধলে গায়নো বা এवমূको প্রভাবত রাজপুতং বৃহন্নলা। কাশক্ষিম্ম দারথাং কর্ণ সংগ্রামমূর্জনি ॥ গীতং ইই নঃ (৪) । অধৈত্বৰ্চনং মেহ্ছ নিযুক্তা ন করিয়াসি। প্ৰণ্যাচুচ্যমানা ৰং পরিত্যক্লামি क्रमः (८) ॥ ज्याजकन्तः प्रिडः शिष्टामिय क्षकाः । ष्यमम्ब्यिभामाकौ नकः नक्यपूतिय ॥ भृषिवीमकग्र९ कृष्माः कृष्णीभूरवा धनक्षग्रः। रेमिन्नज्ञी षाः मगांठरष्ठे मा हि कानांजि भाष्टवान्॥ मःयस्छ मामकानचाःखरेषय कः वृष्त्रतम। कुक्रिस्मारण्यानण राषनानि भन्नोक्षा**ः॥** অবর্ণত কিলাদীতং সার্থিদিয়িত: পুরা। ছ্যাইল্লয়ৎ সহায়েন পৃথিবীং পাণ্ডবর্ষভ:। কুনিত্তম্য এবমুক্তস্তে সুশোণাণ তয়া সথা। পরস্তপঃ। জগাম রাজপুক্তস্ত সকাশমমিতি -या यि वा तृष्णः वामितः वा शृथिधम्। ७० कतियामि खलाष्ट मात्रथास कृष्णा मम। नर्छत्ना या शूनर्जर )। किथा तम प्रथमाश्राय निशृद्रीष रत्याख्यान्।

ゆうへ

(৪) প্রাক্ষ্তরং (দ্রাক্রতরং) গাবে। হীয়তে মুরাহ্বগজি দ্রভরমতিদ্রম্। (৫) রাজপ্রজ [ fa-->e ]

ত্র সমূচ্ছি তা সারথাং সমকল্লয়ং। ধনুবি চ মহাহানি বাণাংশ্চ কচিরান্ বহুন্। আদার এ প্রক্ষেম্ বীরঃ স বৃহদ্ধলসারথিং। অংখ্ডেরা চ কল্লাশ্চ সধ্যস্তামক্রণস্তেদা। বৃহদ্ধলৈ এ আন্তর্থা বাসাংসি কচিরাণি চ। পাঞ্জালিকার্থং চিত্রাণি স্ক্রাণি চ মৃদ্নি চ। বিজিত্য ই সংগ্রামণ্ডান্ ভীম্মন্তোণমুখান্ কুঞ্ন্ (৭)। এবস্তা ক্রবতীঃ কল্লাং সহিতাঃ পাঞ্কল্লনঃ। বৈশাশায়ন উবাচ। স তত্র নর্মসংযুক্ত-মক্রোৎ পাশুবো বছ। উত্তরার্ধাঃ প্রমুশ্তঃ जर्षः कानकतिमाः (७)॥ छर्षमूर्षिक्षा क्वहः महोत्त्र टाङामूक्छ। क्रमारिष्ठिख छः मृष्ट्रै। व्यास्मन् भृथ्रत्माठनाः॥ म ज् मृष्ट्रै। भिनश्कः यग्नरमाखत्रख्छः। क्रिर्डन महोर्टिश ममन्य द्रमनाम्॥ वर्णात क्विध्याः यग्नमभाःक्षमः वाण्म। स्वकः मिःहः

केषम्ज मकामः मिक्टमा (७) नर्धमःयुक्तः हाजम्युक्तः। (१) शाकालिकार्थः वद्यापित्रिष्ठिभूक्ति-कार्थम्। भाषानिका श्रीजका ज्ञाषत्रप्रशामित्ः इण्डिडामदः।

শুভূাবাচ হসন্ পাৰ্থো মেঘ্চুন্দুভিনিয়ন:॥

বৈশশপায়ন উবাচ। এবমুক্ত ়া তু বীতৎসুস্ততঃ প্রাচোনমুদ্ধান্। কুন্ধনিভিমুখঃ শ্রো वामार्मि किवार्गन क्रिंडियांनि ह

2्रबम्मण्यांग्रम উবাচ। স রাজধাত্তা নিষ্যায় বৈরাটি: পুথিবীঞ্যঃ। প্রযাহীজ্যবাধীৎ স্থতং নানাধ্বজ্পভাকিন:॥ তমুত্রং বীকা রথোভ্মহিতং ব্হরলায়া: সহিতং মহাজ্জম্। জিয়শচ क्छांच्ड विकांक सुबकाः श्रामिनः ठक्तिराथा हुतक्ताः। यमर्क्नास्वर्ष्ण्डमाश्रामिनः शृबाष्ट्यद ধাণ্ডৰকান (দাহ) মজলস্। কুরন্ সমাসাভা রণে বৃহল্লে সহোভ্রেণাভা ভদজা মজলম্। ইচি জ্বিমহাভারতে বিরাটপর্পণুত্তরপোপ্ততে উত্তর নির্বাণ্ং নাম সপ্তান্তংশতমেহধ্যায়ঃ।

ৰৱুসিংহেন চোদিভাঃ বাতরংহুসঃ # আলিখন্ত ইবাকাশে মূহু: কাঞ্নমালিন: (২) # নাভি ( ১ ) शृषिवीक्षत्र क्षित्रक्षताया। ( २ ) चालिश्व ह्वाकात्म मुक्ः काकनभागिताः। ध्वरमध्यीजिक्तिकः কি-প্রমাদার পুনরেষ্যামাহং পুরম্ । ডেড্ডাংকেচাদ্যামাস সদ্ধান্ পাঞ্নন্দনঃ। ডে হ্যা

ষক্ত তে কুরবো গভা: (১)। সমবেতান্ কুরুন্ সর্কান্ বিজীগীযুন্ বিজিত। বৈ। পাজেযাং

को मधुरखन प्रदिश्वारमन थीयका । खंडरताया ভरतावितः भार्थः रैनदाकित्रवनीर ॥ चं छेखत छेनात । नारमरह क्कां छिर्माक् रतायहर्यक भार्थ प्या नक्कारीत्रयक्रावाः असे प्रदेत्रमि छतामम्॥ व्याख्याकः, न भारकामि क्करेमण्यमञ्जक्ष। नाभःस्य ভातखीर त्मनाः टारब्धैः जीमकाम्म् काम्॥ त्रथनाशायकनिनाः পष्डिश्वक्षमग्रकुणाम् (८)॥ मृरेष्ट्रे व वि দুরমধো গছা মংশুপুত্রধনঞ্জয়ো। অবেকেভাম্মিন্তরেলী কুরাণাং বলিনাং বলম্। আশানাভি-মুখো ( শ্বশানমভিতো ) গছা আসসাদ কুরানথ (৩)। তৎসমিপেইত্রবীক্ষেডাং বৃঢ়োনীকঞ ममुटम भाषिट्रा द्रशुक्तिबरञ्जन मर्नेछ।। मृष्टि यंगारमा कृष्णामाः मितम्भ्रोक् क्कमखम। পরানাজে। মন: প্রবাথভীব সে। যত্ত মোণশচ ভীমশচ কৃপ: কর্ণো বিবিশোভি:। অমখ্যামা সৰ্বশং। তদনীকং মহতেবয়ং বিভতং সাগরে।পমং। সপ্মানমিবাকালে বনং বছলপাদপম্।

লিগভ ইব ইতি বেগাডিশযমাহ। (৩) উত্তরমবহন্ শশানমভিতঃ শশানমীপং। (৪) ভারতীং

विकर्णक मायमखन वाख्निकः। श्र्यापनञ्जया वीरत्रा त्राका ठ त्रथिनाः वतः॥ श्राष्ट्र्यरक्षा मररुषांगाः मर्क्ष युक्षविभात्रमाः। मृष्टेश्व रि क्रत्नानाम् यागोनमम् क्षरात्रिभः। श्रविज्ञामि

বৈশশ্পীয়ন উবাচ। অবিজ্ঞা(যা)তো বিজ্ঞাভশু মৃংধী ধৃষ্ঠতা পশুভঃ। পরিদেবয়তে চ রোমাণি কশালকাগতং মম

मनः मक्राम भवामाधिनः ( ७ )॥

উত্তর উবাচ। ত্রিগর্ভান্মে শিতা যাতঃ শ্তেথশিন্স সিধায় (সংপ্রণিধায়) সাম্।

ভরতবংশসমক্ষিনীম্। (৫) অবিজাতো বিজাতত ম্থো ধ্ঠত পভত:। পরিদেবগতে মন: সকাপে স্ব্যসাচিনঃ। অনুষ্ধঃ মুস্ উত্তরঃ মূথঃ অপেরবলানভিজ্ঞঃ স্ব্যসাচিনোহজজ্নজুপভাডঃ অব্যবহিতসকালে পরিদেশবয়তে বিশাপং করোভীতি কৃতং শোচত ইত্যর্থঃ। বিঘাতে। ধুষ্টঃ প্রগল্ভঃ সংগ্রামধান্তায়ায়িতি

শ্ৰিৎ ন বিশাতোহবিশাতঃ অগুট ইত্যৰ্থ: সংগ্ৰাম ইত্যৰ্থাৎ বিশাতক্ৰ গুটজেন্তাৰ্থ:। বিশিষ্টা জাতং যজেজি सा प्रिंग पश्यामगित्रियत्मयम्नमानज्ञ त्मोर्यमिति वा गार्रः। प्रथ्या प्रविष्टाः प्रयाः त्याः वा

কিঞিৎ রণাজিরে। অব্যমেব চ মামাথ বহ মাং কৌরবান্ প্রতি। সোহহং ছাং ভত্র নেয়ামি

্রহললোবাচ। ভয়েন দীনরপোঙ্সি বিষ্তাং হর্বর্জনঃ। ন চ ভাবং কুতং কর্ম পরিঃ

अवाषिकः व्याभिषः धनः । जेथामार्त्तरेशामिषः जानित् एकायः। (शायरमञ्जूताः । व्यामिष्क् मनािमिष् এ নাম। নেষামি ছাং মহাবাহো পৃথিবাামপি যুধাভাম (৭)। ভথা স্ত্ৰীষ্ প্ৰভিক্ষত্য আৰু পৌক্ষমং পুক্ষমেষ্ চ। কথামানেহিভিনিধ্যায় কিমৰ্থ ন যুষ্ৎসলে। ন চেঘিজিত্য ক্ৰি শ্রাণি শীষং প্রকটয়তি বিজ্ঞাতক বিশিষ্টলমনঃ ইতাপ্তাথা আবিশিষ্টদ্যা। অস্তুম্কারবংপাঠে ধুটো গুফুক বিষাততে চতামরঃ। ( ৬ ) তামদ্য বক্ষ্যামি বহুণাতে।রূপ্। ( ৭ ) মধ্যামিষ গুজানাং মধ্য মেষ ইৰ আৰক্তএৰ মূল আৰক্ষঃ মেৰজাতঃ পত্ৰয়ং মুকাৰ্মেতা যতঃ পতাৰ্ভেতি। ধ্ৰিতাৰ্জ্নত अ वर्ताट वक्षमा श्वमाः (७) ॥ यश्यामियभक्षामाः [ यश्यामियभृष्क्रामाः ] क्रम्भायाज्याय-

সৈরিক্সা খ্যাত: সারথ্যকর্মণি। ন চ শক্ষ্যাম্যনিভিত্য গা: প্রযাত্তং পুরং প্রতি। ভোজেণ পান্তান্তং গৃহান্ বৈ প্রতিযাত্তান। প্রহসিষ্যান্ত বীরাজাং নরা নার্যাশ্চ সঙ্গতা:। অহমপাত্র চৈব সৈরিক্স্যাস্তব বাকোন ভেন চ। কথং ন যুধোয়মহং কুন্ধন্ সর্বান্ স্থিরো ভব।

জ্ঞানরাশ্রাপি বৃহয়লো। সংগ্রামে ন চ কার্যাং মে গাবো গছন্ত চাপি মে। শুন্তাং মে নগরকাপি লিতুনৈত্ব বিভেম্যহ্ম। নিবর্জন রথং তুর্ণং জদন্তং মে বিদীর্ঘাভে।

বৈশাপান্তন উবচে। ইত্যক্তা প্রাম্বন্ধীতো র্থাং প্রাক্তনা ক্রেলী। ভাক্তা মানক্ উত্তর উবাচ। কামং হরন্ত মৎস্তানাং ভ্যাংসঃ কুরবো ধনম্। প্রহুসন্ত চু মাং নার্ঘো।

ৰা পাঠঃ। আভভাষিনাং বংগাভতানান পুথিবাাং যুধাতাং পুণিবাামণি যুধাতাং বীরাণামিতি শেষ:। ् बृत्क न छोउछ शमायन ।

वृष्ट्रमत्नावारः। रेनव म्रेतः व्यन्त्य। (म्युत्का) धर्माः क्विययक भनायनम्। ट्याप्रच्य मन्धाः

বাৰুপুতাং ধনঞ্জঃ॥ দীৰ্ঘ্যং বেণীং বিধুষ্থানঃ সাধুরক্তে চ বাসসী। বিধুয় বেণীং ধাবস্তমজ্ঞানজ্ঞো-ইবর্জনং তদা॥ সৈনিকাঃ প্রাহসন্ কেচিত্রথারূপম্বেক্ষ্য তম্॥ তৎ শীঘ্মভিধাবস্তং সংপ্রেক্ষ্য বৈশশপায়ন উবচি। এবম্কু। তু কৌছেয়ঃ সোহবগ্লা রথোন্ডমাৎ। তমশ্বধাবদাবন্তং

পাৰ্থমৰ্জুন্ম। উত্তরং সারথিং ক্ৰা নিৰ্যাতো নগরাছহিঃ (৮)। স নো মন্তামহে দৃষ্ট্ৰ। ভীত এব পলায়তে। তং নানমেযধাবন্তং জিঘ্ফতি ধনপ্তয়: (৯)॥

ত্র পরিঘোপমৌ। ভেদদেবাস্ত বিক্রান্তং নায়মজো ধনঞ্জয়াৎ। অমরেদ্বিব দেবেন্দ্রো মান্ত্র্যেষ্ ক্র ধনঞ্জয়ঃ। এক: প্রো বিরাটস্ত শ্সেস্ ক্র মান্ত্রির কল নির্যান্তো বালভাবায় পৌরুষাৎ। মতেণ ন্যনং ছয়ং হি চরস্তুং

ज्य स्था खियः। आक्रशायक् नरिश्य क्रीयक्रभः विल्लि ह। उत्परिव्जिष्टित्राखीयः जो याष्ट्र

क्रार्वार्यक्ष्यन्। क्ष्यं रवम्माख्या ध्याख्य ह्यामाः। क्षिक्षण यथा भूःमः किष्क्षिण

(৮) সজেণ ছলনা। (৯) গ্রহীতুমিচ্ছভি।

रिवणण्याग्रन উवाठ । हेडि या क्ततः मत्कि विम्जान्धः भृथक् भृथक् । न 5 वावित्रकुर किबि-

कृखतः भक्र्विस् (७ ()•) ॥ छन्नः जथा जः महत्र भाष्यः (श्रेष्णः) ভाরত। উত্তরন্ধ ধাৰ্থ-মফুফেডা খনঞ্যঃ। গ্ৰা পদশতং তুৰ্ং কেশপক্ষে প্রামুশ্ৎ। সোইৰ্জ্নেন প্রামূষ্টঃ छन्द्र छवा । मृश्याष्ट्र किनानि वृष्त्रल स्मारम। निवर्षम तथः क्रियः क्रीयन् ভ্রমণি পশুভি ॥ শাতকুপ্তস্ত শুদ্ধত শতনিষ্কান্ দদামি তে। মণীনপ্লোচ বৈদুৰ্যান্ হেমবদ্ধা-दिवमम्भाग्न हैदा । ध्रवमामीनि दांकानि विमाणक-मह्त्रकम्। क्षष्ट् शुक्षद्गाद्धा नर्गारम्यम्। वङ्मः कुन्नार्क्य विदारिक मुख्यम्। मूक मार कर वृश्वतम ।

200

(১০) ব্যবসিতুং নিচ্চেতুং। (১১) শাতকুজন্ত হ্বৰণিত জন্তত নিৰ্থালত শতং নিজনি আটোজর-শতকাৰণিণং নিক: তত্ত শতং শতমূক্তরো ভ্ৰণং হারমিতি বা। উত্তরভক:। \*। রুধ্যান্ত্রিকমানরং। অধ্যেনমন্ত্রীৎ পার্থে। ভ্যার্জ্ং নইচেডসম্। যদি নেংশেহসে বোজ,ং শক্রভিঃ শক্তকরণ। এহিমে ছংহয়ান্যফত ম্ধামানত শক্তিঃ। প্রমাকেতজ্ঞধানীকঃ ममाख्यमाञ्चिषः। षाश्रमुग्राज्याः प्यातः खुद्धः यीदेवर्षश्चात्रेषः। मा टेकपुर त्राक्षभूकांधाः

না ৰোৎস্তেহ্ছং কুক্ছিঃ সহ । এবং ক্রবাণো বীভংস্থ্বৈয়াটিমপরাজিডঃ। সমাখাস্য মৃতুর্জং বী ভ-মুন্তরং প্রজ্যপদ্যত । তত এনং বিচেইস্ত-মকামং ভয়নীড়িতম্। রথমারোপয়ামাস পার্থঃ ক্লী প্রহর্জাং বরং । ইতি শ্রীমহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈযাসকাং বিনাটপর্কনি की विरक्षमामि ह एक भन्। ट्यिटिशाख्यथानीकमश्रधाः छ्रामनम्। यञ्जा छव प्रथिता রশ্মারেণীণা চোত্তরম্। ভীমজোণমুশান্তত কুরবো রথিসভ্মাঃ। বিত্ততমনসং সর্বে ধনপ্তয় কুভান্ধরাৎ। ডানবেক্ষ্য হভোৎসাহাসূৎপাতান্পি চাত্তুতান্। গুক: শস্তভূতাং শ্রেটো ভারঘাজো-বৈশশপায়ন উবাচ। ডং দৃষ্ট্য ক্লীবরূপেণ চরন্তং পার্থমৰ্জ্নম্। সমীমভিমূশং যাত্তং ক্ষতিয়োহসি পরস্তুপ 🖡 কথং পুক্ষশাদূল শক্তমধ্যে বিঘীদসি। অহং বৈ কুরুভির্ঘেশ্য क्रिक्रबंखरका नाम क्षष्टितिश्मक्रमायः ।

मुख्य एक र छु छ म में मा । यहां जरक छि छो छ मास्त म मुण छि छ म । त्रक्त स्वान हा छो नः वृष्ट स्व माभक्षः॥ नमोक लाक्ष्म-वनात्रिरक्षुभ्रं गास्त्राता नाम नंगात्रिमृष्टः। এयामृष्टमारवर्षातः किन्नोति किए। वग्नर त्नवां कि ठांगा भावः॥ म अष भार्था विकाशः मवामाठी भन्नक्षणः। नागूरक्षन निवर्छक সংবৃতং নভঃ । নিঃসরস্থি চ কোষেভ্যঃ শস্তাণি বিবিধানি চ। শিবাশ্চ বিনদস্ত্যেতা দীপ্রামাং দিশি দারুণাঃ (২)। হয়াশ্চাশাগি মুঞ্জি ধ্বজাঃ কন্পন্তাক্দিপভাঃ। রাক্ষ্বণাশ্চ জলাদা वाश्नीमिशि। देवभमक टाजीक्स्सर (८) त्रकस्तकाशि त्राधनम्॥ याकृभाछात्र ज्ञानाशि कृखास्ड ठ बहुक्यिनि । अब वीद्रता मरह्यामः मर्यमञ्ज्ञाहरतः। ष्यांश्राङः क्रीवन्नारभन भार्या नाखाज्ञ

भूभोकाः मोशोधाः पन्धिमात्राः निमैजि (क्षितः (७) प्राथताः उत्रम्। (८) रेदमातः देवक्षाः विष्यदः (३) हमीक वाजा व्यनिष्ठवाहिनः हजारकजानि शर्राह्य। (२) मीश्राग्रामिकाकाषाप्त निवाः मरेर्वत्रिमि स्वतास्त्रोतः॥ त्रृमिष्ण्क त्रात म्ता वामात्रम ह मिक्किः। ष्यप्रदेवन्याभाषा वामत्-

প্রতিমো যুধি। নেহাত প্রতিযোদারমহং প্রামি কৌরবাঃ। মহাদেবোহপি পার্থেন আনমতে মুধি ভোষিত:॥ কিরাতবেশপ্রফ্লেরা গিরে হিমবতি প্রভু:॥

Š कर्न छेवा । मना छवान् काञ्चनश खरेनत्रयान् विक्थट (१)। नठाक्कूनः क्षांभूर्या বৈশশ্পায়ন উবাচ॥ তিম্মিন্ ক্রবতি তেমাক্যং ধার্ত্তরাষ্ট্রে পরস্তুপ। ভীমো দ্রোণঃ কৃপো দৌণিঃ পৌক্ষযং ভদপুক্তয়ন্। ইতি শীমহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং ছুৰ্যোধন উবাচ। যদ্যের পার্থো রাধেয় কুতং কার্যাং ভবেষাম। জ্ঞাতঃ পুনশ্চরিষ্যাস্থি षोषभाधिकवरभवान्॥ ष्यदेशव कम्डिटमताशः द्वीवरवरमम मानवः। भदेबरत्रमः स्वनिमिटेडः পাভয়িষ্যামি ভূতলে। मम कूर्यासिनका ह

था। अधीकक्षः महस्रः क्क्शरेपः। (६) विक्थर्ड अप्राथमः वांधर्ड। षार्क्कनश्रमा। 📲

বিরাটপর্বপুত্রগোত্ত অর্জ্নপ্শংসায়াং একোনচ্ছারিংশোহ্ধ্যায়ঃ॥

শ্ৰণিত্যুৰ: সমিতং তুলাং অচ্ছেজ্বাণ্ডেজ্বাণিডি ভাবং। (৩) ছণ্বাজ্মমং ভালতুক্সণূশং দীৰ্ম। গ [বি---:৬] ( )) भगानिनीः बङ्गखन्छीय्। এकः भएमहत्यन मण्डिन अकः गाजीकः यद्य भष्डमहत्यन ধ্বজাং শরাশচ শ্রাণাং দিব্যানি কবচানি চ। অত ১০ ভলহাবীব্যং ধয়ুং পার্থস্ত গাভিবম্। সৰ্কায়্খমহামাত্ৰং শত্ৰসমাথকাৱকম্ ( ৩ ) । স্বৰ্ণবিকৃত্তং দিব্যং প্লক্ষমায়তমত্ৰণম্। অকাং रिवमण्याम् म छेवात । छार मधीम्थमम् । शार्ष रिवप्राधिमञ्जीर । स्कृमांतर ममोख्याम गरकाटम नाज्ञिरकाविषम् ॥ ममानिष्डा मग्ना किन्धः षः धन्ःषावजात्रम् । तमानि हि षत्रोग्नानि **ঘাছবিকেণং শত্র**নিছ বিজেষ্যতঃ। তত্মান্ত্মিঞ্যারোহ শ্মীমেতাং পলাশিনীষ্(১)। জন্তাং হি পাতুপুত্রাণাং ধনুংবি নিহিতায়্যত। বুধিষ্ঠিরস্ত ভীমস্ত বীভংসোর্ধময়োক্তথা। একং শভসহত্রেণ সন্মিতং রাষ্ট্রবর্জনম্ (২,)। ব্যায়ামশত (সহ) মত্যর্থং তৃণরাজসমং মহৎ। মেট্য শক্ষয়িত মে বলম্। ভারং বাণি গুকং বোঢ়ং কৃষয়কাণি মনিত্ম্। মম বা

-

どが

बाषशृत्वन मञ्जवकिषमा मका। म्मृहैरस्छ महीदा मार भववाहिमिर्किष (२)। कथ्र छेखत छेवा । व्याचन बुत्क किरमाष्ट्र भत्रीत्रशिष्ठि नः अध्वम्। उपरः त्रांकशूषः वृश्धरमावाठ। स्वश्रिक ल्लाटक्ष् छिटिक्ठ छविषाति। धन्तरम्बनि मा अ जुण मन् म्थ्रामाझः भानिना कथम्। निवस्विधः मन्ना युख्य-मानकः क्रजात्वानिन। ()। मश्का य्विष्ठितक जीमक यमरम्भे उर्थाख्य (विक्रामियरम्भिया) । हेकि आयम्भिया বিরাটপর্বপূত্রকোগ্রহে অন্তদর্শনং নাম চম্বার্ণশত্রমোহ্ধ্যায়ঃ। •। ত। ৰাজগুলেশ মন্তবজবিদা সভা। স্পৃত্তব ভা বা ব্যৱহাৰ্গ্য বৈ কৃষ্বীপাল্ডং বৃহল্গলে। ১ ১ ১ ১

3

স্ধার্থমহামালং মহামালং প্রধানং সমুকং বা মহামালঃ প্রধানে ভালাতে হচ্চিপ্কাধিপ ইতি বেদিনিঃ। (৪) ফ্বৰ্ণিফ্ডং শোভনবৰ্ণ তত্ত্ৰ বিবিধপ্ৰকারেশ কৃতক । ছাক্ৰণ ভীষণং ক্ৰিয়য়। দৰ্শন্য । •।

()) पानक् चोट्टा (१) मनवाहः मुख्याहः [भावः] गापिमिछाभगोतः।

रिख्यः (७) मन्नीतः त्रांस् विमार्ड । माग्रांमः मरण्यतंक्त्य क्रांन कांडि यमिष्यंम् । कथः पार चिक्तिक कर्ष कात्रत्वकः जुनाखकः

रैवज्ञाणिज्ञवभद्धमा । क्षत्रवभाजक्कामा ज्ञाय किथेन् यनक्षग्नः। ष्यवत्त्राभग्न वृष्णांयाष्ट्रन्राणानि मा जित्रम्। भतिरबक्षेनरमण्डमार किन्दिक्षेय वााशासूम्। त्मारशक्ष्णा महाद्यांनि धनुरिष दिवणण्याञ्चन छवाठ ॥ अवगुष्ठः त्र भार्षिन त्रथार क्षक्मा कृष्ठनी। ष्याक्रत्राष्ट्र मत्रीत्रकर পৃথ্বক্ষমাম্। পরিবেষ্টনপঞ্জাণি বিমূচ্য সমূপানয়ৎ। ডডঃ সমহনাজেষাং (৪) পরিমূচ্য সমস্ভতঃ। অপশুদ্গাজিবং ভত্র চতুভিরপরৈঃ সহ ॥ ভেষাং বিমূচ্যমানানাং ধসুষামৰ্কবৰ্চসাম্। বিনিদেকক: প্রভা দিব্যা প্রহাণামূদ্রেষিব। স ডেষাং রূপমালোক্য ভোগিনাসিব জ্উভাম।

Z

(७) मा टैकः मार्टेकरीः। (६) नकः [ नकः] व्यवजीर्य एकः नमस्नारक्याः ध्यताः भक्षताः क्राह्नानि वषनानि । •। কইবোমা ভয়োলিয়া: ফণেন সমণ্ডত । ি তত্পাম্পু আ শক্ষা: স ডদাৰ্জ্নমন্ত্ৰীৎ। সার্থে কিমিদং শেতে নাগেকো বাপি বাধনং।। সংস্পৃত্য ভানি চাপানি ভালুমজি বৃহজি চ। এ কভৈডদ্ধহকত্তমম্ (১)। বারণা যস্ত গৌবণী: পৃষ্ঠে ভাসন্তি দংশিভা:। মৃপার্শং মুগ্রহক্তির জুন জুন বৈরাটিরর্জুনং রাজয়িদং বচনমত্রবীং। ইতি আমিহাভারতে শভসাহত্রাং সংহিতায়াং (১) বিকাৰে। জাত্রপভা শতং যুদ্ধিরপাতিত।। সহ্লকে।টাঃ সৌবধীঃ ক**ৈড্ডেছ্রুক্ত্**যস্। ন্ত ধ্ছৰি কাভিত্ৰপ্ত হ্ৰণ্ড বিন্ধবো নিপাভিত।: অণিতা: এত্ৰত্ম ক্ৰেড্ত স্থত্ন: ন কেবলং বিক্তবং সহস্রানি কোট্য যুত্তাপিতাং কোটিশকোহ্ত্রাপ্রিযাটী সহস্রানি চ তানি কোট্যোহ্পর্কেচ্ছ বিত্যক্:। অধ্যুৎকৰ্বালয়: কোট্য: ইতায়ৱ:। কিলুতা: সহত্ৰকোট্য ইত্যাহ সৌৰণী: স্বৰ্ণনিধিজা:। क्रूवर्गमम् न्यकृषांनत्का यात्रत्य स्वर्षे स्मिकृत्यांकाः अपेवर्गित्यमा वा महद्यत्काक्रियाचाका বৈয়াসিক্যাং বিরাটপক্ৰুত্তরগোতাহে একচখারিংশভ্যোহধায়েঃ 🛚 🛊 🛙

\$ 1.00 M

क्रैण छ ब सुक छ ब म् । छ भनी प्रका छ ब म अ मार्थ सार्थ सार्थ सार्थ मार्थ मार्थ

শোভয়ে কলৈতজমুক্তমম্ (৩)॥ স্ধা। যত্র চ সৌবণ-স্তায়ে। ভাসজি দংশিতাঃ। ডেজসা

প্ৰজন্তে। বৈ কলৈত জনুক্তমম্। শলভা যত্ৰ সৌবণীজপনীয়বিভূষিতাঃ। স্বৰ্মণিচিত্ৰঞ

কলৈডজ্জুকত্মম্ (৪)। ইমে চ কন্ত নারাচাঃ সাহত্রাঃ লোমবাহিনঃ। সমস্তাৎ কলংখীতাগ্রাঃ উপাসকে হিরগায়ে (৫)। বিপাঠাঃ স্থবঃ কভা গাৰ্জ্ব প্রাঃ শিলাশিতাঃ। বয়াহকণিয়ামিআন্ শরান্ ধারয়তে দশ ॥ কভেমে পৃথবো দীঘাঃ সর্কপারশবাঃ শরাঃ (৭) ॥ হারীত্বর্ণাঃ শতশঃ পীতাঃ সর্বায়সাঃ শরাঃ ( ৬ )॥ কন্ডায়মসিতশ্চাপঃ পঞ্শাদি লক্ষণঃ।

メ

विक्यव हेज्जिशाया न यत्नाह्या **खमः**ावाषाद वङ्गयः वा। मह्स्यत्कान्नीत्रज्ञि भार्ठं क्षष्मार्थं षिषीया ছাক্সী।—(২) বারণা গ্লমালা। দংশিত। অণিভাঃ। ্ ৩) তপ্নীয়স্ত স্বৰ্ণস্ট্ৰংগোপকা: কাক-জিয়া ইতি যক্ত প্ৰসিদ্ধিঃ (৪) ফ্ৰৰ্মাণিরচিতঃ শোভনবৰ্মণিরচিতঃ। (৫) লোমবাহিনো জোম-क्यि:। क्लंटरोडर क्रगार मन्तरपोटडटामगार्टः डिमानत्म जुनीद्य। (७) मिनामिडाः मिनाद्रार डिक्यो-

(১১) ভারসাধনং ভারং সাধ্যতীতি পাঞ্নাংশ চর্ঘটোয়ে ব্যালচশকোষ থা হেমবিএছ: হেমচিত্রে

পীতশ্চাকাশসন্নিভ:। কন্স হেমময়ে কোষে স্তত্তে পাবকপ্রভে (১২)। নিক্রিশোইরুং শুক: পীড: শৈক্য:(১৩) পরমনির গ:। ক্সায়মসিত: খড়েগা হেমবিকুভিরাবৃত:।

ইতি জীমহাভারতে শতমাহস্রাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্বপুত্তরপোত্রহে আশীবিষ সমস্পৰ্শ: পরকায় প্রভেদন:। গুকুভারস্থে। দিব্য: সপত্রানাং ভয়প্রদ:। নিদিশক यथा छन्। महा भुहा बृहद्गरम । वित्यर्था स्म भरता कार्छ। मृष्ट्रा मर्काम भर्षा महर ( ১৪ )॥

व्याञ्चसम्मेटन म्विष्ट्यादिरमञ्ज्यायः ॥ + ॥

वृष्त्रतमावाठ ॥ षण्ञाः शुर्कागृष्यः भक्षामनानिवर्षणम् । भाषीवामाङः भाषेत्र लाष्क्र

विभिष्टः पृष्टः। मर्काध्रम्मश्मात् नाष्ट्यक्षश्रकृष्ण्म्। এष्डकृष्ण्मानाखीवः भव्मा-

विश्वरहा वच ( ১২ ) रहममरत्र रहमवहरत मुख्र (माडमजाभष्णित । ( ১७) रैनस्का मोहितम्बः মৰা পুক্ষবন্ধস্থীয়ানং তেন নীয়মানং. শৈক্য: বিচ্ছিক্। ভারম্যীঃ ভদবল্যি শিক্যমিডি কোম্

जिमिषक कथनक ॥ बाह्यवर्गत । • ।

ক্রাপ্তাং বক্লণাচ্চাক্লদর্শনম। পৃক্তিতং স্থরমর্ত্যেমু বিভক্তি পরমং বৃপ্যুং (১)। স্বপার্শ্বং ভীমক্রা সেনস্থ জাতরূপগ্রহং ধন্ম:। যেন পার্থেহেজয়ং কুৎসাং দিলং প্রাচীং পরস্তুপঃ॥ ইন্সংগাপকক্রিক্ সদেতচ্যক্লদর্শনম্। রাজ্যে মুখিন্তিরসৈত্বৈরাটে ধন্মক্ত্রমম্॥ স্ব্যা ষন্মিস্ত্র পৌবর্ণাঃ
-ज्य अक 5 मिछिक वर्षानि (चंडवाइनः। महानीषाः महिक्तवारमङ्ग्रह्मस्वम्। जङ्ग्राभियनः स्र শভ্ৰৈৰ শ্ৰেণ্ডশীতিক পক বৈ। সোমঃ প্ৰশতং রাজা ভ্ৰৈব-বক্লণঃ শতম্॥ পাৰ্থঃ এতদ্ধসহ্সজ্ভ বদা। পূর্কমধারয়ং। ততোহনন্তরমেনাথ প্রজাপতিরধারয়ং। তীণি পঞ্

なべ

(১) এতথ্ৰসহ্মন্ত অন্ধা প্ৰমাধারমং। তভোহ্নজ্বমোবাথ প্ৰজাপতিরধারমং। জীবি পক-শৃতিকৈ শক্তে। শুলিক পঞ্চ। সোমঃ প্ৰশতং রাজা তথৈৰ বক্লণঃ শতং। পাৰ্থ: পঞ্চ ব বিকি

প্রভাসত্তে প্রভাসিন:। ভেক্স। প্রজ্জনন্তে। বৈ নকুলস্তৈদায়্ধ্য। শলভা যত্র সৌবণাস্তিপ-

বর্ণাণি খেতবাহন:। ততোহনত্তরং একপে। ইনত্তর্মতার্ণ:। জীণি ব্রাণি স্র্বাণি মিলিছা প্রধানি अक्षणाकिममम्बनः नाज्ञ এन मम्बनः हिन्दः यञ्जा (६) मर्कणाद्रमनाः मर्कतमोहाः मर्करक्ष्वित्ता ना ৰ্ধাণি। (২) স্প্ৰিংগণ্মা: স্পাকারা: বিষ্ব্ভীৱাত। (৩) বুহিত: ছত: (৪) কলাপ: ভূণ:। एड्य शुक्र्याः मिखाः मताः। नक्रमञ कलारणाध्यः भक्षमार्क्नमञ्जनकः (8)। स्यनारमो व्यस्त्रः कृष्त्राः श्रुकोतीः क्लिमाहत्व । क्लाला त्य्य कस्यामीयात्रीभूज्ञ धीमछः । त्य क्तिम ভাষরাকারা: সর্বপারশ্বা: শ্বা:। এতে চিত্রক্রিয়াপেভা: সহদেবস্ত ধীম্বত: (৫)। বে দীধাশচক্রবিফার্জদর্শনা:। এতে ভীমতা নিশিভা রিপুক্ষয়করা: শরা:। হারিজবর্ণা বে খেডে লোমবাহিন:। এডেইজুনত বৈরাটে শরাঃ সপ্বিষোপমাঃ (২)। এতে জলস্তঃ সংগ্রামে ভেক্তসালীজগামিন:। ভবস্তিবীরতাক্ষ্য্যাব্যত্ত:সম্রে রিপূন্ (৩) 🛚 যে পিমে পৃথবে। কীয়বিচিত্রিভা:। এতমানীস্তত্তাপি সহদেবত কাম্কিম্। যে জিমে কুরসকাশা: সহস্রং দিমে নিশিতা: জীতা: পুথবো দীর্ঘাসম:। হেমশ্লালিপর্বাণো রাজ্ঞ এতে মহাশ্রা:

7

নংশ কোষে নিছিভশ্চিত্রসীবনে। নক্লাইভাষ নিস্তিংশো গুক্তারসহো দৃঢ়: (৬)। বজ্যং মুক্লাশিচত্রকোষশচ হেমংসকরসূত্রম:। নিজিংশ: কোরবলৈষ্য ধর্মরাজন্ত ধীমত:। মন্ত পাঞ্ बक्याः भाग्रका मिर्धः भिनी नृष्ठः भिनी गृथः। ष्यक्निर्धाण्य मध्यात्म क्षक्र नात्रात् । पृष्टः । বৈয়াত কোষ: স্মহান্ ভীমসেনত শায়ক:। গুকভারসহো দিব্য: শাতাবাণা: ভয়হর:।

जी विश्वाः बरक्रमा भरवा त्कारव मर्गानकः। महामवण विरक्षानः मर्ककानमरः मृत्यः। देकि

अभिষ्मित्र ড— বিরাটপর্বপুত্রের গোগ্রহে উদ্ভরতাত্রণশ্নে ত্রিচমারিংশস্তমোহ্ধ্যায়ঃ। ●।

किबकिटशारणकाः जिवाः जिविकिशारियाशाः। (◆) जिविजीवस्न जिव्का मीवनः युष्ठा। धार्ष्यः **उद्मनदा**रम्। न्। विष्यत् (कार्य । • । क्षक्त । त्योगमी वाष भाषानी जीत्रक्र प्रवि विक्षका। किका ठारैकन्त्रमा कृष्ण कार्रेक्टवाब-

Cक्वमा नामरङ्ख्यः। ७९७४४१ विष त्य जग्नाः अष्मगाः त्रर्वत्मय ८७। **अर्क**न छवा । मर्प्यान् বানি মে। একাপ্রমনসো ছবল শৃগুসকং সমাহিত:। অবর্জন: কাজনো জিফু: কিরিটী ক্লিফু: ককোবীভংসুরেব চ। ধনঞ্জয়ন্চ কেনাসি প্রক্রহি মম ভত্তভঃ। শ্রুত। মে ডক্র বীরক্ত জ্ঞানি যদিনে আৰক্ষাং সৰ্কমেৰ ভে । অভক্ন টবাচ। হস্ত ভেহহং সমাচকে দশ নামানি শেকবাহন:। বীভংসুবিজয়: কৃষ্ণ: সব্যসাচী ধনঞ্চ: (১)। উত্তর উবাচ। কেনাসি বিজয়ো নাম কেনাসি খেতবাহন:। কিরীটা কেন নামাসি সব্যসাচী কথং ভবান্। আৰ্জ্বন: ফাজ্বনো পিছতে রসপাচক:। অখবংকাহণ নতুল: সহদেবশ্চ গোকুলে। সৈরিক্রীং শ্রোপদীং বিকি अम्बनम् । वार्ष्ट्न छवा । व्यष्टममान्त्र्यं नः भाषः मकाकाता मृथिछितः। यद्यता भीमत्मन म যজাৰ্থে কীচকা হডা:। উত্তর উবাচ। দশনামানি পাৰ্জ যানি পূৰ্বং ঐভানি মে। প্ৰক্রা-

( )) धनः खन्नजीकि मःकान्नाः वर्णः।

জনপদান্ জিছা বিভয়াদায় কেবলম্। মধ্যে ধনতা ভিন্ধামি ভেনাজ্পাং ধনঞ্জম্ম, । অভিপ্রামি সংপ্রামে যদহং যুদ্ধগুর্মদান্। নাজিছা বিনিবর্তামি তেন মাং বিজয়ং বিছঃ। শ্বেডাঃ কাঞ্চন-

(२) डेड्डाडां ६ श्र्वाडाः कडानीड्यायहः यदः। जाएडा हिमयङः शृष्ठं एडन याः काह्यनः अ नात्कन त्य मखः ब्राएका मानवर्षट्यः। कित्रोहः मृष्ति, स्राणाः ज्यास्य राकित्रोधिनम्। न क्रीराः अ भूक्षाण्याः कास्त्रनीण्यायशः यष्टः। सार्षा श्यियषः शृरष्ठे एषन मार कास्त्रनः विष्टः (१)। भूका স্মাহা রথে মুজাজি মে হয়াং। সংগ্রামে মুধ্যমানত ডেনাহং শেতবাহনঃ। উত্তরাভ্যাঞ্

ক্ট্যামিড্যাই ফ্রেনীড্যাং ফ্রেনেক প্রদৃশী ফ্রেনী নক্রমপি ফ্রেনী ফ্রেনী চ ফ্রেনী চ ইত্যেকশেষাৎ ফাত্তনীভ্যামিতি দ্বপং পঞ্দশী পূর্বাপরা চ ভবতি তে তৎ ইভ্যাকাশ্যামার প্রবাভাা-মিতি এতেন প্ৰতিভ পৌণ্মাসীতি ক্থিতং গুৰুণকত্ত প্ৰ্ৰাণ, উক্তক পক্ষো প্ৰাণ্যো গুৰুত্বকী ৰিছ:। হে উত্তর আভ্যাং ঘাভাঃং ৰক্ষামাণাত্যাং যতে। ব্যাদহং কাত: তেন মামাক্ৰনা ইতি শেষ:।

কর্ম বীভংসং ষ্ধ্যমান: কথঞ্ন। তেন দেবমস্থ্যোষ্ বীভংস্রিভি বিশ্রুত: (৩) केट को दम मिक्ट भो भोभी भाषी वर्ष्य विकर्षत्म। त्छन तम्बर्यसम् मगुमाठी कि माः विष्टः (८) সুষিধ্যাক্ত্রভায়াং (চতুরণায়াং) বর্ণোমে হ্রচিভা যতঃ। করোমি কর্ম শুরুঞ্চেন क्किक्सन সিহিতি বিজ্ঞ ডঃ । কৃক ইভোব দশ্মং নাম চক্রে পিভাম্ম। কৃকাবদাভত সদা প্ৰিয়ছাৰালক্স বৈ।

मामक्ष्मार दिछः ( ६ ) ॥ षाष्ट्रः क्वारमा क्रक्टिका ममनः भाकभामनिः। ८७न प्रतमसूरयात्र्

বৈশশপায়ন উবাচ। ভতঃ পাৰ্থ স বৈরাটিরভাবাদয়-দস্তিকাৎ। অহং ভূমিঞ্যো নাম মাসক ভারভৌ ইতি এতেন সিংহরাশিরব্ধুন:। (৩) বীভংফ্: আর্:। (৪) উভৌ মে গকিপে পানী সাতীবত্ত বিকরণে। তেন দেবমছবোরু সবাসাচীতি মাং বিছঃ। মম উভে) পানী দকিশবামৌ **गांधीयज्ञ विकर्धाः मिक्किमाय्मारक्रो मम्बानिकार्यः वारमनानि उदेषव क्ष्रमार मुबाफ म्राफ्कम्बनार** নায়হৈযণি চোত্তরঃ। দিই্যা হাং পার্প পশুমি যাগতন্তে ধনঞ্জয়। লোহিতাক মহাবাহে সটি কেণক:। (৫) চত্ৰভালাম্সমূৰাভালাং।।। কৰ্জ্নদৰ্নম্।।।

į

ফুদামি ভে শত্রন রহণ রণবিশারদ । বংস্থা ভব মহাযুদে (মহাবাহো) পশ্য মাং শত্রভি: উত্তর উবাচ। আস্থায় বিপূলং বীর রথং সারথিনা ময়া। কতমদ্যাশুসেন্থনীকমূজে। अ जुण बाज्यामाम् १ क्यां ॥ व्यक्त छेवा । बीटिंग शुक्रवताख न छ्यः विसाट छव। मर्दान् সহ। যুধ্যমানং বিমৰ্জেহস্মিন্ কুৰ্বাণং ভৈরবং মহৎ।। এতান্ সৰ্বাল্গাসকান্ কিপ্ৰমাহর বৈশশপায়ন উবাচ। অভ্নতা বচঃ শংখা জ্যাবাছতরতলা। অভ্নতায়্ধান গৃত্ শীজমাৰত রভতঃ। অনজ্ন টবাচ। অবহং বৈ ক্কভিব্যোৎভ্যাম্যকেষ্যামি তে পশ্ন। সংকল্পপক-বিক্লেপং বাহুপ্রাকারভোরণম্ । ত্রিদগুতুণসংবাধমনেকথলজসংকুলম্। জ্যাকেপুণং বিরাটপর্বগুত্তর গোগ্রহে অর্জুনবিজ্ঞানং নাম চতুশ্চভারিংশত্তমেহিধ্যায়ঃ । 🛊 🛚 মে রখে (১)। একং চাহর নিফ্রিশং কাভিত্রপপরিফুভম্॥

( > ) विसार्फ सुरच । डिपानमान् जुनीतान्।

•

কোধকুতং নেমীনিনদগুনুভি:। নগরজে ময়া গুপুং রথোপস্থে ভবিষ্যুতি (২)। অধিষ্ঠিতে। ময়া সজ্ঞো রখো গাণীবধ্বনা ॥ অলেয়ঃ শক্রিসগ্রানাং বৈরাটে ব্যেতু তে ভয়ম্ ॥

উত্তর উবাচ। বিভেমি নাহমেতেষাং জানামি षাং ফ্রিরং যুধি। কেশবেনাপি সংগ্রামে मांकां मिटल वा मयम्। ट्रेमख हि छ प्रत्मवः भित्रमूषामि ८ कवलम्। निम्फन्नः চानि घृत्र्याथा ন গচ্ছামি ক্থঞ্চন। এবং যুক্তাঙ্গরণ্য লক্ষ্টোঃ স্চিত্ত চ। কেন কর্মবিপাকেন क्रीवर्षाममांश्रुषम् ॥ मत्त्र्यः वार क्रीवरवरमन ठत्रस्थः भूलभाभिनम्। शक्तर्यत्राक्रश्रष्टिमः प्रवरः (২) সংক্রপকবিকেপং বাছ্হাক্রিভোরণম্। তিদভত্ণসম্ধ্মনেক্রজসংকুলম্। জ্যাকেপপণং বাণি শতক্রম্(৩)। অর্জুন টবাচ। আতুনিয়োগাজ্জোষ্ঠস্ত সংবৎসরমিদং এতম্।

かなり

কোধকতং নেমীনিনদগুকুভিঃ। নগরতে ময়। গুপুং রুখোণজ্য ভবিষাতি। সংকল্লোমানসং কর্ম সূত্রব পক্ষবিদেশেগ যদিন্ পক: শাখানগ্রং বিকেপজ্জ বিকার: বাছরেব প্রাকারজ্যেরণং যদিন্ জিদশুঃ কিবেগু: তুণ ইযুধি: তাভ্যাং স্থাধম্। জ্যাকেপণ্মেব কোধকুতং কল্লাদি ষ্ডা। নেমী চকাজ্যতা নিনদ এব ছন্দুভিৰ্দিন্। নগৰ্মণ শরীরং রথোপায়ে রথোপরিভাগে গুণ্ডং ভবিয়াভি ডন্মান্না ভৈরিভি ভাব:। (৩) ठर्वापि अम्फर्षाक मठारम्बद्धवीय त्व । नानि क्रीरवा मर्शवाद्ध भव्रवान् धर्ममायुक्तः। সমাগুরতমুতীর্ণ বিদ্ধি মাং দং রূপাত্মক (৪)।

विकि मान्नरथा मिक्किड नन्नभूक्त । यस यारक न भक्कांस्त कृरमो किछा भार भाम (१)। श्वादीतः। प्रमारवः वर्षणान्ददः(६) अङ्कः भवादाः। (७) ङोव्छः धत्ताः डोव्यृतिक्टेकात শুৰোপলাকিতঃ পাণিধিভতেত্তহতোতি বীত্যাদিখাদিনি শূলপাণিনং ছাক্সমো বা ছয়। (৪) পরবান্ नमा रेमवाण माण्यकृषः करनम वन्नवस्त्रम् ॥ स्मार्भा वङ्जि एक भार्षिः मिक्रभामिक्टिका-মে কিছবোমি এবীহি মে॥ অহতে সংগ্রহীয়ামি হয়াপ্তকেরথাককান্। শিকিডো হামি मात्रभार **छोष्**छः शुक्रवर्षछ (७)॥ माक्रत्का वाज्यतम्बण्य घषा भक्रम्भ मार्छानः। **छ**था मार ্র সারণাং ভাপতঃ পুরুষধভ (৬)। দারুকো বাসুদেবত যথা শত্রুত্ত মাভালঃ। জণা মাং ভা বিদ্ধি সারথো শিক্ষিতং নরপুরুব। যন্ত যাতে ন পশুন্তি ভূমৌ ক্ষিপ্তং পদং পদম্ (৭)। ১১ দক্ষিণাং বো ধুরং যুক্তঃ স্থতীবসদৃশো ইয়ঃ। যেহিয়ং ধুরং ধ্বাবরো বামং বহুতি শোভনঃ। छिष्ठत छेराह। भत्रत्मारुश्वरहा त्मर्मा यष्टछार्का न तम त्र्या। न होमुन्नाः क्रीतक्रमा ख्यिंख जू नरवाख्य ( ८ ) । मराध्यानिय तरन यूर्याग्रममदेतद्रिंभ । माथनमः हि व्यनद्वेर তং মজে মেখপুশুশু জাবেন সদৃশং হয়ম্। যোহয়ং কাঞ্চনসন্নতঃ পাঞ্চিং বহুতি শোভনম্।

SV SV

দ্যতঃ (৮)। বলাহকাদ্পি মতঃ স জবে বীধ্যবন্তরঃ। ছবেমবায়ং রথো বোচুং সংগ্রাকে ষ্তিধ্বিনম্। ক্ঞেমং রথমাস্থায় ঘোকুমুহে। মতো মম । বৈশশপাক্সন উবাচ 🖡 ভড়েজ। বিষ্চা বাহুভাাং বলয়ানি স বীৰ্যাবান্। চিত্ৰে ছুন্ছিসন্নাদে প্ৰভাষ্ণস্তলে ভভে (৯) 🕯 कृष्णान् एकिमछः किमाध्य जिलाया वामना (১०)। ष्यभारमो आध्मारमा कृषा कृतिः প্রযতমানস:॥ অভিদগ্রো মহাবাছ: সর্বান্তানি রথোত্তমে। উচ্ন পার্থ: সর্বানি व्याश्रमीनि नृपाश्रक्षम् ॥ हेटम म गत्रामानाः विषयाः पाष्ट्रनम् । व्यप्निष्डा ७७६ भाषः সমালভা চ পাণিন।। সৰ্বাণি মানসানীহ ভব্তেভ্যভাভাষ্ড। প্ৰভিগ্ৰন্থ ভতে।ইন্ধাণি শুরাবিভাষরঃ। (৭) বৃত্ত বাতে গমনে। (৮) পাকিং প্তাৎ ভাগং। অভিডে।ছতঃ অভিতমাকুঞ্জিতঃ द्यक्रडेदमटनोश्चद (১১) ॥ व्यस्थितः उत्रमा कृषा भाशीदः द्रामिकशव्यमुः ॥ खन्छ

क्रिक्टर नागर यज्ञा (३) विश्वृत डाक्ट्रां टीडाग्र्क्डरन खटंडां उटन कार्षाड्यांबरन निनकारक चक्कीवांपरशः वक्षामूष्टिकटगटेरशः। चाावांज्यात्रत्वश् अन् जनः द्वातांज्यिष्रात्रिजि विकः

না হারাশ্চ কৌরবা:। অভএব মহাবাহে। ভীভক্তিষ্ঠামি ডেহগ্রভ:। বৈশশ্পায়ন উবাচ।ভু উবাচ পার্থো মা ভৈষী: প্রহন্ত স্থনবন্তদা। মুধ্যমানত্ত মে বীর গন্ধ্বি: স্মহাবলৈ:।
স্কু সহায়ে বোষ্যাত্রায়াং কন্তাদাসীৎ সধা মম। তথা প্রভিভয়ে ভন্মিন্ দেবদানব-সংকুলে। के ग्रहात्रथान्। कथर त्यवाति त्रःशास्य पर्यन्य । प्रत्यन्य पर्यन्य पर्यन्य पर्यन्य । ষদর্ভূনো ধত্যুংশ্রেষ্ঠং বাহুভ্যামাকিপ্রথে ॥ উত্তর উবাচ। একফ্বং পাঙ্রিব্রেষ্ঠ বহুনেতা-স্নিধাভোহভবদু মিদ্দিকু বায়্ধ্ববৌ ভূশম্। পপাত মহতী চোক। দিশো ন প্রচকাশিরে । লাস্ত্রপ্রভং পস্তদাসীৎ প্রকম্পিতমহাফেমম্। তং শবং কুরবো রাজন্ বিফোটমশনেরিব। রিক্তিপাঘাণক ধনুষোংভূমহাক্ষন:। যথা শৈলক মহত: শৈলেনৈবাভিজনুষা (১২)।

( ১० ) फिक्यण्डः कृष्टिनान्। ( ১১ ) यनशानि छरछिष्ठि मत्नामांवागीनानि वर्षाष्टवमन्भाषकानीछार्षः । ( ১২ ) व्यक्तिषश्च या व्यक्तिका । \*। केवताक्ष्रं नरश्विकाम्। \*।

था ७८ व म्रामानक कछमामी १ मथा मम ॥ निवालक वर्षः मार्कः त्नोत्नारिमक महावरेनः

युषाटको प्रवशास्त्रां कः महाग्रज्ञमाच्यर ॥ यग्नयत्त्र क् भाषांमा। तांकचिः मह मन्नत्त

সিংহলাসুলং ধ্বজং বানরলক্ষণম্। মনসা চিস্তরামাস প্রসাদং পাবক্ষ্ণ্ড চ। স চ ডচ্চিস্তিতং জ্ঞাভা ধৰে ভূডাজ্যচোদয়ং। সপ্তাকাং বিচিতাকং সোপাসকং মহার্বম্। খাং পপাতে वक्रमः भावकरेक्षय कुन्नः कुक्षक माथ्यम्। भिनाकनाभिनरेक्य क्षरम्ভान्न स्याधरम् जन्नः বাহর মে শীলং ব্যেতু ডে মান্সো জরঃ।।।। ইতি জীমহাভারতে বিরাটপর্বণ্যজরগোথাছে যুধাতো বহুভিস্তাত ক: সহায়ন্ত্রদাভবং । উপজীব্য গুরুং দোণা শক্র বৈশ্ববণা ব্যম্।

AAA

রতেখ তুর্ণ দিব্যরূপং মনোরমম্। থবজন্তমাগতং দৃষ্টা দক্ষিণং আনকরোজদা। রথমাস্থায় (३) व्यिष्पात्र श्राशिष्या। বীভংফ্: কৌস্তেয়ঃ শেতবাহন:। বছগোধাসূলিত্রাণা: প্রগৃহীতশরাসন:। ততঃ প্রায়াঘ্দীচীং স কপিথিরেরকেডনঃ। যুনবস্তুং মহাশৃষ্ধং বল্বানরিমদ্দনঃ। প্রাধম্ভলমাস্থার দ্বিতাং लागर्यपम्। ७७८४ करना प्री। काङ्जागगमगरीम्। উত্তরकाणि मञ्जरका রথোপক্ উপাবিশৎ। সংস্থাপ্য চাখান্ কৌতেওয়ং সম্দ্যম চ রশ্মিভি:। উত্তর্ঞ পরিষ্কা ত্ৰ কথা পুৰুষ-শাৰ্দিন শতুনংখা বিষীদসি। শুভভাৱেত শন্ধশক্ষান্চ ভেৱীশক্ষান্ত পুৰুষাঃ।
ত্ৰু কুষ্ণৱাণাঞ্চ নদভাং বুঢ়োনীকৈয়ু ভিষ্ঠভাম্। স জং কথমিহানেন শন্ধশক্ষেন ভীষিতঃ।
এ বিষয়িত্ৰপো বিত্ৰন্তঃ পুকৃষঃ প্ৰাকৃতে। হথা ৮ উত্তির উবাচ। শুভভা মে শন্ধশক্ষান্ত ভেৱী-कार्यायात्रप्रतक्त्र ति । । वर्षत हेवात याटेक्षः त्राक्त्रकादा क्रिवरग्रहित भत्रक्रम्। কথা পুক্ষ-শাদুল নক্ষমধ্যে বিধীদসি। শৃত্তাতে শন্ধশক্ষাক ভেৱীশক্ষাক পুষ্কাঃ। मेक्नोम्ड शुक्रमाः। कुछतानाक नम्डाः वृाज्ञनीत्कम् छिछेछाम्। टेनवःविधः मचनमकः भूता জাতুময়। একতঃ। ধ্বকক চাপি রগংমে দৃষ্টপূৰ্বণ ন হীদৃশম্। ধন্যশচাপি নিৰ্বেষ अम्डिश्टर्वा न त्य कृति । षास्य मच्चण मत्यन समूत्या नियतन । ष्यमासूत्यन मत्यन

(২) রশিরভিরিতি রশিরণাবনবন্দর্শ প্রহ্ইতি ডিল্ডেডার্ণ:। কিরণপ্রতাহৌরশী ইতাম্র:।

প্ৰয়াভন্ত পাথে। বেরাচিমন্তবাৎ ॥ অন্তন্ন ভবাচ ॥ একান্তে রুপমাস্থায় পদ্ধাং ক্ষম্বপাড়ক।

পুচ্ণ রুলীন্ সংঘচ্ত শৰ্ম শ্লাস্থামাহং পুন: ॥ বৈশাস্থায়ন উবাচ। ভতঃ শৰ্মস্পাগ্রাসী
স্থা দারয়ন্ত্র পর্বভান্। দ্বিবভাং ছংশজনকং স্প্রদাং হ্রব্ধনম্ । গুহা পিরীশাঞ্চ ভদা দিশঃ

স্থা শৈলাংজ্পৈত চ। উত্তরুশ্চাপি সংলীনো রুপোপ্স্ছ উপাবিশং। ভত্ত শৰ্ম শংকন

স্থানমিশ্নেন চ। পাণ্ডীব্জ চ ঘোষেণ পৃথিবী সমকন্পত ॥ উত্তরন্ত রূপে দৃষ্ট্র শৰ্মশব্দেন

স্থানমিশ্নেন চ। পাণ্ডীব্জ চ ঘোষেণ পৃথিবী সমকন্পত ॥ উত্তরন্ত রূপে দৃষ্ট্র শৰ্মশব্দেন

স্থানমিশ্নেন চ। পাণ্ডীব্জ চ ঘোষেণ পৃথিবী সমকন্পাত ॥ উত্তরন্ত রূপে দৃষ্ট্র শৰ্মশব্দেন

স্থানমিশ্নেন চ। পাণ্ডীব্জ চ ঘোষেণ পৃথিবী সমকন্পাত ॥ উত্তরন্ত রূপে দৃষ্ট্র শৰ্মশব্দেন न क्षत्रगृष्टि वाष्टिनः। ष्यग्रग्रम् न छायत्त्र मिष्यांष्ट्रम त्यांष्टनम्। व्यष्टामिष्डाक नः मर्क् ষণা মেষ উদীর্যাতে। প্রকশ্যতে যথা ভূমিনিযোগ্জঃ সব্যসাচিন:। শক্ষানি ন প্রকাশক্তে ষুপা ঘোৱনিনাদিন:। ধ্বেদেষ্ চ নিলীয়ন্তে বায়সান্তয় শোভনম্। শাক্নাশ্চাপসব্যা নো त्मिहिछम्। छ। ममावामग्रामाम भूनत्त्रव धनक्षग्नः॥ त्यान छवात ॥ यथा त्रथण निर्पत्तात्वा ভূতানাং ধ্বজবাসিনাম্। রথতা চ নিনাদেন মনো মুহাতি মে ভূশম্। বাাকুলাশ্চ দিশঃ नक्षा क्षमग्रः बाष्डीव त्म । क्षस्क्रम भिह्छाः मक्षा मिरमा न व्यष्टि छाष्टि त्म । गाषीवज्ञ हि भारमन करनी त्य विधित्रकृष्णी। ज्यायर अधिष्णांयस्थ्रमुख्तः युष्कशृष्तिः। म मुशूर्षः প্রয়াভতত পার্থে। বৈরাটিমত্রবীং। অবজ্ন উবাচ। একাত্তে রথমাস্থায় পার্ট্রাং অমবপীড়ের

বেদয়জি মহত্তরম্। পোমায়ুরেষ সেনায়া কবন্দ্ধো প্রধাব্ডি। অনাহ্ড™চ নিজ্ঞাস্তে মহম্বেদয়তে ভয়ম্। ভবতাং রোমকুপানি প্রসূত্রাসূপলক্ষয়ে॥ জবং বিনাশো যুদ্ধেষু ক্ষত্রিয়াণাং

दिवसम्माग्नन छवाछ। ष्यथ घूर्या। सत्ना त्राक्का मगरत जीयगज्दीद। त्यानक त्रक-প্র বাধ্যতে পুতনা তব। বাহনাক্তপ্রহুগীন ক্রমন্তীব বিশাম্পতে। উপাসতে চ সৈত্যানি এ व्यमुख्यत्त । स्म्राजीरिय न क्षकांभारस्य मांक्षा गृगभिष्माः (७)॥ উৎপাত। विविधा प्राप्ता দৃত্যতম ক্রনাশনাঃ। বিশেষত ইহামাকং নিমিভানি বিনাশনে। উজাভিশ্চ প্রদীপ্রাভি-গুধান্তৰ সমস্ততঃ। তব্দ্যাসে বাহিনীং দৃষ্ট্য পাৰ্থবাণপ্ৰপীড়িভাম্॥ পরাভূতা চ নঃ সেনা ত্র) পৃথান্তব সমস্ততঃ। তব্দ্যাসে বাহিনীং দৃষ্ট্ব। পার্থবাগপ্রপীড়িভাম্॥ পরাষ্ট্রতা চনঃ সেনা ভু, ন কশ্চিদ্যোজ্-মিচ্ছতি। বিবর্গমুখ্ছ্যিষ্ঠাঃ সর্বে যোধা বিচেডসঃ॥ গাঃ সংপ্রস্থাপ্য ১১ ডিগ্লমো ব্ঢ়ানীকাঃ প্রহারিণঃ॥ (নদীজ লক্ষেশ-বনারিকে হুজ্জ্যি বয়ং নেষ্যুভি চাদ্যগাবঃ। এমেহিক্সনাবেশধর: প্রমাথী নগাস্ত্রো নাম নগারিফ্নু:)॥ । ॥ ইতি জীমহাভারতে (७) ब्लाडोर्घ न श्रक्षांगत्य हक्ष्य न श्रम्यान । खेरनाङ्किम् । ॥ বিরাটপর্বপুত্র পোগ্রহে ষ্ট্চয়ারিংশভ্যোধ্যায়: । 🛊 ॥

\*

চাসকং। পুনরেব চ বক্ষ্যামি ন হি তৃণ্যামি জং ক্রবন্। পরাজিতৈহি বস্তব্যং তৈশ্চ শাদিদুলং কৃপঞ্চ স্থমহাবলম্। ছুর্ব্যোধন উবাচ। উক্তোহয়মর্থ আচার্য্য ময়া কর্ণেন ববঁতে চ এয়োদশম্। অজ্ঞাতবাদো বীভংফ্রথামাভিঃ সমাগতঃ। অনির্ডেহ্পি দাদশবৎসৱান্। বনে জনপদেহজ্ঞাতৈরেবং হি স পণো হি নঃ । তেষাং ন ভাবলির্ভং निर्वाटम यि वीज्ञ स्यूत्राग्रङः। भूनव्षिमवर्षानि वत्न वरण्यन्धि भाष्ट्याः। लाजावा তে ন জানীয়ুরস্থান্ব। মোহ আবিশং। হীনাভিরিক্তমেতেষাং ভীয়ো বেদিতুম্হতি॥ অৰ্থনান্ত পুনৰৈধি নিভাং ভবতি সংশয়ং। অভ্যথা চিন্তিভো হৃথং পুনৰ্বভি চান্তথা। वर्ष्ट्यं मर्क्यशेष मुक्कक्ति यश्षि कर्षावरमा क्वनाः ॥ छेखतः मार्गयाशानाः मरण्यानाक ষুষ্ৎসভাম্। যদি বীভংফুরায়াভস্তদা কন্তাপরাধুম:। তিপভানাং বয়ং হেভোমৎস্তান্ ৰোজ্মিহাগভাঃ। সংভানাং বিপ্ৰকারাংতে বহুনমাসু কীৰ্ষন্। ভেষাং ভয়াভি-ভূতানাং তদমাভি: প্রতিক্তম্ (১)। প্রথমং তৈগৃহীতব্যং মৎস্তানাং গোধনং মহৎ।

( > ) विश्वकात्राणि विक्रष्ठ शकात्राणि।

व्यक्ति। देमा भारता भृशोखना। भर मर छ भनाः भम्म। एक वा भारता निम्नमाधि मक्षमामभवादक देव ख्या नदेखः ममाश्विम्(२)। च्येमााः भूननमाध्यापिकात्यामिका

পুক্ষসন্ত্ৰমা স্লোণাদয়: ডিঠনীতি ঘূৰ্ণোণনাভিপ্ৰায়: কম্মিন্ প্ৰকাতে বৃত্ত ইত্যাহ তে যা গাব ইত্যাদি তে ক্রিপ্তা নয়িজভীতি বিভক্তিব্যতায়। ধদি বা তথাপি য়েজব্যং প্রাজিত। বা আপ্রাস্থপজায় সংগ্যা ৰপুসন্ধায়েডি পাঠে বুপুগভসন্থিং কুছা মংভোন বিরাটেন সৃষ্ণ স্পতিং সন্ধিং কুর্য়: তথাপি ধোজবামিতি ত্র জাখান্ জেতুমিহায়াভো মংস্থো বা হি থয়ং ভবেং। বংগ্যব রাজা মংহানাং বাদ জু বীভংফ্রাগভ:। সর্বৈর্যোজব্যসমাভিরিভি ন: সময়: কুভ:। অথ ক্যাং ফ্রিভা ১ ১ ১ ছেডে রাখে পুরুষসন্ত্রমা:। ভীলো জোণ: কৃপনৈচ্ব বিক্রো জোণিরেব চ। সন্ত্রান্ত্রমনস: (২) স্মাহিতং প্রতিজ্ঞাতং। (৩) তে বা গাব ইত্যাদি ব্যঙ্গম্মতিধাদ্ধবাং তংক্থমেতে অমুমন্ জেতুমিহায়াভো মংসোবা হি বৃয়ং ভবেং। যদেয়েৰ রাজা মংসানাং যদি ভানপাহায় মংজো জনপদৈ: সহ। সর্ব্যা সেনয়। সাজিং সংবৃতে। ভীমরূপয়া। আয়োতা ্রী কেবলাং রাত্তিমন্মান্ বোজ্মুপাগতঃ। তেয়ামেব মহাবীধ্যঃ কশ্চিদেয়ঃ পুরঃসরঃ (৪)। ৰদি বা তে পরাজিতাঃ॥ অমান্ বা ফুপসন্ধার কুযুঁ/মাংজেন সক্ষতন্(৩)। অথবা

80%

**ভ त्या** छ था नी जिर्दिशी ग्र छ।। द्रिष्ठिः क्र्न्भ्शास त्यार । नर्यर विष्णु छत्र (१)। ष्माष्ट्रिटम त्योषटनश्योक-मणि त्मरवन रक्ति॥ (७)। यरमन वाणि मध्योरम त्या शास्त्रिनश्रुवर **छरवमस्येष्** त्राभग्नः ॥ ज्यार्ग्यात् शृष्ठेष्टः कृषा ज्या जीष्टिविधीग्रष्टाम्। ज्यानाष्टि हि मष्टः टिक्यार मनखामग्रजीय नः ॥ ष्यक्ट्र माध्य मच्योषिमिषकाम्भनक्रा । (हेड्रा हि भाखता নিত্য-মাচার্যাক্ত বিশেষতঃ)। তথাহি দৃষ্ট্র বীভংস্-ম্পায়ান্তঃ প্রশংসতি। যথা সেনা ন আদিশিকা মহারণো গ্রীয়ে শত্রুবশঙ্গকাঃ। যথা ন বিভামেৎ সেনা তথা নীতির্বিধীয়তামু गर्स् कारम सम्मिष्टात्रथाः। जाग्य युक्षारक्ष्र्याशिक ज्याम् अभियाज्ञाम् (८)॥ खांकर । भाँतावाण्डिः व्यश्मानाः ज्यानाः शरम वत्न। त्का कि मौत्वर भागाजीनाः

जारश्रम्। (८) षाश्राचा षात्रमा। (८) उथाचा ट्यपिनीयडाः क्षष्टाडः क्रियङाः। (७) ष्यष ( ৮ ) चारमिन्। महांतरना बौरम भवन्यभः गर्जा न विव्हत्मम्यणा त्मना उपा नीजिषिषोग्रजाम्। चारमिन्नाः (৮)। (আসয়র পরার্থন্চ ক্থাতে ম ষ্য়ং তথা)। অশ্বানাং ব্রেষিতং শ্রুদ্ধা কা প্রশংসা পৌধনে গৃহীতে বা বৰ্জতে বা। ( ৭ ) সৰ্পট্যগুমিতি শেষ: বিষ্ট্ৰিত: বিমন্দিজ: দ্ৰোণ্যচনাণিডিভাষ:। [ fa-sr] ভবেৎ পরে। স্থানে বাপি অকল্ডো বা সদা হে্মজি বাজিন:। সদা চ বায়বো বাজি

ত্ৰ কথঞ্চন (১০)। প্ৰাসাদেষ্ বিচিত্ৰেষ্ গোষ্ঠীষ্পবনেষ্ চ। কথা বিচিত্ৰা: কুৰ্বাণাঃ
১৯ পণ্ডিভাক্ত্ৰ শোভনা:। বহুত্যাশ্চৰ্যাত্ৰপাণি কুৰ্বজ্ঞো জনসংসদি। ইষ্ত্ৰে চারসন্ধানে
১৯ পণ্ডিভাক্ত্ৰ শোভনা: (১১)। পরেষাং বিবয়জ্ঞানে মন্থ্যুচরিভেষ্ চ। হক্তাশ্বরথচর্যাস্থ্ ष्पाहांक्रा दि कांक्रिकाः व्याखांम्हाभाग्निमः। देनछ महाण्डम व्याख मःबाहेगाः **অবিজ্ঞমানাল্লদেশিকা:। বঘা বিদেশীয়া: সেনা শক্তবশং গতা ইত্যত্ত স্বিসৰ্গণাঠে তু ব্যমিত্যধ্যাহাৰ্ম্য।** নিভাং বর্গতি বাসবঃ। স্তনায়ত্বোশ্চ নির্ঘায়ঃ শার্ডে বছশক্তথা। কিমত্র কাষ্যিং পাৰ্থতা কথং বা স প্ৰশত্তে। অত্যত্ৰ কামাণ্ডেমাৰা রোষাধাশাসূকেবলাং (১)। পণ্ডিভান্তত্র শোভনা: (১৩)॥ পণ্ডিতান্ পৃষ্ঠত: কৃষা পরেয়াং শুণ্যাদিন:।

( > ) षष्ण्य कार्यारष्ट्रवाषा (क्यांशारष्टि किताश्चवष्टी (कारश त्वरः उरक्तांभारशस्त्र ( ऽ॰ ) षाक्षांभाष

देखाणि। जान्त्रीमरबा बाहरनानामभन्नीनीनाः। ( ১১ ) हेष्णान्विष्या विष्यिरा नम्नुनिर।

विभीग्रजीर ज्या नीजिर्घया वत्याज देव भन्नः। गांबदेण्डव व्यक्तिमा त्मनार बुर्घ

কুণ ভবাচ। স্মান্ত বিভাগ বাজা মংখ্যান্ত বিভিৎমুরাগভঃ। অহমাবারবিয়ামি কুলেবানবস্থিতান্। (১) যদের রাজা মংখ্যানাং মরাণাং নতপক্ণাম্। নার্জিগছিতামস্থি কুলেবান্ত মকরালয়ম্। মম চাপপ্রমুক্তানাং শ্রাণাং নতপক্ণাম্। নার্জিগছিতামস্থি স্পাণাং সপ্তামিব (২)। কৃষ্পুষাং স্থীক্ষাতা মুক্তা হত্তবভা ময়। ছাদয়ন্ত শ্রাং পার্থ শুলভা ইব পাদ্পম্(৩)। শ্রাণাং প্রস্তুলনাং মৌক্যাভিহতয়া দূচ্ম। শ্রভাং ভন্যোঃ শব্দো ভের্যোরাহতযোরিব (৪)॥ সমাহিতে। হি বীভংসুবর্গণাষ্টো চ পঞ্চ। (১২) ৰিবরজ্ঞানে বিবরং ছিত্রম্। অলসংফ্রেদোবেষ্ অলসংফ্রারে পাকাদিশুণে দোবে লবণাজীণা-কণ উবাচ। সৰ্বানায়ুখতে। ভীতান্ সন্ত্তানিব লক্ষ্যে। অযুদ্ধসনস্থৈত স্ব্বাং-সমস্তুতঃ। আরক্ষাশচ বিধীয়ন্তাং যত্র বোৎতামহে পরান্ (১৪)। 🛊 । ইতি শ্রীমহাভারতে— বিরাটপর্বণ্যভরগোগ্রহে গুর্ঘ্যাধন্রাক্যং নাম সপ্তচ্ছারিংশভযোহ্ধ্যায়ঃ ॥ \* ॥ माबिएका ( ১৪ ) व्यात्रक्ताः ममञ्जाद भत्रिशावाकाः । \*। छ्र्धासनवाकाम् । \*।

<sup>(</sup>२) मर्सानाम्बरः षष्ट्रकणीक्षाम्। (२) षाद्रविनिदृष्टिः। (७) द्वतंत्र मध्रेरक्त। (७)

লাতসেহ™ যুদ্ধেংমিন্ ময়ি সম্প্রিয়াভি (৫)। পাতীভ্তশ কৌস্তেয়ে রাকাণো

শুণবানিব। শরোবান্ প্রতিগৃহতাতু ময়া মুক্তান্ সহস্রশঃ। এষ চৈব মহেষাসন্ত্রিষু লোকেৰু বিক্ষত:। অত্ঞাপি নরশেষ্ঠাদক্রনায়াবর: কচিং (৬)। ইতংশচতশচনিশু জৈ: কাঞ্চন-गींक् बाक्तिकः। मृच्यकांत्रमा देव द्यात्र थरमारिकदिव मःदुष्य् (१)। व्यमार्व्यगयम्बद्याः পুরা বাচা প্রতিভাতম্। ধার্তরাষ্টায় দাত্যামি নিহত্য সমধেংজ্লুন্ম। (মংকাশ্রুক-विमुक्तांनाः मनागाः मङगर्वनाम्। कः मरङ्जाङाङः कृष्ट्रमि मरेर्वः युनाय्रोतः)॥ পুমুশজনানং পুমুলয়ানাং। (৫) জাতমেহ: জাতেজুই। জজক্নাব্যব: জজক্নস্টুশ ইডার্ক:। ভমগ্রিমিব ছ্র্ক্রমিসিশক্তিশ্রেজনম্। পাঞ্বাগ্নিহং দীধং প্রদহন্ত্রিম্বাহ্তম্। অশ্বেপ-রথাদিতিরথং শুরং সর্বশিঅভ্তাং বরম্। বিৰশং পাধ্যাদাজ্যে গক্ষানিব

(७) जब्झू नामवर्शा नाम श्रमान् क्निट। (१) नाज भिष्युटिः।

कामनशामका क्याः मःत्याक्ष्मिवमत्याः। उष्नाधिका ममत्र मूर्याभ्मिनि वामवम्॥ হতাকং বিরগং পার্পং পৌক্তমে প্রতিফ্তিম্। নিঃখসন্তং যথা নাপ-মদ্য পাঠান্ত কৌর্কাঃ # क्ष्यक्रों स् क्षीरेखन उभक्रिंड ( ৮ )। जाहिन् नण क्रोरक्षा क्षिकार्त्र विकारित्रीयहिनार्थ है ष्यम्। धूर्याध्यनकाद् भन्। स्विन छित्रष्टिम्। मम्लम्बनियामि केन्दिः मंख्यम् बीव भूरबादारक। बरक्षेषक्तनिक्रुमान्। अवशास्त्रा महारम्यः भगतिकापि आध्वम्। प्रत्कार्ष्यं ধ্ৰজাগ্ৰে বানর্ডিঞ্ন ভল্লেন নিহতে। ময়। ৷ অদৈয়ব প্তভাং ভূমে। বিনদন্ ভৈরবান্ রবান্ ॥ শত্ৰোশ্যয় বিপয়ানাং ভ্তানাং ধ্ৰক্ৰাসিনাম্। দিশঃ প্ৰভিষ্মানামাজ শক্ষে দিবক্ষমঃ 🖟 কামং গচ্ছত কুরবো ধনমাদায় কেবলম্। রপেষ্ বাগি ভিটভো যুদ্ধং শতাজ মাসকণ্ । •। विमिम्काः भार्षमामीविष्याभगः। भन्नाः ममन्तिमभन्ताः वजीक्षितं भन्नगाः। मृत्किषिर्

ं( १०) श्रुटकिम्देवः मानानित्राः मिषनीक्टेकः । क्यासिटेकिनिकि गोर्ट्यः लोक्टाता वाषाः गरमा बारिका दिन् जात्रक्रिक्शिक। वन्तिकव्यम्। .।

हेष्टि विद्राष्टिन्यस्नु। हद्वाताद्वार कर्निक्षत्मा नाम षष्टेक्षां स्थान्यार्थाप्राधः ॥ 🅦 🖁

কুণ উবাচ। সদৈব তবে রাধেয় মৃত্যে কুরতারা মতি। অব্যানাং প্রকৃতিং বেশ

না পরিচিত্তা ছ ।।।১.
১৬ (১) অর্থানাং প্রকৃতিং বেখ নাছবন্ধং অবেক্সে প্রকৃতিং মূলকরেণং শান্তান্তান্তান্তান্তান্তান্ত্র বর্ষানার হিতি শেষ:। চিন্ধিতা বিমৃত্যাব্ধারিতাঃ সন্তীত্যধন্ধ:।
১৯ নিয় হি বহব: শারাপোর কেবনান্তালিতা বর্জ্যানা ইতি শেষ:। চিন্ধিতা বিমৃত্যাব্ধারিতাঃ সন্তীত্যধন্ধ:।

- নিয় হি বহব: শারাপোর কেবনান্তালিতা বর্জ্যানা ইতি শেষ:। চিন্ধিতা (৪) ভারং হি র্থকার্ম

- নিয় হি বহব: শারাপোর কেবনান্ত্রি আয়ুকুল্যান ক্রিনান্ত্রির বর্ষান্ত্রির ক্রিনান্ত্রির ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্রির ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্রির ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্রির ক্রিনান্ত্র ক্রেনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রেনান্ত্র ক্রেনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত ক্রিনান্ত্র ক্রিনান্ত ক্রিনান্ত ক্রেনান্ত ক্রেনান্ত্র ক্রেনান্ত ক্রিনান্ত্র ক্রিনা (বেংসি) নাস্থবন্ধমবেক্সে (১)। দয়। হি বহব: সন্তি শাল্তমান্ত্ৰিভ্য চিস্তিভা:। তেবাং যুদ্ধ ভ भागिके (दमग्रिक शूर्वादिमः (२)॥ तममकालान मःष्ठ्वनः युक्तः विकाग्रमः छावर। होन-কালং ভদেবেহ কলদং ন ভব্তুতি। দেশে কালে চ বিক্ৰান্তং কল্যাণায় বিধীয়তে। আয়ুকুল্যেন কাৰ্য্যাণামস্তরং সংবিধীয়তে ( ৩ )। ভারং হি রথকারত্ত ন ব্যবস্তাস্তি পণ্ডিভাঃ। ভারং দেশকালাপাত্রাব্যারেণ ব্যাপারকলাপঃ রথকারজ রথিনঃ ন ব্যব্যাভি ন নিশিচ্ছভি পাঙিতা ইত্যপালভে ভৰ্ছিধাঃ য্ৰা কাৰ্যাপাং যুকাদিকাৰ্নানাং কুড্যানাম্ভয়ং প্ৰভাবঃ আছুকুলোনাশ্ৰনোইছ্কুলজেন্

দওনৈত্তকমেণ বিধীয়তে ন ত্ প্রাগেব যুদ্ধং তেষান্ত পাশিষ্ঠভূমিহৈবোক্তভাৎ সন্ধিধানস্থিদিশিক্ষবিধনমুবিত্তিঃ

ন তুডবদিশৈরিডাপাদিতি কুত ইতাত আছ্ ভারং হীজাদি, হি মন্মান্তথকারত ভারং রথচকাদীনাং ঘ্পা-

য়ানং বিজ্ঞানং পণ্ডিডাঃ শাস্ত্রেগ ন ব্যবস্থান্ত, কিন্দু রথকার এব, এডেন ডবান্তরগি সামাণিবিধানং ন জাডামিডি বতঃ ঋশুৰো মুদ্বশৈচৰ সাম্সাধ্যাং প্ৰকীৰ্তিতাঃ। নাপি দান্সাধ্য়ং যৃতঃ ঋশুৰো লোভৰুক্তাণ্ড দান্সাধ্যাঃ স্থায় পানিবুড্ডোপগ্ৰথাৎ, এতৎ প্রিচিন্তা পার্থেন বহু স্থিগাতঃ স্থগ্ডা নোইন্যাকং নঃক্ষঃ ন স্থ অব্দ্বিধা ন ব্যবস্থান্তি অব মতাসুসারিণো বয়মিডাবং। তহি কিং কর্ত্ব্যমিড্যাশ্কারামাহ পরিচিন্তা ডু পার্থেন সন্নিপাতোন নঃ কম ইতি। ইদমজোন্তেরং সামাত্যুপারৈন্তবেশিত্রসংগ্রহাদীনি সাধ্যক্তেন ভাবদর্জুনঃ সামসাধ্যঃ मन नदाः । नाणि एकम्मायाः मम्र्यमञ्जानदार, षाष्ट्रयम्बरिषटेफ्द एकम्माया नदाः मुखाः। नाणि मध-তাৎপর্বাং। অধ্বার্থং কার্যতীতিরথকারঃ ঘটনভোগদেই। সারথিঃ তক্ত ভারং রুপাডোপকারং পাওত।

किंद्राधिक्रोंलिव क्षिक्षः मर्क्यायाष्ट्रं ( १ )। मन्त्रियात्रं वतम कृष्का संकार कर्ति। मर्वाक्ष् (७)। अवेक मंक्यवीनि मेकामधानिक्ष । अवः त्मार्शमधीन् किया क्रेक्ष के हिन्दित । चाक्रशृद्दारश्रह्मारमञ्जय चाक्रशृद्दात् व्याक्रमः मामानेनाभूभावानाः किवर्क्ताः मामगांशा क अस्तिकत्वामासः केलापि अस्तवतः । अस्तिमानसम्बद्धाः अस्तिकतः मक्रवाष्यमः। धरका शक्कवाकामः ठिज्यमममतिकमम्। विक्रिश ७वमा मर्था त्मनार

গুট্ম্টিগ্রা বলী। মহামাণ্ড বলোপেত্তেনাশকোংহমজ্জুনঃ। জতঃ সামায়াপাধৈরশকোট্র-जावकत्राधा हेजामि भूर्ववर। न टिमायक उत्तर्मि भीरक हेर्ज्यन वर्ष्टा । केकिक पूर्वभाषि क्राधिक মক্র ইতি সামাদ্যপায়: কম্যোগেন চ কর্পণাং মিত্রসংগ্রহাদিকাধ্যাগাং সংবিধীরতে। সংশিধানামিতি नार्क न क मार्गमामारभक्षित धवायः, भाव हिङ्ख्यादिवत्राज्ञाथाभिष्विषि, ष्राकः क्षांक्रिक्षेत्रारंशाक्षि खाबर शैकि खेळार्थः। उत्पार त्यान এव भयानमानामिछिः भरवर्षनीय हेि छायः। अटैक्टंक्टन्छि भाक्र পাৰ্ম ন চ স্কাদজো দঙ: সভাবতি ভলাপি ন চাজ ভীম: প্ৰভিষোগী শিশভিসাধাৰাং, নাপি কৰোঁ মুণিয়াৎ, ন চাপাযুধামা পাথেন সহ সঞাত হাদিয়াৎ, তদাৎ লোণসায়ং ভারো নাজাস ইভ্যভিলেড্যাই मारीयांच् काष्टिकांचि मर्षद्वनीय होक काद महारयतनङाच्छ । ( ६ ) मन्तर कियांच्छिनिक कंचर । (क)

454

মিচ্ছসি। সমিদ্ধং পাবকঞাপি দুত্তমেদোবসাহত্তম্। ঘৃতাক্ত\*চীরবাসাত্তং মধ্যেনান্তর্জ্ मिक्छिति। जाज्ञानः कः ममुस्तमा कर्षे वक्षा महाभिनाम्। ममुखः थाख्राकार्मागाः ख्य কিয়াম পৌক্ষম্॥ অকুভাত্রং কুভাত্তং বৈ বলবস্তং সূত্ৰ্বল:। ভাদৃশং কৰ্ য: পাৰ্থং त्वाक् मिरक्टर म धूर्याणिः॥ षात्राण्टिर्श्य निकृष्ण वर्षाणीर जारग्रामम् (৮)। निरश् প্রাণ্য সুষ্ঠ্যাম্। ছথা নিবাতক্বচা: কালক্ঞান্চ দানবা:। দৈবভৈরণাবধ্যাত্তে একেন যুধি পাডিডা: ॥ একেন হি ছয়া কৰ্ কিন্নামেহ কুজং পুরা। একৈকেন যথা তেন ভূমিপাল বনীকৃতা:। ইত্রোহণি ন হি গুণাথেন সংযুগে বোদ্ধুমহতি। যজেনাশংসতে যুদ্ধং কর্ত্বু मृखगरुषका।। जानीविषञक्षज्ञ भानिमुनामा निक्निम्। ष्यवस्ता (मूठा) व्यरम्भिना निक्रीमा-দাত্মিচেসি (৭)। অথবা কৃঞ্জরং মত্ত মেক এব চরন্ বনে। অনকুশঃ সমাকৃত্য নগরং গন্ত-পাশবিনিষুজ্জো ন নঃ শেষং করিষাতি॥ একাজে পার্থমাসীনং কুপেইগ্রিমিব সংবৃত্তম্।

কুকোই আইনঃ। (१) কৃষ্ণং অবমুব্য অভিভূষ এবে শিকাসুঠানত রডজাকুণ্য। (৮) নিকৃতো বজিতঃ।

चंकीनिम्छायकेना टीली: (या छ्यमुख्यम्। मह य्यापट् भिष्मांभंडः युक्किन्मिम् (३)।

मिरवामा छत्र। बंख्याः व्यक्षिय्रधाम जिल्हेम माश्का यमि। ब्रागिनीकानि रमज्ञानि बछा खिछे हु भषिनः। यूशा गरहरू ज्यूनः मत्था मानवा वानवः यथा ॥०॥ ट्रिज जीमहा छात्र ज्ञा रिनमाछिष्टेच मन्नका वृष्टानीकाः श्रद्यात्रियः। त्यात्या प्रत्यापत्तां जीत्मा ज्वान् त्योगिछ्या वक्षभं। महंकी क्षामारङ भाषी कर्नमा माहमा कृषाः॥ वग्म व्यवमित्नाः भाषी वेर्नभाषि-ঋষ্ণামোবাচ। ন চ ভাবভিভত। গাবে। ন চ সীমান্তরং গভা:। ন হান্তিনপূর্বং क्लाशांकुल कर्न विकथरम (১)। मध्यामान् ख्रव्यून् किका मक्रां ह दिश्रुका धनम् বিরাটশক্তাত্তর গোগ্রহে কুপবাক্যং নাম একোনপকাশভ্যোহ্য্যায়ঃ॥ • ॥

**%**28

- ( २ ) व्याज्यक्षमा व्यापा । । कृषावाकाम्। ।।
- बांगों बेशिंड जिविशाः शुक्रवी छविषाः यश्याः वश्यारक्षिछ एव गा खिंदा परम्माण्यियाः क्रेंबिंड उडे (১) ন চ ভাবজিভা গাবোন চ দীমালং গভা:। ন হাত্তিনপুরং প্রাপ্তাত্তত্ত্ব কর্ণ বিকথসে। আম্ম-
- द्भार छिषार मटधानाटशोक्छत्रक्र विक्थत्र प्राचरता (३) चाजानर त्राह्यक्ष्योपः व्याप्तारंपक्ष्यो

বিজিভ্য চ পরাং সেনাং নাছ: কিঞ্চন পৌক্ষং (২)। দহত্যগ্লিরবাকাস্ত তুফীং ভাতি দিবাকর:(৩)। তৃকীং ধারয়তে লোকান্ বসুধা সিচরাচরান্। চাতুর্বর্ণস্থ কুর্মাণি পচতি তুওলান বিক্লেণ করোতি পচতিহানে দহতীতি পঠাতে। (৪) চাত্র্বপ্স চত্ত্বাং ঝান্সণাদীনাং मनीविज्यिषांतिष्ठः अधक्षक्षांनि त्वत्ताकानि क्ष्मीनि ष्यव्या अभवषानः कर्षं कात्रतः । (६) देत्रज्ञीः विহিতানি মনীবিভি:। বলৈধিদিহ কর্তাব্যং যচ্চ ক্ৰ্বন্ন মুষাভি (৪)। জ্বাজ্য ব্ৰাক্ষণো বেদান্ বাজায়েত যজেত বা। ক্ষতিয়োধুলুরাশিতা যজেকৈব ন যাজয়েং। বৈভোহ্যিগম্য विखानि वक्तकभानि कात्रहार ॥ मृषः कृष्णेयशार्डेक्य्राण्डिष् यर्शंत्र् निष्ठामः॥ यम्बन् त्यागिविषि ज्दिक जी: दृष्टिमास्टिः ( ८ )। वर्षमान। यथाभाक्षः व्याभा गाभि मही मिमाम्। সংক্ৰিজি মহাভাগা গুকন্ স্বিশুণানপি ( ৬ )॥ প্ৰাপ্য স্তেন কো রাজাং ক্লিয়ক্সজি-কৃষ। ইত্যভিপ্রায়েণাহ: কিঞ্ন পৌরধমিতি মহাপ্রভাব। ইতি ভাষ:। ( ৩ ) ভঞ দুই।জয়কৈ গচজীত্যারি कुखिः প্ৰপ্তিং। (৬) ভক্নু মহত্মান্ পাপোত্যবঃ: স্বিভগান্ শক্ৰুতি জেত্মিতি শেয়। বৰ্ষয়ভ ইড়ি नार्टर व्यक्ति वर्षम् हेडार्पः। (१)

456

ভথৈব ক্তমদ্ যুদ্ধং যদ্মিন্ ক্ষণা জিতা পুরা। একবস্তা সভাং নীতা চুষ্টকৰ্মন্

त्रक्षयमा। मुस्राम्याः भट्ट कृष्ठः मात्राथी हम्मनः यथा। कर्षा कार्यकात्रयशः भ्त (स्व )

কৃমিন্ ভীমো বা বুলিনাং বরঃ। ইত্রপ্রত্যং ভ্যা কমিন্ সংগ্রামে বিজিতং পূরা।

かへく

ভত্ত কিং বিছুরোইবাবীং (৮)। যথাশক্তি মনুষ্যাণাং কাম-মালক্ষ্যামহে। অন্যোষাট্কব ' কৰ্ণ এষাং পাঞ্বানাং মূলমাদাম্ গৈতৃকং বাজ্যং কুতং হিল্লং দূটেভনাপস্ততমিভাণঃ। যথা সারাধী চন্দনং কৃষ্ণতি তথা মুমাভিঃ কুভমিতি যো স্ব্যায়েই কুণরিণতো ভাগ: অথবা রস: সারো গজো বা ধনং বা কিঞ্চ কর্ম কার-তথা পাথেষু তেন প্ৰকাবেণ লকেষু বৈতংসিকঃ। (৮)ইদানীং দ্যতমায়য়া রাজ্যাদিহ্রণং আরয়য়াহ স্কমেমাং মহৎ ক্লডং সারাধী চন্দনং ঘণা। কৰ্মকার্যণা: শ্র ভত্ত কিং বিহুরোহ্রবীৎ। হে স্কুজ রাধেয় ৰুখাঃ ছুৰ্বোষ্ণ ৰাৱা সুমাৰ্কভাং বেখ প্ৰৈয়ভ শীৰ্মিভ্যাদিভিব্কিয়ঃ সৌপদ্যাঃ দাভাং কৰ্মকারয়খাঃ কারিজ-

সন্থানামণি কীটণিশীলিকৈঃ। ভৌণদ্যান্তং পরিক্লেশং ন ক্ষন্তং পাণ্ডবোহর্গতি। ক্ষয়ায়

ঋত্মদীয়বনবাসাদিত্যধানাং তুর্বোধনম্। অথবা এবাং সৈল্ঞানাং মূলং প্রধানং তমেব কৃত্তন্ ভবিষ্যামি ইজি শেকঃ। জিভকাশী ভবিষ্যামীতি বা, হথা বনং প্ৰবিষ্ট: কন্চিং বৃদ্যাণাং মধ্যে সারাধী বহুমূল্যাথী বৃদ্যান্তান্ বৈরাজ্তকরণো জিফুন নঃ শেষ্দ্ররিয়ুভি॥ নৈষ দেবাল গন্ধর্কাল চ রাক্ষ্সান্। শারিরাষ্ট্রানাং প্রাষ্চ্ভূতো ধনজয়ঃ (১)। জংপুনঃ পণ্ডিতো ভূজা বাচং বজনুমিহেচছদি।

বিহায় চদনমেৰ ছিনতি কিম্ভিরশাভিন'কুতৈরিতি ভাব:। তত্মাৎ প্রথমটেতরনয়: বত্মাদয়ং সূৰ্বোধন: কৰ্কার ইব রিটিকার: অধীরোহ্পজিডচেক্লো বা ঘড়ো ভীলাদীন্ বিহায় যথাণরক্ষাপর: শলায়তে।

424

72 এ পাণ্ডব:। যথা ত্বমকরোপ্তি-মিল্লপ্রহং যথা—হর: (১১)। যথা নৈযী: সভাং কৃষ্ণাং ভুঁতপা যুধ্যে পাণ্ডবম্। অয়স্তে মাতুল: প্রাজ্ঞ: ক্ষাত্রধর্মস্ত কোবিদ:। চুদ্তিদেয়ী এ পাকার: শকুনির্ধ্তোমিহ। নাক্ষান্ কিপতি গাণ্ডীবং ন কৃতং ঘাণরং ন চ। জলভো তুক্ষং গকড়বেগো বা বিনিহত্য ডমেষ্যুতি (১০)। पण्डा বিশিষ্টং বীর্যোণ ভয়াদিহ ন ষুধ্যেত কৃত্তীপুতো ধনপ্পয়:। মং ষমেষোহভিসংকুদা: সংগ্রামে নিপ্ডিষাভি। बङ्घामत्रत्रोष्ट्रेममम्। वाञ्चास्यममः मुष्क कः भाषाः क्षा न भुक्तमः॥ हेनायन দৈবং যুধোত মাগ্ৰবেণ তু মাগ্ৰযম্। আল্ৰেণাল্ৰং সমাহজাৎ কোহৰ্জ্জনেন সমঃ পুমান্। পুতাদনস্তরং শিষ্য ইতি ধর্মবিদো বিছঃ। এতে নাপি নিমিতেন প্রিয়ো ডোণস্ত

নিশিভান্ বাণাংতীক্ষান্ কিপতি গাণ্ডিবম্ (১২)। নহি গাণ্ডীব-নিৰ্দুকো গাৰ্জুপত্ৰাঃ ভদিভি তত্ত্ব মূভকালে সভায়াং কিং বিহুবো নাববীৎ কি নাভিহিভং প্রমপ্ডিভেন বিহুরেণ হুর্ধ্যোধনো ক্লেশীনাং মূলমিভাবধারয়। লজিবতা গুক্পাদানাং ক্লেশনো বৈরক্তৎ প্যানিতি ভাবঃ। (১) কভাং সোচুং। (১০) নিপতিষ্যতি নিশ্চয়েন গ্যিষ্যতি। গল্ডো বা বাশক্ ইবার্থে(১১) ষথাহ্য: ধেষ্চ্রঃ

नोकः (मारक्य-मनमाम्। मरक्या श्रमाणित्रायारमा ममानक्ष्य-मनमारनम् । हेजि कर्णः शुरुष श्रदिशियनभाष् ( ১২ ) श्रीनश्रश्लिष्मज्ञाङ् नाष्कान् क्षिन्छ आधीयः न कुछः षाणद्रः न 5। অংগতে। নিশিতান্ বাণান্ তীক্ষন্ কিণতি গাওিবম্। গাতীবমজ্নধয়ঃ অকান্পাশকান্ম কিপতি কিং কিপভিত্যাহ বাণানিতি নিশিতান্ শাণেন তন্কতান্ শতএব তীক্ষান্। কতং যুগেইলমৰ্থে চেভি মোদিনী। বাপরৌ যুগসংশগাবিত্যমরঃ। কুতমেকং কৃক্ষং হাপরং বিভীয়কং ন ক্রিপ্উডি)বংঃ। ন কৃষ্ডেনে কুষ্∫েরতে কচিতেত্বং ন তু কেত্রো ধনঞ্যঃ। যথা সভায়াং দৃতিং पং মাতুলেন সহাক্রো:। ডথা মুধ্যস্ব সংগ্রামে সৌবলেন সূরক্ষিত:। মুধ্যস্তাং কামভো যোধা ভীম উবাচ। সাধু পত্যতি বৈ দ্রোণঃ কৃপশ্চ সাধু পত্যতি। কর্ণস্ত ক্ষত্রধূর্মেণ যথাবদ্-বেন শকুনিঘারা জেঘ্যভীতিভাব:, ন ঘাপরং সংশয়ং তৎকারিণং বা শরং ক্ষিপতি এবং তেহি সংশরষব্যবং। क्टरज्बनाः । षष्टरत्रवर्जिष्टेरङ्ग गित्रौगामि गात्रगाः । षञ्जकः भेरत्ना मृज्जव्याधिर्वज्यामुषः । শ্ৰীমহাভারতে বিরাটপর্বপু্ত্তরগোত্রহেংখ্থাম ভৎ সন্বাক্য নাম পঞ্চাশন্ত্যোয়ঃ ॥\*।  रयांक्रमही । कांठार्या नांडिर्याक्रताः शुक्राय विकानका। रम्भकारमी ह्र मारशिका ज्ञ न अमूर्य । ११७७:॥ यार्ष मत्यं विमूश्यि त्यश्नि भर्षावित्ना कनाः॥ जन्मायाक्रम् त्यांक्रतामिक तम मिकः (১)॥ यश प्रीजमाः शक मश्राः मुाः क्रानिनः। कथमजूनिता

নুভবভা সর্বমাচার্বোণ কুপেশ চ॥ ভবভাং হি কুভাস্ত্রভাং য্থাদিভো প্রভা ভ্রা। য্থা এ চন্দ্রমসো লক্ষ্মী: সর্ব্যা নাপকুষ্যতে ॥ এবং ভবংসু বালাগাং ব্যমাস্ত্রক প্রভিক্তিম্। চষ্যর ১৯ একভো বেদাং কার্মেক্ত দ্তাতে ॥ নৈতংসমস্তম্ভরং ক্রিংশিচদস্ত্রভাগং। অস্ত্র পুত্র ক্ষমভাং মহৎ কার্যমুপস্থিতম্॥ নায়ং কালো বিরোধস্ত কোন্তেরের সমুপস্থিতে। কন্তব্যং অবৌদ্যোতজাকাল্ডে যদি রোচতে ॥ কৰ্ণোহি যদ্বোচকাং ডেজঃসংজননায় তৎ। আচাধ্য-ভবতা সর্ধমাচারোণ কুপেণ চ॥ ভবতাং হি কৃতাস্ত্রকাৎ যথাদিতো প্রভা তথা। যথা ভারভাচার্যাৎ সপুত্রাদিতি মে নতিঃ॥ ব্রহ্মাত্রং হৈব বেদাশ্চ নৈতদভাত্র দৃভাতে। অভাত্র ভামদগ্যয়েতে রাজন্কো ভোগাদ্ধিকো ভবেং॥ আচাধ্যপুত্র কংন্তাং নায়ং কালঃ ভারভাচার্যাৎ জোণাৎ পুরুষসভ্যাৎ॥ বেদা্ডা•চ পুরাণানি ইতিহাসং পুরাভনম্।

( ১ ) जान्तिमकरत्या न त्कक्ष्याः नाज्ञियांक्त्यां हिन् मा भार्यः।

নায়ং সমাষ্ধে (শ্বা) দার্তিরাষ্ট্র: কথঞ্ন। বথা চ ন পরাজহাত্তথা নীভিবিধীয়তাম্। উক্তং ক্ষময়ামাস ভারত। সহ কর্ণেন ভীয়েণ ক্পেণ চ মহাজ্যনা। জোণ উবাচ। যদেব বন্বাসে হানিবুতে দশ্যের ধনজয়ঃ। ধনং বালভমানোহত নাদ্য তং ককমেহতি।। যথা কভেদনে। সংক্ৰে সংহত্তা যুধ্যামঃ পাকশাসনিমাগতম্। বলস্ত ব্যসনানীহ বাহ্যজোনি বদেং। তুর্য্যোধন উবাচ। আচাব্য এম ক্ষমতাং শান্তিরত্র বিধীয়তাম্। আকিপ্যমাণে তুভারৌ ভদ্তং রোঘকারিতম্ (২)। বৈশশ্পায়ন উবাচ। ততো চ্রোগ্রোধনো ঘোণং क्षथमः वाकाः जीषः आस्त्रनत्याध्यतीर। टिल्निवाहः वामत्माशिषा नीष्टित्रक विषीष्ठषाम्॥ यथा घूरर्यामनः भाषेः त्नाभमर्गिङ मन्नरत । मार्गम्यमि वा त्याराखषा नौडिविधीग्रडाम् । भरकात्रभि खना वांगा त्नाया वांगा खरतात्रिन। मर्क्या मर्क्यास्त्रम भूष्व मिरमा विकः मनीविध्ः। ग्र्था ८७८म। हि ८७याम् भाभिर्छ। विष्याः मछः॥ ष्यम्थारमायाज्ञ॥ নৈব জ্যায়ামিদং বাচ্যমমাকং পুরুষধিত। কিন্তু রোষপারীতেন গুরুণা তাযিতা গুণা:।।

<sup>∴ (</sup>২) অভিষয়মানে ভরৌ তদ্ভং রোষকারিতমিতি তদেবাচাধ্যকেপণং বৃত্তং যাসন্ বোধকারিতমিদ্য ।

(৩) হীনাভিগ্নিকমেভেষাং ভীঘো বেদিতুম্ইতীতি উকং ছ্ৰোম্বনেন হীনাভিগ্নিকৰং নিৰ্গাগ্ৰ নক্ষতাণি গ্রহান্তথা (১)। ঋতবশ্চাণি যুজ্যয়ে ডঝা সংবৎসরাণাণি। এবং কালবিভাপেন স তুকালচক্রং প্রবর্জতে (২)॥ ডেবাং কালাভিরেকেণ জোভিষাঞ্বাজিকাথ। পঞ্চেম পঞ্চম শু (১) তথৈৰ ফুটীকরোজি। কালভন্তাভয়্যাকে মূহ্ৰাক দিনানি চ ইত্যাদিনা মূহতি ইত্যাপলন্দং भाउन्पर्या व्यवः कार्माविकारम् कामठकः व्यवक्टि हो ख्वः कारम् कार्मावकारम् मृङ्कामिरुक्तम নিমেষাদ্ধোষ্পিবিজেজয়া:। হে ভাত হুৰ্গাধন এতে মুহূৰ্নিয়ঃ সংবংসরাজয়: কালতঃ কালেন যুক্তাজে কালেন সংবদ্ধ। ইতাৰ্ণ:। (২) ততো মূহ্ঠাদিভেদাৎ কালোহণি ভিদাতে ইত্যুপচারবীকামিত ভাৎপধ্য, একৰ্যক্ত: ভবতি নিমেষাদিব্যবহার: কালেন তাৰং ৰিগুণ:, ভ্যাহি চকু:পল্মচলনাদিকিয়াভেলেন ভিদ্যতে, 'ভীখ উবচে। কালতত্তাত যুজ্যেয়ে মুহূৰ্লা∗চ দিনানিচ। অধিমাসাশচ মুছ্ৰিক কালতা মুধায়। বৃত্তা। ন ঘটতে কিন্তুপচাৱেণ। স্ৰোণ্বাকাং।

マペ

হর্ষ্যোধনেনাপি পুরস্তাঘাক্যমীদুশাম্। তদকুণ্মুভাগাদেয় যথাবদ্ধজ্বমুহসি (৩)॥०॥ ইজি

ক্ষাং যুগাভবেগা রাজা ক্যাজ্যেইংস্পায়তঃ ॥ অফুকাট্শ্চব কোল্ডেয়াঃ কৃতবস্তুশ্চ চুক্তরম্।

ব চাপি কেবলং রাজ্যমিচ্ছেয়ুন্তেইংস্পায়তঃ ॥ তদৈব তে হি বিক্রান্ত্র-মীয়ুং কৌরবনন্দনাঃ।

ব প্রাশাশনিবছান্তে ন চেলুং ক্লিয়েব্রভাৎ (৪) ॥ ভচ্চান্ত্যিতি ধ্যায়েশ্ যঃ স গচ্ছেৎ

প্রাভবম্। রুণুয়্মরণং পার্থা নান্তন্ত ক্থকন ॥ প্রাণ্ডে কালে ত্ প্রাপ্তব্যং নোৎস্জেয়্ন্

ক্রী ক্লিচকং ক্লিসমূহং প্রবর্জতে ইতি। চক্কং কোষে প্যান্ ক্লীবং ব্রেজ সৈন্তর্গাশ্বরেভি মেদিনী। (७) कानाज्ञिददरक्त कानापिरकान। भक्ष्य भक्ष्य दार्व (षो यात्रात्नुभीष्रज्ञः। এषायभाषिका गात्राः भष छ षामभक्षभाः। बारशामभानाः वर्षामािर्माठ (स वर्षट् मण्डः। উপচীयुकः छ्रभिरायुक् छान्त्रभः भन्देषभारः। जेगदीमरु हेजि भाटं जिल्लार्जिला छन्धौजि षिर्व अक्ष्यहमः अल्जाहोषणार्श्वातास्त्रका ৰূৰ্যে ছৌ মাসাবুপচীয়তঃ॥ ডেম্বামপ্যধিকা মাসাঃ পঞ্চ দ্বাদশক্ষপাঃ। ব্যোদশানাং বৰ্ষাণামিজি মে বৰ্জতে মজিঃ (৩)॥ সৰ্ববং য্থাবচ্চরিজং যদ্যদেভিঃ প্রতিশ্রজম্। এবমে-ভদ্ঞবং জ্ঞাছা ততো বীভংসুৱাগতঃ॥ সর্পে চৈব মহাত্মানঃ সর্পে ধর্মাধ্কেনবিদাঃ। ফোরাং যুষিষ্টিরো রাজা কমাজমেইপরাধুরুঃ॥ অক্রনিশ্চিব কৌজেয়াঃ কুভবস্তুশ্চ ঘুক্তরম্।

बद्यामाधिकवाम्मवरनरेत्रवात्राममवर्षाति छवस्त्रीं अरक्षभः। (४) विकास्त्रीमः जेष्कन् किन्तं भिष्तक्रम्

9/

ন্রৰভা:। অধি বজ্বভ্তা গুণ্ড, তথাবীধ্যা হি পাণ্ডবা:। প্রতিষ্ধোম সময়ে সর্বন্ধন্ত্র-कृष्टोः यत्रम्। जन्माम्यम्य कनाामः नाह्य महित्रकृष्टिषम्॥ ज्यम् विभीग्रष्ठाः नीष्टः मा ना

खर्पीरे जागा सम्मा महि मणामि मरवारम कमा जिम्ले को बर्ग व का खिनि कि त्रोष्टिस मःथारक्षा हि सनक्षयः ॥ मःथरूर् क् मोथारम ভावाडारने क्यांकर्यो (७)। ক্র ক্রিয়ভামাণ্ড রাজেক্স সম্প্রাপ্তো হি ধনগুরঃ॥ তুর্ব্যোধন উবাচ। নাহং রাজ্যং প্রদাস্তামি ভুগ পাণ্ডবানাং পিভামহ। যুদ্ধাবচরিতং যত্তু ভচ্ছীন্তং সংবিধীয়ভাষ্। ভীত্ম উবাচ। অত্র কীমামামিকা বুলিঃ শুরুতাং যদি রোচতে। সর্বথা হি ময়া শ্রেয়ো বক্লব্যং কুরুনন্দন॥ অবভীমেকং সপুশতে। দৃষ্টমেতদসংশয্য ॥ তিমাদ্যুকাবচরিতং কৰা বা ধৰ্মপ্ছিতম্ (৭)। ক্ষিতাং বলচতুর্ভাগং গৃহগু গচহু পুরং প্রতি। ততোহপরশচতুর্ভাগো গাঃ সমাদায় গচ্ছতু। প্রভিযোৎভাম বীভংফ্মাগতং কুতনিশ্চয়ন্। মংজং বা পুনরায়াভ-মাগতং বা শতক্রভুম্। বয়স্ত্ৰেনি শৈত্যেন প্ৰতিযোগতাম পাণ্ডবম্। অহং লোণশচ কৰ্শচ অৰ্থামা কৃপস্তথা।

844

সংৰদ্ধা ন চলিতৰভো নিয়মাদিতি ভাব:। (৫) ব্যভাগাৎ গচ্ছেৎ। (৬) ভাৰাভাবে । জীবিত-

অহমাবারয়িয়ামি বেলেৰ মকরালয়ম্। বৈশশ্পায়ন উবাচ। ভছাক্যং ক্রন্তে ভেষাং

रिवमम्भाग्नन छवाछ। এवर वृह्छम्नीत्कम् त्कोन्नत्वरोग्नमं श्वान्नरेथः। छेनाग्नामर्क्यन्छर्नर রথঘোষেণ নাদয়ন্। দদৃভতে ধবজাতাং বৈ শুউচব্শচ রথকাম্। দোধ্যমানতা ভূশং गासीयण চ नियमम्॥ उउत्यस मर्समात्माका त्यात्मा वठनमवनीद। महात्रथमभूथाधः উবাচ। আচাৰ্যোমধ্যতবিষ্ঠ-ক্ষথামাতু সব্যতঃ। কৃপঃ শারঘতো ধীমান্পার্খং বক্ষত্ দক্ষিণ্য। অগ্রত: স্তপুলস্ত কণিডিউত্দংশিত:। অহং সর্বাভ সৈশ্রস্ত পশ্চং স্থাতামি भामग्रन्॥ •॥ हेजि वित्राष्टेभर्वजुष्डतत्राधार्ट जीयरिमण्युर्घ विभक्षाभष्डरमारुधारिः ॥ 🗱 ভীমেণোজং মহাজুন। (৮)। তথাহি কৃতবান্ রাজা কৌরবাণামনস্তরম্। ভীম: শেষ্টাপ্য রাজানং গোধনং তদনস্ভরম্। সেনাম্থ্যান্ ব্যবহাপা বৃহ্তিৎ সংপ্রচক্রমে। ভীম

226

মরণে। (৭) দৃষ্টং নিশ্চিতং যুদ্ধাবচরিত্তং যুদ্ধোচিতং। (৮) কৃদ্ধচে ক্চিডবং। \*। ভীমণাকাম। •।

দুষ্টা গাডীবধ্যিনম্॥ ফোণ উবাচ। এতদ্ধক্জাগ্ৰং পাৰ্থতা দূৱত: সম্প্ৰকাশতে। এয় ঘোষ:

সজ্লদো(জো) রোরবীভি চ বালর: (১) । এষ ভিটন্রথজোচে রথী রথবরপ্র (২)।

2000 না নিৰকী শন্ধী পভাকী কৰচী কিনীটী। খাফগী চধনী চ বিভাতি পাৰ্থ: শিশী ঘৃতক্ৰগ্ ভি-অ' দিবাঞ্চাসিক্ত:। বৈশাপায়ন উবাচ। তেভাংহৰ্জ্ন: কুন্ধন্ দৃষ্ট্ৰ। সংগ্ৰামে সমবস্থিতান্। ১৯ তেংকালসদৃশং বাক্য: মংশুপুত্ৰমভাষত। অৰ্জুন উবাচ। ইষুণাডে চ সেনায়াং হয়ান্ छै९क्विछ थञ्चः टब्बर्छः शाखीवममनियनम् ॥ हेटमो हि वाटनो महिछो भामरम्भ याविश्वरको। অপেরৌ চ ব্যভিক্রোঞ্জৌ কণৌ সংম্প্রু মে শরৌ।। নির্কর্জ্য চ বনে বাসং কৃষা কর্শাভিমামুষম্। অভিবাদয়তে পার্থ: শোতে চ পরিপৃচ্ছতি। চিরদুষ্টোহয়মমাভি: প্রজ্ঞাবান্ বাদ্ধবপ্রিয়:। স্বভীব জ্বলিতো লক্ষ্যা পাঞ্পুতো ধনঞ্য:। রথী শরী চাক্তনী সংঘচ্ছ সারথে (৩)। যাবল্লিরীকে.সৈভেংশিন্ কাসৌ কুরুকুলাধম:। সর্বানভাননাদৃভ্য

(১) এম ঘোষঃ সম্বলদ ইতি আপলা। মেম: উঠিজ ছাৎ তেন সহ বৰ্জতে বানর:। সজ্জাকা ইতি পুটু। ভমভিমানিনম্। তত্ত মূৰ্দ্ধি, পতিষ্যামি তত এতে পরাজিতা:। এম ব্যবস্থিতে। नार्ठक्रमकः मुक्त प्रमहिष्डः जय नार्षः । (२) त्रष्त्य युर् त्रष्त्र हर्ष्या (७) सर्यष्ट क्षित्राम् कृकः । জোণি জোণিশত ভদনস্তরম্। ভীম: কৃপশত কৰ্শত মহেমাসা ব্যৰ্ষিভা:। মাকানং নাক পত্যামি গাং সমাদায় গছতি। দক্ষিণ মার্গমাহায় শক্ষে জীবপরায়ণ।। উৎস্টেজ্যজন্তবা

नीकः शक्छ यञ स्वायमनः। ভत्जव त्यारत्य देवताति नाक्ति मुक्तः नित्रामिषम् (८)। पर (जिया)

হছা বিনিবর্জিয়ে গাঃ সমাদায় বৈ পূনঃ। পশ্চাদেতে প্রয়াভব্য ইতি মে বর্জতে মভিঃ।

বৈশশপায়ন উবাচ । এবমুক্ত: স বৈরাটিহ্যান্ সংঘ্যা যত্তঃ। নিষ্মা চ ডভো রশীন্ যত্ত त्रथंदांभक व्यग्नाटक (थंकदांहरम (७)। व्यक्तियामः विमिषांक त्व्यारमा व्यन्नमञ्जयोद ॥ ए क्रिया गांडा:॥ व्याम्याखाखा वाहान् याखा क्रायी। भाषः (४)॥ छेरम्पका নৈষোহগ্ৰনেণ রাজানং বীভৎফঃ স্থাত্মিচ্ছতি ( ৭ )। তত্ত পাঞ্চিং প্ৰহীষ্যামো জবেনাভি-

(৪) নিরামিষং নিকুপাদানং উপাদানেহপি চামিষ্মিতি কোষঃ। (৫) রশীন্ প্রেছান্ বাহান্ আখান্ (৬) म्रथवरमार ब्रथममुहर श्रुरित वरमाः कूरन ८वरमी शुक्रावमवर्गरम्नाजिष्ठ ८नमिनिः (१) टेनरवाष्ट्रज्ञन প্রযাজভঃ। নফোনাভিসংকুদ্ধ-মেকো যুধ্যেত সংযুগে। অজো দেবাৎ সহসাক্ষাৎ কৃষ্ণাদা দেবকী খুভাং। আচাৰ্যাচ্চ সপুতাৰা ভারৰাকামহারণাং। কিং নো প্রাবঃ করিষ্যাস্তি

निक्टि दा आमिष्ट (काय:। (३) ष्यश्राह्मन श्रमाधनन। (३०) (त्रष्टमाधा: भन्द क्र्माश: भार्काक्षा রাজানং এষ চূরোগনং বিনা ন ষাতুমইনীতার্থঃ। (৮) পুরা নৌরিষ ইতি অভিনিকটে বা প্রয়াভে বীভংগুল মি বিশ্রাব্য চাজ্মনঃ। শল্টেভরিব তাং সেনাং শবৈঃ শীল্মবাকিলং। কীর্ব্যমাণাঃ भारतीरिषष्ट त्यांषारत्त्व भाष्रानिष्ठिः। ज्यभंभावृष्ठाः-जूषिमञ्जतीकः भववित्रिः॥ र्ष्ट्यामा-পততাং যুদ্ধে নাপ্যানেইভবনতিঃ (৯)। শীঘ্দমেব পার্থস্থ প্রমান্ত সা তে তদা। ততঃ भषा शमरथी म विषठार लागश्र्मभग्। विकाध कर्मात्राधेर भराम कृषाण्यातामग्र ॥ ভক্ত শব্দজ শব্দেন রথনেনিয়থনেন চ। গাঙীবস্ত চ শব্দেন পৃথিবী সমকম্পত। অমা-क्र्यांगाः मटर्क्याः क्रुणानाम् स्वक्रवाभिनाम्। ऍकः भूष्टान् विध्याना त्रुष्टमांगाः ममज्जुष्टः ( ১०)॥ गावः अछ्जियर्देख निम्माखांत्र मिक्नाम्॥ ॥॥ हेष्टि जीमश्राष्टान्तर जित्राहे-सनः या विश्वाः ज्या। कृष्यांसनः भाष्करल भूता त्नोतिय मण्डिजि (৮)॥ छरेशय गणा পৰ্কণুত্তরগোগ্রহে গোনিবর্তনং নাম ত্রিপঞ্চাশত্তমোহধ্যায়ঃ॥ 🛪 ॥ अव्मात्रः । ॥ ८र्गानिवर्धनम् । \* ! ্ৰৈশশপ্যিন উৰাচ। স শক্ষেনাইবসা প্ৰুদ্য গাজা বিজিড্যাথ ধলুৰ্মাথ্য:। ছূৰ্ব্যো-

জ্জাখিনামনীকং ছেভোছ্বছৎ পাশুবমাজিমধ্যে। তং চিত্রসেনো বিশিবৈধিবণাঠৈঃ সংগ্রাম-বৈরাটিমামস্ত্র্য ভড়োহভূাবাচ । এতেন তুর্ণ প্রতিপাদ্যৈতান্ খেতান্ হয়ান্ কাঞ্নরশ্মি-ময়। দুরাছা বোদ্ধুং দমাকালফ ভি ফুতপুতাঃ। তমেব মাং প্রাপয় রাজপুতা চূর্য্যোধনাপা-শায়কাতদপ্ম। ততো হুমৈবাতকবৈর্হছিঃ পুজো বিরাটজ স্বৰ্কশৈঃ। ব্যধাপেয়-(बाष्ट्राम् (১)। कारका मरस्व क्कृत टायक्र-मामोनरग्राः त्रथिमारुतुन्तम्॥ भरका शरकान्त ধনায়াভিমুশং প্রয়াডে। মংশুশু রাজঃ প্রিয়মাচিকীমুঁ:। গোষু প্রয়াড়েমু জাষেন মংশুন্ एक्यामनीकानि वर्श्नन गांगः वांग्रानि मृष्ट्रै। वक्षमध्यकानि । यश्यम्य श्रृद्धः विवर्णाः निरुक्षां কিরীটিনং কাধ্যকৃতঞ্চ মুখা। তুর্যোধনায়াভিমূশং প্রাজং কুকপ্রীরাঃ সহসাহভিপেতুঃ।

জিচ্ছকুসতো জয়শ্চ। প্রভাদ্য্ভারতমাপভন্তঃ মহারথাঃ কর্মভীপ্সমানাঃ॥ ভতঃ স 

( > ) . এ ट ड न वर्षांना काक न विषयिष्टां क्यांन् ( वर्षा क्र वर्षान वर्षां मध्ये १।

क्कश्रमवाशिः । जन्माख ग्रंब क्म्यं व्याच नाविः विकर्वाशिष्ठत्रथः त्रत्यन। विनाठेनार्वन পচিতং দুঢ়কাম্। অপাতরতং ধ্বক্ষমত মধ্য-ফিরধ্বকঃ সোহভাপয়াক্তবেন। তং শাত্র-कुम्मथावीदता खीरमन खीमामुखमाममाम ॥ ७८७। विक्षंभ मस्किक्मा साधुनमार्था।-वीनोर अन्वाधिकाद्यः कर्षानि क्र्विख-गमाञ्चवानि। माज्ञकुनः (कान्गम्यानाः সमक्ष्यर क्र्यंगरयन भार्षत्र (२)। ज एडन बाख्डांडिबरथन विरक्षा विशाहमाराना श्रविक्रोः क्र्यानाम्। भक्षा भक्षा भक्षित्राक विषया कर्कार मभिक्षामा छकः म विषया छत्रक्रा छत्र क्ष

(२) क्र्यंनटचन महिवटमटववा (७) नत्या महाश्रापिटविक गर्कछाञ्चकवार तुक हेदिकछाबं বস্তপ্রদা বাসবজ্লাবীর্যা: পরাজিত। বাসবজেন সংখ্যে । স্থর্বকাফ গ্রসবর্জনত্তা নাগা যথ। मिक्स्याः वाज्यवाः।

9

বাণেন গাত্রাবরণাভিগেন। গতাফুরাজে নিপপাত ভূমে নগো নগাগ্রাদিব বাভরুগঃ (৩) 🛚

नवर्षकाएक कू नवर्षक्त्व वीत्रा त्रत्य वीत्रकत्त्रम स्वधाः। कक्ष्मित्र वाख्वतम्म कारम

क्षकिष्णानीय महायमानि । हजान्त भाषिन नद्रव्यवीत्राः ज्वरमे युवानः स्पृष्णः स्वतमाः।

रिष्मविधाः व्यवृष्काः। एषा म मत्त्रन् मगत्त्र विक्तित्र गासीवधत्रा भूक्रवव्यवीतः। हहाक শোণাখবাহত হয়ারিহত্য বৈকর্তনভাতুরদীনসন্তঃ॥ একেন সংগ্রামজিতঃ শরেণ শিরেণ व्यश्य मछानिव नागत्रात्या नत्रवंतः वाात्र हेवां छाषावर। म भाखदः वाममा छः भृषर्केन সংখ্যে বিদিশো দিশশ্চ দহলিবালিকনমাতপাজে। প্রকীণপানি যথা বসজে বিশাভরিছা कश्वां कियोज्यानी। जिन्मम् श्र खार्जात मृजमृत्जा देवम्ब्राम योश्मयानयामः। প্ৰনোহসুদাংশ্চ। স ভান্ সপজান্ বিকিয়ন্ কিয়িটী চচার সংখ্যেহভিরথোরথেন।

197

क्रीमुलीका स्वीर । कर्मन मार्थः मत्यः मत्कृ-मञ्जन् रथ त्यात्रमात्रोषत्ष्रा ॥ छछः व्यत्रकाः ( ह ) शुवरदेक्वीटेमः क्रीज्ञवर व्यारमाजि त्मादः।

ভমাপভন্তং সহসা কিরিটী বৈকর্তনং বৈ ভরসহিভাপেতা। প্রপৃত্য বেগায়াপডব্জবেন নাগং अक्रमानित क्विनकः। कात्वामो मर्स्यक्षित्रांगाः महावत्नो नर्समभक्षमारशे। कर्नज পাৰ্থত নিশ্ম্য যুদ্ধং দিদুক্ষমাণাঃ কুরবোহবভতুঃ। স পাশুবভূপ্মূদীণ্কোণঃ কুভাগসং

र्वकर्षनः मौष्यम्थाक्ष्यान (८) । विवास भारत्वय् रुग्नाः मर्ज्यान् विवाष्टिभूजक करत्र निकष्टि ॥

्या (४)। म ज्ञापि दिक्छनमक्षिम् भाषा भाषा मस्तुः मत्या भाषा । ज्यापवर्ष क्षाम् किति जि कु भिज्ञाम् एकाषकृत्यो जिस्हे।। म ज्ञापि भाषा वङ्जिः भृषट्क-दिक्छित। त्रम हेवाज्ञादर्श। अ ज्येष्य कर्षक किन्नोज्ञामी मास्त्रामाम मिट्डः भृषट्कः। उत्साः स्बीक्षाम् स्कार्जाः শকৌষান্মহাশরৌষাস্ত্রিবদ্দনে রণে। রথে। বিলগ্লবিব চন্দ্র্যোগ ঘনাস্তরেণাথ দদর্শ সর্থা: সনাগা: মোধা বিনেত্ভরতর্ভাণাম্। অন্তহিত। ভীমমুখা: সহাশা: কিরীটিনা কর্-সধয়: সবাণ: সবিফু লিকোহগিরিবাঙা কণ:।। ত ভত্ত জড়ে ডলভালাল; সশ্বচেরীপণ্ব-প্ৰণাদঃ। প্ৰক্ৰেণ্ড্ডজ্যা তলনিষনস্তঃ বৈক্ত্ৰণ: প্ৰয়তাং ক্রণাম্। উদ্তলাস্লমহা-পভাক্ষকোজাত্তমং সাকুলভীষয়স্ত্য। গান্তীবনিধোষকৃত প্রণাদং কিরীটিনং বীক্ষা ননাদ কর্ণ: त्राथ श्वरदेकः ॥ म ठामि जानक्त्रवाक् मुकाक्ष्राष्ट्रतोरेषः व्याष्टिष्डा कर्नः। उत्यो भश्राष्ट्रा লোক:। অধাশুকারী চতুরো হ্যাংশ্চ বিষ্যাধকণো নিশিতৈ: কিরীটন:। ত্রিভিস্ত

(৫) উদ্তলাকুলম্হাপতাকং ধাজোত্তমং সাকুলভীয়য়ন্তঃ। গাঙীবনিহাদক্তপ্রণাদং কিরীটিনং ৰীকা ননাদ কৰ্:। ধৰেজাত্তমকি বীটিনঞ্দ্ৰী, উক্তলাজুলমহাপতাক: উক্তম্জিকিপ্তংমলাজুল: তদেৰ

वाङ्कमिरतामजाडेर खीवार त्रथामानि भत्रावमन्त्री। ष्टिष्डम् वार्टेश्व्यि निर्मिड्डम भाषीव বৃষ্ট্যাভিহতে। মহাত্মা প্রায়ুশ্চকারাতি মনুষ্যকর্ম। প্রাচ্চাদ্য়ৎ কণ্রথং পৃষৎকৈ-লোকানি-मान् स्र्वा ट्वाएककारेनः ॥ म भा धतः वानमान्तः भृषररेक रेतकर्तनः भौष्यमुभाक्षषान । विवाध গানেষ্ হয়াংশচ সৰ্বান্ বিরাটপুত্রঞ করে নিজলে॥ স হজিনেবাভিহতে। গজেবলঃ প্রসৃষ্ ভয়া: রিশিভারিষকাং। আকণ্পুণ্ঞ ধয়ুবিক্ষ্য বিব্যাধ বালৈরথ ক্তপুত্রম্। অথাত্র मुरेक्डनमान शकारेमः॥ म भाष्ग्रेकिर्विमिथः ट्युत्ना शका शक्तान किड्युन्यो। विश्वा সংগ্রামশির: প্রয়াভো বৈকর্তন: পাণ্ডববাণ্ডপ্ত:॥ ।। ইতি জীমহাভারতে—বিরাট-मिश्च देव व्यञ्चर्छः। शासीवधवा व्यवतः क्रूताना-मिक्यारेनः कर्निम्नाम्न क्रियः। भनाय-প্ৰবিগ্যভ্ৰয়গাগ্ৰহে কৰ্ণিৰান নাম চতু:পঞ্চাশভ্যোয়ঃ ॥ 🗢 ॥

বন্ধারমম্ব্যমাণো বিবাধ তুর্ণ ত্রিভিরক্ত কেতুম্। ততোহভিবিদ্ধ: সমরাবমদী প্রবোধতঃ

8

মহাপভাকা যতা ধকেলাভনতা সাকুলং ব্ৰা তাতেখা ভীষয়তা বিন্তোপ আৰিঃ। শেষঃ স্পামঃ। 🕶 🗈

বৈশশ্পায়ন উবাচ । অপ্যাতে তুরাধেয়ে চূর্যোধনপুরোগমাঃ। অনীকেন যথা যেন

को चानिविद्धाः चिरेडवीरेणतामीकाञ्चममञ्जय। रेमवरयाशाक शार्षञ्च रुद्रानामुख्यञ्च ह। जिक्का-के जिस्ह्याशश्रमखाशाक शतिक्यार। वीर्यावद्धः एक्डकाशाः मृद्धा जिस्कात्रभूक्यन्। के कामाशियव वीज्यम् निक्रस्थिय व्यकाः। नात्रशः व्यक्किष्टः (अक्क् मञ्जाय शावक्य्। শবৈরাদিত পাঙবম্(১)। বহুধা ততা সৈত্যতা বৃঢ়িতাপতত: শবৈঃ। অধারয়ত বেগং বিকুর্বাণ: প্রভায়াত্রথসক্তম:। যথা রশ্মিভিরাণিত্য: প্রজ্ঞাদয়তি মেদিনীম্। তথা স বেলেব জু মহোদধে:।। ডতা প্রহত্তা বীভংফু: কৌস্কেয়: শেভবাহন:। দিব্যমন্ত্রং जा शीवनिर्वासक मेरेतः शार्था किटमा कम । न तथानार न ठायानार न शकानार न वर्षानाम्। जानि ब्रखामुनीकानि (ब्रब्युबर्ब्यमार्गरेषः ॥ रेममः अछि नवासानि वााक्षानीवार्कशम्बाधः परमोकानाः बनानीव क्वानि क्य्रेमः ७रे७ः ॥ ८३ष्ट्ः भार्भरेत्रछष्ठता रेमणानि ভात्रक

অজোইতভূনশলৈঃ শীৰ্ণ শুৰাৎ পূত্ৰণ হিরথায়ম্। ছত্রানি চ পতাকাশ্চ খে দ্ধার সদাপতিঃ। ( ) मार्फ्ड द्राविखद्रहः।

ह क्र्विडः। दिवात्रिशोक वौष्ट्य-खिम्बारमोर्द्यायात वाम । अग्र्रशामग्रामा অবিল্ডাসনাক্তভাঃ শরিপেতুদিশো দশ। রথাক্দেশানাদায় পার্ছিজ্যমুগা হয়াং। কর্ণ-কৌরবাগ্রাগঞ্জানাত্ত শরীরৈর্গতচেত্রদাম্। ক্ষণেন সংবৃতা ভূমিমে ঘৈরিব নভস্তলম্। ষ্ণাস্ত-नम्रतः नर्यः यथा क्रांवत्त्रकन्मम्। कानक्ष्मम्। ज्वानक्ष्मा शास्थी महोबोक मनाइ ममत्त्र तिभून्॥ ७७: मर्काखाउउ कां - ४ कूर्या निःयतन मद्यना-माश्यांगांक क्लानाः सक्वािमाम्। टेण्यतः भव्माश्रावः यानत्रश्र वमवानित्रमर्भनः। ष्यक्तिखानीयमाखाय देवतािः भार्षभवदीर (२)। छन्दत छेवात। कक्कवियालिय् षाधार्वाष्ट्रेषु टिव रु। भन्धयात्रम् हारुज्ञाणाज्यः ममात्र भक्षान्।

( २ ) वहरा ७७ रेमछण वृष्णानिष्ठः गरेतः। जान्छिनोत्रमात्मात्र रेत्राणित्रम्ययेषीर। वहरा नानाधिकारत याष्ट्र मोद्रः मत्रवारत्रनाभठकः षाभक्षकः देनअञ् षाण्डकानीत्रः विक्याख्यात षा नम्बार

রথশক্তিমমিত্রাণীং প্রাগেব নিপ্তন্ত্বিঃ। সোহ্পয়াৎ সহসা পশ্চাৎ সাহসাচ্চাভূ্যপে-

かりか ত্র মহাবিৰে। অভ্যতো নিত্যমত্যর্থং সর্বমেবাতিগজ্ঞা। অভ্যতঃ শায়তে ভূতৈ-ধ্রূর্ঘোষঃ
ভু কিরীটিনঃ। সম্ভভাস্ত্রে মাতকাঃ বাণৈরলান্তরাস্তরে। সংবৃতান্তেন দৃশ্যতে মেঘা ইব
এ গভস্থিভিঃ। দিলোইসূল্মতঃ সর্বাঃ সব্যদ্দিণমন্ততঃ। সততং দৃশ্যতে যুদ্ধে সায়কাসন-যিবান্। শরবাতৈঃ ফুভীকুনতিঃ: সমাদিঙৈঃ খগৈরিব। অভ্নেজ খমাবতের লোহিত-প্রাশনৈ: খগৈ:। অব মধ্যে যথাক্স রশায়জিগুভেলস:। দিশাসু চ তথা রাজন্মংখ্যাতা: শরাউদা। সকুদেবানতং শেকুরথমভাসিতুং পরে। অলভাঃ পুনরখৈজা রথাৎ সোহতি-অপাদয়েং। ভেশরা ছিট্শরীরেষু যথৈব ন সসজিভারে। ছিড়নীকেষু বীভংসোর্সসভেজ রপস্তেদা। স তৰিকোভয়ামাস হুরাতিবলমগুসা। অনস্তভোগো ভ্রুপ: ক্রীড়রিব মহাণীৰে। অভ্যতা নিতামভাথং সৰ্কমেৰাভিগন্তথা। অভাত: আনতে ভূতি-ধ্যূৰ্ঘোষ: মণ্ডলম্। পভস্তারপেষ্যথা চক্ষ্যি ন কদাচন। নালক্ষ্যু(ষ্) শরাঃ পেতৃগুণা গাঙীব-ৰ্নং পাৰ্পলয়ৈৰিছাফ্ডক্ৰঃ সৰ্কামবৈঃ সহ। হন্ত্যুশানিভামজন্ত পাৰ্থেন নিহভাঃ পরে≱ স্কুমভার্থমহিতান্ বিজয়ং তত্ত্র মেনিরে। কালমর্জ্নরপেণ সংহরস্ভমিব প্রজাঃ। কুক্সসেনা-ধৰনঃ। মার্গো গলসহস্রস্থ যুগপদ্গচ্ছতে। বনে। যথা ভবেৎ তথা লভে রথমার্গঃ কিরীটিনঃ।

9

লোহিতাখনরিষ্টং যং বৈহাঅমহুপশুদি (৩)। নীলাং পতাকামাজিড়া রজে ভিষ্তুমূত্তর। কুপতিভাতদনীকাত্যাং প্রাপ্রবৈত্দেব মান্। এন্ডন্স দর্শয়িষ্যামি শীঘাত্তং দৃচ্ধবিন:। ক্ষওলুধে লৈ যজ শাভকৌত্তময়: গুভঃ। আচাধ্য এব হি লোণ: সর্বশল্জভূতাং বরঃ। সদা यदेशय माज्यक मर्वमञ्जक्षामि। स्थामन्नः महावीतः क्करेषनः व्यमिक्षण्या षारेष्व চাৰবোহৈন-মেষ ধৰ্ম: সনাতন:। যদি মে প্ৰথমং জোণ: শ্ৰীবে প্ৰহ্রিষ্যতি। ভতোঙ্জ त्र) व्यर्शिवशामि नाज त्कारंशा करविमिति॥ व्यज्ञास्मिरंत ह धन्न-धनंकारंश घन्न मृजारक। वर्ग व्याहार्वारेक्य भूरता देव व्यथवामा महात्रथः। मथा मर्देगव माज्ञफ मर्वायक्ष्णामि।॥ असे विज्ञ कः त्रथः व्याना निवर्रवंथाः भूनः भूनः॥ य এव कृ त्रथानीरक स्वर्वक्रवहातुकः॥ व्यर्शिवग्रामि नाज कारमा कर्त्वामित ॥ चर्चालिएत ह थन्न-ध्वंकार्ध्व यज्ञ मृज्यात्त ॥

ধ্যকারেণ আনুখা বৈয়াটিরিদং বক্ষামাণমুরবাদিতাধুয়ঃ। জাভিজ্ঞানীয় অভিজ্ঞানং বিশধ্যয়জানং ভট্ড हिकः है छि शुर्भका। (७) व्यतिहैः हिरुः।

সেনাপ্রোণ ড্ডীয়েন ব্যবহার্যেণ ডিষ্ঠিঙি (৪)॥ যজ্ঞ নাগো ধ্বজাগ্রেহ্সৌ হেমকেডন-

( ३ ) त्मनाधाषादमन कृष्णेतमन ज्ञादमन । वावशार्यान मुक्तवारमान ।

मार्डेखः। कृष्डत्राष्ट्रीष्ट्रकः खीमात्मय ताका श्रुत्यायनः। अष्टिश्राधिम्यः वीत्र प्रषः भद-

( ६ ) यष नीनाक्रमारत्रन भक्ष्णारत्रन एक्ष्मा। हष्णावानी वृष्टक्षा त्राप डिडेजि वीर्यान्। नीनः ভারেণ কেতুনা। হন্তাবাপী বৃহত্তরা রথে ভিগতি। বীধ্যবান্(৬)। যন্ত ভারাক-হৈম্চেন্তাক্সকোশং কবচং যতা দৃত্তি। জাতরপং শির্যাণং মন্তাস্থতীব মে। এক চুরাজনঃ। ষড়ে ভবেধাঃ সংগ্রম স্পর্তে হি সদাময়।। যন্ত নীলাজুসারেণ পঞ क्रिक्वोश्रमी त्राथ अवस्वतः क्षिष्ठः। यर्गेष्डर भाषुत्रः हत्या विमनाः मूर्कि जिथे । मश्रका त्रथवः मज्ञ नानाष्रक्षश्राहिनः। वनाष्टकात्व मृत्या वा य এय व्यमुष क्षिष्ठः (७)। রথাকজম্। প্রাণয়বৈষ রাজা হি প্রমাথী যুদ্জুমূদঃ। এষ লোণজ শিষ্যাণাং শীজাজঃ প্রথমে। মতঃ। এততত দর্শমিষ্যামি শীঘাত্রং প্রথমং রণে। নাগককাতু কৃচিরাপকাথে यक जिर्वेष्टि । এत्र देवक्रतः क्रांशिष्टः भूस्ताय ए ॥ এएक त्रथमांश्रांत्र तार्थमुक ( • ) बनाटळ यूर्टी वा त्यवत्त्राशित यूरी हेव वानक छेशमात्राम्। व्यवकृत्ता निगायकः।

कुक्: बकुनादः भुखाक। यस्मिन्। भुक्छादाः कृष्टिमा युष्ट हुखादासी भद्रमृष्टिमान् यस्मुञ क्षमुर् र हेर्जाधिरमभाषतः।

40%

निकारिक व्ययोखरिया न त्य विष्रकर्ता छरिय । এर्डन युक्षामानक यकः मध्यक्र त्य रुक्षाम ( ৭ )। ডভেছিভাবহদব্যগ্রো বৈরাটিঃ সব্সাচিন্ম্। ষ্ত্রাভিষ্ঠৎ কৃপো রাজন্ যোৎজ-मारना थनक्षग्रम् ॥ हेजि विवाष्टिनर्स्वगुच्डरागाद्यात् चर्ळ्नवाकाः नाम भ्रक्षभक्षामञ्जरमाध्याप्रः ॥ रिबमण्याग्रन छिराछ। डाथानीकाथामुमाष्ट क्कनाग्र्यधिधिनाम्। मशमनिष्ड यथा त्मषा पर्याट्य भन्मयोक्ष्णाः ॥ অভাবেশ বাঞ্চিনন্তু: সমার্কা: প্রারিণ:। ভীমরূপা™ মাভকা-জোমরাত্বশটোদিভা:। মহামাত্রৈ: সমারচাবিচিত্রকব্চোজ্জলা:॥ ডড: শক্র: সুরগাণৈ: শান্তন্বো ভীম: স্বেধ্যাং ন: পিডাম্ছ:। রাজ্ঞিয়া প্র্যুদ্ধত জ্যোধনবশাসূপ:॥ नमाक्क सूममीनम्। (১) नर्यान् त्मरान् नमात्त्राणा देवप्राक्नकाञ्चिष्या नरहाभाग्राखमा বাজন্ বিখাগ্নিমকভাকণৈঃ॥ তদেব্যক্ষণদ্ধক্মহোরগসমাকুলম্। শুশুভেহব্তবিনিমুকিং

(१) भफारम्य क्ष्राख्टाना न ८म विष्रक्राना ७१४। ष्मम्याभक्षः अष छीम् मर्स्वना छ्क्ताः अष्टन স্ত্যুদ্ধনিজ্ঞ সামাজ্যেন যুদ্ধেন বিষঃ জাৎতশাচ্ছেষেইনেন সৃত্ থোদ্ধব্যমিতি।

( )) नक्षामनखद्भर क्षमभंतः क्षमंत नांगत्यम्।

যুদ্ধং কুপাৰ্জ্নসমাগমে। : এই মভ্যাগত। দেবা বিমানেঃ সৈ পৃথক্ পৃথক্। শতং শত-প্রছাণামিব মণ্ডলং। অস্তাণাক বলভ্ষেষং মনূব্যেষ্ প্র্জতাম্ (২)।। ভচ্চ ঘোরং মহণ্-

নামং দিব্যং সর্বরন্থবিভ্যাবিদ্ধিত্য (৪) বিমানং দেবরাজন্য শুশুলে থেচরং শুশুমা। ভ্রার্ক্তর দেবাজন্মজিশোভিন্তরি সহবাসবাঃ (৫) গন্ধর্বা রাক্তরাং সর্পা: পিতরক্ত মহরিছিঃ। তথা ব্যাক্তর স্থাব্য নাম্বর স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাব্য স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাব্য স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তিন অলস্থ্য ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তিন অলস্থ্য ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তিন স্থাবিদ্ধিত ব্যাক্তর বিধ্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর ব্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর ব্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিত্য বিধ্যাক্তর বিত্য বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যাক্তর বিধ্যা (২) প্ৰযুক্তভাং প্ৰযুক্তামানানাম্। (৩) শতংশতসহস্ৰাণাং কোটিযমিন্ বিষানে স্থা কৰাঃ হিবলুৱী হিবলয়ঃ। (৪) উপধার্যন শ্বেধার্যন্। (৫) ভত দেব্লিয়লিখাণিতি ভতু বিমানে তার্যিশে-্র সেনানাং গন্ধর্বস্ত চ তুষ্রোঃ। ব্যাভাগং ব্যোদেষং বিমানানি চকাশিরে। সব্বদেব-সহসাণাং যত্র স্থুণা হিরণায়ী (৩)। মণিরতু ময়ী চাজা প্রসাদমুপধারয়ন্॥ ভতঃ কাম-ेषुमिन्द्रामिन्ताः धक्षानक्षाः चरहो यन्तः षार्वाचनाविन्ति

**78%** 

[ fa-25]

আভিপতাণি বাসাংসি ধ্রজাশ্চ ব্যক্তনানি চ। ভত্র রহানি দেবানাং সমদৃশ্রস্থ ভিটভাষ্। वाधिकमियाकामः চিত্ররূপমলङ्कम् সম্প্রভিছিত্ত । वियारिनरिविधिकिरोजक्रमानीरैङः स्राजाखरमः॥ वङ्ख्ळ्राङ एड एव वियानस्यः स्रोजवृष्टः। বিজন্মালাং মহাভেলা: প্রোংপলসমাযুতাম্॥ বিতেকমাণে। বলভ্রাত্পাৎ সূত-दिवमण्यायन खेवाठ ॥ षृष्ट्री दा्राण्यानीकानि क्क्रवार भाष्नमननः। छत्र दिवाणियात्रक्षा Ե পাসাম্যতাৰে। ভৌমং সৰ্কং ব্যাশুং মনীচিভিঃ। দিব্যান্ গন্ধাস্থুপাদায় বাষু, ধাৰানসেবজ 🛚 পার্থে বিচনমন্ত্রী । জাজ্জুন উবাচ। জাজুনদময়ী বেদী ধর্জে যজ্ঞ প্রকাশভে। ভজ্জ দক্ষিণতো যাহি কুপ: শারঘ্ডো যতঃ। বৈশাম্পায়ন উবাচ। ধনঞ্যবচ: শ্ৰুছা বৈরাটিত্রিত-মাহবে 🖪 🍨 । ইতি আমহাভারতে বিরাটপর্বণি দেবাগমনে ষ্ট্পঞ্চাশন্তমোহশ্যার: ॥

**\*8**\*

<sup>(</sup>७) टारविनकाश टाय्यम्ब्राः। (१) श्रीणावाः विकासमानामा हेखानीनामात्रमनम्। ●।

सम्बद्धा बद्धाः क्षम्फवित्र शर्कर्डा अङ्गिष्ठमुत्र दीर्त्रा दमम्भैत्रम्बिङः। ष्यमुष्रामाभक्तर भक्त कृषः मोत्रक्छछ्य। ॥ व्यक्ता टांडि मः इत्हां युकाषी म महारकः। मरहाक्षिकमोनाम শুনরাব্রিয়ামাল তান্হ্যান্বাতরংহসঃ॥ অদিকিণমূপার্তা মঙ্লং স্বামেৰ্চ। কুকান্ সন্মোহ্যামাস মাৎস্ত্রো যানেন ভত্ত্বিৎ (২)॥ কৃপশ্র রথমাস্থায় বৈরাটিরকুডোভয়ঃ। ट्मिकिनमुनापुष्ठा उत्स्रो उज्जाद्यात् तमी॥ उत्हार्ष्ट्याः मध्यदतः तम्बन्दः महायनम्। टीमरथी वनमास्तात्र नाम विखावा हाष्यतः। उत्त भरका प्रहानाभीम् शाष्र्यानस्य किष्ट्रना। छना वीषावका मह्या भर्वछत्त्वय मीर्याछः। शुक्षग्राकव्वितत्र मध्यः क्त्रयः महिनिकाः। অর্জনেন সমাগ্রাভ: শতধা ব্রু দীর্যাতে। দিব্যুমার্ড্য শক্ত্র নির্ভ্ত: শুশ্রং । স্থারী मर्गा (वर्गन वीर्यावान् ( ७ ) ॥ म कु मत्त्वन त्लाकाःखीनावृष्ठा प्रविनाः वन्नः। वस्त्रप्रावात् জ্ঞা। কুয়ানু অভস্কাশান্ হেমভাগ্নিচোদরং (১)। আফুপ্ক্যা চরত্ত্র আছায় রথম্ভম্ম। শাহিণোচজেলভাশান্ কুপিডানিব ডান্ হয়ান্। স গ্ছা কুকসেনায়াঃ সমীপং হয়কোবিদঃ। ( ) ) रहमकाकाम् रहमानकामान्। ( १ ) माराजा देनमातिः। ( ७ ) महमानिका मन्त्रम्।

087

क्यक्ष्कामिक-मक्रताखना। टो त्रां स्वीतकाटमी त्यारक्यारो महावरको। भातमाविब कीगूरको वारत्नारक्कार वावश्चिरको। जकः भात्रबृङ्कार भाष्ट्र मभक्तिताक्करेगः। विवास भववीत्रमः निमिटेष्टर्षाम् एकति छिः । भार्षाश् भि निक्ष्ण्ः लाहक शास्त्रीयः भवत्राष्ट्र्यम्। एड ह्या विभिट्रेयर्षिक्षा खनाहितिव भावटेकः। উৎপেজः সহসা সর্ফে कुणः स्थानामधाहावर ॥ চ্যভঙ্গোতমমালোক্য স্থানাৎ কুন্তীস্তত্তদা।। নাবিধাৎ পরবীরল্পো রক্ষমাশোহত গৌরবম্। বিক্ষ্য চিক্ষেপ বহুয়ারাচামমভিদিনি:। ভানপ্রাধা-স্থিতৈক্যণৈন গ্রাচান্ রক্তভোজনান্। ७७: कनकश्याटेळ-नीत: मन्नजनविज्ञिः। यसूत्रामाग्र विवास भाषेः मर्माण्याख्याच्याः। শ্বন্ পাভীবনিশুকৈরজ্নশুভ বাজিন:। চহুভিশ্চতুনতীজ্ণৈরবিধ্যৎ পরমেষ্ডি:

জু ভারৈ ভ ডেঃ সজাধুমু: কুপ: (৪)। ডমাণ্ড নিশিতৈঃ পার্থ: বিভেদ দশভি: শবৈ:। ডভ: फिल्किन भाख्यः भन्नीत्रा। म किन्नमभूतानाम त्रथास्त्रिकः व्यकाभनाम्। व्याहिरमाद পাছপুতায় প্রদীপ্রামশনীয়িব। তামজ্নজদায়াছীং শক্তিং হেমনিভ্নিতাম্। বিয়দগভাং মহেকাজালা চিচ্ছেদ দশভি: শটে:। সাপ্দ দশ্য ভিল্লা ভূমে। পাৰ্থেন ঘীমভা। সুগমধ্যে পাথে। মহাতেজা বিশিষানগ্নিতেজনঃ। চিকেপ সময়ে কুষক্রয়োদশশিলাশিতান্। অথাত ধুসুধি পাংধ্ন সোইজদাদায় কাৰ্মুকুম্। চচার গৌতম: সজাং তদস্তুতমিবাভবং। স তদপাস্ত কৌল্ডেয়নিচ্ছেদানতপ্ৰবিণা। এবম্জানি চাণানি বহুনি কৃত্তহত্তৰং। শার্ষ্ত্স স তু সক। সুন: ছানং গৌতম: সব্যুসাচিনম্। বিব্যাধ দশভিব্বাবৈজ্যিত: कङ्गखिछि: । खन्छ निर्मा हामानक क्वहाद काम्मावत् हो। ' नमत् मृहामानक मर्नत्क्षय एक्ष्र्यमा । कित्र 888: পার্থে। মনুন্তুত্র ভল্লেন নিশিতেন চ। চিচ্ছেদৈকেন ভূমন্ত হত্তাবাপমধাহরৎ। অধাক্ত কবচং বাণৈনিনিতিত মুম্মেনিভিঃ। ব্যধ্ময়ত পাথেছিত শ্রীরম্বশীভূয়ৎ। ( ह ) ब्रुवरस्य कावेत्रस्थी।

78€

युग्रायदेक्न ६क्टिक्ट्दा इश्रान्। बर्छन ६ मितः कांग्राष्ट्रतन त्रथमात्रद्यः। विचित्रित्वनुः সমরে ছাভ্যামকং মহরিথ:। ঘাদশেন চ ভলেন চকর্তি ধলেলান্তমম্। ততো বক্ত-নিকাশেন কাল্কন: প্রস্তির। এরোদ্শেনেশ্সম: কুণা বক্ষণ্ডি। স ছিরখ্যা

িবিরখো হতাখো হতসারথিং। গদাশানিরবগ্ন্তা তুর্ণ চিকেপ তাং গদাম্।। সাচ মুক্ত্

्रो (याथा: भत्रीक्ष्यक्ष: मात्रफ्षध्यमर्थणम् (७)। मर्क्षष्ठः मगरत भार्षः मत्रदेवतराक्ष्यिन्॥ ७८७। चं विताष्टेण सृष्णः मरामात्रुका वाक्षितः। यमकः मथनः कृषा जान् (याथान् व्यकावाद्यः ॥ ७७: अं कृषम्भामात्र वित्रथः (७ नत्रर्वणः। व्यजक्षित्राः कृष्णीभूवाक्षत्रभः॥ । वि अ जो गमा खर्दी करभव सुभविष्ठा। षार्ख्यान भटेतम् मा व्यक्तिमार्गमथाभयर (८)॥ **७६** अ

(६) स्मितिका स्मिष्डि। इत्यान मुक्ता भाक्तिमा मेटेत्रम् मा। ष्म्यानकार द्यांडिमार्गमः ্বৈশম্পায়ন উবাচ। কুপেইপনীতে দ্রোণস্ত প্রগৃত্য সশরং ধনুঃ। অভ্যুধাবদ্ধাধুষ্য শ্রমহাভারতে বিরাটপর্বণি গোহরণপর্বণি কৃপাপ্যানে সপ্তপঞ্চাশন্তমোহ্খ্যায়ঃ। नमर लाडा। इत्यान्त्रकाडान्त्रः। ( ७ ) भनीम्बान्धा विक्रिक्षः। इनाममानम्।

প্র অখা: শোণা: প্রকাশতে বৃহস্ত\*চারুবাহিন: ॥ সিম্বাহুশ্রমান্তানান্তা: প্রিম্পশিনা: ।

ই মুক্তা রথবরে যতা সর্বশিক্ষাবিশারদা: ॥ দীর্বাহুশ্রাভেন্ধা বলরাপসমন্তি: ॥ সর্বই মুক্তা রথবরে যতা সর্বান্ধ: প্রভাগবান্ ॥ ব্দ্ধা ভূল্যা হাশনম বৃহস্পতিসমো নরে।

ই মেল্কেম্বিকাচে চছারে অক্ষচর্গ: ভবৈষ্ চ ॥ সসংহারাণি সর্বাণি দিব্যান্ত্রোণি মারিষ।

ই মন্ত্রেকদশ্চ কাংল্মেন ম্মিন্নিভ্য: প্রভিন্তি: ॥ ক্ষমা দমশ্চ সভ্যক্ আনুশংত্যম্মার্ক্তিম্ ।

ই এতে চাল্ডে চ বহবে। ম্মিন্নিভ্য: বিজে গুণা: ॥ তেনাহং বোদ্ধ্যিছ্যমি মহাভাগেন সংষ্গে ॥ ডসাত্তং প্রাপরাচাধ্যং কিপ্রমূত্তর বাহ্য ॥ বৈশস্পায়ন উবাচ ॥ অর্জ্জনিন্ব-মুক্তত বৈরাচিহ্মভূষণান্। চোদ্যামাস তানখান্ ভারহাজরথং প্রতি। তমাপতজং दिराम गाखदा अधिनार दत्रम्। त्यांनः टाकुान्यत्यो भाष्रं मत्छ। मर्छामद विशम्। छछः কাগাণগছৰং ভেরীশতনিনাদিতম্। প্র্ফুভে বলং সর্ক্ড ইব সাগরঃ। বৰ उत्यो वीर्मात्रव्यात्रो मृद्धे। त्रः श्रायम्कति। व्याहार्यात्यियाविक एको क्र करिएको मनिवरमो । সমারিখে ডদাজোজং দ্রোণপাথোঁ মহাবলৌ। দৃষ্টা প্রাকশ্যত মূহুভরতানাং মহষ্লম্। हर्षयुक्तकुकः भाषः टारमित् वौद्यान्। तथः त्राधन त्यानक ममामामा महात्रथः। অভিনাদ্য মহাবাতঃ সামপূৰ্কমিদং বচঃ। উবাচ প্ৰক্লয়া বাচা কৌস্তেয় প্ৰবীরহা। উবিভাঃ মুবনে বাসং প্রভিক্মচিকীর্বঃ। কোপং নাইসি নঃক্রুপেদাসমর্জ্জনুম অহন্ত প্ৰয়তে পূৰ্বং প্ৰহরিষ্যামি তেইন্য (১)। ইতি মে বৰ্ডতে বৃদ্ধি-শুলুবান্ কৰুমুষ্ডি 🛚 শোণান্সদ্যাংভোন্হংস্বইপ্ৰনোজবৈঃ। মি.শি.ভান্সসূত্ৰ দৃষ্টা ব্যস্মুজ রণে নরাঃ।

()) पर्क टाक्टांड गूर्का टार्वायामि टिक्नम। यहां गूर्का टाहांत्र कृष्ड पर्ह छुडाः खर्माह-হত্তবং । ততঃ শরসহত্তেশ রথং পার্থক বীধ্যবান্। অবাকিরততে। তোশ: শীঅমলং Office of

ভভোংশৈ প্রাহিণোদ্রোণ: শরানধিকবিংশভিম্। অপ্রাপ্তাংকৈব তান্ পার্থ-শিহচ্ছেদ কৃত-

\$8 \$ मिनारबोटेडडाताः लाकामबर लेडाम् । शार्षक स्परावाहमर्गवारेडबार्गदाबर्षः । विवाध निनिटिष्यादेशः श्रह्मा वृष्ट्राय अर्वाख्या । ख्रैयव कियाः शाखीयः यसूत्राक्षां भाषयः। শক্রের বেপাবানু কৃষ্ণো ভারসাধনমূত্যম্॥ বিসসৰ্জ শ্রাংশিচতান্ স্বৰ্ণিকৃতান্ বহুন্। শ্যয়ন্ শারবহাণি ভারবাজত বীহাবান্। তৃৰ্কাণবিম্কানি তদভূতমিবাভৰণে স রখেন চরন্ পার্থঃ প্রেক্ষণীয়ে। ধনপ্রয়ঃ॥ য্গপদিকু সর্ধাসু সর্বশস্তাণ্যদশ্যৎ এক্চছায়-মিবাকাশং বাণেশ্চক্রে সমস্ততঃ। নাদৃশ্যত তদা ঘোণো নীহারেশেব সংবৃতঃ। ভস্তা-ভৰতদারশোসংবৃতত ভাষোত্মঃ। কাজজনামানত তদা পৰ্কততে বৰ্তঃ। দুইুাত্ ময়ং ঘোরং বাক্রং পরমায়্থম্ । বাপাভয়চ্ছরাতীক্ষান্ দোণঃ সমিভিশোভনঃ। মহান-ছ্ভত: শকো বংশানামিব দহতাম্। জাফ্নদমধৈঃ প্ৰৈশিচতচাপবিনিগিডৈ: প্ৰিছি।-দ্যুদ্মেয়াত্রা দিশঃ সূধ্যন্ত চ প্রভাম্। ততঃ কনকপুন্ধানাং শ্রাণাং নতপ্রবণাম্। বিয়চ্চ-রাণাং বিয়তি দুর্জনত বহুবো বকা:। দোণত পুঝসকাশচ প্রপত্তঃ শ্রাসনাং। একো দীৰ্হবাদৃশুদাকাশে সংহতঃ শরঃ। এবছে। অণ্বিকুভান্ বিমূজজো মহাশরান্। আকাশং সংবৃত্তং বীরা-বৃহ্বাভিরিব চক্রতঃ । শরান্তরোজ্ঞ বিবভ্: কহ্ববহিশবাসসং। পঙ্ক্তিঃ শরদি শ্কুনিং হংসানাঞ্রভাসিব। যুক্ত: সমভবভুত হুসংরক্ত: মহাজনো:। জোণপাঙৰয়ো- ৰ্বোলং ব্ৰবাসবলোলিব। ভৌগজাবিব সংক্ৰেমী বিযাণালৈঃ পরক্ষপরম্। শরৈঃ পূর্ণায়ভোৎস্টেরজ্যোহজ্যভিক্ষয়তু (২)॥ ভৌব্যবহরতাং যুক্ষে সংরক্ষো রণশোভিনো। আনি মুঞ্জুং ভারছাকে। মহারণে। অবৈত্ররাণি সংবাধ্য ফাল্ডনং সমযোধ্যং। তয়ো-ভাবারফুচ্ছিতৈর্বাণেরজু নো জয়তাং বরঃ । দশ্যন্ বীক্ষামাণানামস্তমুগ্রপরাক্রমম্। ইষুভিস্তর্ণ-মাকাশং বছভিন্ত সমারুণোং ॥ কিবাসেন্তঃ নরব্যস্ত-মজ্জ্নং তিগ্নভেক্তসম্ (৩) ॥ আচাধ্য-মুখ্য: সমরে জোশ: শক্তভাং বর: ॥ অব্জ্নেন সমাক্রীড্ছরে: সন্তত পর্বভি:। দিব্যাক্ত-উদীরয়জৌ সমরে দিব্যাগুজাণি ভাগশ: 🕽 অথ ছাচাধ্যুথে,ন শর.ন্দিগুন্ দিল্পান্দিজান্।

(२) मुर्गाबरजार करेहे: मूर्गाबरजन मखनी झरजन पश्या छरकरेहे: (श्रीबरेजिनिजार्थः। (७) किन्न মহেয়াসৌ বিফলভো শিভাঞ্বান্। একজায়ং চক্ত্তা-বাকাশং শরবৃত্তিভি:। ততাৰ্জ্ टिक्सग्रः छोक्तभवाक्तम्।

প্রাসীৎ সংপ্রহার: কুদ্ধরোন রসিংহরো:। অম্বিণোন্তদাজোহজাং দেবদানবয়োরিব। ঐক্রং

বায়ব্যমায়েয়মক্সমত্রেণ পাণ্ডবঃ। জোণেন মুক্ষমাজন্ধ গ্রসতি শা পূনঃ পূনঃ । এবং সুরৌ

নেন মুক্তানাং পভতাং বৈ শরীরিষ্। পর্বতেষিব বজ্রাণাং শরাণাং অধ্যতে যনঃ। ভভো মাগা র্থানৈচৰ বাজিনশচ বিশাম্পতে। শোনিভাজ। বাদৃভান্ত পুজিগভাইৰ কিংশুকা:।

ক্র বিধ্যানো তু ভো ভত্ত বহুব। ভাসনান্তনা জোপকে। জোপকে।জেয়ায়াজতা বলিবাসবয়োরিব।
ক (৪) । ভয়ো: সমভবদ্যুনং তুমুলং ভরতর্বভ। জোপকে।জেয়ায়াজতা বলিবাসবয়োরিব।
ক অৰ প্রীয়ভোৎস্টঃ শরৈ: সলতপ্রভি:। ব্যদারয়েতা-মজোইজং প্রাণ্শাতে প্রস্তিতে।
ক অৰ প্রীয়ভোৎস্টঃ শরে: সলতপ্রভি:। ব্যদারয়েতা-মজোইজং প্রাণ্শাতে প্রস্তিতে। [ অশোকানাং বনানীৰ ছয়ানি কুসুমৈন্বৈঃ। রেজু: পার্থব্রৈস্ভদ্রদা সৈজানি ভারভ]। বাছভিশ্চ সকেষ্ট্রবিধিচিত্রশচ মহারথৈঃ। স্বৰ্কব্চৈশিচতৈর্গকৈশচ বিনিপাভিতৈঃ। প্র যোধিশচ নিহতৈত্ত্ত পার্থবাণ্প্রপীড়িতেঃ॥ বলমাসীৎ সমৃদ্বান্তং জোণার্জনসমাগমে।

প্ৰমাথিনং মহাবীধ্যং দৃঢ়মুপ্তিং ফ্রাসদম্। জেভারং দেবদৈভ্যানাং সংক্ষাঞ মহারথম্। व्यविख्यक मिक्काक माघतः मृत्रशां डिड्या । शार्यकामात्र मृद्री छो। छा। कृत विश्वयः ॥ घष . (६) मःजकत्को वश्क्सालो। त्यानमुक्षम्।

নিকুল্ক প্রনেষ্ডি: # ইতি বিরাটপ্রব্যাত্তরগোতাতে লোগাপ্যানে অইপঞ্চাশ্তমোহগার: # देशल क्षाम् छेम्छ । ७८७। त्यानिष्यांनीयीः टाम्यांनस्मान् तर्ण । छः भार्षः द्यांक्षाक् क्ष्मांगच्छ याजगणिष्ट्रः। म क्र मकाख्यतः कृतः याजामाम्बन्धरेनद्रियः। क्षित्रप्रभिष्यः मृत्या [ 4-44]

त्र) भाष्त्र विकतिवाखः। विवतः स्प्रमातालाका कााः किछिन कृत्यभ ह (७)। डमञ्जाभृकन्न-कृत्मवाः कर्षा मृद्दे। जिमासूत्रम् त्यात्या छोष्यम् कर्षम् कृशोम्बत् प्रदायकाः। माधु मास्तिङ् अ अ छात्रसः भृषत्रम् कर्षा कन्य छः। डट्डा त्यापिधभूभ्यातिहात्कमा (धन्ताहो विसमा) প্র কৃতবানয়জীবিভান্। তে রাজন প্রজানস্থ দিশং কাঞ্ন মোহিভা:। ওতে। জৌণিম হাবীব্য: ৰ্মন্বস্তদ। বোজ্যামাস নব্য়া মৌৰ্ব্যা পাণ্ডীবমোজসা ( ৫ )। ততে।ইন্ধচন্দ্ৰমাবৃত্য ডেন পাড়েছা 'মহানভূৎ কিরতোঃ শরন্নালানি বৃত্তবাসনয়োরিব। ন সুস্থাজনা ভাতি ন চ द्यांबर्ग्राईक्रमानर्ग्राः। सञ्छानिय द्युनामानीरभन्नभूत्रक्षग्नः (२)॥ रुग्रानज्ञार्ष्क्यनः मर्कान् ভরতর্বভম্। পুনরেবাহনং পার্থ কদয়ে কহুপত্রিভিঃ (৪)। ডভঃ পার্থে। মহাবাজঃ পাহস্ত कारका नाममिरवाक्रणम् । अन्नकारमा महका वर्षमाभ देवायूमः । परत्रारभंषाञ्चनमाः मन्नि বাভি সমীরণঃ। শরকালারতে ব্যোমি ছামাভূতে সমস্ততঃ (১)। মহান্ চট্টোশকো

(২) বেশ্নাং বংশানাম্। (৩) বিবরং ছিলুম্। (৪) ধলুংঘ্যটো ধবন্তরাণি গছর্থজচতুটরমিতি (১) শারৈঃ সাজীকতে নিরম্ভরীকতে শরসংবৈশিচতে ইতাপি দুশাতে।

-

रकांकः । माखिःकछ भीर्वायकः रामः विख्या भवा। ( € ) नवक्षा त्रोक्षा पश्चित्रतम खरमन। ( ● ) রোধবশ্যাপনঃ কর্ণমেব কিন্নাম্যা। সংপ্রেক্ড বিবৃত্তাভ্যাং নেত্রাভাং কুক্রপুদ্ধবঃ। ডথা তু किट्यम्बाख्यात त्रा (१) क्यांशिक्या बीव गङ्ख्यासिकार क्यां कर् মহাচাপং বিক্ষাভাষিকং ক্ষম। অ্বাক্ষিপভ্তঃ শব্দা হাহাকারো মহান্ত্ । তত-শচকুদিধে পাথে। যত্ত বিকাধ্যতে ধসু:। দদশ ভত্র রাধেয়ং ভক্ত কোপো ব্যবহৃত। স विमूर्य भार्ष (खांगशूक्रम माग्रकान्। षतिकाः शुक्या तासम्भासम्: महत्यमः। हैरुरुका ह विश्वश्राधिकाः। वृषामात्नो महावीत्वा वृष्णाविव मझत्।। त्वो ममाक्षप्रकृतीत्रावत्कारुकार शुक्रवर्षा । भट्रत्राची-वियाकाटेत्रष्ट् निष्टितित भावटेकः॥ षाकाद्याविष्यी मिरवा भा खबच्छ महाश्वनः । टबन भार्षा রবে শ্রন্তফো গিরিরবাচল: । षात्रथा मः शूनर्याभाः শার্থ: সম্পিমং। বারণেনেব মডেন মডে। বারণম্থণ: (৬)। ভডে: প্রবর্তে স্ক: मुधिवारमकवीत्रद्वाः । ज्ञन्यरश ब्रह्माद्वरः स्पष्टाक्नामहर्वनम् ॥ ८७। चीरत्रो ममृष्टः मरर्ष्यं कृत्रत्वा া অতে। ইতিলগ্যেরাশিতকাং গুছুঃ আর্কুড়া র্দিশা। । ( ৭ ) শুভাকতঃ স্কৃতিট্ভাবেন কিণ্ডঃ।

মহাকাছকোশপুতাং ধনপ্তয়:। অভিত্ততাৰ সহসা কৰ্মেৰ সপত্নজিং। ভমভিক্ৰেডা কৌন্তেয়ঃ ता न काकानवमकारम ॥ व्याद्यातः भक्तवा वाराता धर्षपूर्यका एकवनम्। इनक क्रकता मरका स्थापनरक किकोविकम्॥ यव्या कथिकः भृत्यः मामनामाम्। किथन। उनम् स्वाद्यम् १९ क्रक्यश्य म्या मह ॥ यद मणायाक भाकानीः ज्ञिक्यमानाम् छ्राष्यकः। मृष्टेनानि उन्तामा অবৰ্জন টবাচ। কৰ্ষতে সভাম্যো বহুনাচা বিক্থিডম্। স মে সুখি সমোহতীত ক্রোধসংরক্তরেলাচন:। কাময়ন্ বৈরণং তেন যুদ্ধং যচনমব্রীং। ইতি আমিহাভারতে— अ किमिर सम्भिष्टिम्। त्राश्मा कर्न महा मार्का यावाग्रहा महाग्रहा । क्राफार्म बसमान्त्रीहर ন চাজানবমগ্রসে। অবেবাচঃ পক্ষা বাচো ধর্ম্ৎস্জা কেবলম্। ইদন্ধ গুক্রং মুখ্ ফলমাধুহি কেবলম্ । ধর্পাশনিবজেন যল্যা ম্যিতং পুরা। জভ্ত রাধের কোপজ বিজ্ঞায়ং পাত্তা মে মুধে।। বনে ঘাদশবর্ষাণি যানি সোঢ়ানি ছুর্মন্ত। জন্তাদ্য প্রভিজ্যোপাস্য কুরবং সর্কে ভেবজু ভব সৈনিকা:।। কণ্ডিবাচ। অবীধি বাচা যৎণাথ কর্মণা ভং ক্ষলং আংগুহি কেবলষ্। এহি কৰি ময়। সাজিং প্ৰভিপদাক সঙ্গম্। বিজ্ঞানীত প্ৰথাজীয় পোঞাহে লোণ্যপ্ৰানং নাম একোনষ্টি ভমেহ্ধ্যায়ঃ 🔋

সমাচর। আভিশেতে হি তে বাক্য় কলৈতিৎ প্রথিতং ভূবি (১)। মৃদ্ধা মবিতং गुर्फा उपमास्कन मर्बिडम्। ट्रेस्डा शृष्टीमरट नार्षे उन मृष्टे। नदाक्रमम् ॥ धर्षानाम निन्दक्तन

ন্ধ্য মুখাতে ভব কারণাৎ। তথাপি ন ব্যধা কাচিম্ম স্যাধিক্রমিষ্যতঃ। অমং কোঁজেই কামজে ন চিরাৎ সমুপস্থিতঃ। যোৎসাসে হি ময়া সার্জ-মদ্যক্রক্রসি যে বলম্। ত অর্জুন টবাচ। প্রাকৃতান্ পুরুষান্ জিছা রুধা তে কর্ণ গজিতং। ইদানীমেব তাবজ্ মুগ্যাতে। রুণাক্রম। তেন জীবসি রাথেয় নিহতত্যুজ্তব। আতরং ঘাতরিছা ক-জ্যক্ত্ ()) किटमाउड हि ८७ वाकाः क्रमिड द्रिष्ठः जूवि। त्र भावं ८७ वाकाः क्ष्मिडित्माउड प्रक्रिमो वृष्टि कर्शः वमस्त्रव वीष्टरमुत्रमत्राक्षिष्टः। षाण्याप्राविष्यक्षम् वागाम् क्यावत्रमस्त्रिमः। য্ত্পাক্তশচরিতত্ত্যা। তত্ত্বং ধর্মাধ্বিং ক্রিটঃ সম্মাধোক্মিফ্সি । যদি শক্তঃ ব্যুং পার্থ त्रभीमित्रफ कः। छन्छः शुक्रयः अध्य क्रमारमितः वाविश्विष्ठः। दिभाष्णभीम्न छैर्वात। যক্ষা মৰিভং পুরা। ভথৈব বদ্ধমাথান-মবদ্ধমিব মতাদে (২)। যদি ভাবদনে বাদেশা

क्षत्रक क्षिकर व्यापाष्ट्रमन । वि द्ष्णानवपात्रम । (२) क्टेप्त पर्णात्मा ।

मङ्खा भारत्रहर्म वर्षमां हेवायुषः। উৎপেতুঃ শরকালানি ঘোররগাণি সর্বশঃ। অবিধ্য-দ্যান্ বাহেবাশচ হস্তাবাপং পৃথক্ व्यिष्टिक्योष्ट् छान् कर्नः भदानशिभारभाषान्।

ন্ত্ৰীয় ভাং পাৰ্থো ব্যধমচ্ছবিরঃ। ভতো নিপেতুৰ্বহ্বো রাধেয়ক্ত পদাস্থ্ৰগাঃ। ভান্ भटत्रमीनङभर्वत्।॥ উপাসঙ্গাদীয় कट्नी वानम्थाभन्ग् (8)। विवास भा<del>ख</del>्यः প্রত্যন্ত ভত্তমুষ্ঠীরশীর্যাত। ততঃ পার্থে। মহাবাহুঃ কণ্ড্য ধনুরচ্ছিনং। সাধাক্রং প্রাহিণো১০ অন্মৈ তাং পার্থে। ব্যধমচ্চরৈঃ। ততো নিপেতুর্বহ্বো রাধেয়স্তা পদাসুগাঃ। তান্
১০ গান্তীরবিনিশ্রুকিঃ প্রাহিণোদ্বমসাদন্য। ততেহিস্থাখাস্থ্রৈস্তীক্ষেবীতৎমূর্ভারসাধনৈঃ।
১১ আকর্ণমুক্তৈরহনং তে হতাঃ প্রাপতন্ ভ্বি। অথাপরেণ বাণেন জনিতেন মহৌজসা। পুথক। সোহযুষ্যুমাণ: কৰ্ন্স নিষক্ষ্যাবলস্থন্ম (৩)। চিচ্ছেদ নিশিভাগ্ৰেণ **७७: म ७**ममाविरहे। न या किषिर टोक्सिक्यान् ( ८ ) । म गांग्रवमाना हिषा वनः द्याग्राष्ट्रम**ः** বিব্যাধ কৰ্ণ কোজেয়ন্তীল্লেনোরসি বীধ্যবান্ ৷ তত্ত ভিজ্ঞা তত্ত্তাণং কায়মভ্যাপমজ্জনঃ

<sup>(</sup> ৩ ) নিষকতাত পতা মাবলয়নুরজ্ম। ( ৪ ) উপাসমাৎ ত্রীয়াৎ। ধাজ জিবান আন্তর্ম।

সুশ:। তাভোক্ন উদফোশসূত্তর\*চ মহারথ: (৬)।। ইতি প্রীমহাভাগতে শতমাহত্যাং সংহি-

ভায়াং বৈয়াসিকাাং বিরাটপর্বপুণ্ডরগোগ্রহে পূনঃ কর্পরাজয়ো নাম ষ্টিভমোহধ্যায়ঃ।

दिवसम्मायम छवाछ। जर्जा दिकर्जनः क्लिका भारर्था देवताछिमञ्जरी ।

অববীগুতরঃ পার্থ-মপবিদ্ধ: শরৈভূশম্॥ নাহং শক্যামি বীরেহ নিয়ন্তং ভে হয়োজমান্। বিবীদন্তি মম প্রাণা মনো বিহ্বলভীব মে। অন্ত্রাণামিহ দিব্যানাং প্রভাবাৎ সংপ্রযুক্তান্য। প্রাচ কুকজিটশচৰ জ্বজীৰ দিশো দশ। গক্ষেন মুচ্ছিডশচাহং ৰসাক্লথিরমেদসাম্ (১)। कियो छ्छः यतना त्यश्मा जामरेण्डव व्यशक्तः। ष्यमृष्टेश्व्यः भ्वानाः यद्द मध्यः (मग्ना मश्स्या) প্রাণয়ানীকং যত্ত ভালো হিরগ্রয়। অত শাস্তনবো ভীঘো রথেহসাকং পিতামহঃ। कोতকমাণো ময়। যুদ্ধং তিইত্যমংদৰ্শনঃ॥ অথ সৈতাং মহদ্ধু। রথনাগহয়াকুলাম্।

( ७ ) গাঢ়বেদন: গাঢ়। অভিশয়িত। বেদনা পীড়া মন্ত স:। উদকোশৎ সিংহনাদং কুডবান্। ছোণমুদ্ধে

( ) ) वमांक्षित्रत्मममार--व्यम्यारमः वमा, क्षितः त्रकः, त्माष्ट्र मारमिष्ठाणि विषः नत्रोत्रवरणनः

প্র ক্রম্বের পিনাকিন:। ব্যাবচ্ছত: শ্রান্ঘোরান্ পৃষ্ট্। ভীমে ভবভাপি। না-দদানং ন স্কানং ন মুঞ্জং শরোজমান্। শামহং সংপ্রপ্রামি পশুরাপি বিচেডন:। অবসীদজ্জি মে প্রপ্রস্কলভীব চ। ন প্রভোদং ন চাভীমুন্ সংঘন্তং শক্তিরস্তি মে (৪)। অন্ত্র্ন ই উবাচ। মা ভৈষী: শুলুরালাং মুরাপি নরপূঙ্গব। অভ্যন্ত্রানি কর্মাণি কুভানি রণম্কনি। क्षश्ची मृह्फिडमः। ष्यमाख्कक्रक्रिक्य क्रियः मधमः मख्कः प्रदा (७)। द्याष्टिक्रीमानः ममरत गाडीवक क्षणण्डः। मृष्टिचित्रिका वीत्र क्षम्यः मीर्याजीव त्य । वशुत्म्काद्याः कव त्रत् সমাগম:। গোধাবাতেন মৃহত। শন্ধানাং নিবনেন চ (২)। সিংহনাদৈশ্চ শুরাণাং গক্ষানাং বংহিতৈক্তথা। পাতীবশকেন ভ্শ-মশণি প্ৰতিমেন চ। শণ্ডি স্থৃতিশ্চ মে বীর

(২) মহৎসংগৎসমাগ্রম, সংগ্রামসমাগ্রম্ম। সোধাবাতেন হতাবরণং গোধা। (৩) খলাতেচক্র ক্লভিম্মিড়ি মুলাভ্মদার: ডক্ত বনেণ কিল চক্রাণ্ডো, মুলাডে। মুলাড্চক্রতিমং পাড়ীবং মুল স্তলমিড়ি সময়। (৪) প্রভোগং প্রাল্পনং শভীব্ন রাশন্ প্রথহানিড়াপ্। (৫) বিবাগিত্যিক্সীতি রাজপুরোহসি ভরতে কুলে মংক্রতা বিশচতে। জাততং শত্রদমনে ন বিষীদিত্ম হসি (৫)।

क्षिमण्डि (१)। हेकि माः मङ्गाः मरले उर्काव्याञ्चि भज्यः। त्यानिष्डामाः व्यावकाः नांशनकार घृद्धात्राम् ( ৮ )। नमौर क्षकलियात्रिय अत्रलांक क्षवाहिषीम् ॥ आणिशामिनातः-পুঠ-বাহুশাখানিরস্ভরম্। বলং কুরাণাং ছেংসামি শরৈঃ সন্নভপ্ধভিঃ। ভয়তঃ কৌরবীং বৈশশ্পায়ন উৰচে। এবমূজ্যু মহাবাহুব্বিরাটিং নরসভ্যঃ। অজ্জ্বো রথিনাং শ্রেষ্ট শকুর্জ্যামণি চাহবে। অত্যন্তং দিব্যমন্তং মাং চিত্রমদ্য নিশাময় (৬)। শতহুদমিবায়াতীং জ্ঞনয়িছোরিবাস্থরে । সূবর্ণপৃষ্ঠং গাঙীবং দ্রক্ষাক্তি কুরবো মম। দক্ষিণেনাথ বামেন কভরেণ পুনরেবেদমত্রবীং। সেনাগ্রমাশু ভীল্ড প্রাপ্যবৈত্দেব মাম্। আচ্ছেৎস্তামাত্মেডস্ত

\$ \$ %

हास्मगः ग्रीमारमणः प्रतिष्ठा य। धवमञ्जक्षिति । ( ७) निभाषष्ठ प्रवशतम् । ( १) पिर विरुद्धि । प्रज्ञीक সেনা মেকজ্ঞ মম ধ্ৰিনঃ। শতং মাগা ভবিষ্যুন্ত পাবক্তেতি কাননে। ময়া চক্তমিবাবিদ্ধং সৈতা দক্ষাসি কেবলম্। ইষ্ত্ৰে শিক্ষিতং চিত্ৰ-মহং দশ্যিতাশিত 🗷 অসংআত্তো রধে किमिडिं! (४) तक्डाः मिनिडाः। िक जरमच् विवस्मय् **ह। मिवमायुका कि**केकः जितिः जिम्मार चनिविधिः । ष्यश्मि<u>यां ज्</u> বচনাৎ সংগ্রামেইভাহনং পুরা। পৌলোমান্ কালকঞ্লাংশ্চ সহস্রাণি শভানি চ। অহসি-

ত্ত ভেক্তসাম্ : শীর্মানানি তুলানি প্রজেনেব্বায়্ন। ময়া কুক্লণাং রক্ষানি পাড্যমানানি এব পাক্ত বি । ধ্বজরুক্ষং পতিশাখং রথিসিংহগণাযুত্য । বনমাদীপয়িষ্যামি কুক্লণামন্ত্রভেক্তসা। ভা ভানহং রথমভোড্য শরৈ: সমতপর্বভি: । পতীন্ সর্পানভিবলান্ বোংশ্যমানানবিস্থিভান্। व्याष्ट्रां मुष्टिः बक्तवः कृष्टरख्डाम् । व्यनाहः जुम्लः जित्र-मञ्जीनकाः (निवि विकि) दाकाशास्तः। षादः शात्त्र मभ्यक दित्रशाश्रुत्वामिनाम्। किषा मष्टिमहत्यापि त्रथिनामुख-অক্সমগ্রেমগ্রাশ্চ বায়ব্যং মাতিরিখনঃ। বজ্ঞাদীনি ডথাস্ত্রাণি শক্রাদ্হমবাপ্তবান্, ধার্জরাষ্ট্রবলং प्रदायः नदनिःश्वाण्डित्रक्षिण्यः। ष्यश्युरमानिष्यगामि देवदाष्टि त्याष्ट्र एक छन्नम्। देवभाष्याञ्चनः উবাচ। এবমাশাসিতস্ত্রেন বৈরাটি: সব্যসাচিনা। ব্যগাহয়ত্রধানীকং ভীমং ভীমাভিরক্ষিত্রম্ 🛚 ভমায়াড়াং মহাবাহুং জিগীযন্তঃ রণে ক্রন্। অভ্যবারয়দব্যগ্রশ্চাককশা নদীস্ত:। ডক্স কিফুকণার্ভা পকেং মূলাদপাত্রং। বিক্ষা কল্ধোতাপ্রিষ্ত্রং প্রাপ্যন্তথ্ম। ভক্তিন্ত-

श्कि । भकाद ट्याड्रावश्रद खनाखरत। त्माश्मयाराडा त्रभः शिषा भार्थताभद्यश्रीष्टिङः। **७७**खमि (कोष्ट्यः भरमान्डशस्त्रा । मनार्हेश्लास्त्र म विष्टः स्रोभष्यमार ॥ ७७: क्षिक्षक्रमायुका मिक्यारत्रन काम्यूक्म। ठक्छ शार्ष्वगर्यन काक्तमश्रीत्रक्रकम्। ष्यरेषनः किर विकर्भः भरेत्रछोरेक्नर्गार्षभण्यत्रकिष्मरेगः। विवास भन्तीत्रक्र-मर्व्यक्तः मृख्याहुकः॥ মাল্যাভরণাং কুভবিজা মনস্বিন:। আগছন্ ভীমধ্বানং চ্ছারঃ স্মহাবলাং ছঃশাসনো ৰিকৰ্ণিচ ছু:শহোহণ বিবিশেতিঃ। আগড়া ভীমধ্বানং বীভংফুং প্ৰভ্যবারয়ন্। ছু:শাসন ভলেন বিজা বৈরাটিমুক্তরম্। জিভীয়েনার্জুনং বীরং প্রড়াবিধ্যৎ জনাস্তরে। ডক্স পাৰ্থভিক্ততা ছঃসহঃ সবিবিংশভিঃ। অবাকিরচ্ছবৈতীক্রৈঃ প্রীপ্সন্ ভাতরং রণে।

 एको ह्लाम्यो विविद्याः प्रक्राङ्गाष्यकात् । प्रान्धिका प्रदेशतरे क्रियनो । प्राम्योतः । ভারুভৌ গার্জপতাভ্যাং নিশিতাভ্যাং ধনঞ্জয়। বিদ্ধা যুগপদ-ব্যত্রস্তভো বাহানস্দশ্ধ (৯)। ( २ ) वाहान् षयान् সৰ্কা দিশশচাভ্যপত্ৰীভংফ্রপরাক্তি:। কিরীটমালী কৌছেয়ো ল্কুলকো মহাবল: ।•॥ ইতি জীমহাভারতে বিরাটপর্বপুতিরগোগ্রহে ঘূশাসনাদ্যপ্যানং নাম একম্প্রভিমোধ্যায়:

का नीशिक हेव शर्काम् नमहिक्ष प्रश्नारिमार्श्वपारिमण्ड वाखिछिः। एकत्रीमधिनिनारिमण्ड म क्र भाववार्यात्वार्यकार नागांक्कावाविष्यि लोशिन कवानि ह। भाविष्यभववानानि विनि क्र लोकुः व्यञ्जभः॥ क्रवमानः भवानका भाववः व्यव्यो त्रान् (১)। मश्निनगर्यार्थियम् क्रिक्रमेव मिवाकतः॥ खेनव्रविष्य विख्छ। द्रायर्थात्राव्यवशः। मामिनभाष्येर्द्धरिष्णा कृरमे শক্তুমুলোহভবৎ নাগাক্কারারিভিত্ত লোহানি ক্বচানি চ। পার্থভাশরক্সালানি ঝিনি दिमान्याञ्चन छवाठ। ष्यथ मक्त्रगु मत्त्व ८७ (कोत्रवाभार महात्रथाः। ष्यष्ट्यूनः महिछ। যতা: প্রত্যুধ্ত ভারত। সুসায়কুম্যৈক্টিল: স্প্তত্মহারপান্। আফ্রাদ্যুদ্যোজা চাপি পদাভয়:। শবৈ: সন্ত্যাভাষানানাং কবচানাং মহাজ্যনাম্। ভাত্ৰয়াজভলোহানাং व्यक्तिमीयश्चनः ॥ ष्ट्रमगाश्वाधनाः नर्यः भन्नीदेर्जज्ङारुङमाम् (२)। शकाथमामिज्ञिष পাৰ্ধৰাগঞ্জীড়িছৈ: । রথোপস্থাভিগভিতৈরাস্ত্ত। মান্বৈম্থী ( ৩ )। অনৃভাদিব সংগ্রামে

80 20 17

<sup>(</sup>১) আজন্তিশন্। (২) আবেল্ন বুজ্মিঃ। (৩) আভ্তাবিভীশ্।

শিরাংসি রণমুর্দ্ধনি ॥ বিশিখোমুথিতৈর্গাতৈর্কাত্তিশ্চে সহায়ু কৈঃ। সহস্তাভরণৈশ্রাক্তিঃ वास्त्रमा आहि त्यमिनी ॥ भित्रमार भाषामानानमन्यद्वानि भिरेष्टः महेदः। जन्यदृष्टितियाका-मा-माज्यह्वद्वर्ष्टा मर्मित्रका एथायानः (त्रोप्टः क्रम्भन्नाक्रमः। प्यथ (त्रोप्रकृत्रम् भार्था দৃষ্ট্য চৈৰ পরাক্রমম্। সংক্ৰেশাফিপর। ভূহ। ধার্বরাষ্ট্রেশু পাওবঃ। ততা ভদহতঃ দৈতাং मृथे,। रैठव भदाक्रमम्॥ मरक् भाक्षिभदा कृषा साउँदाष्ट्रम भभकः। दिखामदिषा ७९८मणः দাৰ্ঘিশা মহারথান্॥ অভভূনে। জয়তাং শোঠঃ প্ধাবৰ্তত ভারত।। প্ৰাব্জয়দীং ঘোরাং েশাণিভোদাং ভরফিণীম্ কেশ্মৈবালস্থাধাং মুগাল্জে কালনিখিভাম্॥ শরচাপপ্রবাং বোরাং মাংসশোণিতকদিমাম্। তহুতোফীষসংবাধাং নাগকুশাং রথোড়্পাম্ (৪)॥ মেদো-বসাক্য্পাত্ৰহাং মহাভ্যবিবিদ্নীম্॥ রৌজ্জপাং মহাভীনাং ধাপদৈরভিনাদিভাম্(৫)॥ ( ৪ ) তছ্তোঞ্যবসংবাধাং তছ্ত্রং বৃধ্ধ, উষ্ণিষ্ধ শির্বেইনং ডাভ্যাং সৃষ্ণাধাং স্কটাম।

[4-40]

কৃপশ্চাপি মহারথ:॥ পুনর্যস্ত সংরকা ধনঞ্জাজিঘাসেব:। বিকারয়স্তশ্চাপানি বলবস্তি कितिकिम्। टेम्जिक्ट्जिक् निमत्त (ब्रामवाहिज्ञिः। ष्यम्तार भर्तावक्षाम्र भृतमामञ्च-শিরঃসজ্মমহাবার্জাং নাগনকাং গুরভায়াম্। মহারথমহাদীপাং শব্দুসুভিনিম্বনাম্। চকার विकर्षण्य गांधीयः न किषिषमृत्य सनः॥ हेि खीमहा छात्र ज पष्माइस्ताः माहिषाद्राः দুঢ়ানি চ। ভা বিকীৰ্ণভাকেন রথেনাদিভাবৰ্চসা। প্রভূাদ্যযোমহারাজ সমস্তাদানর-ধৰক:। ডডে: কৃপশ্চ কর্ণশ্চ ঘোণশ্চ রাখিনাং বর:। ডং মহালৈশ্হাবীবৈয়: পরিবাধ্য ধনঞ্যম্॥ শরৌঘান্ সম্গত্তভো জীম্ভা ইব বাৰিকাঃ॥ ববৰুঃ শরবৰাণি প্ৰপভত্তং চ ভদা পাৰ্থো নদীযুত্তরশোণিতাষ্ (৬)। আনদানতা হি শ্রান্ সন্ধায় চ বিমুক্তঃ अ देवशामिकाः विद्याष्ट्रभव्यवृत्तित्राज्ञात् अञ्चलम् अव्याप्ति विविधिकत्रमार्थायः॥

(৫) শাপদে: শুগালাদিভি:। (৬) উত্তরশোণিতাং শোণিতপ্রধানাং। নদীপ্রবর্তনম্।

রাদৃতা: ॥ তথা তৈরবক্ণিতি দিবৈরবলৈ: সমস্তত:। ন ততা ষ্যুল্সশি বিবৃতং সাম্পুল্ডত

(১)। ততঃ প্রহন্ত বীভংস্দিবানৈকং মহারথং। অস্ত্রমাদিত্যসভাশং গাঙীবে সম-

स्यासग्रदः। अत्रत्रस्थितिवामिष्ठाः क्षष्टत्यु ममत्त्र वनी। कित्रीर्रेमानी कोत्त्रयः मर्क्सान्

প্রাচ্ছাদয়ৎ কুরান্। যথা বলাহকে বিচ্যুৎ পাবকো বা শিলোচ্চয়ে। তথা গাণ্ডীবসভব-

アシグ

जि क्लिया द्वर्शिय विष्णु (३) ॥ यथा वर्षिक शक्कृत्का विद्याष्टिकाकृष्ट विवि। (माण्युक्षी क्रिमाः अर्थाः भक्ताः शृथितीक अप्रकृष्टः ॥ छथा सम्म क्रिमाः अर्थाः शण्याकृष्टिताः । नागाय विविनः अर्थाः श्रिक्षां । नागाय विविनः । अर्थाः । अर्थाः । स्विन् मृश्युक्ष्य कांत्रकः ॥ सर्व माण्यित्रकः । व्यवस्य ।

দিশঃ সৰ্ব্বা নিরাশানি স্বজীবিতে। ইতি এমহাভারতে শতসাহত্র্যাং সংহিতারাং বৈয়-

বধ্যসানেৰ

বৈশশ্পায়ন উবাচ। ভতঃ শান্তনবো জীমঃ স্থ্ৰ্ধ্ৰ

সিক্যাং বিরাটপর্বপুভিরগোগ্রহে অর্জুন সঙ্গরুছে ত্রিষ্টিভমোহধ্যায়:।

(১) বিবৃতং প্রশাশিতং শন্তরং বা। (২) ইজাযুগ্যিতি ইস্বধ্য:। সেনাডদ:।

যোধেষু ধনঞ্যমুপাদ্ৰবং ॥ প্ৰগ্য কামুকিমোঠং জাতক্ৰপপহিজ্তম্ (১)। শবাদায় তীক্ষাত্রামুর্বভেদান্ প্রমাথিন:।। পাণ্ডরেণাতুপত্রেণ বিয়মাপেন মূর্জনি (২)। শুণ্ডভে স

নরব্যাজো গিরিঃ ফুর্য্যাদয়ে যথ।॥ প্রগায় শব্ধ গালেয়য়। ধার্বরাষ্ট্রান্ প্রহর্ম। প্রভাগুফ্ৎ প্রস্তুযুদ্ধ। ধারাধরনিবাচলঃ (৩) । ভতো ভীমঃ শরান্টো ফাজে পার্থস বীধ্যবান্ । প্রদিশিশমুপার্ত্য বীতৎসুং সমবারয়ং॥ ডমুদীকা সনায়াজং কৌজেয়ঃ পরবীরহা। সমপ্যমহাতেগান্ খসমানানিবোরগান্। তে থকলং পাঙ্গুজ্জ সমাসাদ্য পভজিণঃ। জ্লভং কপিমাজগুধ জাতা নিলয়ান্ জনান্ (৪) ॥ তেতো ভলেন মহতা পৃথ্ধারেণ পাণ্ডব: । ছতঃ চিচেছদ ভীলস্ত ত্ৰ্ং তদপভতুবি। ধ্ৰজং চৈবাস্ত কেজিয়ঃ শৱৈরভাহনত্ব শৃষ্। শীস্তকুদথবাহাং শচ তথেয়েটো পার্ফিসারথী।। অম্যামাণস্ততীয়ো জানন্নপি স পাশুবম্।

(১) আংতিরপুপরিফুতং ফ্রবন্মতিতম্। (২) পাওবেন খেতেন আংতিপ্জেন ভৌপুরাজিতে। দিব্যেনাজেশ মহত। ধনজয়মবাকিরং ॥ তথৈব পাওবো ভীঘং দিব্যমজ্মুদীরয়ন্। **প্রভ্য**-. ( o ) धावाधतः त्यवम् । ( 8 ) क्रनान् श्राणिभणान् । गार्षिन विषयोगवरम्नात्रव । त्योक्ष्यः कृतवः मरर्ष त्यांभांक महरेननिकाः। **छोन्नर्धनाः** মিবাবিছং সব্যদক্ষিণমভাত:। গাঙীবমভব্দাজন্ পাৰ্থভ ফ্লড: শ্রান্ ॥ তত: সংচ্ছাদ্যা-মাস ভীম: শরশতৈ: শিতৈ:। পর্বতং বারিধারাভিশ্ছাদয়ন্নিব ভোয়দ:। তাং স বেলামি-বোদু ডাং শররৃষ্ঠিং সমূখিতাম্ (৫) ব্যধমং সামুকৈ ভীমঃ পাগুবং সমবারয়ং। ভতন্তানি নিকৃতানি শরকালানি ভাগশ:। সময়ে (রে) চব্যশীষ্যন্ত কাল্কনত রথং প্রতি। ততঃ কনকপুৰানাং শররৃষ্টিং সমুখিতাম্। পাণ্ডবস্ত রথাত্র্ণ শলভানামিবায়তিম্ (৬)। ব্যধ-मखी: शूनखण ভীম: শরশতৈ: मिতि:। ভততে ক্রব: সর্বে সাধ্ সাধিতি চাক্রবন্। কোইছঃ সমধি: পাৰ্থস বেগাহ্বারাতুং রণে॥ খাতে শাস্তনবাদ্ভীয়াৎ কৃষণাছা দেবকীসূভাৎ। সমাবিজা ভীলপাণ্ডবয়োষ্ধি। অন্তরীকে ব্যরাজ্জ খদোড়া: প্রার্থীব হি। অগ্রিচকে-হৃষ্ধ কুতবান্ ভীলো যদৰ্জনমযোধ্যুৎ॥ বলবাংস্তকুলো দক্ষঃ কিপ্ৰকারী ধনপ্ৰয়ঃ।

カラグ

( ६ ) मागडममीवङ्खिमव' षद्भाष्तिक्छो त्वत्मञ्जमदः। (७) षाम्र्डिः (खग्नैः।

स्मिकिणम्। त्कोरवत्रः वाक्रनरेक्षव यामाः वाप्रवास्मव छ॥ व्यव्शारमो महाज्ञारमो मभरत ভৌ বিচেরতৃ:। বিম্মিভাত্মথ ভূভানি ভৌ দৃষ্ট্য সংযুগে ভদা।। সাধু পার্থ মহাবাহো সাধ্ जे जीएयं कि ठाउन्दर्म। नाग्नः युष्का मस्रायात् (याश्याः मामृणाष्ट महान्। महाखानाः मच्यात्याताः ্রা সমরে ভাষপাথমোঃ। বৈশশ্পায়ন উবাচ। এবং সর্বাস্তবিহ্যোর্যজ্জমবর্জন। জ্যুম্বেল ভা তুনির্ভে শরম্ভ্যবর্জনবর্জন জ্যুম্বিশার্ড্য কুরধারেণ কামুক্ম চকর্জ ভীষ্মতা ভদা এই জ্যাতরপপরিফ্রন্। নিমেষাস্তরমাত্রেণ ভীলোহ্তাৎ কামুকং রণে। সমাদার মহাবাহ্ (৭)। আচাৰ্য্যপ্ৰবন্ধাণি ভারঘাজামহাবলাং । অকৈনস্থানি সংবাৰ্য্য ক্ৰীড়ফো ভর্ত-ৰ্যভৌ। চকুংযি সৰ্বভূতানাং মোহয়য়ে। মহাবলৌ। প্ৰজাপত্যং তথৈবৈস্ৰমাগ্ৰেয়ক সমরে ভীমপার্থয়োঃ। বৈশশপায়ন উবাচ। এবং সর্বাস্তবিহ্যোরত্ত্ব্যুদ্ধমবর্জ । আরুষুদ্ধে

তয়োদিবাালবিছ্যোরজতোনিশিতাগুরান্। ন বিশেষস্তদা রাজন্লকাডে আম মহাপুনো:॥ ( १ ) अर्ड विना षश्च हेडार्यः।

मकीः চক্রে মহারथः। भातास्क श्वरून् कृष्या মুমোচাশু ধনঞ্যো। चार्क्यनाश्री

শ্বাংভীক্ষান্ ভীঘায় নিশিতান্ বহুন্॥ চিকেপ স্মহাডেকান্তথা ভীঘশ্চ পাশুৰে॥

পাণ্ডবো ভীমং ভীমণচাভীব পাণ্ডবম্। বছ্ব তম্মিন্ সংগ্রামে রাজন্ লোকে তদলুতম্ (৮)॥

পাঙিবেন হতা: শুরা ভীঘ্নস্ত রথর্দিল:। শেরতে স্ম তদা রাজন্ কৌস্তেয়স্তাভিতো রথম্॥

ত দিব্যমন্ত্রং হি বিগাঢ়ং চিত্রমন্ততঃ। প্রেক্ষন্তে সান্তরীক্ষ্যাঃ সর্বে দেবা স্বাস্বা:। তৎ ভতে। গাঙীবনিমুকা নিরমিত্রং চিকীধিবঃ। আগচ্ছন্ পুঝসালিটাঃ শেতবাহনপত্রিণ:। দৃষ্ট্। পরমশ্রীতো গন্ধর্কশিচত্রমফুতম্। শশংস দেবরাজায় চিত্রসেন: প্রভাপবান্ ॥ পভৌমান্ পার্থনিয়ু কান্ সংস্কানিব গছত:। চিত্ররূপমিদঞ্জিফাদিব্যমন্ত্রমূদীধ্যত:। নেদং নিশ্তজ্যে রথান্তত্ত ধৌত। হৈরণাবাদসঃ। আকাশে সমদৃশীন্ত হংশানামিব পাক্তমঃ। তত্ত

নগতংস্ধ্য: প্রতপস্তমিবাম্বরে। ন শক্র্বন্ধি সৈত্যানি পাণ্ডবং প্রসমীক্ষিত্য। তথৈব ভীমং আনদদানত হি শরান্ সন্ধায় চ বিমুঞ্জঃ। বিকর্জন্চ গঙীবং নান্তরং সম্প্রদৃত্তীতে। মধান্দি-মমুয়াা: শ্রদগুর হীদং তেষু বিদ্যতে। পৌরাণানাং মহাজাণাং বিচিত্রোহয়ং সমাগম:॥

(৮) শ্ভীব প্তিশ্যিতবানিতাৰ্ণ:। ব্যন্উদোৱন্ শ্রানিতি শেষ:।

292

29% ত্র বভ্যানং পরাক্রাস্ত্রো ধনপ্রয়ঃ॥ স পাড়িতে। মহাবাহুস্থীগু রথক্বরম্ (১•)।
১৮ পাঙ্গেরো যুদ্ধর্ষস্থত্যে দীর্ঘমবাতুরঃ॥ জ বিসংজ্ঞ-মপোবাহ সংঘন্তা রথবাজিনাম্।
১৯ উপদেশমস্মুত্য রক্ষমাণো মহারথম্ (১১)॥ ইভি শ্রীমহাভারতে শতসাহত্র্যাং সংহিতারাং গাফেরং এই ুং নোংসহতে জনঃ। উভৌ বিশতকর্শাণা-বুভৌ ভীব্রপরাক্রমো। উভৌ সদৃশকৰ্মাণা-বুভৌ মুধি স্তৰ্জ্যৌ। ইত্যক ়া দেবরাজত্ত পাৰ্জীয়সমাগমম। প্ৰয়ামাস ৰভমানং প্রাক্রান্তঃ কুন্তীপুতো ধনলয়ঃ ॥ স পীড়িভে। মহাবাছগৃ∕হীভা রথক্বরম্ (১∙) । দিব্যেন পুশাবর্ষেণ ভারত ॥ ততঃ শাক্তনবো ভীয়ো বামং পার্শমতাড়য়ং। পশ্রতঃ প্রভিদশ্বায় বিবৃতং সব্যসাচিন: (১)। ভতঃ প্রহন্ত বীভংফুঃ পৃথ্ধারেণ কামু কম্। अ किराका शक्षिशत्वन की मणामिकराज्यमः॥ कारेवनः ममिक्सिरिनः क्षाक्रात्वम् स्थास्त

( ১ ) বিরুভমনজ্ঞরম্। ( ১০ ) ক্বরং রথস্মজং যুগজ্জন্। ( ১১ ) অপোবাহ অপসারিভরান বৈশশপায়ন উবাচ। ভীমে তুসংগ্রামনিরো বিহায় পলায়মানে ধৃভরাষ্ট্রপুজঃ। উৎস্বজ दिव्यामिक्रार विव्राष्टिभव्वजुरस्ताहार जीयाभवात्न ठष्टुःयश्विर्धास्थाग्नः ॥ উপদেশং সারথীনামিতি শেষ:। ভীসার্জ্নগুজম্।

জাষুনদপুখচিরো ভিকু ললাটং হুবিরাজতে य।। স তেন বাণাভিহতস্বস্থী ছুর্যোধনে-বাপেন সমপিতেন কাফুনদাত্রেণ স্থমংহিতেন। ররাজ রাজন্রজনীয়কশ্রা যথৈকপৰ্বা क्रिटितकमुकः (७)॥ ष्यथास्य नात्यन विमातिष्ठस्य व्याष्ट्रविङ्वीस्-नक्षस्यमुक्षम्। म ज्ज्य নোজভদয়ুটেবগঃ। শরাফুপাদায় বিযাগ্রিক্সান্ বিযাগি রাজানমদীনসত্তঃ। তুর্য্যাধনশ্রাপি अस्वराज्ञाः भाष्क द्वार्यास्मास्मवीतः। चाकारकारकारको भुक्षय असीतो मामो ममास्रद्धः রাজমীঢ়ে। (৪)॥ ততঃ প্রভিলেন মহাগলেন মহীধ্রাভেণ পুনবিধ্কণ্ঃ। রথৈশচ্ছ্ভিগ্ক-

ৰছ ইতি কোষ:। (৩) বজানীয়কশা বজানীয়ং বজানীয়ং কথা যজা স: মহনীয়কথোডাণি দৃশ্যতে পাঠ:। (২) উদএবাধাং বহলপরাক্রমং তদেব পরাক্রমণ্ড বাছলাং যদভিষ্শিক্ষাস্থতা। উদগ্রং বছলং अक्रीकी ग्रंडकः नामनक्ष्रिङ हेडार्षः। ( ८ ) षास्रमी:ो षास्रमी: (४ ) (১) উংফ্ষ্য কেতৃং ধ্ৰেষ্ট্ৰানং কুতা।

পাদ্যকৈ: কৃত্তীসূতং কিফুমধাত্যধাবং । ডমাপ্ততঃ ছরিতং গলেলং ধনলয়: কৃত্রবিভাগ-महस्र। व्यक्तिशृष्टिन महाग्रहमन वाहनन विवास महास्रहन ॥ भाष्ट्र मधः म छ नार्ष्त्राय

ভাগ মঞ্ছাং বজাহতঃ শৃক্ষিমবচনাত । নিপাতিতে দন্তিবর পৃথিব্যাং আসাহিকপ: সহসাবভীব্য।

এ তুৰ্পং পদাত্তইশভানি গছা বিবিংশতে: তাদনমাক্লরোহ । নিহত্য নাগন্ত শরেণ ভেন বজ্যে—

প্রেনাঞ্জিমবাস্থ্যভিম্। তথাবিংধনৈব শরেণ পার্থো গ্রহ্যোধনং বক্ষসি নির্বিভেদ । হতে

সংক্ষে রাজনি চৈব ভিন্নে ভয়ে বিকর্শেচ সপাদরকে। গাণ্ডীবমুজৈবিশিশিং প্রপ্না-জে রুপং সমার্ভ্য কুকুপ্রবীরো রণাৎ প্রতুজাব যতে। ন পার্ধ। যং ভীমরূপং ছরিভং'লবজংং क्र्यायनः अक्रमरहोश्डियकार। त्यारक्ष्यास्याक्र्मनाः कित्रोति वारभन विका क्रियितः स्टै: । भवश्रक्षः म ज् नागत्राष्टः शार्राभिज्ञातमा वाथिजाष्ट्रताष्ट्रा। मश्मीष्यात्ना निभभाष त्यायम्याः मङ्गानकण्ः। मृरेष्टे व भार्षन रुख्क नागः त्यायाः जर्वान् खरछ। निमंत्राः। षाशुष्टाममार क्विदियम नागम् ( ६ )। विमाधा रेममक्वतदाकामाः यथामनिः भर्वकामखन

( ६ ) एहेः क्षमुक्तः बाशुक्तः श्रुकांश्रभव्यम्।

294 किस्। न एकश्मा कुर्याणि ममाइकानि करेथर बाक्षाामगरबाभिष्टक (१)। सृथिष्ठितकान्त्रि নিদেশকারী পার্পস্ততীয়ো রুধি সংস্থিতোহন্মি (৮)। ভদর্থমার্ডা মুখং প্রযচ্ছ নরেন্সবৃত্তং বমভাষ্ (৬)। আৰকুন টবাচ। বিহায় কীৰ্তিং বিপূলাং যশশ্চ যুদ্ধাৎপরাবৃত্য প্লায়সে মুর ধার্ডরাষ্ট্র । মোঘং তবেদং ভূবি নামধেয়ং গুর্ঘ্যাধনেভীহ কৃতং পুরস্তাৎ। নহীহ ছুৰ্ঘোধনভা ভবান্তি পলায়মানস্ত রণং বিহায় (৯)। ন ভে পুরন্তাদণ পৃষ্ঠতো বা পশামি कृत्यांसन त्रिकातम्। चरेशहि मुकार शुक्रयव्येतीत्र व्यानान् वियान् भाखतरकाशमा त्रका ইভি শীমহাভারতে বিরাট পর্বপুত্তরগোগ্রহে হুর্য্যোধনপলায়নে পঞ্বস্তিভমোহধ্যায়ঃ।

বৈশশপায়ন উবাচ। আহুয়মনিশ্চ স ভেন সংখ মহাজানা বৈ ধুজরাষ্ট্রপুত্রঃ। নিবর্জিজ-অভক্ত নিরহুশেন মহাগলেলামত ইবাকুশেন । সোহম্য্যাণো বচসাভিমুষ্টো মহারথেনা-( 🏓 ) প্রাদেশুড়য়ৎ সিংহনাদং কুতবান্। ( ৭ ) বিহায় কীজিং বিপ্তাং যশশ্চ পুণ্যশ্লাখনং কিজি: বিজ্ঞা-শিক্সাদিশাঘনং যত্তদ্বশ ইতি ডেদ:'প্ৰকাষাত্ত্বত পূৰ্কমেৰ ৰ্যাখ্যাডম্। (৮) নিদেশকাৰী আক্ৰাকাৰী। ( ) ন চেৎ ছর্পোধনতা হুর্পোধনতেতি ভাব:। ছ্র্পোধনাজানম্।

200

মনাংসি ভেষাং মহাবলঃ প্রব্যথয়াঞ্চলার । ভতঃ পুনভীমরবং প্রগৃহ দোভাাং মহাশক্ষ্মুদার-(३) ष्यं हिन्न है हिन्न है। (४) विश्वा वस्ता।

গাভীবধ্যা কুরুপুস্কবানাম্। সন্মোহনং শক্তসহে।ইতাদত্রং প্রাত্শচাকাটিরক্রমবারণীয়ম্॥

खरका मिশ×ाञ्चमिरमा विवृक्। भोतः स्थारेन्निमिर्कः स्थारेन्यः (२)। भाधी<रघारय

ঘোষম্। ব্যনাদর্থ স প্রদিশো দিশ: থং ভূবঞ্চ পাথে। বিষতাং নিহন্তা॥ তে শন্ধানাদেন কুকপ্রীরাঃ সম্মোহিতাঃ পার্থসমীরিভেন। উৎস্জা চাপানি ছুরাসদানি সর্পে তদা শান্তিপরা বছুব্:। তথা বিসংক্রেমু পারেমু পার্থ: স্মুদা চ বাক্যানি তথোত্তরায়া:। নিৰ্যাহি মধ্যাদিতি মংক্তপুত্ৰ-মূবাচ যাবং কুরবো বিসংজ্ঞা:॥ আচাধ্যশারঘতযোগ্র শুক্তে কর্ণক পীতং কচিরঞ্চ বস্ত্রম্। তেশাগেশ্চ রাজ্ঞশ্চ ভথৈব নীলে বস্ত্রে সমাদংয নরপ্রবীর। ভীমতা সংজ্ঞান্ত ভূথৈব মত্যে জানাতি সোংস্ত্রপ্রতিঘাত্যেনতঃ। এততা বাহান্ কুফ সব্যতত্ত্ব-মেবং হি যাভব্য-মগুচুসংজৈঃ। রশীন্ সমূৎস্জা ততো মহাত্মা রথাদবপুড়া বিরাটপুজা:। আক্ৰয় বা্দাৰ্গি মহারথানাং তুৰ্ণ পুনস্তজথমাক্লযোহ॥ তভোহজশাসচত্ত্রঃ সদখান্ পুৰো বিষাটত হিৰণ্যককান্ (৩)। তে ভঘাতীযুধ কিনামনীকং শ্বেভা বহন্তোহৰ্জ্ন-হয় দিহত। বিবাধ পাৰ্থো দশভি: পৃষৎকৈ:। ভত্তোহজ্নো ভীলমপাত যুদ্ধে বিদ্ধাত নাজিমধাং। তথামুযান্তং পুরুষপ্রবীরং ভীমঃ শরৈরভাত্নতরস্থী। স চাপি ভীম্মজ ( ७ ) हित्रुणीक्षाः स्वर्गक्षाः ।

[8--8]

ৰজনুৰদ্ধিজনুধুৰা। ভতেকু। বিমূজেণ রণবুননুধ্যায়েল্য বিদাধীৰ সহসরশাঃ। সকাজ

সংক্রাংস কুক্পাবীর: পার্থং সমীক্রাথ স্রেক্সক্রম্। রণাধিমুক্তং ফ্রিনেক্সাকো ডং यार्डत्राङ्केष्ट्रजिङः वर्णात्य । अप्रः कथः विष्ट्रतक। विम्रुक्डकथा व्यम्प्रोहि यथा न मूरकर। ভমুৱবীজ্ঞান্তন্ত: প্রহুত্ত ক তে গভা বুজিরজ্ৎ ক বীধ্যুম। শাস্তিং শরাং প্রাণ্য কলা-মনো নিবিষ্টম্ 🖟 নৈৰলোক্যহেতোক কহেৎ অধৰ্ষং জনার সৰ্কে নিহভা রণেহন্দিন্। কিপ্ৰাং च्हिरणोश्कृकरम्बा वानास्क सञ्खित्यम्। न त्वय वीकरस्वनाः नुमस्यः कर्ष्ट्रः न नारमाश्ख কুত্ৰন্যাহি কুকলবাীর বিজিভা গা: সংশ্তিযাতু পার্ণ:। মা ডেহ্দা কার্যাং নিপডেজ মোহা-জৎ সংবিধাজব্য-মরিষ্টবন্ধম্। ইবশশ্পায়ন উবাচ। ছবেগাধনস্তস্ত ভ্রিরশম্য

( ८ ) षठीडकारमाश्यास्त्रमात्रभः।

পিতামহস্তাঅহিতং বচোহ্ধ। অভীতকামে। যুধি সোহত্যমমী রাজা বিনিশক বছ্ব कुकीम् ( ८ )। एडीप्रदाकाः हिड्यीका मत्त्रं सम्लग्नाणिक दिवक्षमानम्। निवर्षनाहेत्रव मिडि विमध्ष् र्यायमारङ शत्रिकमानाः । जान् अष्टिजान् श्रीष्ठमाः म भार्षा धनक्षप्रः প্ৰেক্ষ্য কুক্কপ্ৰবীৱন্। আভাষ্মাণোইমূয্যেয়া মুহূৰ্জ্য সম্প্ৰয়া স্তত্ত কুলমহালা।। পিভামহং

भाग्यनक दुष्टा त्यांना श्वक् क टार्डिश्वा मृत्रा। त्योनिः कृनोर्कत क्रांभा माग्राम् भद्रैबर्सिटिरैजब्धिस्विष् हिन्॥ घूर्यग्रंथनरङ्गाख्यत्रकृष्टिजः हिरस्त्रम शार्षा गुक्छेर भरत्रमः। क्षांबद्धा बीख्रांफ्ट क्टीबंब यांथान् भाषीयत्वात्यन वित्नाम्। म प्रयमिष्टः महमा दिनाम विमाधी वीरत्रा षिष्ठाः मनारित । स्वरक्षन मर्कान् भित्रकृष्ठ भद्मन् मरहममारमन माज्ञ जिलाम् अभटमा विकारण याकाः शत्र याति श्रुतः टालडेः (८)। त्यतास मृद्धे। নিয়াকায়ানঃ। দৃষ্ট্। প্রয়াভাশেচ ক্রন্ কিরিটা হাটো-হববাতত স সংজগ্রম্। कर्षानि বিচিত্তরজঃ। ইন্ডি--বিরাটপর্বগুলেরগোগ্রহে ষ্ট্যন্তিনোহধ্যারঃ সমাধ্য

<sup>(4)</sup> 聖春里 恒春

বৈশশপায়ন উবাচ। নিৰ্জিত্য চৈব সংপ্ৰামে কুৱন্ গোর্বভেক্ষণ: (১) সমানয়ামাস छमा विवाष्टिक बनः मह्। श्टब्यु ६ व्याण्याष्ट्र थार्ठवारङ्केषु नर्द्रभाः। वनानिकामा गरुना-ষ্ট্ব: কুফ্সৈনিকা: ॥ ভয়াৎ সন্ত্রমনস: সমাজগা্ত্ততন্ত্রত:। মুক্তকেশাত্র্দুগুন্তু স্থিতা: वाक्षमग्रद्धशा ॥ क्रूर्शिभामाभित्रलाखा छ। विराधितमः। উচু: व्यथमा मराजाखाः

নাহমাত্তান্ জিঘাংসামি জুশমাখাস্যামি বঃ॥ বৈশাকাায়ন উবাচ॥ ডক্ত ভামভয়াং বাচং তু শুছা বোধাং সমাগভাং। আয়ুংকীজিবিশোদাভিক্তমাশীভিরননদ্যন্॥ ডভোহজ্জনং নাগমিব ১ প্রভিন্ন-মুৎস্জ্য শ্রুন্ বিনিবর্থমান্য। বিরাটরাষ্ট্রাভিমূবং প্রয়ন্তং নাশকু বংস্তে কুরবোছ-কু পাৰ্প কিং করবামহে। আৰুন উবাচ। যত্তি ব্ৰদ্ধত ভ্যাং বো ন ভেতব্যং কথঞ্চন। ভিষাত্ম। ততো মহাবাত ইবাব্লয়নং বিদাব্য পাৰ্থ: ক্কনৈভার্নম্। ম**েডভাজসূত্রং** দিষভাং নিহন্তা বচোহত্রবীৎ সংপরিগৃহ ভূষ:। পিতুঃ সকালে ডব ভাত সর্কে ৰসন্তি

<sup>. ( &</sup>gt; ) त्यावृत्रक्षम हे जि त्यवृत्रक्षा (यार्थहा ज्या मेक्त्य ह्य मिक्ती यज्य न ज्या, वृत्रका द्याधेवृत्र-त्वाविष्डि त्यमितः।

नभन्ना टाकडी: किनोडिमा मान्निका महाध्यता। भाष्क कृषा भन्नार्वाक्ष्य निरुष्टा मोक्स नभन्नः महाच्या वृष्टममान्ननमूरन्छ। मात्रविः । दिनन्ननाञ्चन छेदाछ। छट्छा नितृष्ठाः कृत्रवः ঞ্চলত্তা বশ্বাছিতাঃ। হতিনাপুরমুদ্দিত সর্বের দীনা বনুষ্টেদা। প্যানমুগদমগম্য কান্তনেট - विश्वकार निष्का। हकात द्यमिक कट्यंत कृत्या ब्याह त्रमीन् भूनकृष्टत्य। विरयमं क्राकी

वाकामबवीद। बाक्रभुख क्षजारवक ममानीकानि मर्कमः। लीक्नानि मश्वारिश् बीब গোপালকৈ: সহ। ততোহপরাত্তে যাত্যমো বিরাটনগরং প্রতি। গালচাপি পায়য়িষাপঃ भित्रप्रीया 5 दाक्तिनः। शक्कु वितिष्ठारैक्टत त्राशामाः त्विषिकाक्ष्या ॥ नगरत्र **व्यि**ष्यप्र।-

খ্যান্ত ঘোষয়ন্ত চ তে কায়ম্। বৈশশ্পায়ন উবাচ। অংথাত্তরত্তরমাণঃ স দূতানাক্রাপক্র-

अ घटनामक् नच्छ। व्याष्टकक्षाः विकन्नः भाषिवन्त्र छन्नाः भएत विकित्नान्तानि नावः (२)।

हेट्डावः ट्डो ভाরতমৎশুবীরো সংমন্ত্রা সঙ্গমা পূন: শমীং ভাষ্। অভ্যেত্য ভূয়ো বিক্ষয়েন

নু ইড়োবং ভৌ ভারতমংশুবীরো সংমন্ত্রা সঙ্গা পুনঃ শ্মীং ভাষ্। অভ্যেত্রা ভূয়ো বিজয়েন নু, তৃত্তা-ব্ৎস্টমারোপয়ভাঞ্চ ভাতম্। স শক্সেনামভিভূয় সর্কা-মাফ্রিদ্য সর্বজ্ঞ ধনং কুক্সভাঃ। ই বৈরাটিরায়ায়গরং প্রতীতে। বৃহয়পাসার্থিরেকবীরঃ। ইতি আমহাভারতে শ্তসাহস্রাং रियमम्भाष्ट्रन छवाह ॥ श्रम्भारत्यश्य त्याणामाः व्यविश्र नगतः छछः। छेह्स्याः विवाहेख मृष्टे। त्राथनमाञ्ज्यता थनकाणि विक्रिज्यातको विवाहो। वाहि**नीशक्ति**। माहिनाग्रार देवन्नामिक्यार विनातिनका वृष्ट्रमनानगत व्यायम् मक्षतिष्ठित्याक्षााग्रः।

**%** 

व्याविश्वज्ञतः क्रहेश्फङ्ভिः मरु भाषटेतः॥ जिष्णा जिश्वान् मरव्यास्य भाटेश्क्यामात्र अर्थनाः। উপাসকজিতের সর্বে সহ পার্থিং পরস্তপাঃ। উপভত্নঃ প্রকৃত্যঃ সম্প্রা বাদ্ধী । সহ। কেশানি। অন্তঃপুরচরালৈচ্ব কুক্ভিগোধনং হাতম্। বিজেত্মভিসংরত্ধ এক এবাতি-পডিঃ। উত্তরং পরিপপ্রচ্ছ ক্ষাত ইতি চাত্রবীং। আচকুত্তক সংস্থাঃ ক্রিয়ঃ ক্যাশ্চ माहमार। वृष्टमना महाम्रक निर्वााङ: श्रीयवीक्षयः (8)। উপাग्नाछानछित्रथान् त्यांगर चामानक महात्राक मह शार्थः जिम्रावृष्टः। ज्यामनगरः वीतः स्थामा क्रिनिवर्षनम्। বিসৰ্জ্যামাস ভদা দ্বিজাংশ্চ প্রকৃতীস্তথা। ততঃ স রাজা মৎস্তানাং বিরাটো বাহিনী-. मास्थानवः कृषम् ॥ कर्षः छ्ट्याधन्देश्वव एष्टांषश्चाक बज्रथान्॥ देवमाष्ट्राधन छेवात् ॥ मकाकिछः मरमज्ञस्य क्रियनमापि मरच्यदाष्ट्र ( ७ )।

(७) गापिवज दिशाने मजामिङः भिर्मिङः मुमित्न या मजाम भूमाशाः गारकाः धानकोष्टि त्रोववभ्यान्।

( 8 ) भूषियोश्य हेि छेवत्र । ज्ञाशाझालान् चाथजान् यञ् धानिछात्मन मचकः ।

প্রক্রাংশত প্রকৃষ প্রবীরান্। প্রস্থাপ্রামাস স্থতক্ষ হেডোবিচিঅশক্ষাভরশোপ্রান্ধ ইরশ্লপায়ন ভবাচ। এবং স রাজা মংখ্যানাং বিরাটো বাহিনীপভিঃ। ব্যাদিদেশাথ ই ভাং জিংশুং বাহিনীং চতুরজিপীম্। কুমারমান্ত জানীত বদি জীবভি বান বা (৩)। বভ্র সৰ্বাং মহীপান্ সহিতান্ কুন্ধণ্ড তথৈব দেবাসূত্ৰক্ষনাগান্। অলং বিশ্লেজ্ সমলে স্থাত ৰমুঞ্জিতঃ সারখিনা হি তেন ( ৭ )। বৈশশ্পায়ন উবাচ। অংথাভবেণ মুভাজে ধ্রেকিজাম ट्यावाड मर्सानथ मञ्जिष्णान् ॥ मर्स्था क्रवराख हि त्य ठाएक वस्य्यांषिभाः। जिगकी-दिश्रक्रिताक्षम् कृमां किछक्षम्। इरुम्रमामात्रिष्टिन्नरतस्य भरत न त्निष्ठां छ उर्वाता गोष्टाः। য়ালা বিরাটোথ ভূশাভিততঃ শশ্ব ফুডং থেক্রপেন যাতম্। বৃহয়লাসারথিমালিবর্জনং केखनुष्ठ भविकार्थः (य विभिष्ठित्रियक्षाः ( ८ ) ॥ ह्याःम् मागाःम त्रथाःम मीषः भाषाि রি জিছিত। নৃত্যুকান স্থাতাতি কদাচন। তেমাদগতত মে যোধা বলেন মহত। বৃতা:।

(४) गदीकार्थः तकार्षः । (७) क्रमात्रमुख्यः । कीदछि मत्रिक मत्राक वृष्टि लायः । (१) षामाः क्षाधः ।

# A

বিজয়মুদ্ভমম্। পরাজগ্রং কুরণাঞ্গিপুগোয়াভং ডপোত্তরম্। সর্কা বিনিক্ষিতা পাবঃ

কুরবশ্চ বিনির্জিভা:। উত্তরঃ সহ স্তেন কুশলী চ পরস্থপঃ। কল্প উবাচ। দিষ্ট্যা বিনিৰ্জিত। পাব: কুরবশ্চ পলায়িতা:। দিগু। তে গ্লীবত: পূত্ৰ: আয়তে পাৰিবৰ্ষত। नाहि छः एवत मरग्रुश्रं यह भ्राजाश्कार कृतन्। सात এर कायुष्टम यम् यस्ता वृष्ट्यमा।

বাকানবঃ শীজং মন্তমারুফ্ বারণম্ (১)।। শুকাটকেষু সর্বেষ্ আথায়েন্ত জ্য়ং মম (১০)। বোধমুখ্যাশত গণিকাশত স্বলত্নতাঃ। বাদিত্রাণি চ স্বলাণি প্রত্যুদ্যান্ত স্তং মম। ঘণ্টা-

क्यांत्रणामित्वोक्तमः। बाष्ट्रामित्रथा मृजाःत्यान्नानिः त्मारेस्यात्रप्र ( ৮ )। बाक्यानीः

ক্রিয়স্তাং মে পভাকাভিরলঙ্কতা: ॥ প্জোপহারৈরচ্যন্তাং দেবতাশ্চাপি সর্বশ:। ক্মারা

বৈশাশপায়ন উবাচ ॥ ভতো বিরাটো রূপতিঃ সংপ্রস্তীতন্ক্তঃ। শুক্রা তু বিক্ষুস্তুজ্য

- (b) चाक्छामित्रियां चाक्छाज सामारेडक्रिटि:।
- (२) फड़ीवान् मानवः इष्डि ष्टीतिःमत्रवण्यः। ( ३.) मुक्षिटित्व् छ्ड्णाट्षष्ट्। ( ३) मरस्

উত্তরা চ কুমারীভি-বফ্রীভিরভিসংবৃত।। শুকারবেশাভরণা প্রত্যদ্যাতু সূতং মম। रियम्मगाद्वात क्षेत्रा । स्थात्वा जत्मण्यकानः नृश्य गर्यं भूतःयज्ञिकशाश्याकः। (क्ष्राम्क জুৰ্ব্যাণি চ ৰাবিজ্ঞাশ্চ বেশৈঃ প্ৰাৰ্থিঃ প্ৰমদাঃ শুভাশ্চ (১১)॥ তথিৰ সূঠতঃ সহ মাধ্ৰিধশ্চ मूमा बुएका नांश स्मित्वकुम्त्मरह । व्यिष्ठ एक किसीमापि वर्षकाः यमि मज्यरम । विद्याके छेबा 🕨 ब्रिट्डा गाँद्र हित्र शक्ष यका श्रव्य किकन। न ८म कि कि गुरा त्रकाम खुर्जना थि পুক্তব্যঞ্জিক পাশয়ক্ষেতি ভাটয়াথ সর্বে প্রবাদিনোজনাঃ শ্ভিকং মন্দলন্ত্রাং ভেনোপাশিকাঃ পাশুক্ষে क्काबिषार्वात अष्क्र्यावारितः। श्रुवाद विवारेख प्रशावनाथ टार्शाम्यम्: श्रुल्यन खरीम्। अ देवम्पण्याज्ञन क्रियो । প্রস্থাণ্ড কেস্থান্ড গণিকাশ্চ স্বলঙ্গা সংস্থরাকো মহা-क्सांख्यः क्षक्षडे हेममबनीदा व्यक्तांनाङ्ड रेनतिक्कि कक्ष मृष्डः व्यवविकाम्। छः छथा वापिनः দুষ্ট্য (कोटेर) পাশুব: প্রভাভাষত। ন দেবিতব্যং হাষ্টেন কিতবেনেতি ন: এক্তম্। স্বম্দ্য সেবিভূম্। কছ উবাচ। কিন্তে দাতেন রাজেন্দ্র বহুদোয়েণ মানদ। দেবনে বহুৰে। तियो र क अकूमलध्विक मन्नाः। व्यक्तिक मन्नार । व्यक्तिक मन्नार । व्यक्तिक मन्नार । ट्मांबाख्यमाख्य भनिवर्ष्ट्रप्रद ॥ अक्टरख यति या मृष्टेः भाषरबरम्रा ब्रिक्टिनः। मनाद्वेर सुमहर ক্ষীজং আতৃংশ্চ অিদলোপমান্। দূতে হারিতবান্ পূর্পণ তত্মাদু তেনে রোচয়ে। আপশা

प्रस्थः शांखवम्बरोद । ममः भूट्यन तम यकः बक्तवरका कामःमिन (১২)॥ वाष्ट्रांवाष्टाः न ঞ্চানীৰে নূনং মামৰমগুলে। ভীখন্তোণমুখান্ মৰ্কান্ কলান্ন স বিজেষ্যতি॥ বয়জখাতু পাণ্ডবম্ববীৎ। পশু পুত্রেণ মে যুদ্ধে ভাদৃশা: ক্রবো জিডা:। ডভেইবরীক্রণেক্রকাক্ धर्मभूरका मुधिष्ठितः। वृश्तमा यज्ञ यसा कथा म न विस्मयाणि । हेज्यकः कृथिरका त्रांमा मखरम बाजन मीयान यमि त्वाहरक ॥ देवभम्भायन छेवाह ॥ व्यवर्षभारन मृहरं क् मध्धः क्य त्यानकथा जीर्या त्योनिर्वकर्धनः कृषः। हर्र्यायनक बारकन्यन्त्रेष्यारक महावष्धः

しつかつからなるをなってくとくう

ৰক্ষ বাছবলে ছল্যোন ছভোন ভবিষ্যতি। অভীব সময়ং দৃষ্ট্য হৰ্ষো বজোণআৰুমুভে 🖢

মুকুদুগুণৈ: প্রিবৃত: সাক্ষাদ্শিশতকেতু:। কোহজো বৃহয়লায়াভান্ প্রভিযুধ্যেত সক্ষতীন্।

जु छमत्वासः महोः भाषः भाषिः भाषि। महित्यहोत्। महित्यकः म स्पाषा (खोनमीः भाषिः) अ যুধিটিরং কোপালৈযবমিত্যেব ভংসয়ন্॥ বলবং প্রতিবিদ্ধস্থ নতঃ শোণিভমাবহং (১৩)। বিরাট উবাচ। বহুশ: প্রতিসিজোহ্সিন চ বাচং নিঘচ্ছসি। নিয়স্তা চেল বিদ্যেত ন কশিচ্দ্রশ্মাচরেৎ। বৈশশ্পায়ন উবাচ। ততঃ প্রকৃপিতে। রাজা তমক্ষেণীহনস্তশুম্। মূথে ধোহজরৎ সহিভান্ সর্ধান্ত্রমহোরগান্। ভাদুশেন সহায়েন কথার স বিজেষাভি।

ন্ধ ফিভাম্। সাজ্ঞাছা তমভিপ্রায়ং ভর্তু-ফিন্তবশায়ুগা॥ পাত্রং গৃহীছা সৌবৰ্ণং জলপূৰ্ণ-কুমনিন্দভা। ডচ্ছোণিতং প্রভাগুহুাদ্ যৎ প্রসূত্রাব নস্ততঃ (১৪)॥ বিরাটোহধাববীজ্ঞ ১ কিমেডৎ ক্রিয়ভামিতি। সৈরিক্সি কহি ডংগুন মম প্রশামশেষতঃ। সৈরিদ্যুবাচ। অভ্ততং জ্ঞাচে রাজেক নুপশু চ পুরশু চ। বৈশশ্পায়ন উবাচ। অথোভর: ভটেভর কৈ यमीमः (मालिकः त्राक्नम् कद्यका शक्तिकः क्रिक्टो। हमः द्राष्ट्रक एक क्रिया विनायाज्य न সংশয়ঃ। ন চ ছাদশবরাণি বর্ষ্যেত পুরন্দরঃ। ঈত্যুশ্চ প্রবৃত্তি । লাভাং জায়তে কটিং।। (১৩) প্রতিধিষ্ঠ হততা। নতঃ নাসিক্তো। (১৪) নস ইতার্থে ছান্দসং।

1

मर्माग्र ॥ षाण्यात्र प्रश्वामश्र का की त्र कथकन। न मृष्णाकु भमः कुरका माः नृष्टु। कु क्कबात्रः क्क्राक्क भोराः कर्पम्भाक्तभः। উद्धतः व्यविभाष्टका न व्यात्रमा इष्टम्ना। এডভ হি মহাবাহোর ভিমেতৎ সমাহিতম্। যো মমালে রুণং কুর্যাচ্ছোণিতং বাণি खरहा मरख बाख: क्ष्मारमित्मवतीर (১७)। वर्तराख जामूरा हो जूरी मर्गतम युत्रहर जरमा: সশোণিতম্॥ বিরাটমিহ সামাতাং দহেৎ সবলবাহনম্॥ (ইজি আগুমহাভারতে শত-সাহস্যাং সংহিতায়াং বৈয়াসিকাাং বিরাটপর্বণি অপ্তব্স্তিত্মাহ্ধাায়ঃ॥) \*

বৈশশপায়ন উবাচ। ভতে। রাজঃ সূতে। জ্যেষ্ঠঃ প্রাধিশং পৃথিবীঞ্জয়ঃ। সোহজি-বাদ্য পিতুঃ পাদৌ ধর্মরাজমদৃত্যক্ত তথা ক্ষিরসংসিক্ত-মনেকাগ্রমনাগ্রম্। ভূমাবাসীন-( ১৫ ) মাধ্যরমৎ ঘাফ্মিতি শেষঃ। ( ১৬ ) ক্তারং ঘারমং। 🔹 কুত্রচিদ্রাধ্যায় সমাপ্তিনদ্শতে।

[ 19-26]

;

নাং প্ৰশাব্যং ঘোরং সমূল্যা কি রাজন্ন ময়াবিদ্যতে মম। যদি ছেতং প্তেম্থ্যৌ ক্লিন্ন চিরং কাছ্যিদং

রী মহারাজ বিদ্যেজ্য ন লংলা জাড়িতো রাজন্ কেন পাপমিদং কৃতম্॥ বিরাট উবাচ। মুমায়স্তাড়িতো জিন্দো ন চাপোভাবদহতি। প্রশত্মমানে যং শ্রে ছয়ি যগুং প্রশংসতি। উত্তর উবাচ। महांद्रोक किथा माक्रमाभुग्रां । त्मानित्क कृ दाष्टिकांत्स व्यदित्म वृष्ट्रमन्। चान्तिना त्मकांट्य मिन्निक्का। ट्यांकाभिष्टम् ॥ उठः भक्षक् भिष्ठतः षत्रमांभ हेर्याखतः। क्यांत्र-বিরাটক কম্বকাপুাপতি গুড ॥ কাময়িত্বা তুকৌরব্যং রণাত্তরমাগতম্। প্রশশংস জতো

(>) मात्राम्वान् भुखवान्। टेक्टक्षी ख्रुम्प्यः।

মৎজঃ শুগুডঃ সব্যসাচিন:। হুয়া দায়াদ্বান্মি কৈক্যীনন্দ্বহ্নিন (১)। ছুয়ামে সদৃশঃ

শ্রাণাং সহলেণাপি যঃ কর্ণঃ পদং লক্ষ্ণ চরন্বিধ্যমানে। নাপ্রায়ুয়াৎ ন লক্ষ্যাক্ত্রনায়কো ভবজি। নাগরায় বাৎ সহস্রাদেকোহণি শরো লক্ষ্যং বিহায় ন গচ্ছতীত্যধঃ। ততা হছকল্পজনক: প্রশংসাষ্যং চ তৃতীয় চরয়িত্যাদিপ্কবৎ পাদসহ্যাব্যিতকাক্যমিত্যধ:। এতেন দূরপাতিজং দশিতং পদং পদ্মিতি পাঠে পদং দুইনক্যং যঃ সর্বাশ্ররের লক্ষ্যে সহস্রং বাণান্ ভ্যক্তি যদ্। সহস্রেণ অর্থাঘাণানাং চরণধ্যবহরণে-ভয়েৰ পদ্ধতেছ কিশ্যভে ইতি পদা বাপাঃ পদাতে গছুতি লক্ষিতি বাহে ভাত হে পুতা পদস্থতাপ প্য়তে গ্যাডেইনেনেডিঃ প্দং পাদ এব পাদস্হবেণ কক্তিং প্দং লক্ষ্যে ক্টাভিতাপ্স ইভিবং লক্ষ্যে (২) যুকাং প্রত্যাপ্তমাত্মকং বিরাটঃ পৃচ্ছতি। পদং পদস্থয়েপ বৃশ্চররাপরাগুয়াৎ। ডেন কর্পেন তে ভাতঃ কথমানীৎ সমাগমঃ। পদ্যতে কিণাভে বাপা অনির্নিতি পদং লকাং বিধ্যত ইতি বা পদং শুপুরাছপুরংকোইসৌ লক্ষাদ্যত ডিসায়ক ইতি ব্যয়ঃ এতেন লক্যাসিভিদশিত। স্মাগমো যুক্তং বাধ্যা ভাত কথমাসীৎ সমাগম: (২)। মসুষ্টোলাকে সকলে যত্ত তুলোগ ন বিদাতে। यः দুঋতে আজাং ভাবৎ মুদ্ধে লগং সমাগমোহণি তে তব চুক্র ইতি ভাব:।

ष्यां हार्या। वृष्टियोतामाः त्योत्रवामाक त्या विकः॥ नर्वकाज्ञ हां हार्याः नर्वभञ्ज्ञाः বয়:। তেন জোলেণ তে ভাত কথমাসীং সমাগম:। আচাষ্যপুজো য: শুর: সর্বাসন্ত

প্র হাত্রবা বণিজো যথা। কৃপেণ তেন তে ভাত কথমাসীৎ সমাগমঃ। পর্বতং মোইতি-প্র বিধোত রাজপুলো মহেষ্ডিং। চূর্যোধনেন তে ভাত কথমাসীৎ সমাগমঃ। অবগাঢ়া লি দ্বিষয়ে। মে স্থংখা বাত্তোইভিগাতি মাম্ (৩)। যথং মে ধনমাজৈখী: কুল্ভিগ্রেপ্তমাহরে।

সৈ ভেষাং ভ্রাভিত্তানাং সর্বেষ্যাং বলশালিনাম্। নূনং প্রকাল্য ভান্ সর্বাংশ্বরা মুখি ভূতাং বর:। অশ্বশামেতি বিখ্যাতঃ কথং তেন সমাগমঃ॥ রণে যং প্রেক্ষ্য সীদক্তি

নর্যভা। আচ্ছিলং গোধনং সর্বং শাদূলানামিবামিষ্ম। ইতি বিরাট শর্কণি বিরাটোত্তর সংবাদে একোনসপ্ততিভযোধ্যায়:।

টক্তর উবাচ। ন ময়া বিজিতা গাবো ন ময়া বিজিতাঃ পরে।

(०) ष्यवत्राष्ट्रा विद्याष्ट्रिका। स्थाः स्थकतः।

NAN

क्षे छৎ मर्का एमरशूरवन एकनिष्ट । म हि छोछा खरछा माः एमरशुरवा अयात्रक्ष । স চাজিষ্টারথোপক্ষে বক্রসংহননো যুবা (৪) ॥ ডেন ডে নির্জিত। গাবজেন ডে ক্রবো কিতা:। তত্ত তৎ কৰ্ম বীৱত্ত ন মুমা তাত তংকুতম্। স হি শার্ষতং দ্রোণং

ব্যধ্যক্তিরে (৬)। তংশ্রপুদ্য রথানীকং সিংহসংহননো যুবা। কৃক্ণ জান্ প্রহসন্ রাজন্
১ জি ভীতং স্ববন্ধং প্রায়মানং বজ্লসংহননঃ বজ্লকায়ঃ। স নাগমিব ষ্থপম্॥ শুভয়মৱবীদ্ধীতং দেবপুতো মহাবলঃ॥ ন হাজিনপুরে আশং ख्य भणामि किक्कन। याग्राम्मन भन्नीक्षय कीविष्ठः (कोन्नवाञ्चक (४)॥ न (याक्कारम স নির্জে নর্য্যাত্রে। মুধ্নন্ বজুনিভাঞ্রান্। সচিবৈ: সফ্তো রাজা রথে নাগ ইব प्यांपश्चक वीर्यावान्। श्रृष्ठश्चक ভीष्रक ठकांत्र विम्याश्चरेतः। श्वर्याध्यक मगरत्र भनोग्रःष्टर ताकन् ब्र्ष्ट मनः क्र्का शृथिवौः (ভाकारम किथा हर्छ। चर्नमवाकामि। ঘনসন্ধাশমন কং শুসন্। তত্র মে রোমহর্ষেহিজুগুরুত্তঞ্চ জায়তে। ভদল

947

- (৫) ব্যায়ামেন মুক্তেন প্রীকাশ রক্ষ। (৬) শ্লেষ্নস্থাশং নিরস্তরমেষ্স্রশং ব্যুদ্সং দ্ঝাবানু।

00 A 7 मूमिछित्त । उडाउरथा उद्याममस्यथावर मूक्यर्वञ । मरु भूत्वन मरमण माथकाष्ट्री नत्रर्वज्ञाः মানস্ত ছন্ত্রং সত্ত্রণ পাশুবম্ (৭)। বসন্তঃ ভত্র নাজ্ঞাসীদ্বিরাটো বাহিনীপতি:। ডভঃ উত্তরা তু মহাহাণি বিবিধানি তন্নি চ (৮)। প্রতিগৃহাভিবৎ প্রীতা জানি বাসাংসি खाविनी। मञ्जाशका जू त्कोरक्षम उत्यादन त्रक्छमा। हेकि कर्वग्राहा मर्कार बाक्का সংস্থিতান্ অতবাসসং। একেন তেন বীরেণ যত্তথা প্রিনির্জিতাঃ। শাধি,ভোনেব বেন মে কঞ্চ গাবশ্চ রক্ষিতা দেবস্ফুন।। উত্তর উবাচ। অন্তর্জানং গভস্তত্র দেবপুরো মহবিলা:। স তুমো বা পর শো বা মজে প্রাত্তিবিয়তি ॥ বৈশশপায়ন উবাচ ॥ এবমাখ্যার-भारबीश्चायुखारका विदार्हम महाधाना। टामर्मो लानि वामार्मि विदाहिहाहकुः स्वम् মজেন মুগাজ্ঞণচরা বনে। বিরাট উবাচ : क স বীরে। মহাবাছ্টেশ্বপুত্র। মহাযশাং। িয়ে মে গোধনমাকৈশীৎ কুকভিত্তিমাহরে। ইচ্ছামি ডমহংজ্ঞ মাজতুঞ্জ মহাবলস্। हें जि विदाष्ट्रियर्का विदारो जिन्न महि जिल्ला महि

. (৭) ছলমাছলাদিতং সলেগ ছল্মনা। (৮) ভন্নি ফ্লাণি।

भगरम চतिङ्बङाः। य्रिष्डितः शूत्रकृष्डा भर्ताच्यापृष्डाः। व्यक्तिमा यथा नामा বৈশশশায়ন উবাচ॥ তত্তত্ততীয়ে দিবসে লাতর: পঞ্চণাণ্ডবা:। স্থাডা: শুক্রামুর্ধরা:

मरर्क थिएकाधिवाशशः (२) ॥ ट्विष् ভट्डाणिविरहेष् विदाछे: शृषिवीभिष्टः। **षाक्रगा**म माडार कर्नु बाक्र कार्यानि मर्वभाः । खीयतः पास्याम् मृष्ट्रा ष्टमाडः भावकानियः बाक्र-

আক্ষমানা মহারথা: (১)। বিরাটক্ত সভাং গ্রা ভূমিপালাসনেষথ। নিষেত্যু: পাবকপ্রখাা:

NA

বেশমুপাদায় র্পতিবিমিতোহভবং॥ কিমিদং কো বিধিছেম ভয়ার্ভ ইব পার্থিব:। মৃতুর্ভমিব চ ধ্যাকা সরোষ: পৃথিবীপতি:॥ অথ মংসোহত্রবীৎ কক্ষং দেবরূপমংস্থিতম্। মক্ষণাগৈকপাসীনং ত্রিদশানামিবেশ্বর্ম। স কিলাক্ষ্যাপকত্তং সভান্তারো ময়। বৃত্তঃ (৩)। অংগ রাজাসনে ক্যাচুপবিষ্টস্থলক্তঃ। বৈশশ্পায়ন উনাচ। পরিহাসেজ্যয়া বাকাং বিরাটক নিশাম্ তৎ অগ্রমানোহর্জ্নো রাজলিদং ব্চনম্বদীৎ (৪)। আর্জ্ন টবাচ।

(১) স্বাভরণসম্পারা: স্বতো বিদ্ব: অথবা অভিমুখীকুডনল্লীকা:। (২) থিফোষ্ গৃহেষু।

(७) णक्याशकः सक्ष्माकः। (८) श्रिश्माक्ष्माक् त्माश्यनीनिडाष्यः।

カルバ প্র রুগাঃ॥ দীর্দশী মহাতেজাঃ পৌরজানপদ্পিয়ঃ। পাণ্ডবানামভিরথে। যজ্ঞা ধর্মপ্রেরা বন্ধী প্রামাঃ

বিশী॥ মহর্ষিকল্লো রাজ্যিত্বিরু লোকেমু বিশচ্ছঃ। বলবান্ ধৃতিমান্ সৌম্যঃ

বু সভ্যবাদী জিভেন্দিয়ঃ॥ ধনৈশ্চ সঞ্গুয়েশ্চিব শক্টবৈশ্রবণোপমঃ। যথা মন্থুম্ হাভেজা

রু লোকানাং পরিরক্ষিতা। এবমেষ মহাতেজাঃ প্রজান্থুত্বহ্বারকঃ॥ অয়ং কুরুশাম্মভঃ क्खीशूरजा य्विष्ठितः। जञ्ज ल्लाटक ख्रिता कीर्खिः स्वारण्य निवि প्रज्ञा। मःभर्त्राष्ट्र निनः এমোহত্রং বিধিশং বেভি ত্রলোক্যে সচরাচরে। ন চৈবাত্তঃ পুমান্ বেভি ন বেৎস্তাভি কদাচন । ন দেবা নাসুরাঃ কেচিল মসুষ্যা ন রাক্ষমঃ। গন্ধক্ষিকপ্রবরাঃ সকিল্নেহ্ন-সৰ্বা ৰশ্মোহ্য ইবাং শবঃ। উদিত্য্যেব স্থা্য ভেলমোহলুগভন্তঃ। এনং দশ্মহ্যাদি कुष्णवाणीर जज्ञियनाम्। ष्यष्युः शृष्ठेटका जाकन् यावन्याविमर क्जान्(८)॥ जिल्लामियः বিগ্রহ্বান্ধর্ম এম বীধ্যবতাংবরঃ। এম ব্দ্নাধিকো লোকে তলসাঞ্চ পরায়ণ:।

(৫) অধ্যাবস্থ অধিষ্ঠিতবান্। (৬) সাতকানাং তথাচ কাত্যায়ন: অধীত্য সাগ্রাদিতি স্নানং বিবাহ্: ।

কুরব: কিছর। যথা। সংক্রি চ রাজন রাজানো ধনেখরমিবামরাঃ । এম সর্ধান্ মহীপালান্ अवगूरका गराताकः भाखतः भुक्षपर्वः। कथः नार्विक त्राकार्यगमनः भृषिदीभट्ठ। देकि থাংশত পঙ্নহ্লাংশত মানবান্। পুত্ৰৰ পালিয়ামাস প্ৰজাধশ্ৰেণ বীধ্যবান্। এৰ ধক্ৰে দমে চৈৰ ক্ৰোধে চাপি ক্ৰিড: সদা। মহাপ্ৰসাদো ব্ৰহ্মণা: সভ্যবাদী চ পাৰ্থিব:॥ ন শক্তিন্ত হয়ত গুণাঃ সংপ্ৰধাতিং নরেখর। এয ধর্ষপরে। নিভামানুশংক্তশত পাণ্ডবঃ ॥ করদান্ সমকারয়ং। বৈশানিব মহাভাগো বিবশান্ স্বশানপি। অন্তাশীভিসহসাশি স্লাভকানাং মহাজ্ঞনাম্ (৬)। উপজীবজি রাজানমেনং ফ্চরিত ব্রতম্। এষ বৃদ্ধাননা-শ্রীপ্রভাপেন চৈভজ্য তণাতে স সুযোধন:। সগণ: সহকণেন সৌবলেনাপি বাভিছ্: (৭) র

(१) षाष्टिवयहीस्यान्तः श्रियदारम् ।

বিরাটপর্বণ্যজ্ঞাতবাসপরিত্যাগে যুধিস্তিরদর্শনং নাম একসপ্ততিত্যোহধায়িঃ।

বিরাট উবাচ। যদ্যের রাজা কৌরব্য ক্তীপুতো য্থিন্তির:। কত্রোংশাংশ্রার্জুনো खां खां खीय क कटा या वजी। नक्नाः महामृत्या वा त्यों भगी वा यमिष्यो। यमा मृष्डिक्छाः পাৰ্থান প্ৰজনায়স্ত তে কচিং। অৰ্জনুট্বাচা। য এম বল্লবো তাতে স্পস্তৰ নরাখিণ।

এষ ভীমো মহাবাহভীমবেগপরাক্রম:। এষ ক্রোধবশান্ হত্তা পর্বভে গন্ধমাদনে। সৌগন্ধি-কানি দিব্যানি কৃষ্ণাহে শমুপাহরং। গন্ধর্ক এষ বৈ হস্তা কীচকানাং গুরাজনাম্। ব্যাজা-রুক্ষান্ বরাহাশ্চে হতবান্ স্তীপূরে তব (১)∥ যশ্চাসীদশ্রকত্তে নকুলোহয়ং পরস্তুপঃ। (शांमःथाः मद्मिरक माखीशूरखो महात्राथो (२) । ज्ञुकात्रायभाखिताो क्रभवरक्षो सभक्ति।। অজ্ঞাতবাসনিরভা গর্ভবাস ইব প্রজা:। বৈশশ্পায়ন উবাচ। যদার্জ্নেন তে বীরা: ক্ষিডা: দৌপদী রাজন্ যংকৃতে কীচকা হতা:। অৰ্জ্নোহ্হং মহারাজ ব্যক্তং তে শোজমাগড:। गामवतकः भार्षा यमाणाष्माि शृक्कः। छिविछाः त्या महात्राक श्र्यः छव निरवणाः ।

(३) खोश्त बचःश्रत । (२) त्यामःबाः त्यामानकः।

পঞ্জাগুৰা:॥ তলাৰ্জ্নত বৈরাটি: কথ্যামাস বিক্রমম্। পুন্ধের চ ভান্ পার্থান্ দর্শ্যামাস: চোজরঃ। উত্তর উবাচ। য এয জাযুনদশুষ্রগোর-ভরুমহান্ সিংহ ইব প্রয়ঃ। প্রচণ্ডাম্ণি: পৃথ্দীর্ঘনতান্তান্তান্ত: কুফরাজ এয: (৩)। অয়: পুনশতিগজেল্যামী প্রভ্রোমী-

कटक्रो। मध्यातनारक मकरन मरमाश्ख यरमार्भ काल न बीला। व्याक्ता नार्भ (৩) ভফুঃ, বড়ন্বভাসুশোক্ষায়ত্তুবিভাভিশীয়তে, চতুহ্তপ্রমাণ ইতার্থ:। প্রচণ্ড। বোণা নাসিকা ভূপডে:। ভডোংজ্নত বৈরাটি: কথ্যামাস বিক্রমশ্। বৈরাটিরুবাচ। অব্যং স করশুকাগৌরঃ পুশুারভাংসো যুগানীঘ্বাহ্তু কোদরঃ পশ্যত পশ্যতৈনম্ (৪)॥ ষজেষ भवाष्ठाहरू। स्कून এव वीतः । बाखः मगीर्थ शुक्रवाखरमो स्मीयरमो विक्षमरह<u>र</u>ू कनकाष्ट्रमाम् विष्य अन्त मुर्खिमजीव भौति। नीम्नारभमान्। सूत्रमवर्णव कृष्ण क्रिजा মুর্জিমতীব লক্ষীঃ॥ বৈশশ্পাত্মন উবাচ॥ এবং নিবেদ্য ভান্ পার্থনি পাগুবান্ পক

RRY

बत्जिजिविश्वहः। (८) भृष्मं हानाम्रत्जारुःतमा यज्ज मः।

বিজ্ঞো মাতজেশা মহানেকেমুণা হতঃ। হিরণাককঃ সংগ্রামে দন্তাভ্যামগমনাহীম্ (৫)। দ্বিতাং হস্তা মুগাণামিব কেশরী। বাচরঅথর্লেমু নিলংকাংকান্ বরান্ রথান্॥ অনেন অনেন বিজিতা গাবো জিডাশ্চ কুরবো যুধি। অহুস শক্ষ্প্রণাদেন জ্যাঘাতনিনদেন চ।

যদ্যাভিরজানছি: কিঞ্ছিত্তো নরাধিণ। ক্তমহতি তৎ সৰ্কং ধৰ্মাজা তেষ পাওব:। ভীমদেনেন গাবশ্চাপি জিভান্তথা। এতেবাং বাত্বীধ্যন্যদ্যাকং জয়ো মূধে। বয়ং সকে সহামাত্যাঃ ক্তীপুত্রং ঘ্ৰিটিরম্। প্রমাদ্যামো ডলডে সায়ুল্পং পাওবর্ষভম্। त्रथरनित्रितिरद्रियः करणी त्य विषित्रीकृरणी ॥ दिममम्भाग्नन ऐवान ॥ एन एष्टनाः सम्ब মৎশুরাজঃ প্রভাপবান্॥ উত্তরং প্রত্বাচেদমভিপলে। মুধিজিরে॥ প্রাদনং পাথিবস্থ প্রাপ্তকালং হি রোচয়ে॥ উত্তরাঞ্জ প্রফ্রানি পাথায় যদি তে নতম্॥ টকর টবাচ।

<sup>(</sup>६) द्रिशाककः ख्र्वन्तक ककः।

विताहे छेवाह। कियर्थ পाखदाखं छाधाः इहिष्यः मम। व्याष्टिश्रद्रोष्ट्रः तमाः षः भाषी यक्ताक्रमिन किस्ते। यक वक्तापि ७९ कार्या-मस्ट्रानाविभक्ष्या। डेस्ड्रार थिडि মাহং ফেডাং সুষাং ছহিতরং তব। যুক্তশচাবাং হি সহজে। মংস্তভারতসভমৌ(৬)॥ কুশলিনো বনাং। দিটা। সম্পালিতং কছে-মজাতংবৈ গুরাজাভিঃ। ইদং রাজাঞ্চবঃ পুত্নাতু সব্যসটো ধনজায়:। অয়ং কৌপায়িকো ভর্তা ডত্তাঃ পুরুষস্ত্তম;। এবমুজে ধৰ্মাজ: পাধ্বৈক্ষনপ্ৰয়ম। সক্ষিতশচাজ্নো আতা মংহাং বচনমন্ত্ৰী। প্ৰিগুলুা-ইতি জীমহাভারতে বিরাটপর্ববি যুখিটিরাদিপরিজ্ঞানে দিসপ্ততিতমোহধ্যায়ঃ।

[ 4--18 ]

অভিশক্ষা ভবেৎ স্থানে তব লোকস্ত বা নিভোঃ তত্মালিনপ্রয়েহ্চস্তে চুহিতাঃ পৃথিবী अस्म क्खांबिट्डक्ति॥ वार्जन टेवात। वार्कःभुत्तेश्ट्यूविषः अता भाषान् युवार खनः॥ রক্ষক প্রকাশক বিশ্বতা পিতৃবলুয়ি।, প্রেয়ে বছমতশ্চাসং নর্তকো পীতকোবিদং। আন্চিধিবচচ,মাং নিভাং নভাতে ঘূহিভা তব ॥ বয়সূয়া তয়া রাজন্সহ সংবৎসরোধিতঃ।

ভীছে। মিখ্যাচাবাৎ প্রয়প। সুদাধ্যুত্বাং বাজন্ প্তিগ্রুমি তে ফুডাম্(৩)॥ भूरव जाक्नीन रा भूनः। जिल्लकार न अणानि तहन शुन्धिनियाति (२) ॥ अधिमदामकः

কু শতে । জুদো জিভেজিন্যা দানুত্তকা: গুদিঃ কুডা ন্যা (১) । সূধানা; গুনিজুধাশি। ক

- (৬) মুক্তমনাণ ছি সহক: তি মুখাৎ মংজাভারত স্বলুমী অত আনুমো: সুকরা মুক্তা ভাষিত ইনিউ

त्राक्रम व्यथता महारेथे क्षांत्रा

সৃত্ব অব্যোগ জাজিং প্রতাবাচেন তাতে বিনেন্ন প্রকারেণ ময়। কুডা। (২) সূমায়াং পুত্র বিষয়েক (১) শিভ্ভে। মত্তঃ বতল গাত্ং নিফ্মিতমানসং নিমন্ত্র পূর্মিত শেষং। ডকা ব্যহারা উভরারী

100

ষ্ত্ৰীয়ে বাসুদেবজ সাক্ষাকেবশিশুৰ্থ।। পয়িতশচক্ৰন্তজ্ঞ বাল এবাস্ত্ৰকোবিদ: (৪)। অভিমন্ত্ৰীমহানহাবাহু: পুৱে। মম বিশাম্পতে। জামাত। তব যুকোইসোঁ ভৰ্ৰা তুঁ গুহিত্তৰ। বিরাট উবাচ। উপপন্নং কুকশোঠে ক্তীপুত্র ধনজয়ে। য এষ ধর্মনিষ্ঠশচ জাজজানশচ

ঋাত্মনি বিষয়ভূতে হুহিতুরভিশকাং ন প্রামি ইতাময়ঃ। ( ১) অজিসমভাং কামপুর্কণং অসত্যাশকাং পাততবঃ ॥ ঘৎ কুতঃ মহাসে পাথ কিয়তাং ভদনন্তরম্। সর্কে কামা: সমৃদ্ধাশ্চ সম্বন্ধী প্রেষয়ামাস কৌজেয়ো বিরাটশ্চ মহীণতিঃ॥ ভতন্ত্রয়োদলে বর্ধে নির্ভে পঞ্ পাশুবাঃ। উপপ্লবং বিরাটস্ত সমপদ্যস্ত সর্বশ:। অভিমন্তাঞ্ বীতৎসূরানিনায় জনার্জনম্। আনত্র-ভ্তোহেপি দাসাহানানয়ামাস পাগুবঃ (৭) ॥ কাশীরাজশ্চ শৈব্যশ্চ প্রীয়মাণো মুধিষ্ঠিরে। যন্ত্র মেহর্জন: (৫)। বৈশাশায়ন উবাচ। এবং ক্রবিভি রাজেক্টের কুন্ধীপুজো সুধিষ্ঠিরঃ। অশ্বজানত সমূজং সময়ে মংতাপাধ্যোঃ (৬) 🛭 ততো মিত্রেম্ সর্বেয়্ বাস্থ্দেবে চ পাথিবঃ। क्षिआहारकार बाहुकारत्राभिकाभिकार्यः। ( ३ ) यद्मीरत्रा जागिरम्बः ।

শক্ষেতিশীভ্যাং সহিতা-বাগতে। পৃথিনীপতে॥ অক্ষেণিহিণ্যা চ ভেন্ধৰী যজসেনা মহাবলঃ। জৌপজান্ত সূতা বীরা: শিখণ্ডী চাপ্রালিত: (৮)। ধৃষ্ঠ্যায়ন্ত ঘূর্জ্য: সর্বশ্রমভূতাং বর:

त्र) ख्वांभम्बाङ्गरतरवा वनमाली हनावृथः॥ कृष्ठवर्षा ह हार्मिरका। वृष्यानक माष्ठाकिः। त्रे ष्यनावृष्टिख्याक् तः मारम्। निवठे এव ह ॥ ष्याञ्चित्रामुणामात्र मह माव्य। भन्नस्थनाः। हेस्य-के रमनामन्नरेक्टव नरेपरेखः स्नमाहिरेखः॥ ष्यावतृः महिष्ठाः मर्क्य भत्निमःवरमहन्नाविष्ठाः। ভ্ৰদাগম্বাফ্দেবে। বনমালী হলায়্ধ:॥ কৃতবৰ্ষা চ হাদিকো। যুষ্ধানশ্চ সাভ্যকি:। দশনাগসহত্রাণি হয়ানাক দশাযুত্ম। রথানামক্দং পূর্ণ নিথককে পদাভিনাম। বৃষ্ণান্ধকাশচ ভানাগভানভিপ্রেক্ষ্য মংস্থো ধর্মভূতাংবর:। পুক্ষামাস বিধিবং সভূত্যবলবাহনানু। ज्य बीरकाशक्ष्यक विकास मन्। जामिक्यग्राय । उठः काश्रापयारुष् भाषिरतम् उठक्षकः। ममखारकोशिनामा यद्यात्मा ज्यितिमिक्षाः। दिमांशप्रमण्याः मत्र्वं ज्याख्युज्यकः

8.9

(৫) কুডং ফুকুডং। (৬) অবশ্বানত অসুমত্মান্। (৭) আন্তিউটঃ ছারকায়ঃ। ফুলাহাৰ্ শতশো ভোকাশত পরমৌকসঃ॥ অষযুর্ফিশাদি্সং বাসুদেবং মহামতিষ্। পারিবইং मांगाईः इक्न्यूक्र्यक्ष्य वःगवान्। ( ৮) व्छत्यत्ना क्रण्यः।

(३) भाजिवर्डः नुभाईमर्थः भतिष्टमः वा कृत्या जनवान् वास्ट्रमत्वा मधने भतिष्ट्रमः नुभार्द्दश्र्यं ভাতত রাজপুতী মলকুতাম। সূতামিব মহেলত পুরস্কতোপতস্থির। তাং প্রতাপুতুৎ শ্বলত্নভাঃ। সৰ্বশিচাভ্যভৰৎ কৃষণ রূপেণ যশ্সা শ্রিয়া(১১)। প্রিবার্ধ্যোত্তরাং পশ্ন্। ফ্রামেরেয়পানানি প্রভ্টোয়াপহারয়ন্(১•)॥ গায়নাখ্যানশীলাশ্চ নটবৈ-ভালিকাস্তথা। জ্বষ্ঠস্তাহুপাভিঠন্ স্তাশ্চ সহ মাগ্ধৈঃ॥ স্দেকাণ্ণ পুরফ্ডা মংসানাণ বর্ষিয়ঃ। আজগুশ্চাকুস্বাজ্যঃ স্মুট্মণিক্ওলাঃ॥ বর্ণোপণলাতা নার্ঘ্যা রূপ্বভাঃ পাহৈ ধংমংপু জামানতা নেচুৰ্তত্তত বেশানি। উচ্চাৰ্চান্ মুগান্ জন্ম্ৰাংশ শভশং ভতে। বিবাহে বিবৃতে বিধিবলংশুপার্থায়াঃ॥ ততঃ শন্ধাশ্চ ভেষ্যশ্চ গোমুখ। ভষ্রান্তথা।

আহিভতুষ হিছত। আহয়। বেল্ডনাঃ অর্থীযন্ধী ধ্যন্তশাস্তমে কুতিনাং মূদে। বিরাটদীপিকৈবাক চিরং (১০) উচ্চাৰচাৰ নানাবিধাৰ পশ্ব যুগানিতি বিশেষঃ যেখ্যানু পৰিজানু। (১১) আংভাভৰৎ স্চিত্তবেশনি । ইতি ভারতচার্য শ্রীমণ্ড্রমিশকুত। বিরাটদীশিকা সমাপ্তা।

भवितर्ह हेकामतः।

কৌস্তেয়ঃ ফুভফার্থে ধনঞ্যঃ। সৌভদ্জানব্যাকীং বিরাটভন্মাভেদ।। ভ্রাভিষ্মহা-রাজে। রপমিজ্ঞ ধারয়ন্। সু্যাং তাং প্রভিন্নগাহ কুলীপুলো যুধিন্তিরঃ। প্রভিগ্য চ

ें পाखरवरण्डा। विद्याष्टेःश्वीष्टियारञ्जम। कृष्ठ विवादर छू छम। धर्षाभूरका सूधिष्ठितः॥ की खाक्कारमरण्डा परमो विद्यः यञ्जारत्रत्नकृष्टः। गामरुञ्जाणि तक्नामि वद्याणि विविधामि । के ज्वमानि ह मुशांनि यानानि भद्यनानि ह। एण्डमानि ह छमानि शानानि विविधानि ह। ভাং পার্থ: পুরস্কৃত্য জনার্দনম্। বিবাহং কার্যামাস সৌভদ্রতা মহাত্মন:। ততৈ সপ্ত-সহস্রাণি হয়ানাং বাতরংহসাম্। দে চ নাগশতে মুখো পোদাছত্ধনংভদা। ভ্যা সমাক্ ্রী সমিজাগ্রি-মচিগ্রিছা বিজ্ঞানঃ। রাজ্যুং বলাঞ্চ কোষণ্ড সর্ব্যাখ্যানমের চ । ভাবেদয়ৎ ১ ইতি জীমহাভারতে শতমাহত্যাং সংহিতায়ং বৈয়াসিক্যাং বিরাটপর্বাণ (বৈবাহিক-ତୟ ଅନ୍ୟାକ୍ଷ ପ୍ରଥମ୍ୟ ଅନ୍ୟାଧିତ ହା । ନାମ୍ୟ ସକ୍ଷ୍ୟାକ୍ଷ ଓଡ଼ିଆ । ପ୍ରବ୍ୟ କାଷ୍ଟ পর্কণি) উত্তরাবিবাহে ত্রিদগুতিতনোংধ্যায়ঃ।

हिए नित्राष्टेशक् ममाश्रम्।

## শ্রীবুক্ত মন্ত্রাথ বাহিঃর ভটাচার্গ মহাশ্য কর্ত্ত প্রকাশিত গ্রহাবলী।

## हिन्त-मदक्रमामान। ( एष्टावामि मर)

২২শ সংহয় ১ মহাতো, থান, তর্ণ, গাওতী ও ন্দ্যাত্য, গাওতী শাপোদার তিনেদী ও তাত্তিকী স্থ্যা, ्रम यक्ष २५० चाना, व्यक्ति यक्ष १० ठाति चाना।

कुर्ज्ञम्मिरकचरताक छ्रांगिरम्य शुक्रामि ७ देवर्गिरःमा एच् । ज्य । ३८२, यावजीय कक्त क्रकद्रन अवर एष्टामकाथ, अव्यवश्वा मिनक मर्भावम मः छात्र, दिन्नात्रस्थ ७ गृष्ट्यात्वमानि अवः क्वानिति। ८ भवन्ति थएक, माध्यवाक ঞুত্কখা সহ বহুবিধ অত্যালা, এবং অত্পতিগ্ৰি পুষ্বিশী প্ৰিতিগ্ৰুক ও দেবভাপ্তিগ্ৰি ও বুবোংস্গ, সমুহ এবং সপ্রাণ গ্যাপছ ভি। ৪৫খঁ, সাফুবাদ মতিয়া, হাবে, আদিত্যকিদয়, শানি ও গ্ধেশ হাবে, রাহক্বচাদি স্তীগমন, একাদ্ৰী ও দাস্তৰ, জীবিকাত্ৰ, দ্ধাঙাৰি, রাস, দোল, ফ্তিকাষ্টা প্ৰাদি। ্ষ্টে, ধাৰ্ভীষ্ প্রেশিচন্ত, গোডব, প্রাভেট, ও স্বাব্যা কালাপ্রাণি। ৭মে, প্রশচ্পণ, জগছাতী, অনুস্ণা, কাঞিক ও এবং সপিওী করণ, দশাপঙাদি ও অশৌচ বাবফ্টি। ৫মে, বিবাহতক, সাম ও যজুকোলীয় বিবাহপ্রোগ, 👍 স্বাবয়; নিজা কামা ও চড়কপ্জাদি। ২চয়, সাজ্বাদ জব, শতনাম, শিব্রাতি, জ্যাধিমী, রামনবমী, গাহত্তু ও সহায়ামাদি। ৩০%, পরলোক ৬ শাহাভিত্যু, বা্থক।ও মাছাফ্রাদ্সহ প্রবিগাদি শাহি

চন্দ্ৰমেয়ত, বাজ্যাগ ও মূল্বিচার সহ দীকাপ্ষ্তি, বাণ্লিক ও শাল্ডাম শিলা লকণ প্রভৃতি এবং সর্কবিধ কর্মকাণ্ডের সাধারণ বাবস্থা বিজ্ঞায়িত লোধা আছে। যঠ সং, বিরাটপর্য। অর্জুনমিশ্র কৃত টীকাদি সহ দশ আনা।স্তানরোয়ণ। (৫ সং) ব্যবহাও পূজাদি এবং পদাফুবাদ সহ রেবাধঙীয় মূল এবং রামেখরী ও শঙ্রী কথা ও শুড্চনী ব্রডাদি চারি আনা।

শিবলিক ও ভাষে ভাষতেৰ ও প্ৰাতহাদি সহ শিবাদিপ্ৰা ও ভায়িকীপ্ৰাদি একত চূইথঙে পূণ, ।• শানা। বুহৎ হিন্দু-নিতাকৰা। (ষ্ঠ সং) স্থীলোক ও শুঅদিগের জ্ঞাই পৃথক লিখিত। নিতাকৰে উপাসনাজৰ, ৰাষ্যতৰ ও অধিকারীভেদভবাদি এবং অবাল ভবাদি সহ সাজ্বাদ বজ্পেদী ভৰ্ণ, ভাৱিকী সন্ধা এবং

मार्कट्रक्ष छ । । । । ।

উপদেশপুৰ সমযোগ্যমোগী ও হুমিট করা হ্ইয়াছে। চতীথানি বিভদ্ধ ও অস্থ্যাদ সরল হওয়ায় যাবভীয় ইতি কৰ্তব্যাদিও প্লাদি সহ দেবীফ্বক, অংগলা কীলক ও চঞী কবচাদির ন্তন ধরণে ডক্ ৰ্যাখ্যাদি সম্ভিত, যাহা সাধারণ চতীতে নাই। মূণবজে চতীর প্রার্থন বা সমাজতত্ত্ব প্রক্**টী** হী শুকু সাধারণের সহত বোধ্য ও হৃপাঠ্য করার চেটা হ্টগাছে। মূলা হুলভ আটআনা। বাঁথা বারআনা।

মহেশ সাইবেরী। পোঃ—বরা্ছনগর, কলিকাভা।